राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 8 अंक 6

मूल्य ₹8 .00 नई दिल्ली, रविवार, 16 जून, 2024

www.jagran.com

पृष्ठ 14

आधुनिक युग का युद्ध सिर्फ लड़ाई के मैदान तक सीमित नहीं: वायुसेना प्रमुख

>> 3

पटना, गोधरा और झज्जर की घटनाओं से एनटीए पर सवाल

- नीट के पेपर लीक सहित छात्रों को अनुचित लाभ पहुंचाने की सामने आई हैं घटनाएं
- परीक्षा वाले दिन ही एनटीए को मिल गई थी गड़बड़ी की जानकारी
- इसके बावजूद नहीं उठाए कदम, न ही जांच एजेंसी की मदद की

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

मेडिकल में दाखिले से जुड़ी परीक्षा नीट-यूजी (नेशनल एलिजबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट-अंडर ग्रेजुएट) में गड़बड़ी का मामला फिलहाल सुर्खियों में है। इसको लेकर सुप्रीम कोर्ट में भी कई याचिकाएं दायर की गई हैं। इन याचिकाओं में नीट में हुई गड़बड़ियों और पेपर लीक की सीबीआइ से जांच कराने की मांग की गई है। शीर्ष अदालत इन याचिकाओं पर आठ जुलाई को सुनवाई करेगी। लेकिन, बिहार, गुजरात और हरियाणा में नीट से जुड़ी कुछ घटनाओं ने एनटीए पर सवाल खड़ा कर दिया है। इनमें नीट के दौरान पेपर लीक सहित छात्रों को अनुचित लाभ पहुंचाने की घटनाएं शामिल हैं। इन घटनाओं को लेकर एनटीए की चुप्पी से संदेह बढ़ता जा रहा है।

पटना, गोधरा और झज्जर से जिस तरह की घटनाएं सामने आई हैं, वह एनटीए पर आंख मूंद कर भरोसा करने वालों के लिए चौंकाने वाली हैं। गोधरा में पैसा लेकर छात्रों से कहा गया था कि उन्हें जो सही सवाल आए, वह उसके जवाब ओएमआर सीट में अंकित कर दें। बाकी सवालों की जगह छोड़ दें। उसे बाद में भर दिया जाएगा। शुक्रवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मिलने उनके दफ्तर पहुंचे छात्रों और अभिभावकों ने उनसे सवाल किया कि जब गोधरा (गुजरात) में ऐसी घटना हो सकती है, तो दूसरे शहरों में क्यों नहीं। एनटीए के पास कोई पुख्ता व्यवस्था नहीं है।

छात्रों ने प्रधान के सामने इसी तरह से बिहार और हरियाणा का मुद्दा भी प्रमुखता से रखा। सूत्रों की मानें तो इन गड़बड़ियों से जुड़ी जानकारी मिलने के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री भी सख्त हुए हैं और एनटीए को जवाबदेह बनाने की बात कही है। सूत्रों का दावा तो यह भी है कि एनटीए को पांच मई को परीक्षा वाले दिन ही कई राज्यों से पेपर लीक होने की जानकारी अलग-अलग एजेंसियों से मिल गई थी, लेकिन वह सभी को खारिज करती रही। उसने न तो खुद कोई कदम उठाया और न ही जांच एजेंसियों की कोई मदद की।

एनटीए फिलहाल जेईई, नीट, यूजीसी नेट, सीयूईटी, क्लैट जैसी दर्जनों परीक्षाएं कराती है। ऐसी स्थिति में एनटीए को अपनी योग्यता के साथ-साथ पारदर्शिता भी साबित करनी ही होगी।

नीट-यूजी परीक्षा में कथित धांधली को लेकर छात्रों का गुस्सा थम नहीं रहा है। शनिवार को पटना में छात्रों ने दोबारा परीक्षाएं कराने और सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान छात्रों और पुलिसकर्मियों के बीच झड़पें भी हुईं। प्रेट्र

बिहार में छात्रों का प्रदर्शन, दिल्ली में मंत्री के घर में घुसने की कोशिश

नई दिल्ली : नीट-यूजी में धांधली का आरोप लगाते हुए शनिवार को बिहार में छात्र-छात्राओं ने जमकर प्रदर्शन किया। वे परीक्षा को रद करने की मांग कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों ने पटना शहर में कई जगह आगजनी भी की। बाद में पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर प्रदर्शनकारी छात्रों को खदेड़ दिया। दूसरी ओर, दिल्ली में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के आवास पर विरोध प्रदर्शन के दौरान उनके आवास के अंदर घुसने की कोशिश करने पर पुलिस ने प्रदर्शनकरियों के एक समूह के खिलाफ केस दर्ज किया है। (पेज-5)

इन घटनाओं से सवालों के घेरे में एनटीए की विश्वसनीयता

पहली घटना: बिहार

बिहार के पटना जिले में पांच मई को नीट पेपर लीक की घटना सामने आई। स्थानीय पुलिस ने इस सिलसिले में कुछ लोगों को गिरफ्तार किया। साथ ही नीट पेपर का कुछ अधजला हिस्सा भी बरामद किया, जिसमें करीब 74 सवाल दिख रहे हैं। पुलिस ने एनटीए से मूल प्रश्नपत्र मुहैया कराने को कहा, ताकि जांचा जा सके कि जो प्रश्नपत्र उसे मिला है वह सही है या नहीं। अब तक एनटीए ने पुलिस को प्रश्नपत्र मुहैया नहीं कराया है।

दूसरी घटना: गुजरात

गुजरात के गोधरा में एक केंद्र पर पैसा लेकर छात्रों को नीट में पास कराने की घटना सामने आई है। हालांकि, स्थानीय प्रशासन को परीक्षा से ठीक पहले ही इसकी जानकारी मिल गई और छापेमारी कर उसने इसमें शामिल कोचिंग संचालक, स्कूल के प्रिंसिपल आदि को पकड़ लिया। उनके पास से दो करोड़ से अधिक के चेक और सात लाख रुपये नकद बरामद हुए। जांच से पता चला है कि स्थानीय कोचिंग संचालक ने प्रिंसिपल के साथ कुछ बच्चों को पास कराने का ठेका लिया था। एनटीए ने उस प्रिंसिपल को स्थानीय स्तर पर परीक्षा का को-आर्डिनेटर बनाया था। इसमें एनटीए का पर्यवेक्षक भी शामिल था। सवाल है कि गोधरा में तो स्थानीय प्रशासन ने पकड़ लिया। लेकिन क्या गारंटी है कि दूसरी जगहों पर ऐसा नहीं हुआ होगा।

तीसरी घटना: हरियाणा

हरियाणा के झज्जर में एक परीक्षा केंद्र पर नीट के दौरान गलत पेपर खुलने और छात्रों के समय का नुकसान होने की जानकारी एनटीए की ओर से दी जा रही है। अभ्यर्थियों को इसकी भरपाई में ग्रेस मार्क्स भी दिए गए। हालांकि, छात्रों के विरोध के बाद एनटीए ने उसे वापस ले लिया है। वहीं इस स्कूल की प्रिंसिपल अंशु यादव का कहना है कि उनके परीक्षा केंद्र पर किसी भी छात्र का एक मिनट का भी समय बर्बाद नहीं हुआ। ऐसे में सवाल है कि इस केंद्र के अभ्यर्थियों को ग्रेस मार्क्स देने की कहानी कैसे गढ़ी गई। उल्लेखनीय यह है कि इसी केंद्र के छह छात्र ग्रेस मार्क्स पाने के बाद टापर की सूची में आ गए थे, जिसके बाद विवाद और बढ़ गया है।

रविवार विशेष

मानवता को सशक्त करता जीवन'दान'

• पेज-7

संपादकीय

नई सरकार का एजेंडा: मोदी सरकार को एक ओर जहां आर्थिक प्रगति को बनाए रखना होगा, वहीं भाजपा को अपनी कम हो गई राजनीतिक ताकत को फिर से पाना होगा। **संजय गुप्त** का आलेख।

हार में भी जीत देखने की कला: इस बार आम चुनाव में सरकार बनाने वाले न ठीक से जीते और न विपक्ष में बैठने वाले ठीक से हारे। **संतोष त्रिवेदी** का व्यंग्य।

• पेज-8

विमर्श

अहंकार के छद्म विमर्श से राजनीति: लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश से भाजपा को अपेक्षाकृत कम सीटों पर जीत हासिल होने को विपक्षी दलों के तमाम नेता अहंकार से जोड़कर व्याख्यायित कर रहे हैं। विपक्षी इकोसिस्टम द्वारा गढ़े जाने वाले छद्म विमर्श को समग्रता में समझना होगा। अनंत विजय का आलेख।

• पेज-9

सप्ताह का साक्षात्कार

दमन और प्रतिशोध की राजनीति अब नहीं चलेगी: सचिन पायलट

हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव में राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री तथा कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव की मेहनत का रंग परिणामों पर दिखा है। उन्होंने 14 राज्यों की 53 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 105 जनसभाएं कीं। इससे राजस्थान में पिछले दो लोकसभा चुनावों में सीटों का सूखा झेल रही कांग्रेस ने इस बार आठ सीटें जीत लीं। इसके अलावा अन्य राज्यों में भी उनका असर दिखा। इस सफलता से उत्साहित पायलट ने आगे की अपनी रणनीति स्पष्ट करते हुए कहा है कि अब दमन और प्रतिशोध की राजनीति अब नहीं चलेगी। दैनिक जागरण राजस्थान के राज्य संवाददाता नरेंद्र शर्मा ने सचिन पायलट से विभिन्न मुददों पर बातचीत की।

• पेज-13

मेलोडी की धुन पर थिरकी दुनिया

- इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी ने पीएम मोदी के साथ साझा किया वीडियो
- दो करोड़ लोगों ने देखा, मेलोनी ने कहा-मेलोडी टीम की ओर से नमस्कार
- मोदी ने वीडियो साझा कर लिखा, कायम रहे भारत-इटली की मित्रता

बारी (इटली), प्रेट्र : इटली की प्रधानमंत्री जार्जिया मेलोनी ने हाल में संपन्न जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ अपना एक सेल्फी वीडियो साझा किया है। मेलोनी ने मोदी के साथ अपनी मित्रता को जाहिर करते हुए इस वीडियो का शीर्षक 'नमस्ते दोस्तो, मेलोडी की ओर से' दिया है। पांच सेकेंड का यह वीडियो देखते ही देखते पूरी दुनिया में वायरल हो गया और नौ घंटे के अंदर इसे दो करोड़ से अधिक लोगों ने देख लिया। इसके अलावा इस वीडियो को 'एक्स' पर 64 हजार से अधिक लोगों ने री-पोस्ट किया।

दोनों नेताओं ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी की दक्षिणी इटली के अपुलिया की एक दिवसीय यात्रा के अंत में मुलाकात की थी। इस दौरान मोदी ने जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने की खातिर निमंत्रण देने के लिए मेलोनी को धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री के रूप में ऐतिहासिक तीसरे कार्यकाल के लिए कार्यभार संभालने के बाद यह उनकी पहली विदेश यात्रा थी।

यह वीडियो मेलोनी ने शनिवार को अपने 'एक्स' अकाउंट पर साझा किया। मेलोनी ने वीडियो में कहा, मेलोडी टीम की ओर से नमस्कार। वीडियो में पीएम मोदी हंसते हुए नजर आ रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने इस वीडियो को साझा करते हुए लिखा, भारत-इटली की मित्रता कायम रहे! पिछले साल दिसंबर में दुबई में काप28 सम्मेलन के दौरान भी दोनों नेताओं की एक सेल्फी वायरल हुई थी। शुक्रवार को द्विपक्षीय वार्ता के दौरान मोदी और मेलोनी ने दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी की प्रगति की समीक्षा की थी।

लगातार तीसरी बार देश की सत्ता संभालने के बाद इटली की यात्रा पर गए पीएम नरेन्द्र मोदी का जादू जी-7 शिखर सम्मेलन में भी दिखा। विभिन्न देशों के नेता उनसे मिलने को बेताब रहे। कोई गले मिला तो किसी ने सेल्फी ली। पीएम मोदी के साथ सेल्फी लेतीं इटली की प्रधानमंत्री जार्जिया मेलोनी। प्रेट्र

बीई-बीटेक को छोड़ चार वर्षीय स्नातक कोर्सों के लिए अब एक साल का होगा पीजी कोर्स

- स्नातक के बाद यूजीसी ने अब परास्नातक कोर्सों के लिए भी जारी किया नया फ्रेमवर्क
- बीई-बीटेक और तीन वर्षीय स्नातक कोर्स करने वालों के लिए दो साल का होगा पीजी कोर्स
- एक साल का पीजी डिप्लोमा पहले की तरह रहेगा जारी, अब छात्रों को 240 क्रेडिट अंक जुटाने होंगे

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

स्नातक के बाद विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने अब परास्नातक (पीजी) को लेकर भी नया फ्रेमवर्क जारी किया है। यह नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के अनुरूप है। इसमें छात्रों को बीच में कभी भी पढ़ाई छोड़ने और शुरू करने का विकल्प मिलेगा। नए फ्रेमवर्क के तहत बीई-बीटेक को छोड़कर बाकी चार वर्षीय स्नातक कोर्स करने वाले छात्रों के लिए परास्नातक कोर्स एक साल का होगा। इसके लिए छात्रों को 260 क्रेडिट अंक जुटाने होंगे। वहीं एक वर्षीय पीजी डिप्लोमा पहले की तरह जारी रहेगा पर छात्रों को 240 क्रेडिट अंक जुटाने होंगे।

यूजीसी ने पीजी कोर्सों को लेकर जारी किए गए इस फ्रेमवर्क को सभी विश्वविद्यालयों व उच्च शिक्षण संस्थानों को अमल में लाने के भी निर्देश दिए हैं। पीजी कोर्सों को लेकर तैयार किए गए नए फ्रेमवर्क में चार साल का बीई-बीटेक कोर्स करने वाले छात्रों के लिए परास्नातक कोर्स दो साल का होगा। इसके लिए छात्रों को 280 क्रेडिट अंक जुटाने होंगे। वहीं तीन साल का स्नातक कोर्सों करने वाले छात्रों के लिए पहले की तरह परा स्नातक की पढ़ाई दो साल की ही होगी। इसके लिए उन्हें 260 क्रेडिट अंक जुटाने होंगे।

अरसे से अटके भारतीय उच्च शिक्षा आयोग पर सरकार बढ़ेगी आगे : अलग-अलग नियामकों के बीच बिखरे उच्च शिक्षा के ढांचे को एक दायरे में लाने के लिए प्रस्तावित भारतीय उच्च शिक्षा आयोग (हेकी) के गठन पर केंद्र सरकार ने फिर रुचि दिखाई है। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंत्रालय की फिर से जिम्मेदारी संभालने के बाद इसमें तेजी लाने का दावा किया है और कहा कि जल्द ही वह इसे कैबिनेट के सामने भी लेकर जाएंगे। उन्होंने कहा कि आयोग का स्वरूप पूरी तरह से तैयार है। इसे लेकर सभी मंत्रालयों और विशेषज्ञों के साथ लंबी चर्चा भी की जा चुकी है। मंत्रालय जल्द इसे लेकर आगे बढ़ेगा। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में ही इसके गठन की सिफारिश की गई थी। इस दौरान मेडिकल और कानून की पढ़ाई को छोड़कर पूरी उच्च शिक्षा को इस आयोग के दायरे में लाया जाएगा। गौरतलब है कि मौजूदा समय में उच्च शिक्षा करीब 11 नियामकों के दायरे में बंटी हुई है।

नई शिक्षा नीति के तहत यूजीसी की तैयारी।

आइसीसी टी20 विश्व कप 2024

आज के मैच	
आस्ट्रेलिया vs स्काटलैंड	
सुबह 6 बजे	स्थान: सेंट लुसिया
पाकिस्तान vs आयरलैंड	
रात 8 बजे	स्थान: फ्लोरिडा
प्रसारण: स्टार स्पोर्ट्स पर	

'मध्य प्रदेश सरकार से सवाल, मदरसों में हिंदू बच्चे कैसे पहुंचे'

भोपाल: मध्य प्रदेश के मदरसों में हिंदू बच्चों को इस्लाम की तालीम देने के मामले में राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने राज्य के मुख्य सचिव को 18 जून को दिल्ली स्थित मुख्यालय में तलब किया है। आयोग ने सरकार ने पूछा है कि मदरसों में 9417 हिंदू बच्चे कैसे पहुंचे। आयोग का मानना है कि यह संविधान के अनुच्छेद 28 (3) का उल्लंघन है। सरकारी सहायता लेने वाला कोई संस्थान किसी को अन्य धर्म की शिक्षा नहीं दे सकता। (पेज-6)

किसानों के खाते में 18 को आएगा सम्मान निधि का पैसा

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी किसान सम्मान निधि के पैसे 18 जून को वाराणसी से जारी करेंगे। देश के 9.26 करोड़ किसानों के बैंक खाते में 20 हजार करोड़ रुपये भेजे जाएंगे। यह 17वीं किस्त होगी। लाभार्थी हर किसान के खाते में अभी तक 32 हजार रुपये भेजे जा चुके हैं। (पेज-3)

रुद्रप्रयाग में पर्यटकों का वाहन अलकनंदा में गिरा, 14 की मौत

रुद्रप्रयाग: दिल्ली से चोपता-तुंगनाथ-चंद्रशिला ट्रैकिंग के लिए आ रहे पर्यटकों का ओवरलोड टेंपो ट्रैवलर बदरीनाथ मार्ग पर दुर्घटनाग्रस्त होकर अलकनंदा नदी में जा गिरा। दुर्घटना में 14 पर्यटकों की मौत हो गई, जबकि 12 घायल हैं। 10 पर्यटकों की मौके पर ही मौत हो गई। (पेज-6)

आम सहमति नहीं बनने पर विपक्ष लोकसभा अध्यक्ष के लिए उतारेगा उम्मीदवार

- उपाध्याक्ष पद के लिए विपक्षी दलों की जल्द होगी बैठक

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव के बाद संसद का पहला सत्र 24 जून से शुरू होगा, जो तीन जुलाई तक चलेगा। इस दौरान 26 जून को नई लोकसभा के अध्यक्ष का भी चुनाव होना है। वैसे तो पिछली दो बार से बगैर किसी टकराव के लोकसभा अध्यक्ष का चयन होता आया है, लेकिन इस बार चुनाव में मजबूत होकर उभरे विपक्ष ने लोकसभा उपाध्यक्ष पद के लिए दावेदारी शुरू कर दी है। फिलहाल जो संकेत मिल रहे हैं, उसमें विपक्ष सहमति के आधार पर लोकसभा उपाध्यक्ष पद की मांग रखेगा लेकिन यदि सहमति नहीं बनी तो वह लोकसभा अध्यक्ष के लिए भी अपना प्रत्याशी मैदान में उतार सकता है।

इस बीच, लोकसभा में विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस अपने सहयोगी दलों के साथ उपाध्यक्ष पद को लेकर चर्चा शुरू करेगी। आम तौर पर यह परंपरा रही है कि उपाध्याक्ष विपक्ष से होता है। उल्लेखनीय है कि इस बार दस साल बाद विपक्ष का कोई नेता सदन में होगा। साथ ही विपक्ष की संख्या भी अच्छी रहेगी। ऐसे में वह हर मौके को भुनाने की पूरी कोशिश करेगा।

26 जून को होना है नए लोस अध्यक्ष का चुनाव

17वीं लोकसभा में खाली रहा उपाध्यक्ष का पद

2014 में भाजपा के सत्ता में आने के बाद 16वीं लोकसभा में डिप्टी स्पीकर पद भाजपा की अगुआई वाले राजग ने अन्नाद्रमुक को दिया गया था। एम. थंबीदुरई डिप्टी स्पीकर बनाए गए थे। वहीं 2019 में गठित 17वीं लोकसभा में यह पद पूरे समय खाली ही रहा।

छत्तीसगढ़ में मुठभेड़ में आठ नक्सली ढेर, एक जवान बलिदान

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में शनिवार को नक्सलियों से मुठभेड़ में घायल जवान को रायपुर स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया। एएनआइ

- नारायणपुर जिले में सुरक्षा बल के साथ हुई मुठभेड़
- इंसास राइफल, बीजीएल लांचर और बड़ी मात्रा में विस्फोटक बरामद

नईदुनिया न्यूज, नारायणपुर

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित नारायणपुर जिले में संयुक्त सुरक्षा बल के जवानों के साथ हुई मुठभेड़ में शनिवार की सुबह आठ वर्दीधारी नक्सली मारे गए। इस मुठभेड़ में स्पेशल टास्क फोर्स का एक जवान बलिदान हो गया तथा दो अन्य घायल हो गए। बलिदान हुए जवान का नाम 27 वर्षीय नितीश एक्का था, वह जशपुर के निवासी थे। घायल जवानों को एयरलिफ्ट कर उपचार के लिए रायपुर लाया गया है। दोनों की स्थिति खतरे से बाहर है। सुरक्षा बलों ने नक्सलियों से इंसास राइफल, बीजीएल लांचर सहित बड़ी मात्रा में विस्फोटक व अन्य सामान बरामद किए हैं।

मालूम हो कि इस वर्ष अलग-अलग हुई मुठभेड़ में अब तक 125 से अधिक नक्सलियों के शव मिल चुके हैं। अबूझमाड़ क्षेत्र में दो माह के भीतर नक्सल मोर्चे पर मिली यह पांचवीं बड़ी सफलता है। 16 अप्रैल को छोटे बेठिया इलाके में 29 नक्सली को मार गिराने के बाद से अब तक 60 नक्सलियों को मार गिराया गया है। आइजीपी बस्तर पी. सुंदरराज का कहना है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, गृह मंत्री विजय शर्मा के निर्देश के अनुसार मानसून में भी नक्सलियों के विरुद्ध सुरक्षा बल समर्पित होकर अभियान संचालित करते रहेंगे हैं। (नक्सलियों का खात्मा: संपादकीय-पेज-8)

दो दिन पहले भेजा गया था अभियान पर

पुलिस के अनुसार नारायणपुर-दंतेवाड़ा-कोंडागांव जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में नक्सलियों की माड़ डिवीजन व पीएलजीए बटालियन नंबर एक के नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना मिली थी। एसटीएफ, डीआरजी व बीएसएफ की संयुक्त टीम को दो दिन पहले अभियान पर भेजा गया था। घेराबंदी करते हुए आगे बढ़ते सुरक्षा बल की संयुक्त टीम के साथ नक्सलियों की कई बार मुठभेड़ हुई।

कूटनीति

अरुणाचल पर चीन के लगातार हस्तक्षेप की नीति को देखते हुए अमेरिका सक्रिय, नई दिल्ली और धर्मशाला की यात्रा पर अगले हफ्ते आएगा अमेरिकी सांसदों का एक बड़ा दल

अरुणाचल पर तेवर दिखा रहा चीन अब तिब्बत पर घिरने लगा

- दलाई लामा से होगी मुलाकात, तिब्बत नीति पर भारत का भी मूक समर्थन

जयप्रकाश रंजन, जागरण

नई दिल्ली : इस हफ्ते अमेरिका की अगुआई में जी-7 देशों की तरफ से चीन को आर्थिक प्रतिबंध की चेतावनी देने के बाद तिब्बत मामले पर भी अमेरिका एक बड़ा सख्त संदेश देने जा रहा है। अगले हफ्ते अमेरिकी सांसदों का एक बड़ा दल धर्मशाला की यात्रा पर आ रहा है। हाउस आफ रिप्रेजेंटेटिव (प्रतिनिधि सभा) में विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष माइकल मैकाल इस दल की अध्यक्षता कर रहे हैं, इसमें पूर्व सभापति नैंसी पावेल, अमी बेरा जैसे कद्दावर सांसद भी शामिल हैं। अमेरिकी संसदीय दल की बौद्ध धर्म गुरु दलाई लामा से भी मुलाकात होगी और प्रेस कान्फ्रेंस भी किए जाने की संभावना है। इसे तिब्बत मामले में अमेरिकी नीति में संभावित बदलाव की शुरुआत के तौर पर देखा जा रहा है। इसे भारत का भी मूक समर्थन है। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो जिस तरह से अरुणाचल प्रदेश को लेकर चीन भारत के मामले में हस्तक्षेप करने की नीति को उकसाता रहता है, वही स्थिति अब अमेरिका उसके साथ तिब्बत मामले में करता दिख रहा है।

चीन को यह बात बहुत ही नागवार गुजर सकती है कि यह दल धर्मशाला में तिब्बत के निर्वासित सरकार व संबंधित प्रतिनिधियों से मिलने के बाद नई दिल्ली में भारत सरकार के प्रतिनिधियों व उच्च अधिकारियों से भी मुलाकात करेगा। अमेरिकी सांसदों के दल के साथ भारत दौरे पर आ रही सांसद मैरियानेटे मिलर-मिक्स ने कहा-'यह यात्रा भारत-अमेरिकी रिश्तों के प्रति भरोसे को और मजबूत बनाने में मददगार साबित होगी। हमें दलाई लामा से मिलने का भी सौभाग्य प्राप्त होगा और इस अवसर पर हम उनसे यह समझना चाहेंगे कि तिब्बत की स्वायत्तता को लेकर अमेरिकी जनता उनकी किस तरह से मदद कर सकती है।' संसदीय दल के अगुआ मैकाल ने कहा-'भारत सिर्फ दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र नहीं है बल्कि हमारा एक प्रमुख रणनीतिक साझेदार देश भी है। इस यात्रा के दौरान हमें दलाई लामा से भी मिलने का मौका मिलेगा। तिब्बत के लोग लोकतंत्र को पसंद करने वाले हैं और वे सिर्फ अपने धर्म का आजादी से पालन करना चाहते हैं। इसके लिए अमेरिका एकजुट है कि तिब्बत की जनता को उनका भविष्य चुनने में मदद करनी चाहिए।'

कूटनीतिक संबंधों में प्रगाढ़ता के संकेत।

तिब्बत को लेकर अमेरिकी नीतियों में दिख रहा है बदलाव

भारत ने इस यात्रा पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है लेकिन विदेश मंत्रालय इस पर नजर रखेगा। जानकार उक्त बयानों को काफी महत्वपूर्ण मान रहे हैं जिसमें भारत के साथ रणनीतिक रिश्तों को प्रगाढ़ बनाने के साथ ही तिब्बत की जनता को स्वायत्तता दिलाने में मदद करने की बात एक साथ कही गई है। हाल के महीनों में तिब्बत की जनता के अधिकारों को लेकर अमेरिका काफी सीधे तौर पर बात करने लगा है जो उसकी दशकों की नीतियों से अलग है। इसी हफ्ते बुधवार (12 जून) को प्रतिनिधि सभा में रिजाल्व तिब्बत एक्ट पारित किया गया है। कांग्रेस में अमेरिका की दोनों पार्टियों ने संयुक्त तौर पर इसे पारित कराने में मदद की है। इसका मकसद चीन की सरकार और दलाई लामा के बीच तिब्बत की लंबित समस्या के समाधान के लिए विमर्श की शुरुआत करना है। यह पहला मौका है, जब किसी दूसरे देश में तिब्बत को लेकर कोई कानून पारित हुआ है।

****

89 प्रतिशत विद्यार्थियों के बैंक खाते खोलने में दिल्ली नगर निगम को मिली सफलता, गर्मियों की छुट्टियों में भी निगम चला रहा है विद्यार्थियों के बैंक खाते खोलने का अभियान

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 16 जून, 2024

आज का मौसम

दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर लू चलेगी। 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
16 जून	45.0	32.0
17 जून	45.0	33.0
नोएडा		
16 जून	46.0	34.0
17 जून	43.0	34.0
गुरुग्राम		
16 जून	44.0	31.0
17 जून	45.0	31.0

डिग्री सेल्सियस में

न्यूज गैलरी

अवैध निर्माण पर लगाई सील को सांसद ने खोला

नई दिल्ली: सभापुर वार्ड के कौशलपुरी इलाके में अवैध रूप से बनाए गए मकान को निगम ने तोड़ कर सील कर दिया था। इसके बाद उत्तर पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी ने मकान में सील को खोल दिया। साथ ही पीड़ित परिवार को एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता पहुंचाने की भी घोषणा की। तिवारी ने आरोप लगाया है कि चुनाव में सभी सीटें हारने के बाद आम आदमी पार्टी बौखला गई है। रंजिश के तहत निगम से इस तरह की कार्रवाई करवाई जा रही हैं। (जासं)

दो करोड़ रंगदारी मांगने वाले संपत गिरोह के तीन शूटर धरे

नई दिल्ली: नरेला के एक कारोबारी से दो करोड़ा रंगदारी वसूलने और उन्हें डराने के मकसद से उनपर फायरिंग करने की कोशिश मामले में दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने कुख्यात गैंगस्टर संपत नेहरा गिरोह के तीन शूटर को दबोच लिया है। पकड़े गए बदमाशों में एक नाबालिग शामिल है। तीनों के पास से एक पिस्टल, एक रिवाल्वर और नौ कारतूस बरामद किए गए है। तीनों के खिलाफ कई मामले दर्ज हैं। (जासं)

विभव कुमार की न्यायिक हिरासत बढ़ी

नई दिल्ली: स्वाति मालीवाल से मारपीट मामले में आरोपित केजरीवाल के निजी सहायक विभव कुमार की न्यायिक हिरासत अदालत ने 22 जून तक बढ़ा दी है। विभव कुमार की न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने पर दिल्ली पुलिस ने शनिवार को उसे वीडियो कांफ्रेंसिंग से तीस हजारी कोर्ट के मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया था। अदालत ने दिल्ली पुलिस को विभव को 22 जून को पेश करने का निर्देश दिया। विभव कुमार पर 13 मई को मुख्यमंत्री के सरकारी आवास पर स्वाति पर हमला करने का आरोप है। (जासं)

मंत्री आतिशी का दावा, दिल्ली को और पानी देगा हरियाणा

गहराया जल संकट ▶ समीक्षा बैठक में जल मंत्री ने हिमाचल के सीएम से की सीधी बात

दिल्ली सरकार ने हरियाणा से मानवीय आधार पर अतिरिक्त पानी छोड़ने का किया आग्रह

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

राजधानी में पानी के संकट के चलते नई दिल्ली चाणक्य पुरी विवेकानंद कैंप में पानी का टैंकर आते ही पाइप लेकर पानी लेने के लिए संघर्ष में जुटे क्षेत्रीय निवासियों का एक दृश्य जो सबकुछ अपने आप बयां कर रहा है कि पानी का संकट कितना गहरा गया है। ध्रुव कुमार

दिल्ली में जल संकट कम होने की जगह और गहराता जा रहा है। दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने शनिवार को कहा कि हरियाणा से पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं मिलने से दिल्ली में पानी का शोधन 70 एमजीडी तक कम हो गया है। उन्होंने हरियाणा से मानवीय आधार पर यमुना में अतिरिक्त पानी छोड़ने का अनुरोध किया है। जल मंत्री ने कहा कि हिमाचल दिल्ली को अपना सरप्लस 139 एमजीडी पानी देने के लिए तैयार है। लेकिन अपर यमुना रिवर बोर्ड ने इस पर हिमाचल से कुछ कागज़ात मांगे हैं। जिसे हिमाचल जल्द देने को तैयार है। यह जानकारी देने से पहली मंत्री ने जल बोर्ड और शहरी विकास विभाग के अधिकारियों के साथ आपातकालीन बैठक की और ज़रूरत के अनुसार शहर भर में टैंकरों की संख्या को बढ़ाने के निर्देश दिए।

जल मंत्री ने प्रेसवार्ता कर हरियाणा सरकार से कहा कि जब तक हिमाचल से मिलने वाले पानी पर अपर यमुना रिवर बोर्ड का निर्देश नहीं आ जाता, तब तक हरियाणा दिल्ली को कुछ अतिरिक्त पानी दे दे। उन्होंने कहा कि हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखबिंदर सुक्खू से फोन पर बातचीत हुई और हिमाचल सरकार से मदद का आश्वासन मिला है। इससे पहले हिमाचल ने सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान दिल्ली को अतिरिक्त पानी देने से इन्कार कर दिया था। दिल्ली में पानी का शोधन घटकर 932 एमजीडी पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि पर्याप्त पानी नहीं मिलने से वज़ीराबाद बैराज का जलस्तर सामान्य से छह फीट घटकर 668.5 फीट पर पहुंच गया है और मूनक नहर से मिलने वाला पानी भी घटकर 902 क्यूसेक पहुंच गया है। ऐसे में पानी की कमी दूर करने के लिए पश्चिमी दिल्ली के कई हिस्सों में बोरवेल को यूजीआर से जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि यदि दिल्ली में कहीं भी पाइपलाइन लीकेज की खबर मिलती है तो लोग एक्स पर दिल्ली जलबोर्ड को टैग करें, हम तुरंत संज्ञान लेंगे।

पानी की बचत करने की अपील : जलमंत्री ने दिल्लीवालों से अपील की कि शहर में पानी की लगातार कमी बनी हुई है। ऐसे में लोग पानी का सावधानीपूर्वक इस्तेमाल करें व पानी की बचत करें। उन्होंने कहा कि यदि सावधानीपूर्वक पानी का इस्तेमाल करते हुए पानी की बचत करें तो दिल्ली के उन इलाक़ों को पानी मिल पाएगा, जहां पानी की कमी है।

विधायकों ने केंद्रीय जल मंत्री से जल संकट पर लगाई गुहार

राज्य ब्यूरो, जागरण, नई दिल्ली : दिल्ली के लोगों को पानी की समस्या से निजात दिलाने में असफल हो रही सत्तासीन आम आदमी पार्टी के विधायकों ने इस समस्या के हल के लिए केंद्रीय जल शक्ति मंत्री से गुहार लगाई है। पार्टी के विधायकों ने शनिवार को केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल को पत्र लिखा। विधायकों ने पत्र के माध्यम से कहा कि दिल्ली को जल संकट से उबारने के लिए दिल्ली सरकार हर प्रयास कर रही है, लेकिन यमुना में पानी की उपलब्धता कम होने के चलते दिल्ली की जरूरतें पूरी नहीं हो पा रही हैं।

मंत्री के कार्यालय के बाहर जल संकट पर भाजपा का प्रदर्शन

जागरण संवाददाता, दक्षिणी दिल्ली: भारतीय जनता पार्टी ने पानी की किल्लत पर शनिवार को दिल्ली सरकार की जल मंत्री आतिशी के गिरि नगर स्थित कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा पार्षदों और कार्यकर्ताओं ने कार्यालय के बाहर मटका फोड़कर विरोध जताया। कालकाजी वार्ड से भाजपा की निगम पार्षद योगिता सिंह और श्री निवासपुरी वार्ड पार्षद राजपाल सिंह के नेतृत्व में किए गए प्रदर्शन में महिलाएं शामिल हुईं। प्रदर्शन के दौरान योगिता सिंह और कई भाजपा के कार्यकर्ता कार्यालय के गेट पर चढ़ गए और जमकर नारेबाजी की। भाजपा कार्यकर्ताओं ने मंत्री आतिशी के इस्तीफे की मांग की। पार्षद योगिता सिंह ने कहा कि आतिशी दिल्ली की जल मंत्री हैं। दिल्ली सरकार ने लोगों से वादा किया था कि वह दिल्ली की जनता को साफ पानी देंगे। 10 साल सरकार में रहने के बावजूद दिल्ली की जनता के पास पीने का पानी नहीं है। पार्षद राजपाल सिंह ने आरोप लगाया कि सीवर और पानी के पाइपलाइन एक साथ मिलने की वजह से इलाके में गंदा पानी आ रहा है। इसके अलावा लोग पूरी दिल्ली में पानी की किल्लत से त्राहि-त्राहि कर रहे हैं।

जल संकट पर आप पर हमलावर कांग्रेस, जगह-जगह फोड़े मटके

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : आम आदमी पार्टी से कांग्रेस का गठबंधन क्या टूटा अब कांग्रेस ही आप सरकार पर हमलावर हो गई है। पहले केंद्रीय सतर्कता आयोग से जल बोर्ड में 17,575 करोड़ के घोटाले की जांच की मांग करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने शिकायत की। अब जल संकट पर आप सरकार को घेरने में कांग्रेस आगे दिखने की कोशिश कर रही है। इसी के मद्देनजर कांग्रेस ने अपने 280 संगठनात्मक ब्लाकों में मटका फोड़ प्रदर्शन कर जल संकट पर आप सरकार से जवाब मांगा। साथ ही दिल्ली सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की। राजनीतिक जानकारों के अनुसार यह सारी कोशिश फरवरी में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भी मानी जा रही है। क्योंकि लोकसभा चुनाव में अखिल भारतीय स्तर पर कांग्रेस के प्रदर्शन से नेता और कार्यकर्ता दोनों ही उत्साहित है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने गोविंदपुरी में गुरु रविदास मार्ग पर गुरुद्वारे के सामने मटका फोड प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुए कहा कि जल रिसाव और चोरी में हुए 17575 करोड़ के घोटाले को लेकर जांच की मांग दोहराते हुए इसमें दोषियों को सजा की मांग की है।

1,000 क्लस्टर बसों को अगले साल 15 अप्रैल तक चलाएगी सरकार

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

▶ परिवहन विभाग ने जारी किया आदेश

क्लस्टर बस। फाइल

परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत के निर्देश के बाद परिवहन विभाग ने 997 सीएनजी क्लस्टर बसों को हटाने से पहले 15 अप्रैल 2025 तक इन बसों को चलाने की मंजूरी दे दी है। डिपो में तब तक इलेक्ट्रिक बसों के लिए विद्युतीकरण का काम पूरा किया जाएगा। परिवहन विभाग ने इस बाबत आदेश जारी कर दिए हैं। यह बसें कलस्टर 6,7,8 व 9 की हैं।

इससे पहले परिवहन मंत्री ने कहा था कि इन बसों को परिवहन विभाग का तीन महीने का विस्तार देने का प्रस्ताव उचित नहीं है। बता दें कि इनमें से ज्यादातर बसों ने सेवा के 10 साल पूरे कर लिए हैं। जबकि कुछ बसों के अभी दो साल बाकी हैं। परिवहन मंत्री ने कहा था कि इन बसों को लेकर समझौतों को 19 जून से आगे नहीं बढ़ाया गया तो 109 मार्गों पर 997 बसों की सेवा समाप्त हो जाएगी। इससे जहांगीरपुरी से दिचाऊं कलां, जेएलएन स्टेडियम से दौलतपुर, लाडो सराय से नजफगढ़, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से गोयला डेयरी, मोरी गेट से उत्तम नगर, समशपुर खालसा से आईएसबीटी कश्मीरी गेट व नेहरू प्लेस से नजफगढ़ सहित कई मार्ग प्रभावित होंगे। परिवहन आयुक्त को लिखे एक नोट में गहलोत ने कहा था कि विस्तार को केवल तीन महीने तक सीमित रखने के संबंध में शर्त की सराहना नहीं की जा सकती है। डिपो के विद्युतीकरण को ध्यान में रखते हुए ऐसा नहीं लगता है कि तीन महीने एक उचित अवधि है। उन्होंने नोट में कहा कि इसके अलावा इस तरह के छोटे-छोटे एक्सटेंशन कर्मचारियों को प्रदर्शन की स्थिति में रखते हैं, जो कामकाजी माहौल के लिए अनुकूल नहीं है। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक बसों के मामले में कई डिपो के विद्युतीकरण के लिए अभी तक वित्तीय स्वीकृति भी नहीं दी गई है।

सुनीता केजरीवाल को अदालती कार्यवाही का वीडियो इंटरनेट मीडिया से हटाने का निर्देश

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

▶ दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा, प्रथमदृष्टया अदालती कार्यवाही की रिकार्डिंग दिल्ली हाई कोर्ट वीडियो कांफ्रेंसिंग नियम, 2021 का उल्लंघन है

अरविंद केजरीवाल। फाइल

दिल्ली हाई कोर्ट ने विभिन्न इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अदालती कार्यवाही से संबंधित वीडियो और आडियो को हटाने का निर्देश दिया। आबकारी घोटाले में ईडी द्वारा गिरफ्तार अरविंद केजरीवाल वीडियो में व्यक्तिगत रूप से अदालत को संबोधित करते हुए दिख रहे हैं।

न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा और न्यायमूर्ति अमित शर्मा की पीठ ने केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल और कई अन्य के खिलाफ वीडियो कांफ्रेंसिंग नियमों का उल्लंघन करने के आरोप में एक जनहित याचिका पर नोटिस जारी किया। जनहित याचिका अधिवक्ता वैभव सिंह ने दायर की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री की पत्नी और अन्य लोग जिसमें अक्षय मल्होत्रा, एक्स यूजर नागरिक-इंडिया जीतेगा, प्रोमिला गुप्ता, विनीता जैन और डा. अरुणेश कुमार यादव ने दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा अधिसूचित वीडियो कांफ्रेंसिंग नियमों का जानबूझकर उल्लंघन किया है। अदालत ने कहा कि प्रथमदृष्टया अदालती कार्यवाही की रिकार्डिंग दिल्ली हाई कोर्ट वीडियो कांफ्रेंसिंग नियम, 2021 का उल्लंघन है और इसे सार्वजनिक डोमेन में रहने की अनुमति नहीं दी जा सकती। अदालत ने इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स (पहले ट्विटर), मेटा (पहले फेसबुक), इंस्टाग्राम और यूट्यूब को आडियो व वीडियो रिकार्डिंग को तुरंत हटाने का निर्देश दिया है।

मेडिकल जांच में पत्नी की मौजूदगी की केजरीवाल की अर्जी पर सुनवाई टली

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : आबकारी घोटाले में आरोपित मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की चिकित्सा जांच के दौरान पत्नी की मौजूदगी को लेकर दायर अर्जी पर शनिवार को सुनवाई टल गई। राउज एवेन्यू कोर्ट अब 19 जून को सुनवाई करेगा। शनिवार को सुनवाई के दौरान जेल अधिकारियों की तरफ से कहा गया कि अदालत के मामले में जवाब दाखिल करने के आदेश की कापी शुक्रवार रात मिली है। जेल अधिकारियों ने अदालत से जवाब दाखिल करने के लिए कुछ और समय देने का अनुरोध किया। अदालत ने जेल अधिकारी के इस अनुरोध पर सुनवाई टाल दी। केजरीवाल ने अर्जी में कहा है कि उनकी मेडिकल बोर्ड की जांच के दौरान उनकी पत्नी सुनीता को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये उपस्थित रहने की अनुमति दी जाए।

अमूल की डिब्बाबंद आइसक्रीम में निकला कानखजूरा

जागरण संवाददाता, नोएडा : मुंबई के बाद अब नोएडा में अमूल आइसक्रीम के डिब्बे में कानखजूरा निकलने का मामला सामने आया है। शिकायत पर आनलाइन डिलीवरी एप ने आइसक्रीम के पैसे वापस करने के बाद अमूल से शिकायत दर्ज कराने की बात कही। महिला कानूनी कार्रवाई की तैयारी कर रही है।

आइसक्रीम में निकाला कानखजूर। सौ. पीड़िता

नोएडा के सेक्टर-12 जेड ब्लाक में निवासी दीपा के मुताबिक शनिवार सुबह उन्होंने आनलाइन डिलीवरी एप ब्लिंकिट से अमूल की डिब्बाबंद आइसक्रीम मंगाई थी। डिब्बा खोला तो उसमें मरा हुआ कानखजूरा निकला। इसका वीडियो बनाया। उन्होंने ब्लिंकिट के ग्राहक सेवा केंद्र पर शिकायत की और इंटरनेट प्लेटफार्म एक्स से भी ब्लिंकिट और अमूल दोनों से शिकायत की।

गौतमबुद्ध नगर में 48 घंटे के भीतर चार मुठभेड़ में आठ बदमाश पकड़े

जागरण संवाददाता, नोएडा

▶ आठ में से सात बदमाश पुलिस की गोली लगने से हुए घायल

▶ दिल्ली-एनसीआर में लूट और चोरी की कर चुके थे वारदात

रात के समय जांच करती यूपी पुलिस। फाइल

उत्तर प्रदेश में गौतमबुद्ध नगर जिले की पुलिस ने पिछले 48 घंटों में मुठभेड़ के दौरान आठ बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनमें सात बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हुए हैं। सभी बदमाश दिल्ली-एनसीआर में लूट, डकैती और चोरी की अनेक वारदात कर चुके हैं। पकड़े गए बदमाशों में दिल्ली का एक शातिर लुटेरा और दो गुलेल यानि ठक-ठक गैंग के बदमाश भी शामिल हैं।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, एक मुठभेड़ बुधवार रात कोतवाली सेक्टर-39 क्षेत्र में हुई। पुलिस ने तीन शातिर लुटेरों को गिरफ्तार किया। इनमें अरुण और गौरव को गोली लगी है। दूसरी मुठभेड़ गुरुवार देर रात कोतवाली फेज-वन क्षेत्र में हुई। पुलिस ने दिल्ली के शातिर लुटेरे ऋषभ को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया। ऋषभ का आपराधिक इतिहास है। तीसरी मुठभेड़ शुक्रवार सुबह बिसरख कोतवाली क्षेत्र में हुई। यहां बाइक सवार दो बदमाश दीपक उर्फ बंटी और रवि कुमार को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। चौथी मुठभेड़ शुक्रवार देर रात एक्सप्रेस-वे कोतवाली क्षेत्र में हुई। यहां बाइक सवार दो बदमाशों दीपक और तरुण को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया।

दीपक के खिलाफ 100 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। सभी बदमाशों के पास से तमंचे और लूट-चोरी का सामान बरामद हुआ है। योगी सरकार का कहना है कि अपराध के खिलाफ हमारा जीरो टालरेंस है। अपराधियें के बारे में कहना है कि या तो वे खुद सुधर जाएं नहीं तो हम सुधार देंगे।

महंगा हो सकता है पीयूसी प्रमाणपत्र लेना

राज्य ब्यूरो ● जागरण

▶ पेट्रोल पंप मालिकों की चेतावनी, एक जुलाई से पंपों पर नहीं करेंगे वाहनों की पीयूसी जांच

पेट्रोल पंप पर वाहन प्रदूषण जांच केंद्र। जागरण

पीयूसी जांच को इतने तक बढ़ सकता है शुल्क

150 रुपये दोपहिया वाहन

200 रुपये पेट्रोल-सीएनजी कार

300 रुपये डीजल वाहन

नई दिल्ली : दिल्ली में वाहनों का पीयूसी (प्रदूषण नियंत्रण) प्रमाणपत्र लेना महंगा हो सकता है। इसका कारण पेट्रोल पंप मालिकों की वह चेतावनी है, जिसमें उन्होंने एक जुलाई से अपने पंपों पर वाहनों की पीयूसी जांच नहीं करने की घोषणा की है। इन पंप संचालकों का कहना है कि उन्हें पीयूसी जांच करना महंगा पड़ रहा है। ऐसे में शुल्क बढ़ते हैं तो ही वह इस प्रक्रिया को जारी रख पाएंगे। ऐसे में वाहन मलिकों को प्रदूषण जांच कराने पर पीयूसी प्रमाणपत्र लेने के लिए 50 प्रतिशत अधिक खर्च करना पड़ सकता है। परिवहन विभाग इस बारे में गंभीरता से विचार कर रहा है। बढ़ाई गई धनराशि दोपहिया-चौपहिया समेत सभी तरह के वाहनों पर लागू होगी।

दिल्ली पेट्रोल डीलर्स एसोसिएशन का कहना है कि पिछले 13 सालों के दौरान महंगाई दर में 65 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पिछले 13 साल में पीयूसी जांच के शुल्क में कोई बदलाव नहीं हुआ है, जबकि इस बीच महंगाई कई गुना बढ़ चुकी है। ऐसे में संचालकों के लिए पीयूसी सेंटरों का संचालन घाटे का सौदा साबित होता जा रहा है। खर्च में कई गुना बढ़ोतरी होने से डीलर्स लंबे समय से शुल्क बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। परिवहन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक महंगाई दर को ध्यान में रखते हुए नया शुल्क तय किया जाएगा और कोशिश होगी कि लोगों के जेब पर ज्यादा बोझ न पड़े और डीलरों को भी नुकसान न झेलना पड़े।

दिल्ली में कुल 953 पीयूसी जांच केंद्र हैं, जहां पेट्रोल-डीजल-सीएनजी की गाड़ियों की प्रदूषण जांच की जाती है। दोपहिया की प्रदूषण जांच का शुल्क 60 रुपये है, जबकि पेट्रोल-सीएनजी कारों की प्रदूषण जांच के दाम 80 रुपये और डीजल गाड़ियों की जांच के दाम 100 रुपये है। इस पर 18 प्रतिशत जीएसटी अलग से लगता है।

दिल्ली पेट्रोल डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष निश्चल सिंहानिया ने कहा है कि पीयूसीसी सेंटरों का संचालन मुश्किल होता जा रहा है। एक सेंटर चलाने में हर महीना काफी खर्च करना पड़ रहा है, जबकि औसत आय इससे बहुत कम हो रही है। इसके चलते डीलरों को लगातार नुकसान झेलना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि पीयूसी जांच का शुल्क आखिरी बार नवंबर 2011 में बढ़ाया गया था। उन्होंने कहा कि उन्होंने परिवहन आयुक्त को पत्र लिखा है, लेकिन अभी तक कोई जवाब नहीं आया है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर परिवहन विभाग ने इस बारे में संज्ञान नहीं लिया तो एक जुलाई से वे लोग दिल्ली में पीयूसी जांच नहीं करेंगे।

लोनी के ट्रानिका सिटी में तीन फैक्ट्रियों में आग, बिल्डिंग ढही

लोनी स्थित ट्रानिका सिटी औद्योगिक क्षेत्र के सेक्टर ए- तीन की फैक्ट्रियों में लगी आग। मनोज कुमार

संवाद सहयोगी, जागरण ● गाजियाबाद

▶ आसपास की फैक्ट्रियों को कराया गया खाली, ज्वलनशील सामान होने की वजह भड़की आग

लोनी के ट्रानिका सिटी औद्योगिक क्षेत्र के सेक्टर ए-3 में शनिवार सुबह आठ बजे फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। एक फैक्ट्री में पालीथिन पैकिंग, दूसरी पालीथिन प्रिंटिंग व तीसरी फैक्ट्री में बादाम पैकिंग होती है। शाम तक बादाम फैक्ट्री में आग को फैलने से रोक दिया गया। एक फैक्ट्री में आग से बिल्डिंग की तीसरी मंजिल ढह गई। आग लगने पर फैक्ट्री में कामगारों में भगदड़ मच गई। दावा किया जा रहा है कि फैक्ट्री में आग बुझाते वक्त कई कामगार झुलस गए, हालांकि अधिकारियों ने इसकी पुष्टि नहीं की। वहीं तीन लोग आग में फंस गए थे, जिन्हें सुरक्षित निकाल लिया गया। शाम साढ़े छह बजे तक नियंत्रित कर लिया गया। कूलिंग का कार्य देर रात तक जारी रहा। आग बुझाने में करीब 11 घंटे लगे।

ट्रानिका सिटी के सेक्टर ए-3 में एफ-6 व एफ-7 आकाश जैन की तीन-तीन मंजिला फैक्ट्री हैं, जबकि एफ-8 वासुदेव मिश्र की दो मंजिला फैक्ट्री है। एफ-6 में मशीनों से पालीथिन की पैकिंग तैयार होती है। इस फैक्ट्री में बड़ी मात्रा में पालीथिन समेत अन्य ज्वलनशील सामान रखा था। एफ-7 में पैकिंग करने वाली पालीथिन पर प्रिंटिंग होती है। इसमें प्रिंटिंग करने वाली इंक, थिनर आदि केमिकल रखा था। एफ-7 में सुबह आठ बजे 100 से ज्यादा कामगार काम कर रहे थे। इस बीच भूतल पर केमिकल के एक ड्रम में आग लग गई। बताया गया कि आग बिजली शार्ट सर्किट से लगी। पास में ही थिनर रखा था। उसमें भी आग लग गई। कामगार अग्निशमन यंत्रों से आग बुझाने में जुटे, पर थिनर व इंक में आग तेज लगने से यंत्रों का असर नहीं हुआ। तेजी से फैक्ट्री में फैलती आग से कामगारों में भगदड़ मच गई। सभी सुरक्षित बाहर आ गए। करीब 25 मिनट में अग्निशमन टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आग तीनों मंजिलों पर फैल चुकी थी। इस बीच एफ- 6 में भी आग फैल गई। एफ-8 में भी आग पहुंची, पर इस फैक्ट्री में ज्वलनशील सामान कम था। टीम ने यहां आग को फैलने से रोक दिया। एक चश्मदीद महिला ने दावा किया कि आग में पांच लोगों को हाथ-पैर झुलसे थे पर अधिकारियों ने इस दावे को खारिज कर दिया।

ढह गई तीसरी मंजिल : एफ-7 फैक्ट्री की तीसरी मंजिल आग में जलकर ढह गई। दोनों फैक्ट्रियों की बिल्डिंग पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं।

नहीं थी एनओसी, भेजा जाएगा नोटिस

अग्निशमन विभाग की जांच में आया कि जिस सनमति फैक्ट्री में पहले आग लगी थी। उसकी फायर एनओसी की वैधता समाप्त हो चुकी थी। आसपास की दोनों फैक्ट्रियों के पास विभाग की एनओसी नहीं थी। अग्निशमन विभाग की ओर से तीनों फैक्ट्रियों को नोटिस भेजा जाएगा। उनसे पंपिंग चार्ज वसूल किया जाएगा।

मेट्रो ट्रेन

दिल्ली मेट्रो के 256 स्टेशन में से 168 स्टेशनों के प्लेटफार्म पर न तो स्क्रीन डोर है न ही बैरिकेड, अभी 12 मेट्रो स्टेशनों पर लगे हैं स्टील के बैरिकेड, बैरिकेड लगने से यात्रियों के मेट्रो ट्रैक पर गिरने का जोखिम नहीं रहेगा

11 और स्टेशनों के प्लेटफार्म पर लगेंगे स्टील के बैरिकेड

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

मेट्रो प्लेटफर्म पर बढ़ेगी निगरानी। फाइल

मेट्रो स्टेशनों पर आत्महत्या की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इसके अलावा प्लेटफार्म पर यात्रियों की भीड़ अधिक होने पर धक्का-मुक्की की स्थिति में किसी यात्री के प्लेटफार्म से नीचे मेट्रो ट्रैक पर गिरने का खतरा भी रहता है। इन्हीं सब बातों के मद्देनजर यात्रियों की सुरक्षा के लिए दिल्ली मेट्रो के तीन कारिडोर के 11 स्टेशनों के प्लेटफार्म पर स्टील के बैरिकेड लगाए जाएंगे। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने 4.78 करोड़ की लागत से स्टील बैरिकेड लगाने के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू की है। टेंडर आवंटन के बाद छह महीने में यह कार्य पूरा होगा।

दिल्ली मेट्रो के 256 स्टेशन में से 76 स्टेशनों पर प्लेटफार्म स्क्रीन डोर है। जिसमें पिंक लाइन, मजेंटा लाइन एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन के सभी स्टेशनों के अलावा यलो लाइन के छह स्टेशन शामिल हैं। इसके अलावा 12 स्टेशनों के प्लेटफार्म पर स्टील के बैरिकेड लगे हुए हैं। बाकी 168 स्टेशनों के प्लेटफार्म पर न तो स्क्रीन डोर है ना ही स्टील का बैरिकेड। अब डीएमआरसी ने रेड लाइन, यलो लाइन व ग्रीन लाइन के 11 स्टेशनों के प्लेटफार्म पर स्टील के बैरिकेड लगाने की पहल की है। इनमें से ज्यादातर ऐसे स्टेशन हैं जिसके प्लेटफार्म की चौड़ाई कम है। इन प्लेटफार्म पर बैरिकेड लगाने से यात्रियों के मेट्रो ट्रैक पर गिरने का जोखिम नहीं रहेगा।

इन स्टेशनों के प्लेटफार्म पर लगेंगे स्टील के बैरिकेड

रेड लाइन- नेताजी सुभाष प्लेस, वेलकम व इंद्रलोक।

यलो लाइन- सिकंदर पुर मेट्रो स्टेशन, आजाद पुर, आइएनए व हौज खास।

ग्रीन लाइन- इंद्रलोक, कीर्ति नगर, अशोक पार्क मेन व पंजाबी बाग पश्चिम।

रिठाला-कुंडली मेट्रो कारिडोर का 6,231 करोड़ से होगा निर्माण

राज्य ब्यूरो, जागरण, नई दिल्ली : फेज चार में प्रस्तावित रिठाला-नरेला-कुंडली कारिडोर का निर्माण 6231 करोड़ की लागत से होगा। केंद्र सरकार से स्वीकृति मिलने के बाद करीब चार वर्ष में यह कारिडोर बनकर तैयार होगा। इससे हरियाणा के सोनीपत से दिल्ली के बीच अवागमन की सुविधा बेहतर होगी। साथ ही हरियाणा के कुंडली व उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद दिल्ली मेट्रो नेटवर्क से जुड़ जाएंगे। इससे हरियाणा के कुंडली से न्यू बस अड्डा गाजियाबाद तक मेट्रो से अवागमन की सुविधा बेहतर जो जाएगी। हाल में केंद्रीय वित्त मंत्रालय के पब्लिक इन्वेस्टमेंट बोर्ड ने इस परियोजना को स्वीकृति दी है। इसमें दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना की अहम भूमिका रही। लेकिन अभी इस कारिडोर को केंद्रीय मंत्रिमंडल से स्वीकृति मिलना बाकी है। इसके बाद निर्माण का रास्ता साफ होगा। 26.463 किलोमीटर लंबी इस मेट्रो लाइन पर रिठाला सहित 22 मेट्रो स्टेशन होंगे। मौजूदा समय में रिठाला से न्यू बस अड्डा गाजियाबाद तक रेड लाइन पर मेट्रो का परिचालन हो रहा है। रिठाला से बवाना, नरेला होते हुए कुंडली तक नए मेट्रो कारिडोर का निर्माण होना है।

****

किसानों के खाते में 18 को आएगा किसान सम्मान निधि का पैसा

लगातार तीसरी बार पीएम पद संभालने के बाद वाराणसी के पहले दौरे में मोदी जारी करेंगे 17वीं किस्त

कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने कहा, 9.26 करोड़ किसानों के खाते में 20 हजार करोड़ करेंगे हस्तांतरित

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

30 हजार स्वयं सहायता समूहों को कृषि सखियों के रूप में प्रमाण पत्र भी देंगे प्रधानमंत्री

नई दिल्ली में शनिवार को प्रेस कान्फ्रेंस के दौरान केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान (बीच में)। एएनआइ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी किसान सम्मान निधि के पैसे 18 जून को वाराणसी से जारी करेंगे। देश के 9.26 करोड़ किसानों के बैंक खाते में 20 हजार करोड़ रुपये भेजे जाएंगे। यह 17वीं किस्त होगी। लाभार्थी प्रत्येक किसान के खाते में अभी तक 32 हजार रुपये भेजे जा चुके हैं। मोदी के नेतृत्व में राजग की लगातार तीसरी बार सरकार बनने के बाद इस योजना की यह पहली किस्त होगी। शपथ ग्रहण करने के बाद प्रधानमंत्री ने पहला हस्ताक्षर किसान सम्मान निधि की फाइल पर ही किया था।

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को दिल्ली में कहा कि वाराणसी के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री करीब 30 हजार स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को कृषि सखियों के रूप में प्रमाण पत्र भी देंगे। पांच को प्रतीक के रूप में कार्यक्रम में प्रमाण पत्र देंगे। शिवराज ने कहा कि पिछले दस सालों में कृषि क्षेत्र हमेशा पीएम की प्राथमिकता रहा है। किसान हित में कई अहम फैसले लिए गए। भूमि-धारक किसानों की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए किसान सम्मान निधि योजना की शुरुआत वर्ष 2019 में हुई थी।

लाभार्थियों के पंजीकरण और सत्यापन में पारदर्शिता बनाए रखते हुए केंद्र सरकार ने अब तक 11 करोड़ से अधिक किसानों को 3.04 लाख करोड़ रुपये का वितरण किया है। 17वीं किस्त के साथ ही हस्तांतरित राशि बढ़कर 3.24 लाख करोड़ से अधिक हो जाएगी। योजना में प्रतिवर्ष तीन किस्तों में किसानों को छह हजार रुपये दिए जाते हैं।

शिवराज सिंह ने बताया कि वाराणसी का कार्यक्रम केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से आयोजित होगा। लगभग ढाई करोड़ किसान वर्चुअली जुड़ेंगे। उनमें जागरूकता पैदा करने के लिए 732 कृषि विज्ञान केंद्र, एक लाख प्राथमिक कृषि सहकारी समितियां और पांच लाख कामन सर्विस सेंटर भी भाग लेंगे। दूरदर्शन से सीधा प्रसारण होगा। कई केंद्रीय मंत्री किसानों से बातचीत करने और उनमें विभाग की विभिन्न योजनाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए 50 कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) का दौरा करेंगे।

तीन करोड़ दीदियों को बनाना है लखपति

शिवराज सिंह ने कहा कि सरकार का लक्ष्य तीन करोड़ लखपति दीदी बनाने का है। एक करोड़ बन चुकी हैं। किसानों की सहायता के लिए कई बहनों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है ताकि वे 60-80 हजार रुपये तक की अतिरिक्त वार्षिक कमाई कर सकें। पहले चरण में कृषि सखी कार्यक्रम 12 राज्यों- गुजरात, तमिलनाडु, उप्र, मप्र, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, महाराष्ट्र, राजस्थान, ओडिशा, झारखंड, आंध्र प्रदेश व मेघालय में लागू हैं।

चीन जाने से पहले भारत आएंगी हसीना, मोदी के साथ होगी द्विपक्षीय बैठक

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- एक पखवाड़े में दूसरी बार भारत यात्रा पर आ रही हैं बांग्लादेश की पीएम
- इस बार मोदी और हसीना के बीच द्विपक्षीय संबंधों के सारे आयामों पर होगी बातचीत

शेख हसीना। फाइल

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के 21 और 22 जून, 2024 को भारत की आधिकारिक यात्रा पर नई दिल्ली आने की संभावना है। यह इस महीने उनकी दूसरी भारत यात्रा है। नौ जून, 2024 को पीएम नरेन्द्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लेने के लिए वह भारत यात्रा पर आई थीं और इस दौरान उनकी पीएम मोदी से संक्षिप्त बातचीत भी हुई थी। लेकिन अब अगले हफ्ते जब वह भारत में होंगी तो दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय संबंधों के सारे आयामों पर विस्तार से बातचीत होगी। हसीना की इस यात्रा का महत्व इसलिए भी बढ़ गया है, क्योंकि वह अगले महीने बीजिंग की यात्रा पर जा रही हैं। चीन की तरफ से यह कहा गया है कि बांग्लादेश पीएम की आगामी यात्रा के दौरान बड़ी घोषणाएं की जाएंगी। ऐसे में जानकार मान रहे हैं कि पीएम हसीना भारत और चीन के रिश्तों की संवेदनशीलता को देखते हुए नई दिल्ली आ रही हैं, ताकि उनकी बीजिंग यात्रा को लेकर कोई गलतफहमी पैदा नहीं हो।

जनवरी, 2024 के आम चुनाव में विजयी होने के बाद पीएम हसीना ने अभी तक किसी देश की आधिकारिक यात्रा नहीं की है। चीन यात्रा को लेकर उनका फैसला पहले हो चुका था। सूत्रों का कहना है कि बांग्लादेश की तरफ से ही यह प्रस्ताव आया था कि हसीना बीजिंग यात्रा से पहले नई दिल्ली की आधिकारिक यात्रा करना चाहती हैं। यह भारत सरकार के साथ हसीना के बेहद घनिष्ठ संबंधों को देखते हुए लिया गया फैसला है। मोदी और हसीना के नेतृत्व में भारत और बांग्लादेश के रिश्ते पिछले 10 वर्षों में काफी मजबूत हुए हैं।

बांग्लादेश आम चुनाव से पहले जब अमेरिका की तरफ से हसीना सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश हो रही थी, तब भारत ने परोक्ष तौर पर उनकी मदद की। इस दौरान भारत की मदद से बांग्लादेश में कई कनेक्टिविटी परियोजनाओं पर काम हुआ है। दोनों देशों के बीच सैन्य संबंधों को प्रगाढ़ बनाया गया है। पूर्वोत्तर भारत के राज्यों को बांग्लादेश से जोड़ने पर लगातार काम हो रहा है। हसीना सरकार ने ढांचागत परियोजनाओं में चीन की मदद जरूर ली है, लेकिन चीन के प्रभाव को हावी नहीं होने दिया है। इन स्थितियों में हसीना की आगामी भारत यात्रा की खास अहमियत है।

सूत्रों का कहना है कि चीन ने यह संकेत दिया है कि वह बांग्लादेश की तीस्ता नदी की सफाई के लिए भारी-भरकम राशि की मदद देने को तैयार है। यह मुद्दा भारत के लिए संवेदनशील है, क्योंकि चीन की कंपनियों को ठेका मिलने का यह मतलब होगा कि उसे तीस्ता नदी से संबंधित सारा डाटा भी हासिल हो जाएगा।

माना जा रहा है कि भारत की तरफ से भी चीन जैसा ही प्रस्ताव बांग्लादेश को दिया जा सकता है। दूसरी तरफ, भारत और बांग्लादेश के बीच तीस्ता जल बंटवारे को लेकर समझौता होने के बावजूद इसे भारत सरकार की तरफ से अंतिम मंजूरी नहीं दी जा सकी है। पीएम मोदी और पीएम हसीना के बीच पिछली चार आधिकारिक वार्ताओं में इसका जिक्र किया गया है। बताया जाता है कि बंगाल सरकार की आपत्ति की वजह से भारत सरकार इस पर फैसला नहीं कर पा रही है। ऐसे में बांग्लादेश की पीएम एक बार फिर तीस्ता जल बंटवारा संधि को लागू करने का आग्रह पीएम मोदी से कर सकती हैं।

गडकरी ने की जम्मू कश्मीर से जुड़ी राजमार्ग परियोजनाओं पर चर्चा

जागरण संवाददाता, जम्मू

केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी श्रीनगर में जम्मू-कश्मीर के पूर्ववर्ती राज्य के सदर-ए-रियासत डा. कर्ण सिंह एवं विक्रमादित्य सिंह से मुलाकात की।

केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने श्रीनगर में जम्मू-कश्मीर के पूर्ववर्ती राज्य के सदर-ए-रियासत डा. कर्ण सिंह से उनके आवास पर जाकर मुलाकात की। उन्होंने जम्मू कश्मीर में आगामी सड़क एवं राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना के विकास पर चर्चा की। केंद्रीय मंत्री ने डा. कर्ण सिंह को जम्मू-श्रीनगर समेत कई प्रमुख परियोजनाओं की प्रगति का ब्योरा दिया। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग, दिल्ली-कटड़ा एक्सप्रेस-वे और जोजिला सुरंग परियोजना की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार समृद्ध जम्मू कश्मीर के लिए इस क्षेत्र के उज्ज्वल भविष्य को बढ़ावा दे रही है। इस मौके पर पूर्व एमएलसी एवं जम्मू-कश्मीर धर्मार्थ ट्रस्ट के ट्रस्टी विक्रमादित्य सिंह भी मौजूद थे। विक्रमादित्य ने कहा कि पिता के साथ माननीय केंद्रीय मंत्री की अपने निवास स्थान पर मेजबानी करते हुए खुशी हो रही है। डा. कर्ण सिंह ने कहा कि स्थानीय आबादी को ध्यान में रखते हुए पर्यटन स्थलों तक अच्छी सड़क सुविधा से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा एवं रोजगार सृजन के अवसर मिलेंगे। उन्होंने सामाजिक-आर्थिक विकास में मजबूत बुनियादी ढांचे की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। मंत्री ने आश्वासन दिया कि सड़क परिवहन मंत्रालय इन परियोजनाओं का क्रियान्वयन समय पर सुनिश्चित करने के लिए समर्पित है।

आधुनिक युग का युद्ध सिर्फ लड़ाई के मैदान तक सीमित नहीं : वायुसेना प्रमुख

- कहा-भविष्य के संघर्षों को अतीत की मानसिकता के साथ नहीं लड़ा जा सकता
- एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने संयुक्त परेड निरीक्षण के दौरान कही यह बात

हैदराबाद के पास डुंडीगल में शनिवार को वायुसेना अकादमी में संयुक्त स्नातक परेड के दौरान कैडेटों को बधाई देते वायुसेना प्रमुख वीआर चौधरी। प्रेट्र

हैदराबाद, प्रेट्र: वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने शनिवार को कहा कि आधुनिक युग का युद्ध सिर्फ लड़ाई के मैदान तक सीमित नहीं है। यह जटिल डाटा नेटवर्क और नई साइबर तकनीक से प्रभावित होने वाला तथा निरंतर बदलने वाला एक परिदृश्य है। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य के संघर्षों को अतीत की मानसिकता के साथ नहीं लड़ा जा सकता है।

वायुसेना प्रमुख ने यहां डुंडीगल स्थित वायुसेना अकादमी (एएफए) में 213 आफिसर्स कोर्स की संयुक्त स्नातक परेड में यह बात कही। उन्होंने कहा, 'आधुनिक युग का युद्ध गतिशील है और लगातार बदलने वाला परिदृश्य है। यह अब केवल लड़ाई के मैदान तक सीमित नहीं है। यह जटिल डाटा नेटवर्क और उन्नत साइबर प्रौद्योगिकियों से तेजी से प्रभावित हो रहा है। अधिकारी के रूप में आप सभी को युद्ध जीतने में निर्णायक साबित होने के लिए यह जरूरी है कि आप प्रौद्योगिकी को प्रभावी ढंग से अपनाएं, नवाचार करें और उसका लाभ उठाएं।'

एयर चीफ मार्शल चौधरी ने कहा कि किसी अधिकारी में दक्षता, आक्रामकता और पहल करने जैसे तीन सबसे प्रशंसनीय गुण होते हैं और ऐसे अधिकारियों की भी जरूरत है जो विचारक भी हों। उन्होंने कहा, 'जब आप इस असाधारण यात्रा की शुरुआत करने जा रहे हैं तो ऐसे में भारतीय वायुसेना के मूल मूल्यों अभियान, समग्रता और उत्कृष्टता को अपना मार्गदर्शक बनाएं।' भारतीय वायु सेना की उड़ान और ग्राउंड ड्यूटी शाखाओं के 235 फ्लाइट कैडेटों के प्रशिक्षण के सफल समापन पर यह परेड हुई। इन कैडेटों को राष्ट्रपति की ओर से कमीशन प्रदान किया गया। इनमें 22 महिला अधिकारी भी शामिल हैं, जिन्हें वायुसेना की विभिन्न शाखाओं में कमीशन मिला है।

दो महीने में पटरियों पर होगी वंदे भारत स्लीपर

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- दिल्ली-मुंबई या दिल्ली-कोलकाता रूट से की जा सकती है शुरुआत

अश्विनी वैष्णव। फाइल

स्लीपर वर्जन की प्रत्येक ट्रेन में 16 बोगियां होंगी, 887 लोग कर सकेंगे सफर

वंदे भारत की स्लीपर वर्जन ट्रेन जल्द ही पटरियों पर दौड़ने लगेंगी। पहली ट्रेन दो महीने के भीतर फैक्ट्री से निकल जाएगी। निर्माण की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। प्रारंभ में ट्रेन के दो सेट लाने की तैयारी है। पहले इनका ट्रायल होगा। उसके बाद नियमित संचालन किया जाएगा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को पत्रकारों को इसका संकेत दिया।

रेलवे अगले पांच वर्षों के दौरान लगभग ढाई सौ की संख्या में वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें चलाने के लक्ष्य पर काम कर रहा है। रूट का निर्णय अभी नहीं किया गया है, किंतु माना जा रहा है कि दिल्ली-मुंबई या दिल्ली-कोलकाता रूट से शुरुआत की जा सकती है।

आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत रेल मंत्रालय वंदे भारत के अन्य संस्करणों पर काम कर रहा है। स्लीपर संस्करण की प्रत्येक ट्रेन में 16 बोगियां होंगी। एसी थ्री की 11, सेकेंड एसी की चार बोगियां एवं फर्स्ट एसी की एक बोगी होगी। प्रत्येक ट्रेन में एक बार में 887 लोग सोकर सफर कर सकेंगे। रेलवे का प्रयास इस ट्रेन को बैठ कर सफर करने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस एवं राजधानी ट्रेनों से भी अधिक अपडेट एवं सुविधाजनक बनाने का है। इस दिशा में काक जोरों से चल रहा है। वंदे भारत स्लीपर की गति क्षमता 220 से 240 किमी प्रतिघंटे की होगी लेकिन आपरेटिंग स्पीड 165 किमी ही रहेगी। क्लासिक लकड़ी की डिजाइन वाली सीटें बनाई जा रही हैं, जो इस तरह आरामदायक होंगी कि यात्रियों को लक्जरी होटल की तरह फील होगा।

जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा स्थिति की आज समीक्षा करेंगे शाह

नई दिल्ली, प्रेट्र : गृह मंत्री अमित शाह हाल ही में हुए आतंकवादी हमलों के मद्देनजर रविवार को जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा स्थिति का जायजा लेंगे और आतंकवाद विरोधी अभियानों को तेज करने के लिए व्यापक दिशा-निर्देश देंगे। वह 29 जून से शुरू होने वाली वार्षिक अमरनाथ यात्रा की तैयारियों की भी समीक्षा करेंगे। गृह मंत्री शाह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इसी तरह की बैठक के तीन दिन बाद एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता करेंगे। पीएम मोदी ने तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस पर हमले सहित कई आतंकवादी घटनाओं के बाद आतंकवाद विरोधी अभियान तेज करने का निर्देश दिया था।

रविवार को होने वाली उच्चस्तरीय बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे और केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला समेत अन्य शीर्ष अधिकारी हिस्सा लेंगे। शाह को जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा स्थिति, नियंत्रण रेखा पर बलों की तैनाती की स्थिति की जानकारी दी जाएगी।

तलाक के बाद भी पत्नी मांग सकती है स्थायी गुजारा भत्ता : हाई कोर्ट

राज्य ब्यूरो, जागरण • चंडीगढ़

- हाई कोर्ट ने तीन लाख रुपये गुजारा भत्ता देने का दिया आदेश
- आपसी सहमति से महिला व उसके पति का हो चुका था तलाक

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में कहा है कि तलाक के आदेश के बाद भी पत्नी स्थायी गुजारा भत्ता मांग सकती है। हिंदू विवाह अधिनियम का हवाला देते हुए जस्टिस सुधीर सिंह और जस्टिस हर्ष बांगर की पीठ ने महिला को तीन लाख रुपये का अंतरिम स्थायी गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया। कहा कि यह सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है कि पत्नी गरिमा और आराम के साथ जीवन स्तर बनाए रखे, जिसमें अभाव न हो। इस फैसले से महिलाओं का हित होगा।

इस मामले में पारिवार न्यायालय ने महिला और उसके पति के बीच आपसी सहमति से विवाह विच्छेद का आदेश पारित किया, लेकिन तलाक देते समय पत्नी को स्थायी गुजारा भत्ता के रूप में कुछ भी नहीं दिया।

महिला ने हिंदू विवाह अधिनियम-1955 की धारा 25 के अनुसार स्थायी गुजारा भत्ता का दावा करने के लिए न तो पारिवार न्यायालय के समक्ष और न ही हाई कोर्ट के समक्ष आवेदन दायर किया था। पीठ ने कहा कि परिस्थितियों की समग्रता को ध्यान में रखते हुए अंतरिम स्थायी गुजारा भत्ता के लिए कुछ राशि प्रदान करना उचित है।

कोर्ट ने कहा कि धारा 25 में ही यह परिकल्पना की गई है कि पत्नी तलाक के आदेश के बाद भी स्थायी गुजारा भत्ता प्राप्त करने के लिए कार्यवाही शुरू कर सकती है। यह स्पष्ट करता है कि तलाक का आदेश जारी करने पर ही न्यायालय का काम खत्म नहीं होता।

कोरोना वैक्सीन पर पीएम समेत 28 के खिलाफ दाखिल प्रार्थना पत्र निरस्त

विधि संवाददाता, वाराणसी : कोरोना रोधी वैक्सीन के दुष्प्रभावों को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत 28 लोगों के खिलाफ दाखिल प्रार्थना पत्र के सुनवाई योग्य नहीं होने के कारण सिविल जज सीनियर डिवीजन (फास्ट ट्रैक व एमपी-एमएलए) प्रशांत कुमार सिंह की अदालत ने शनिवार को इसे खारिज कर दिया।

युवक कांग्रेस के जिलाध्यक्ष और वकील विकास सिंह ने बीते 13 मई को प्रधानमंत्री, वैक्सीन निर्माता कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट आफ इंडिया, इसके सीईओ समेत 28 लोगों के खिलाफ प्रार्थना पत्र दाखिल किया था। अदालत ने आदेश में कहा है कि प्रधानमंत्री ने कोरोना महामारी के दौरान कई निर्णय लिए। उनके विरुद्ध कोई विधिक कार्यवाही करने से पूर्व अभियोजन स्वीकृति अनिवार्य है और ऐसी कोई अभियोजन स्वीकृति प्रस्तुत नहीं की गई है। ऐसे में प्रार्थना पत्र सुनवाई योग्य (पोषणीय) नहीं है और इसे खारिज किया जाता है। विकास सिंह ने आरोप लगाया था कि सीरम इंस्टीट्यूट ने कोविशील्ड वैक्सीन बिना परीक्षण लोगों को लगवाई और लाभ अर्जित किया।

उत्तराखंड उद्यान घोटाले में ईडी की नजर 31 करोड़ के ट्रांजेक्शन पर

सुमन सेमवाल • जागरण

- सीबीआइ की जांच रिपोर्ट के आधार पर ईडी की देहरादून शाखा ने शुरू की पड़ताल
- 20 से अधिक ट्रांजेक्शन को ईडी ने जांच में सीधे तौर पर अनियमितता से जुड़ा बताया

देहरादून: करोड़ों रुपये के उद्यान घोटाले में सीबीआइ की कार्रवाई के बाद अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी निगाह टेढ़ी कर ली है। बताया जा रहा है कि घोटाले पर कार्रवाई करने के लिए ईडी की देहरादून शाखा के अधिकारियों ने सीबीआइ की जांच रिपोर्ट के आधार पर कसरत शुरू कर दी है। इस दौरान ईडी ने 20 से अधिक ऐसे बड़े ट्रांजेक्शन/भुगतान पकड़े हैं, जिन्हें सीबीआइ ने अपनी जांच में सीधे तौर पर अनियमितता से जुड़ा बताया है।

सूत्रों के मुताबिक, ईडी के अधिकारियों ने उद्यान घोटाले में सीबीआइ की जांच रिपोर्ट पर कुछ दिन पहले से ही काम करना शुरू कर दिया था। अब प्रकरण में सीबीआइ की ओर से तीन एफआइआर दर्ज किए जाने के बाद ईडी ने सक्रियता और बढ़ा दी है। इस क्रम में ईडी अधिकारी भी बहुत जल्द घोटाले से जुड़े आरोपित अधिकारियों और मनमानी और फर्जी खरीद से जुड़ी नर्सरी के संचालकों के ठिकानों पर छापेमारी कर सकते हैं। बताया जा रहा है कि ईडी अधिकारी इस केस को भ्रष्टाचार के साक्ष्यों के लिहाज से मजबूत मान रहे हैं।

उद्यान घोटाले में सीबीआई के शिकंजे के बाद ईडी की निगाह टेढ़ी हो जाने से आरोपितों की मुश्किलें और बढ़ने वाली हैं। अब ईडी भी तत्कालीन उद्यान निदेशक एचएस बवेजा के साथ ही देहरादून की तत्कालीन मुख्य उद्यान अधिकारी मीनाक्षी जोशी, नैनीताल के मुख्य उद्यान अधिकारी राजेंद्र कुमार सिंह, पिथौरागढ़ के तत्कालीन मुख्य उद्यान अधिकारी त्रिलोकी राय, उत्तरकाशी के तत्कालीन मुख्य उद्यान अधिकारी अनिल कुमार मिश्रा पर मुख्य रूप से जांच के दायरे में लाने की तैयारी कर चुका है।

गुजरात में बने संग्रहालय को यूनेस्को का प्रिक्स वर्सेल्स पुरस्कार

नई दिल्ली, प्रेट्र: गुजरात में भूकंप पीड़ितों की याद में बने म्यूजियम 'स्मृतिवन भूकंप स्मारक संग्रहालय' को यूनेस्को ने प्रिक्स वर्सेल्स पुरस्कार के लिए चयनित किया है। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शुक्रवार को इंटरनेट मीडिया पर बताया कि स्मृतिवन भूकंप स्मारक को प्रतिष्ठित प्रिक्स वर्सेल्स पुरस्कार के तहत दुनिया के सात सबसे खूबसूरत संग्रहालयों में सूचीबद्ध किया गया है, जिसका एलान वास्तुकला और डिजाइन के लिए यूनेस्को द्वारा हर साल किया जाता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि कच्छ में स्मृतिवन उन लोगों के लिए एक श्रद्धांजलि है, जिन्हें हमने 2001 के दुखद भूकंप में खो दिया था। मोदी ने कहा कि खुशी है कि इस संग्रहालय को प्रिक्स वर्सेल्स म्यूजियम 2024 के लिए विश्व चयन में जगह मिली है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने यूनेस्को की पहल की सराहना की है। कहा कि प्रतिष्ठित प्रिक्स वर्सेल्स अवार्ड के तहत स्मृतिवन की सूची दुनियाभर में उन लोगों की याद दिलाएगी, जिन्होंने भुज भूकंप में अपनी जान गंवा दी थी।

बंगाल का मामला

राज्यपाल से विवाद में दो विधायकों की शपथ पर 'ग्रहण'

परंपरा के मुताबिक संसदीय विभाग ने नहीं भेजा है राज्यपाल को पत्र, राजभवन और राज्य सचिवालय के बीच विवाद से नई जटिलता

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता

सीवी आनंद बोस।

ममता बनर्जी। फाइल

ममता सरकार और राजभवन के बीच जारी टकराव की वजह से नवनिर्वाचित दो विधायकों की शपथ पर 'ग्रहण' लगा हुआ है। कहा जा रहा है कि नवान्न यानी राज्य सचिवालय राज्यपाल सीवी आनंद बोस से बचने की कोशिश में है। हालांकि, शपथ को लेकर विधानसभा सचिवालय के नए कदम के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज है।

नतीजे घोषित होने के 10 दिन बीत जाने के बाद भी दोनों नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ नहीं दिलाई गई है। पहले पता चला कि संसदीय कार्य मामलों के कार्यालय ने परंपरा के मुताबिक इस संबंध में राजभवन से संपर्क किया था, लेकिन राजभवन की ओर से कोई जवाब नहीं मिला। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार शपथ समारोह के प्रबंधन को लेकर संसदीय कार्य मामले के कार्यालय से राज्यपाल को लिखित पत्र भेजने की परंपरा है और उसके आधार पर राज्यपाल संविधान के अनुच्छेद 188 के अनुसार इस संबंध में निर्णय लेते हैं। परंतु, बारानगर और भागवानगोला के दो नवनिर्वाचित विधायकों की शपथ के लिए संसदीय मामलों के कार्यालय ने राजभवन को कोई पत्र नहीं भेजा है। बल्कि पत्र विधानसभा सचिवालय की ओर से भेजा गया है। इसके बाद हालिया राजभवन और राज्य सचिवालय विवाद से नई जटिलताएं सामने आ गई हैं।

संसदीय परंपरा के अनुसार, उप चुनाव के मामले में राज्यपाल विधानसभा स्पीकर या अपनी पसंद के किसी व्यक्ति को शपथ दिलाने के लिए नियुक्त कर सकते हैं। लेकिन राज्यपाल और ममता सरकार के बीच टकराव के कारण पूर्व राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने इस व्यवस्था को बदल दिया था। स्पीकर के साथ मतभेद के कारण उन्होंने डिप्टी स्पीकर को यह जिम्मेदारी देकर एक असाधारण निर्णय लिया था। इस पर उस समय प्रशासनिक और राजनीतिक स्तर पर लंबी बहस चली थी।

नवान्न ने इस बार अलग राह अपनाई है। सूत्रों के अनुसार संसदीय कार्य विभाग के कार्यालय ने इस संबंध में पत्र तो तैयार कर लिया, लेकिन राजभवन को नहीं भेजा है। संसदीय विभाग के अनुरोध पर विधानसभा सचिवालय ने शपथ ग्रहण के लिए राज्यपाल को पत्र भेजा है।

राजनीतिक मामलों के जानकारों का मानना है कि ममता सरकार का यह कदम राज्यपाल के खिलाफ हाल ही में लगे आरोपों का नतीजा है। हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनावों के प्रचार के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने खुद राज्यपाल पर उंगली उठाते हुए सार्वजनिक सभाओं कहा था कि अगर राज्यपाल बैठक बुलाएं तो वह राजभवन नहीं जाएंगी।

3600 करोड़ की मेफेड्रोन जब्ती की जांच करेगी एनसीबी

पुणे, प्रेट्र : पुणे पुलिस ने 3600 करोड़ की मेफेड्रोन बरामद होने के महीनों बाद मामले की जांच शनिवार को नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) को सौंप दी। फरवरी में पकड़ी गई ड्रग्स देश की सबसे बड़ी खेप मानी जा रही है। अपराध शाखा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह प्रक्रिया का एक भाग है। हमें केंद्र और राज्य सरकारों से सहमति मिली है। कोर्ट से आवश्यक अनुमति के बाद पुणे पुलिस ने जांच एनसीबी को सौंप दी है। एनसीबी ड्रग्स से संबंधित सर्वोच्च समन्वय इकाई है और यह एक प्रवर्तन एजेंसी के रूप में काम करती है। एनसीबी के अधिकारी सीमा शुल्क, राज्य पुलिस और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर काम करते हैं। पुणे पुलिस के अनुसार, फरवरी में महाराष्ट्र, दिल्ली और देश के अन्य भागों से 3672 करोड़ रुपये के 1836 किलोग्राम मेफेड्रोन जब्त किए गए थे।

कह कर रहेंगे माधव जोशी

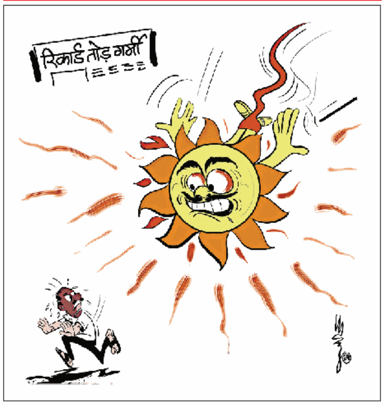

****

42 लोकसभा सीटों में से 29 सीट पर जीत हासिल की तृणमूल ने बंगाल में। वर्ष 2019 के चुनाव में पार्टी केवल 22 सीट ही जीत पाई थी। उन्होंने भाजपा पर लोकतांत्रिक अधिकारों को खत्म करने का भी आरोप लगाया

न्यूज गैलरी

पोंगते बने अरुणाचल विस अध्यक्ष, मंत्रियों को सौंपे विभाग

ईटानगर : भाजपा विधायक तेसाम पोंगते को शनिवार को ध्वनिमत से अरुणाचल विधानसभा का अध्यक्ष चुन लिया गया। भाजपा के ही कार्दो न्यिग्योर को विधानसभा का उपाध्यक्ष चुना गया है। पोंगते और न्यिग्योर दोनों निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने शनिवार को अपने मंत्रिपरिषद के सदस्यों के बीच उनके विभागों का बंटवारा कर दिया। उपमुख्यमंत्री चोवना मेइन को वित्त और मामा नातुंग को गृह विभाग सौंपा गया है। (प्रेट्र)

बासवराज बोम्मई ने विधानसभा से इस्तीफा दिया

बेंगलुरु : कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता बासवराज बोम्मई ने शनिवार को विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। बोम्मई शिग्गौन विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। हावेरी लोकसभा क्षेत्र से सांसद बनने के बाद उनके लिए विधानसभा से इस्तीफा देना अनिवार्य था। शिग्गौन विधानसभा क्षेत्र से बेटे के भाजपा टिकट मिलने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि इसके बारे में पार्टी फैसला लेगी। (एएनआइ)

केरल में भाजपा कार्यकर्ता के घर बम फेंकने वाला गिरफ्तार

कन्नूर : केरल पुलिस ने शनिवार को कन्नूर के न्यू माही थाना क्षेत्र के मनियुर में भाजपा कार्यकर्ता सनूप के घर राजीव निवास पर बम फेंकने के आरोप में एक को गिरफ्तार कर लिया। आरोपित की पहचान अरुण के रूप में हुई है। (एएनआइ)

गृह मंत्री अवैध अप्रवासियों को म्यांमार वापस भेजें

इंफाल: मणिपुर के कई नगा संगठनों ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से अवैध म्यांमार अप्रवासियों को उनके देश वापस भेजने का आग्रह किया है। संगठनों ने इस सप्ताह की शुरुआत में केंद्रीय गृहमंत्री को ज्ञापन सौंपकर अवैध म्यांमार अप्रवासियों को निर्वासित करने का अनुरोध किया था। ज्ञापन में बताया गया है कि म्यांमार से सटे मणिपुर के कामजोंग जिले के आठ तांगखुल गांवों में म्यांमार के लगभग 5,457 अवैध अप्रवासियों को शरण दी जा रही है। (आइएएनएस)

मुख्यमंत्री नीतीश के हाथ में खिंचाव, कराया उपचार

पटना: मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शनिवार की सुबह पटना में कंकड़बाग स्थित मेदांता जयप्रभा अस्पताल पहुंचे। उन्हें हाथ में खिंचाव होने से दर्द हो रहा था। चिकित्सकों ने उनकी जांच की और परामर्श दिया। लगभग 40 मिनट के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आवास लौट गए। डाक्टरों ने कहा सब सामान्य है। (राब्यू)

चुनाव बाद हिंसा का जायजा लेने आज बंगाल आएगी भाजपा की केंद्रीय टीम

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

▸ त्रिपुरा के पूर्व सीएम के नेतृत्व में चार सांसदों की समिति करेगी दौरा

लोकसभा चुनाव के बाद हो रही हिंसा का जायजा लेने के लिए भाजपा की केंद्रीय टीम रविवार को कोलकाता पहुंच रही है। सांसद व त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब के नेतृत्व में शनिवार को पार्टी के चार सांसदों की एक समिति गठित की गई है। समिति में सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद, राज्यसभा सदस्य एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व डीजीपी बृजलाल और सांसद कविता पाटीदार को शामिल किया गया है। समिति रविवार को कोलकाता पहुंचने के बाद सबसे पहले महेश्वरी भवन जाकर वहां हिंसा पीड़ितों से बात करेगी। इसके बाद वह भाजपा विधायक अग्निमित्रा पाल के साथ डायमंड हार्बर, संदेशखाली, बासंती का दौरा कर पीड़ितों से मुलाकात करेंगे, सोमवार की शाम को केंद्रीय टीम कूचबिहार के लिए रवाना होगी। टीम हिंसा की घटनाओं की रिपोर्ट भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को सौंपेगी।

समिति के गठन के साथ ही भाजपा ने बंगाल में चुनाव बाद हो रही हिंसा के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा। कहा कि भारत के 28 राज्यों और आठ केंद्र शासित प्रदेशों में हाल ही में लोकसभा चुनाव संपन्न हुए हैं।

रविशंकर प्रसाद। फाइल

लोकसभा के साथ-साथ तीन राज्यों में विधानसभा चुनाव भी हुए और सत्ता का हस्तांतरण शांतिपूर्ण ढंग से हुआ। लेकिन बंगाल को छोड़कर कहीं भी राजनीतिक हिंसा की कोई घटना नहीं हुई है। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने भी इसे गंभीरता से लेते हुए केंद्रीय बलों की तैनाती 21 जून तक बढ़ा दी है और मामले को आगे की समीक्षा के लिए 18 जून को सूचीबद्ध किया है।

केंद्रीय मंत्री गोपी ने इंदिरा गांधी को कहा 'मदर आफ इंडिया'

▸ मार्क्सवादी दिग्गज ईके नयनार को अपना राजनीतिक गुरु बताया

▸ पुन्कुन्नम में करुणाकरण के स्मारक मुरली मंदिरम का दौरा किया

▸ लूर्डे माता चर्च का भी दौरा किया और वहां प्रार्थना भी की

त्रिशूर, प्रेट्र: केरल की त्रिशूर लोकसभा सीट से सांसद और केंद्र सरकार में पर्यटन और पेट्रोलियम राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने पुन्कुन्नम में करुणाकरण के स्मारक मुरली मंदिरम का दौरा किया। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री मे भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को 'मदर आफ इंडिया' कहा है। वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री के करुणाकरण को "साहसी प्रशासक" कहा। उन्होंने मार्क्सवादी दिग्गज ईके नयनार को अपना राजनीतिक गुरु भी बताया है।

गौरतलब है कि त्रिशूर लोकसभा सीट से सांसद बने सुरेश गोपी ने करुणाकरण के बेटे और कांग्रेस नेता के मुरलीधरन को हराया था। हालांकि, 26 अप्रैल को त्रिशूर सीट पर त्रिकोणीय लड़ाई में कांग्रेस नेता के मुरलीधरन को हार के साथ तीसरे स्थान पर संतोष करना पड़ा था। वहीं करुणाकरण के स्मारक पर पहुंचे केंद्रीय मंत्री ने मीडिया से आग्रह किया कि वो उनके इस दौरे का राजनीति से न जोड़ें, वो यहां अपने गुरु को नमन करने के लिए आए थे। इस मौके पर सुरेश गोपी ने कहा कि नयनार और उनकी पत्नी केपी शारदा की तरह ही करुणाकरण और उनकी पत्नी कल्याणीकुट्टी अम्मा के साथ उनके काफी अच्छे संबंध थे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि वो पूर्व पीएम इंदिरा गांधी को 'भारत की मां' मानते थे, इसलिए करुणाकरण उनके लिए 'राज्य में कांग्रेस पार्टी के पिता' समान थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि करुणाकरण को केरल में कांग्रेस के 'पिता तुल्य' बताना दक्षिणी राज्य में पुरानी पार्टी के संस्थापकों या सह संस्थापकों का अनादर नहीं है। सुरेश गोपी ने कहा कि वो साल 2019 में ही मुरली मंदिरम जाने की इच्छा जताई थी, लेकिन पद्मजा वेणुगोपाल ने उन्हें जाने से रोक दिया था। उन्होंने प्रसिद्ध लूर्डे माता चर्च का भी दौरा किया और प्रार्थना भी की।

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्यमंत्री सुरेश गोपी ने शनिवार को त्रिशूर स्थित स्मृति मंडपम में केरल के पूर्व मुख्यमंत्री के. करुणाकरन की पत्नी कल्याणीकुट्टी को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रेट्र

मोदी ने जहां-जहां रैलियां व रोड शो किए, वहां महाविकास आघाड़ी जीता : शरद

गठबंधन ने संयुक्त पत्रकार वार्ता कर भाजपा का फर्जी कहानियों का आरोप खारिज किया

कहा- गठबंधन में सभी समान भागीदार, अगला विस चुनाव भी एक साथ लड़ेंगे

राज्य ब्यूरो, जागरण ● मुंबई

राकांपा (शपा) सुप्रीमो शरद पवार ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि महाराष्ट्र में जहां भी पीएम ने रैलियां की हैं या रोड शो किए हैं, वहां हमारे गठबंधन महाविकास आघाड़ी (मविआ) को जीत मिली है। इसके लिए वह प्रधानमंत्री को धन्यवाद देना अपना कर्तव्य समझते हैं।

शरद महाविकास आघाडी की ओर से आयोजित संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। लोकसभा चुनाव के दौरान 'फर्जी कहानी' फैलाने के भाजपा के आरोप को खारिज करते हुए मविआ ने कहा कि यह प्रधानमंत्री मोदी ही हैं जो 2014 से फर्जी कहानियां फैला रहे हैं और लोगों को गुमराह कर रहे हैं। लोकसभा चुनावों के बाद अपनी पहली औपचारिक बैठक के बाद शिवसेना (यूबीटी), राकांपा (शपा) एवं कांग्रेस के गठबंधन महाविकास आघाड़ी ने अपने संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में घोषणा की कि मविआ अधिक दृढ़ संकल्प के साथ आगामी विधानसभा चुनाव भी एक साथ लड़ेगा। नेतृत्व ने कहा कि गठबंधन में सभी समान भागीदार हैं और बड़े भाई या छोटे भाई का कोई सवाल नहीं है। शरद के साथ वरिष्ठ कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण, शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे (सभी पूर्व मुख्यमंत्री) ने सत्ता और जांच एजेंसियों के दुरुपयोग के लिए मोदी पर निशाना साधा। बता दें कि महाराष्ट्र में भाजपा नेतृत्व दावा कर रहा है कि मविआ का यह चुनावी नारा कि अगर भाजपा 400 से अधिक सीटों के साथ सत्ता में आती है तो वह संविधान को बदल देगी, एक 'फर्जी कहानी' थी। इससे राजग को नुकसान पहुंचा। उद्धव ठाकरे ने कहा कि फर्जी कहानी क्या है? अच्छे दिन कहां हैं? हर बैंक खाते में 15 लाख रुपये कहां हैं? यह मोदी हैं जिन्होंने 2014 से फर्जी कहानी फैलाई है। ठाकरे ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि फडणवीस हमारी सरकार को तीन पहियों का रिक्शा जैसा बताया करते थे। केंद्र में भाजपा सरकार की हालत भी वैसी ही है। देखते हैं यह कितने दिन चलती है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में जीत तो एक शुरुआत है, मविआ विधानसभा चुनाव भी जीतेगा। बता दे कि मविआ ने महाराष्ट्र की 48 में से 30 सीटों पर जीत हासिल की थी।

मुंबई में शनिवार को एक संयुक्त प्रेस कान्फ्रेंस के दौरान शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे, राकांपा (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार तथा कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चह्वाण। प्रेट्र

एक सवाल के जवाब में उद्धव ने कहा कि पार्टी के जो विधायक 2022 में उनकी पार्टी छोड़कर एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले खेमे में शामिल हो गए और जिससे शिवसेना का विभाजन हो गया, वे अब वापस आना चाहते हैं तो उन्हें बिल्कुल भी वापस नहीं लिया जाएगा। ठाकरे ने एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा का जिक्र करते हुए कहा कि प्याज के अलावा उनके (भाजपा के) मित्रों ने उन्हें रुलाया है। इसी प्रकार शरद पवार ने भी अपने भतीजे अजित पवार को वापस लेने की संभावना से इन्कार किया। अजीत पवार भी पिछले वर्ष उनकी पार्टी तोड़कर भाजपा के नेतृत्व वाले राजग में शामिल होकर उपमुख्यमंत्री बन गए थे।

सरकार की गलत नीतियों से किसान-नौजवान बेहाल : अखिलेश

राज्य ब्यूरो, जागरण ● लखनऊ

▸ सपा अध्यक्ष बोले किसान, नौजवान सूदखोरों से परेशान होकर कर रहे आत्महत्या

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने किसानों और नौजवानों के मुद्दे पर शनिवार को भाजपा सरकार को घेरा। कहा कि सरकार की गलत नीतियों से किसान व नौजवान बेहाल हैं। खेती का लागत मूल्य बढ़ रहा है, जिसके कारण किसान कर्ज में डूबता जा रहा है। भाजपा सरकार में किसान, नौजवान और अन्य लोग सूदखोरों से परेशान हैं। सूदखोरों से त्रस्त होकर आत्महत्या कर रहे हैं।

अखिलेश ने जारी एक बयान में कहा कि इटावा में साहूकारों के हर दिन तगादा और प्रताड़ना से परेशान एक युवा किसान ने आत्महत्या कर ली। भाजपा सरकार के 10 वर्ष के कार्यकाल में महंगाई और कर्ज से परेशान होकर देश में एक लाख से ज्यादा किसान आत्महत्या कर चुके हैं। बलिया, प्रयागराज, लखनऊ, कानपुर, इटावा, शाहजहांपुर हर जगह सूदखोरों ने लोगों का जीना हराम कर दिया है। भाजपा सरकार झूठी योजनाओं द्वारा जनता को बरगलाने का काम करती है। गरीबों, किसानों के लिए बैंकों से कम ब्याज और आसानी से कर्ज की योजनाएं जमीन पर उतरती नहीं दिखती हैं। सरकारी व्यवस्था इतनी जटिल है कि बैंकों से किसानों को कर्ज नहीं मिल पाता है। लोग छोटी-छोटी जरूरतों के लिए सूदखोरों के जाल में फंस कर जान गंवाने को मजबूर हैं।

मोदी को कोसना छोड़ विपक्ष की भूमिका निभाएं खरगे : रामदास आठवले

नई दिल्ली, एएनआइ: केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पीएम मोदी को कोसना छोड़ विपक्ष की भूमिका निभाएं। आठवले ने कहा कि एनडीए के पास स्पष्ट बहुमत है। हमने 292 लोकसभा सीटें जीती हैं। आठवले ने कहा कि जब यूपीए सत्ता में थी, तो भाजपा ने यह नहीं कहा कि कांग्रेस के पास शासन करने का जनादेश नहीं है, भले ही पार्टी के पास अपने दम पर बहुमत नहीं था। आठवले का बयान तब आया है, जब खरगे ने शुक्रवार को कहा था कि एनडीए सरकार गलती से बन गई और पीएम मोदी के पास जनादेश नहीं था। यह अल्पमत सरकार है।

रामदास आठवले।

सोम और बालियान की बयानबाजी पर भाजपा हाईकमान का ब्रेक

जागरण संवाददाता, मेरठ

▸ केंद्रीय इकाई ने दोनों नेताओं से कहा, अब कोई बयान नहीं

▸ एमएलसी डा. धर्मेंद्र बनाए गए मुजफ्फरनगर के पर्यवेक्षक

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भाजपा के दो दिग्गज ऐसे भिड़े कि राष्ट्रीय राजनीतिक चर्चा के केंद्र में आ गए। लोकसभा चुनाव से पहले और परिणाम आने के बाद भी पूर्व केंद्रीय मंत्री डा. संजीव बालियान और पूर्व विधायक संगीत सोम के बीच आरोप-प्रत्यारोप ने राजनीति गरमा दी। चुनाव परिणाम से उत्साहित सपा, कांग्रेस जैसे दलों ने भाजपा पर हमला बोल दिया। वहीं, भाजपा की केंद्रीय इकाई ने दोनों नेताओं को बयानबाजी से बचने की नसीहत देकर डैमेज कंट्रोल का प्रयास किया है। अब सोम और बालियान ने रणनीतिक चुप्पी साध ली है। पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि चुनाव के बीच दोनों की खुली अदावत ने पश्चिम से पूरब तक पार्टी को नुकसान पहुंचाया। प्रदेश इकाई ने गोरखपुर क्षेत्र के पूर्व अध्यक्ष व एमएलसी डा. धर्मेंद्र सिंह को मुजफ्फरनगर की हार की समीक्षा का जिम्मा दिया है।

संगीत सोम और संजीव बालियान। फाइल

लोकसभा चुनाव से पहले ही मुजफ्फरनगर लोकसभा क्षेत्र अखाड़ा बन गया था। भाजपा के प्रत्याशी डा. संजीव बालियान का सरधना विधानसभा क्षेत्र में विरोध तेज होने लगा था, जिसके पीछे पूर्व विधायक संगीत सोम माने गए। चुनाव प्रचार अभियान के बीच भी दोनों के बीच जुबानी तीर चलते रहे। सीएम योगी ने दो बार बालियान और सोम को साथ बिठाया, लेकिन आपसी दूरी कम नहीं हुई। 19 अप्रैल को पहले चरण में मुजफ्फरनगर का चुनाव खत्म होने के बाद बालियान प्रचार के लिए अमेठी चले गए। चार जून को परिणाम आया तो बालियान समेत कई दिग्गजों की हार ने भाजपा को जोर का झटका दिया। गत दिनों बालियान ने मुजफ्फरनगर में प्रेस वार्ता कर कहा था कि सोम ने सपा को खुलकर चुनाव लड़ाया था, जिसके बाद राजनीतिक पारा चढ़ गया। इसके अगले दिन सोम ने प्रेस वार्ता कर बालियान को अपने घर में मिली हार की जिम्मेदारी लेने का परामर्श देते हुए संकेतों में आइना भी दिखाया। सोम की प्रेसवार्ता में एक पर्चा बंटा, जिसमें बालियान पर दर्जनों गंभीर आरोप लगाए गए थे। सोम ने भले ही पर्चे बांटने वाले को लेकर लालकुर्ती थाने में शिकायत दी हो, लेकिन बालियान खेमे ने इसमें पूर्व विधायक की मिलीभगत कहा। इसी बीच क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेंद्र शिशौदिया ने दोनों से बात कर उन्हें संयम बरतने के लिए कहा। प्रदेश इकाई ने पूरी रिपोर्ट केंद्रीय इकाई को दी, जहां से सोम और बालियान को बयान से बचने के लिए कहा गया है।

रायबरेली लोस सीट नहीं छोड़ेंगे राहुल गांधी : अजय राय

जागरण संवाददाता, कानपुर

▸ उप्र कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा-पार्टी की यह प्रबल इच्छा है कि राहुल रायबरेली में ही रहें

▸ अब ध्यान विधानसभा के उपचुनावों पर, पूरी मजबूती से पार्टी का संगठन करेंगे खड़ा

▸ कानपुर में निजी कार्यक्रम में पहुंचे राय ने 2027 में प्रदेश में सरकार बनाने का भी किया दावा

उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने शनिवार को भाजपा पर हमला बोला। कानपुर के लाल बंगला में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी रायबरेली लोकसभा सीट नहीं छोड़ेंगे। पार्टी की यह प्रबल इच्छा है कि वह रायबरेली में ही रहें, क्योंकि इस क्षेत्र से उनके पारिवारिक संबंध हैं। कांग्रेस पूरी मजबूती से संगठन को खड़ा करके उत्तर प्रदेश विधानसभा के उपचुनावों पर ध्यान केंद्रित करेगी। हम उपचुनाव भी लड़ेंगे और 2027 में हम प्रदेश में सरकार भी बनाएंगे।

निजी कार्यक्रम में शामिल होने आए राय ने कहा कि लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दावे फेल हो गए। प्रधानमंत्री वाराणसी में प्रधानी की तरह चुनाव लड़े हैं। इस बार उनकी नैतिक हार हुई है।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी अगर वाराणसी से उनके खिलाफ चुनाव लड़तीं तो उनकी जीत निश्चित थी। गौरतलब है कि राय वाराणसी से मोदी के खिलाफ चुनाव लड़े थे। पिछले दिनों रायबरेली में राहुल गांधी ने भी कहा था कि प्रियंका यदि मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ जातीं तो दो-तीन लाख वोटों से जीत जातीं।

लाल बंगले के काजीखेड़ा में एक निजी कार्यक्रम में पहुंचे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय (दाएं)। साथ में पूर्व विधायक भूधर नारायण मिश्र (बाएं)। संगठन

आरएसएस नेता इंद्रेश कुमार व संघ प्रमुख मोहन भागवत के बयान को लेकर उन्होंने कहा कि भाजपा और संघ में खींचतान चल रही है, यह किसी से छिपा नहीं। केंद्र में भाजपा की लंगड़ी सरकार बैसाखियों के सहारे है, जो कभी भी गिर सकती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और सपा का गठबंधन आगे भी जारी रहेगा। राय ने कहा कि काशी में गंगा नदी में चल रहे क्रूज में अनैतिक गतिविधियां नहीं चलने देंगे। इस मामले में कांग्रेस विरोध प्रदर्शन करेगी। गुजरातियों के लिए पैसा महत्वपूर्ण है, पवित्रता नहीं। काशी में क्रूज चलाकर मां गंगा को अपवित्र किया जा रहा है। कानपुर में भी अगर क्रूज चलेगा तो केवल गुजरातियों को ठेके मिलेंगे।

सीट छोड़ने का फैसला होगा कल

तिरुअनंतपुरम, आइएएनएस: उप्र के नेता भले ही मान रहे हैं राहुल गांधी रायबरेली सीट नहीं छोड़ेंगे, लेकिन अधिकृत तौर पर यह जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है। कांग्रेस सूत्रों का कहना है राहुल गांधी सोमवार को इस पर निर्णय लेंगे कि वह वायनाड लोकसभा सीट बरकरार रखेंगे या फिर रायबरेली को चुनेंगे। राहुल ने इन दोनों ही सीटों पर भारी बहुमत से जीत दर्ज की है। वायनाड से उन्होंने लगातार दूसरी बार जीत दर्ज की अपने अपने परिवार की परंपरागत सीट रायबरेली से भी वह विजयी रहे। राहुल बुधवार को अपने मतदाताओं का आभार जताने के लिए रायबरेली में थे, जहां उन्होंने कहा था कि वह इस दुविधा में हैं कि किस सीट को बरकरार रखें और किस सीट से इस्तीफा दें। उधर, बुधवार को कलपेट्टा में एक जनसभा में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और कन्नूर से लोकसभा सदस्य के. सुधाकरन ने कहा कि राहुल गांधी पार्टी के व्यापक हित के लिए वायनाड सीट छोड़ देंगे।

भाजपा को वोट देने पर नाबालिग का सिर मुंडवाया, पुलिस ने आरोपित को पकड़ा

जागरण संवाददाता, बदायूं

▸ बदायूं में दंपती का आरोप, कहा- मुस्लिम युवक ने किया अपमानित

उत्तर प्रदेश के बदायूं में भाजपा को वोट देने की वजह से एक बच्चे का सिर मुंडवाया दिया गया। पीड़ित के स्वजन का आरोप है कि लोकसभा चुनाव में भाजपा को वोट देने पर नाई सालिम रंजिश मानने लगा था। इसी कारण उसने साथियों की मदद से उनके बालक को अपमानित किया। विरोध पर अभद्रता की, जातिसूचक शब्द कहे। पुलिस ने सालिम व दो अज्ञात पर पर केस दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना था कि आरंभिक जांच में पता चला कि बालक की मां उसे नाई की दुकान पर छोड़कर आई थी।

महिला ने पुलिस को बताया कि मंगलवार को 12 वर्षीय बेटा सड़क पर खेल रहा था। उसी समय नाई सालिम व उसके साथियों ने उसको पकड़ लिया। उसे दुकान पर ले जाकर अपमानित करने के लिए उस्तरा चला दिया। इसकी जानकारी पर कृषक पति के साथ नाई की दुकान पर पहुंची तो वह अभद्रता करने लगा। बुधवार शाम को नाई को पकड़कर थाने लाया गया। पुलिस के अनुसार, नाई कह रहा कि बालक को उसकी मां दुकान पर लाई थी। उन्होंने कहा था कि गर्मी अधिक है, इसलिए बेटे के सिर से सभी बाल काट दो। बाल काटते समय बालक अचानक कुर्सी से उठकर भाग गया। उसके सिर पर किसी पूर्वाग्रह में गलत उस्तरा नहीं चलाया गया। किसी ने बालक की मां को भड़का दिया है। इंस्पेक्टर कमलेश मिश्रा ने कहा कि जांच में कई नए तथ्य पता चले हैं। उसी अनुसार कार्रवाई करेंगे।

बिहार में लालू राज में अपराधियों ने लूटा, नीतीश राज में लूट रहे अधिकारी : प्रशांत किशोर

जागरण संवाददाता, बांका

जनसुराज के संयोजक प्रशांत किशोर ने कहा कि लालू प्रसाद यादव ने किसी यादव को आगे नहीं बढ़ाया। वह अपने बेटे तेजस्वी यादव के लिए काम करते हैं। अपने परिवार को आगे बढ़ा रहे हैं। बिहार में किसी के पास 80 प्रतिशत तक पूंजी नहीं है, जो कोई रोजगार कर सके। शिक्षा, जमीन और पूंजी तीनों का अभाव लोगों के पास है। मुसलमान लालू को वोट देते हैं कि भाजपा नहीं आए, जबकि दूसरे लोग लालू को रोकने के लिए कमल को वोट देते हैं। कहा कि सरकारें बदलीं, पर व्यवस्था नहीं बदली है। लालू राज में अपराधी लूटते थे तो नीतीश राज में अधिकारी लूट रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 2025 में मुख्यमंत्री बनने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पैर छुए हैं। बिहार के बांका-कटोरिया रोड में आयोजित सभा में उन्होंने जातिवाद के नाम पर वोट नहीं करने की अपील की। कहा कि आप अपने बच्चों के भविष्य के लिए वोट करें, ताकि बिहार की व्यवस्था में बदलाव हो सके। कहा कि आज स्थिति ऐसी है कि किसी किसान के परिवार में बेटी की शादी करनी हो या कोई बीमार पड़ जाए तो जमीन बेचे बगैर उपाय नहीं है। बिहार के नेताओं ने शिक्षा और रोजगार नहीं दिया है। अगर बिहार का बदलाव होता तो यहां दूसरे प्रदेश के युवा काम करने के लिए आते। गरीबी तभी खत्म होगी, जब यहां के भूमिहीनों को जमीन मिलेगी।

प्रशांत किशोर।

एमएसएमई मंत्रालय मिला तो ठोक लिया था माथा : जीतनराम मांझी

जासं. मोहनपुर (गया): केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने कहा कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्रालय के विभाग का लिफाफा मिला तो देखकर अपना माथा ठोक लिया कि न जाने कौन सा यह विभाग है। पीएम नरेन्द्र मोदी ने मुझे कहा कि मैंने अपनी कल्पना का विभाग आपको दिया हूं। मांझी ने कहा कि जिस विभाग का मैं मंत्री बना हूं उस विभाग में छोटे-छोटे उद्योग एवं रोजगार के अवसर मिलेंगे। बिहार या पूरे देश में छोटे-छोटे उद्योग बंद पड़े हैं। उन सभी को चालू कराया जाएगा।

भाजपा का अहंकार और अभिमान मिट्टी में मिला दिया : अभिषेक

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे व तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कहा कि चुनाव परिणामों ने भाजपा के अहंकार और अभिमान को मिट्टी में मिला दिया है। अभिषेक ने भाजपा पर केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग करने, न्यायपालिका को भ्रष्ट बनाने, मीडिया पर अंकुश लगाने और सत्ता में बने रहने के लिए निर्वाचन आयोग के काम में दखल देने का आरोप लगाया।

अपने संसदीय क्षेत्र डायमंड हार्बर में पार्टी कार्यकर्ताओं और जनता से मुलाकात करने के बाद शुक्रवार देर रात फेसबुक पर की गई पोस्ट में उन्होंने कहा कि 2024 का लोकसभा चुनाव इतिहास में जनता की दहाड़ के रूप में स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा। भाजपा का अहंकार और अभिमान चूर-चूर हो गया है तथा रीढ़ की हड्डी टूट गई है। यद्यपि भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटा है, लेकिन पार्टी को अपने दम पर बहुमत हासिल नहीं हो सका और उसे सत्ता में बने रहने के लिए अपने प्रमुख सहयोगी तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) और जनता दल (यूनाइटेड) के समर्थन पर निर्भर रहना पड़ा। बंगाल में इस बार तृणमूल का प्रदर्शन बेहतर रहा।

अभिषेक बनर्जी। फाइल

****

3 बार पत्र लिखा है आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने अब तक राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) को।जिसमें नीट-यूजी के प्रश्न-पत्र की प्रति उपलब्ध करवाने का आग्रह किया गया है। हालांकि अभी तक यह उपलब्ध नहीं करवाया गया है।

न्यूज गैलरी

मुंबई में पत्नी से परेशान कांस्टेबल ने की आत्महत्या

मुंबई: मुंबई पुलिस के 38 वर्षीय कांस्टेबल विजय सालुंखे ने प्रतीक्षा नगर पुलिस क्वार्टर में स्थित अपने आवास में शुक्रवार रात पंखे से फंदा लगाकर जान दे दी। कांस्टेबल ने नोट में अपनी पत्नी पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। विजय शाहू नगर थाने में पदस्थ थे। वडाला टीटी थाने के एक अधिकारी ने बताया कि घटना के समय कांस्टेबल घर में अकेले थे। (प्रेट्र)

गुजरात तट तक बहकर आए ड्रग्स के 100 से ज्यादा पैकेट

अहमदाबाद: गुजरात में कच्छ और देवभूमि द्वारका जिलों के तट तक पिछले कुछ दिनों में 100 से ज्यादा ड्रग्स के पैकेट बहकर पहुंच चुके हैं। पुलिस ने बताया कि चरस के कुछ पैकेट देवभूमि द्वारका में शनिवार को मिले, जबकि कच्छ में पिछले कुछ दिनों में अन्य पैकेट मिल चुके हैं। पुलिस के अनुसार, पकड़े जाने के डर से तस्करों ने इन पैकेटों को समुद्र में डाल दिया और ये बहकर तट तक आ गए। (प्रेट्र)

नागपुर विस्फोटक फैक्ट्री धमाके में मृतक संख्या आठ हुई

नागपुर: महाराष्ट्र के नागपुर जिले में एक विस्फोटक फैक्ट्री में हुए विस्फोट में मरने वालों की संख्या शनिवार को आठ हो गई। एक अधिकारी ने बताया एक निजी अस्पताल में भर्ती 22 वर्षीया महिला कामगार शारधा वनराज पाटिल की मौत हो गई। नौ घायलों की चिकित्सा चल रही है। गुरुवार एक बजे दिन में हुए विस्फोट में मारे गए कामगारों में छह महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं।

सूरत के अपार्टमेंट में तीन बहनों समेत चार मृत मिले

सूरत: गुजरात के सूरत शहर में 58 वर्षीया महिला, उसकी दो बहनें और उसके बहनोई अपार्टमेंट में शनिवार को मृत पाए गए। पुलिस ने कहा कि प्रथमदृष्टया यह दम घुटने से हुई मौत का मामला लगता है। गैस से चलने वाला गीजर चालू था, लेकिन मौत का असली कारण अभी नहीं बताया जा सकता है। पुलिस उपायुक्त आरपी बरोट ने कहा कि घटना की जानकारी सुबह नौ बजे मिली। (प्रेट्र)

असम में नोटों के अवैध लेनदेन के आरोप में छह गिरफ्तार

करीमगंज: असम के करीमगंज जिले में पुलिस ने एक गिरोह का भंडाफोड़ कर दो बैंक कर्मचारियों समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया है। ये लोग दो हजार रुपये के पुराने नोट की अदला-बदली में संलिप्त थे। सूत्रों के अनुसार, करीमगंज जिला पुलिस को राताबारी बाजार में बड़ी संख्या में दो हजार के नोटों की अदला-बदली की सूचना मिली थी। (एएनआइ)

नीट को लेकर अब सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग

परीक्षा में सामने आईं अनियमितताओं को लेकर 20 छात्रों ने लगाई नई याचिका

याचिकाकर्ताओं ने कहा, नतीजों में दिखी गंभीर विसंगतियों के चलते रद हो परीक्षा

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर नीट-यूजी 2024 को रद करने और पांच मई को आयोजित परीक्षा में कथित अनियमितताओं की शीर्ष अदालत की निगरानी में सीबीआइ या किसी अन्य स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराने की मांग की गई है। इस परीक्षा में शामिल हुए 20 छात्रों की ओर से दायर इस याचिका में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) और अन्य को परीक्षा नए सिरे से आयोजित करने का निर्देश देने का भी अनुरोध किया गया है। नीट-यूजी परीक्षा का आयोजन देशभर के सरकारी और निजी संस्थानों में एमबीबीएस, बीडीएस, आयुष और अन्य संबंधित पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए एनटीए द्वारा किया जाता है।

नीट-यूजी 2024 को लेकर सवाल उठाने वाली अलग-अलग याचिकाओं पर शुक्रवार को सुनवाई करते हुए शीर्ष कोर्ट ने परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक और अन्य अनियमितताओं के आरोपों की सीबीआइ से जांच के अनुरोध वाली

> एनटीए या अन्य एजेंसी को परीक्षा नए सिरे से आयोजित कराने का निर्देश देने का भी अनुरोध किया गया

याचिका पर केंद्र और एनटीए से जवाब मांगा था। अब इस नई याचिका में कहा गया है कि व्यापक अनियमितताओं और धांधली को देखते हुए पुनः परीक्षा से केवल योग्य छात्रों को चिकित्सा संस्थानों में प्रवेश पाने में मदद मिलेगी।

अधिवक्ता धीरज सिंह के माध्यम से दाखिल की गई याचिका में कहा गया कि मीडिया की खबरों के अनुसार प्रश्नपत्र लीक होने के संबंध में एफआइआर दर्ज की गई और कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है, ऐसे में परीक्षा की शुचिता पर सवाल खड़े होते हैं। इसमें कहा गया कि एनटीए द्वारा घोषित परिणाम से पता चला है कि 67 उम्मीदवारों को 720 में से 720 अंक मिले हैं। उपरोक्त अनियमितताओं की सीबीआइ या किसी अन्य स्वतंत्र एजेंसी या इस न्यायालय की देखरेख में समिति द्वारा गहन जांच की जानी जरूरी है ताकि बड़ी संख्या में मेधावी छात्रों के साथ न्याय हो सके। बता दें कि केंद्र और एनटीए ने बृहस्पतिवार को शीर्ष अदालत को बताया था कि उन्होंने एमबीबीएस और ऐसे अन्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए परीक्षा देने वाले 1,563 उम्मीदवारों के कृपांक रद कर दिए हैं। केंद्र ने कहा था कि उनके पास या तो दोबारा परीक्षा देने या समय की हानि के लिए दिए गए कृपांक को छोड़ने का विकल्प होगा।

यह परीक्षा पांच मई को 4,750 केंद्रों पर आयोजित की गई थी और इसमें करीब 24 लाख उम्मीदवारों ने हिस्सा लिया था। परिणाम 14 जून को घोषित होने की उम्मीद थी लेकिन उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन पहले ही पूरा हो जाने के कारण परिणाम चार जून को घोषित कर दिए गए। नीट-यूजी 2024 परीक्षा में 67 छात्रों को 720 अंकों में से पूरे अंक मिले हैं जो कि नीट के इतिहास में अभी तक नहीं हुआ। इनमें से छह छात्रों ने फरीदाबाद के एक ही केंद्र पर परीक्षा दी थी जिसके बाद संदेह पैदा हुआ।

परीक्षा रद करने की मांग को लेकर बिहार में प्रदर्शन

राज्य ब्यूरो, जागरण ● पटना

नीट-यूजी में धांधली का आरोप लगाते हुए शनिवार को बिहार में छात्र-छात्राओं ने जमकर प्रदर्शन किया। वे परीक्षा को रद करने की मांग कर रहे थे। उनका कहना था कि जब तक नीट रद नहीं किया जाता, तब तक उनका आंदोलन नहीं थमेगा। प्रदर्शनकारियों ने पटना शहर में कई जगह आगजनी भी की। बाद में पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर प्रदर्शनकारी छात्रों को खदेड़ दिया। इस बीच, नीट-यूजी पेपर लीक मामले की जांच कर रही आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) नौ परीक्षार्थियों से अगले सप्ताह 18 और 19 जून को पूछताछ करेगी। साल्वर गिरोह के पास इन परीक्षार्थियों के रोल कोड मिलने के बाद इन सभी को आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने एक दिन पूर्व ही नोटिस जारी किया है। सभी को अभिभावकों के साथ पूछताछ के लिए बुलाया गया है।

विदित हो कि पुलिस ने पेपर लीक की जांच के दौरान पटना के एजी कालोनी में गिरफ्तार अभियुक्त अमित आनंद और नीतीश के किराये के फ्लैट से नीट का प्रश्न एवं उत्तर का जला हुआ अवशेष बरामद किया गया था। ईओयू की टीम एनटीए से नीट का प्रश्न-पत्र मांग रही है, ताकि अभियुक्तों के पास से मिले प्रश्न-पत्र से उसका मिलान किया जा सके। जांच के अनुसार, गिरफ्तार साल्वर गिरोह के सदस्य अमित और नीतीश ने निजी स्कूल में बुलाकर प्रश्न-पत्र के उत्तर रटवाए थे।

शिक्षा मंत्री के आवास में घुसने की कोशिश करने वालों पर केस

एनएसयूआइ कार्यकर्ताओं ने शनिवार को नई दिल्ली में एनईईटी यूजी प्रवेश परीक्षा परिणामों में कथित अनियमितताओं के विरोध में एक मशाल रैली में भाग लिया। एएनआइ

दिल्ली में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के आवास पर विरोध प्रदर्शन के दौरान उनके आवास के अंदर घुसने की कोशिश करने पर पुलिस ने प्रदर्शनकरियों के एक समूह के खिलाफ केस दर्ज किया है। नई दिल्ली जिले के डीसीपी ने बताया कि गुरुवार को साउथ एवेन्यू पुलिस स्टेशन में धारा 188 (लोक सेवक के विधिवत आदेश की अवज्ञा) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक, 20 से अधिक लोग तीन से चार कारों में केंद्रीय मंत्री के आवास 19, साउथ एवेन्यू के पास कुशक रोड के बाहर इकट्ठा हुए थे। प्रदर्शनकारी एनएसयूआइ के पर्चे लिए हुए थे और कुछ मीडियाकर्मी भी मौके पर मौजूद थे। प्राथमिकी में कहा गया है कि क्षेत्र में धारा 144 लागू होने की बात बताने पर भी प्रदर्शनकारी नहीं रुके और नारे लगाते रहे। उन्होंने केंद्रीय मंत्री के घर में घुसने की भी कोशिश की।

कर्नाटक में पेट्रोल, डीजल तीन रुपये महंगा हुआ

नई दिल्ली, एएनआइ: कर्नाटक में महिलाओं को मुफ्त बस सेवा की सुविधा देने वाली कांग्रेस सरकार ने खजाना भरने के लिए अब दूसरे रास्ते तलाश रही है। संभवतः इसी के मद्देनजर राज्य सरकार ने शनिवार को पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ा दिए। सरकार के इस कदम से पेट्रोल और डीजल लगभग तीन रुपये प्रति लीटर महंगा हो जाएगा।

कांग्रेस सरकार ने पेट्रोल का सेल्स टैक्स 29.84 प्रतिशत, जबकि डीजल का बिक्री कर 18.44 प्रतिशत बढ़ाने का फैसला लिया है। पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन ने बताया कि कर्नाटक में तत्काल प्रभाव से पेट्रोल की कीमत लगभग तीन रुपये जबकि डीजल की कीमत 3.05 रुपये बढ़ जाएगी।

वित्त विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, प्रेट्रोल डीजल की बढ़ी कीमते तत्काल प्रभाव से लागू होगी। यह फैसला लोकसभा चुनाव नतीजों के कुछ दिनों बाद आया है, जिसमें राजग को कर्नाटक की 28 में से 19 सीटें मिलीं, जिसमें भाजपा ने 17 और जद(एस) ने दो सीटें जीतीं। राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने नौ सीटें जीती हैं। यह कदम मुख्यमंत्री सिद्दरमैया की ओर से राज्य के राजस्व सृजन और राजकोषीय स्थिति की समीक्षा के बाद उठाया गया है। मुख्यमंत्री सिद्दरमैया के पास ही वित्त विभाग भी है।

बैठक के दौरान, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से राजस्व संग्रह लक्ष्यों को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करने को कहा। इस फैसले का असर उपभोक्ताओं के आम इस्तेमाल वाली चीजों पर भी पड़ने की आशंका है। रोजाना इस्तेमाल होने वाली चीजों की कीमतों में उछाल आ सकता है। ईंधन की कीमत बढ़ने के बाद पब्लिक ट्रांसपोर्ट की टिकट दरें भी बदल सकती हैं। सूत्रों के अनुसार, इस बढ़ोतरी से वित्तीय वर्ष के दौरान 2,500-2,800 करोड़ रुपये की आय होने की उम्मीद है।

सिद्दरमैया। फाइल

> सिद्दरमैया सरकार ने ईंधन पर बिक्री कर बढ़ाने का लिया निर्णय

> भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने इसे जजिया कर के समान बताया

शहजाद पूनावालाए। फाइल

भाजपा ने दी विरोध प्रदर्शन की धमकी

भाजपा ने इसके लिए सिद्दरमैया सरकार पर हमला बोला है। सरकार पर निशाना साधते हुए कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने मुख्यमंत्री से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी को वापस लेने का आग्रह किया है। उन्होंने सोमवार को सभी जिला केंद्रों पर पार्टी द्वारा राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन की धमकी दी है। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने कहा कि यह जनविरोधी कांग्रेस सरकार लोकसभा चुनाव में भाजपा को वोट देने के लिए कन्नड़ लोगों से बदला ले रही है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने एक्स पर निशाना साधा और महंगाई जैसे मुद्दों पर कांग्रेस पर दोहरे मानदंड अपनाने का आरोप लगाया है। उन्होंने इसे मुगल काल के दौरान नागरिकों पर लगाए गए कर 'जजिया' के बराबर बताया है।

कश्मीरी अलगाववादी शब्बीर शाह को मिली नियमित जमानत

जासं, नई दिल्ली : पटियाला हाउस कोर्ट ने कश्मीरी अलगाववादी शब्बीर शाह को जम्मू-कश्मीर में टेरर फंडिंग से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में नियमित जमानत दे दी है। अदालत ने शाह को एक लाख रुपये के निजी मुचलके पर जमानत दी है।

शब्बीर शाह। फाइल

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश धीरज मोर की अदालत ने शब्बीर शाह को जमानत देते हुए कहा कि वह बिना अदालत की अनुमति देश के बाहर नहीं जा सकेगा, क्योंकि उसके खिलाफ एनआइए द्वारा दो अलग-अलग मामलों की जांच की जा रही है। शाह की तरफ से अदालत में पेश हुए अधिवक्ता प्रशांत प्रकाश ने दलील दी कि उनके मुवक्किल को 25 जुलाई को जेल में सात वर्ष पूरे हो जाएंगे। ऐसे में ईडी ने जिन धाराओं में आरोपित को गिरफ्तार किया है उन धाराओं में दी जाने वाली अधिकतम सजा पूरी हो जाएगी। ईडी ने दलील दी कि जमानत देने पर वह देश से भाग सकता है।

आंध्र के पूर्व मुख्यमंत्री जगन के आवास का अवैध निर्माण गिराया

> जगन के मुख्यमंत्री का पद छोड़ने के 10 दिन के बाद उठाया गया कदम

पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी के आवास के अवैध हिस्से को बुलडोजर से तोड़ा गया। इंटरनेट मीडिया

हैदराबाद, प्रेट्र : ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) ने आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी के आवास लोटस पौंड से सटे फुटपाथ पर अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया। जगन के आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री का पद छोड़ने के 10 दिन के बाद यह कदम उठाया गया है। जीएचएमसी के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, निगम अधिकारियों ने जगन के आवास के पास फुटपाथ पर टाइल लगाने के लिए परिसर की दीवार से सटे निर्माण को हटा दिया। इन ढांचों का उपयोग सुरक्षाकर्मी करते थे। जीएचएमसी के टाउन प्लानिंग विभाग के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उन लोगों ने जगन के आवास पर संबंधित व्यक्ति से छह महीने पहले ढांचा हटाने के लिए कहा था ताकि फुटपाथ पर काम कराया जा सके। कालोनी के निवासियों ने फुटपाथ के अतिक्रमण के बारे में शिकायत की थी। अतिक्रमण से सड़क पर आने-जाने वालों को असुविधा हो रही थी। संपर्क किए जाने पर वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के सूत्रों ने कहा कि ढांचे पूरी तरह अस्थायी थे और वर्षा एवं गर्मी के दौरान सुरक्षाकर्मियों की सुविधा के लिए इनका निर्माण कराया गया था। उल्लेखनीय है कि जगन मोहन रेड्डी ने ही वर्तमान मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को घोटाले के आरोप में जेल भेजा था।

दशाश्वमेध घाट की दयनीय स्थिति

गंगा दशहरा से पहले शनिवार को वाराणसी में दशाश्वमेध घाट का दृश्य। काशी के इस सबसे महत्वपूर्ण गंगा घाट की सीढ़ियां जीर्ण-शीर्ण हो गई हैं। मां गंगा घाट से दूर होती जा रही हैं। किनारे के पानी का रंग काई के कारण हरा हो गया है। दुर्गंध की वजह से खड़े होना भी कठिन है। जब मुख्य घाट की यह दयनीय दशा है, तो अन्य घाटों की स्थिति की सहज कल्पना की जा सकती है। गंगा दशहरा का पावन पर्व आज है। उत्तम राय चौधरी

कभी शहद परचून की दुकान चलाता था अरबों का मालिक इकबाल

जागरण संवाददाता, सहारनपुर

बसपा का पूर्व एमएलसी इकबाल एक बार फिर सुर्खियों में है। ईडी ने उसकी 4,440 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है। परचून की दुकान और शहद बेचने से खनन माफिया बनने के बीच इकबाल ने कई पड़ाव देखे। उसका बसपा और सपा दोनों सरकारों में दबदबा था, जिसमें उसने हजारों करोड़ रुपये की संपत्ति खड़ी कर ली। 2017 में प्रदेश में भाजपा सरकार बनने के साथ ही इकबाल के बुरे दिन शुरू हो गए। कार्रवाई का शिकंजा कसते देख वह दुबई भाग गया।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में खनन कारोबार में हाजी इकबाल का बड़ा नाम रहा है। आय से अधिक संपत्ति, अपार धन-दौलत के मामलों में चर्चित इकबाल का नाम बसपा सरकार में कौड़ियों के भाव चीनी मिल खरीदने में भी आया था, जिससे उसने अरबों की संपत्ति जुटाई। इसी संपत्ति पर 2017 में भाजपा की सरकार बनने के बाद जांच बैठाई गई। करीब चार साल तक जांच चली। दो साल पहले तत्कालीन एसएसपी आकाश तोमर के समय में सबसे पहले 100 करोड़ से अधिक की संपत्ति कुर्क की गई। इसके बाद फिर से 500 करोड़ से अधिक की संपत्ति कुर्क की गई। इकबाल और उसके परिवार के खिलाफ लोगों को धमकाने, अवैध कब्जा करने, अवैध खनन करने और दुष्कर्म जैसे गंभीर मामले दर्ज किए गए। जुलाई 2022 में इकबाल के कई अवैध निर्माण पर बुलडोजर चला दिया गया। वह गिरफ्तारी से बचने के लिए उसी साल दुबई भाग गया। अब ईडी ने इकबाल की 4,440 करोड़ की संपत्ति कुर्क की है।

> ईडी ने उसकी 4,440 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की तब फिर आया चर्चा में

> बसपा और सपा के शासनकाल में खड़ा किया साम्राज्य, भाजपा सरकार में शुरू हुई जांच

> ईडी अबतक कुल 5060 करोड़ रुपये की संपत्ति कर चुकी है

हाजी इकबाल। जागरण आर्काइव

खनन माफिया हाजी इकबाल व उसके कुनबे की और बढ़ेंगी मुश्किलें

राज्य ब्यूरो, जागरण ● लखनऊ

ईडी ने जिस खनन माफिया व बसपा के पूर्व एमएलसी मुहम्मद हाजी इकबाल की 4,440 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है, उसकी व उसके कुनबे की मुश्किलें और बढ़ेंगी। ईडी ने सहारनपुर में हुए अवैध खनन के मामले में इकबाल की ग्लोकल यूनिवर्सिटी की 121 एकड़ जमीन व सभी भवनों को जब्त करने के बाद कुछ बेनामी संपत्तियों को लेकर भी अपनी पड़ताल तेज की है। इकबाल ने अब्दुल वहीद एजुकेशनल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट के माध्यम से यूनिवर्सिटी में खनन की काली कमाई निवेश की थी। सूत्रों के अनुसार छानबीन में ट्रस्ट व कुछ निजी कंपनियों के माध्यम से हुए संदिग्ध लेनदेन भी सामने आए हैं। इकबाल के परिवार के सदस्यों के नाम मुंबई समेत अन्य स्थानों पर बेनामी संपत्तियां खरीदी गई थीं। इनमें मसूरी में एक होटल भी शामिल है, जिसे लेकर जांच तेज की गई है। जांच में सामने आया था कि इकबाल व उसके परिवार ने बोगस कंपनियों के माध्यम से कुशीनगर, बरेली, हरदोई व बाराबंकी में सात चीनी मिलें 60.28 करोड़ रुपये में खरीदी थीं, जबकि इनकी कीमत 1097 करोड़ रुपये थी। 2021 में इन चीनी मिलों को जब्त किया था।

एक मुकदमे में दुबई से हुई आनलाइन पेशी

एसएसपी डा. विपिन ताडा ने बताया कि एक मुकदमे में इकबाल ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर दुबई से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिये बयान दर्ज कराए थे। इस समय इकबाल पर 38 मुकदमे दर्ज हैं। हालांकि, हाई कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद कुछ मुकदमे खारिज भी किए गए। इकबाल का पासपोर्ट निरस्त कराकर उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस भी जारी किया गया था। एक माह पहले रिमाइंडर भी भेजा गया था।

पहल

विष्णु देव साय सरकार की 'नियद नेल्लानार' से लौट रही बस्तर में रौनक, नक्सली खौफ के चलते कई गांवों में आज तक नहीं खुल पाए थे स्कूल, 18 जून से खुल रहे स्कूल, मनेगा प्रवेश उत्सव, बस्तर के गांवों में भी उत्साह

छत्तीसगढ़ के 45 गांवों में बंदूक पर भारी पड़ेगा बच्चों का बस्ता

संदीप तिवारी ● नईदुनिया

रायपुर: छत्तीसगढ़ के बस्तर में बीजापुर जिला मुख्यालय से तकरीबन 45 किलोमीटर दूर बुरजी ग्राम पंचायत के ग्रामीणों में भारी उत्साह है। यहां के बच्चों ने स्कूल जाने के लिए बस्ता तैयार कर लिया है। वे पहली बार अपने ही गांव डुमरीपालनार ही पढ़ेंगे। अभी तक यहां के बच्चों को अपने अभिभावकों से दूर विकासखंड व जिला मुख्यालयों में रहकर शिक्षा लेने की मजबूरी रही है। अब गांव में ही शिक्षा दूत भी पढ़ाने के लिए तैनात किए जा रहे हैं और स्कूल नहीं जाने वाले बच्चों को खोजकर स्कूल फिर चले अभियान (स्कूल वेंडे वर्राट् पण्डूम) से जोड़ा जा रहा है। बीजापुर में अब तक सात हजार से अधिक बच्चे मिले हैं जो कि स्कूल पढ़ने नहीं जाते हैं। बीजापुर के अन्य कांवरगांव, मुतंडी, पालनार समेत 33 गांवों में पहली बार स्कूल खुलेंगे। दंतेवाड़ा में सात और सुकमा में पांच समेत कुल 45 गांवों में स्कूल-आश्रम व छात्रावास खुलने जा रहे हैं। अभी तक जिन इलाकों में स्कूल नहीं थे वहां के बच्चों को प्रशासन अभिभावकों की मदद से आवासीय विद्यालयों में शिक्षा की व्यवस्था करता रहा है। बीजापुर के पालनार में स्कूल-आंगनबाड़ी खुलने की जानकारी से स्थानीय सीता बाई कहती हैं कि मैं जवंगा में रहकर पढ़ी हूं। मुझे खुशी हो रही है कि इतने वर्षों बाद हमारे गांव में स्कूल खुल रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सरकार की 'नियद नेल्लानार' से बस्तर में खुशियां लौट रही है। नक्सल क्षेत्र में सुरक्षा कैंप बढ़ाए जा रहे हैं और यहां बंद स्कूलों को इस साल बहाल किया जा रहा है। इनमें कुछ स्कूल ऐसे हैं जो कि वर्ष 2004-05 में सलवा जुडूम आंदोलन के दौरान नक्सली हिंसा के चलते बंद हो गए थे। ग्रामीणों की आंखों के सामने ही स्कूलों की इमारतें और बच्चों का भविष्य नक्सली हिंसा में उजड़ गया था।

घास-फूस से बन रहे स्कूल: जिला प्रशासन ही नहीं, स्कूल खोलने की तैयारीमें ग्रामीण भी जुटे हुए हैं। बांस-लकड़ी, त्रिपाल की मदद से वे अस्थायी स्कूल की व्यवस्था कर रहे हैं । स्कूल में घंटी भी होगी है। बारिश को लेकर खास तैयारी की जा रही है।

बीजापुर के गांवों में शिक्षा दूतों ने उन बच्चों का सर्वेक्षण व नामांकन करना शुरू कर दिया है जो कि स्कूल नहीं जा पाते हैं। जिला प्रशासन बीजापुर

> 33 गांवों में नियद नेल्लानार योजना के तहत सभी बुनियादी सुविधाओं के साथ शिक्षा-स्वास्थ्य की सुविधा दे रहे हैं और स्कूल भी खोलने जा रहे हैं।
> – अनुराग पांडेय, कलेक्टर, बीजापुर

> नियद नेल्लानार योजना के तहत विद्यार्थियों के लिए उन गांवों में छात्रावास भी खोलने का प्रस्ताव है जहां अभी तक नहीं खुल पाए थे।
> – मयंक चतुर्वेदी, कलेक्टर, दंतेवाडा

****

रजत शर्मा के खिलाफ कांग्रेस नेताओं के आपत्तिजनक पोस्ट को हटाने का आदेश

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

पत्रकार रजत शर्मा की तरफ से दायर मानहानि के मुकदमे में दिल्ली हाई कोर्ट ने कांग्रेस नेताओं रागिनी नायक, जयराम रमेश और पवन खेड़ा के इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर किए आपत्तिजनक पोस्ट को हटाने का आदेश दिया है। पोस्ट में आरोप लगाया गया है कि रजत शर्मा ने लोकसभा चुनाव परिणाम वाले दिन एक शो के दौरान कांग्रेस नेता रागिनी नायक के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल किया था।

शनिवार को सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने कहा कि रागिनी नायक की ओर से गलत आरोप लगाए गए थे, जिसका उद्देश्य रजत शर्मा की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाना था। पीठ ने आदेश दिया कि प्रतिवादियों की ओर से सात दिन के भीतर एक्स पोस्ट को हटा दिया जाए। जो वीडियो सार्वजनिक डोमेन में हैं, उन्हें गूगल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड प्राइवेट करे और न्यायिक आदेश के बिना सार्वजनिक डोमेन में न डाले। इन वीडियो और एक्स पोस्ट के सार्वजनिक डोमेन में बने रहने से ऐसी असुविधा होने की संभावना है, जिसकी भरपाई या क्षतिपूर्ति भविष्य में संभव नहीं हो सकती है। न्यायमूर्ति कृष्णा ने कहा कि तीनों कांग्रेस नेताओं ने एक्स पर एक संपादित वीडियो पोस्ट किया और दावा किया कि यह इंडिया टीवी न्यू चैनल पर मतदान के दिन हुई बहस का रा फुटेज है। अदालत ने कहा कि अदालत में चलाए गए टीवी डिबेट के फुटेज से यह प्रथमदृष्टया स्पष्ट है कि रजत शर्मा ने कुछ सेकेंड के लिए ही हस्तक्षेप किया था और रागिनी नायक के खिलाफ कोई अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल नहीं किया गया।

> हाई कोर्ट ने कहा, पत्रकार की प्रतिष्ठा को क्षति पहुंचाने के लिए रागिनी ने गलत आरोप लगाए

रुद्रप्रयाग में पर्यटकों का ओवरलोड वाहन अलकनंदा में गिरा, 14 लोगों की मौत

दिल्ली से ट्रैकिंग पर जा रहे पर्यटकों का वाहन बदरीनाथ राजमार्ग पर हुआ हादसे का शिकार

क्रश बैरियर को तोड़ते हुए 500 मीटर नीचे गिरा, वाहन में सवार थे 26 लोग

संवाद सहयोगी, जागरण ● रुद्रप्रयाग

दिल्ली से चोपता-तुंगनाथ-चंद्रशिला ट्रैकिंग के लिए आ रहे पर्यटकों का ओवरलोड टेंपो ट्रैवलर बदरीनाथ मार्ग पर दुर्घटनाग्रस्त होकर अलकनंदा नदी में जा गिरा। तेज गति से चल रहा यह वाहन क्रैश बैरियर तोड़ते हुए लगभग 500 मीटर गहरी खाई में कई पलटी खाने के बाद नदी किनारे रुका। दुर्घटना में 14 पर्यटकों की मौत हो गई, जबकि 12 घायल हैं। 10 पर्यटकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार ने अस्पताल ले जाते हुए दम तोड़ा। हेली रेस्क्यू के बाद एम्स ऋषिकेश पहुंचाए गए पांच पर्यटकों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। सात घायलों का जिला चिकित्सालय में उपचार चल रहा है। दुर्घटना का प्रारंभिक कारण वाहन की तेज गति और चालक को झपकी आना माना जा रहा है। 20 सीट की क्षमता वाले वाहन में 26 लोग सवार थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि.) गुरमीत सिंह, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दुर्घटना पर दुख जताया है।

हादसे के शिकार पर्यटक दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और उत्तराखंड के रहने वाले हैं, जो शुक्रवार रात दिल्ली से चले थे। हरियाणा में पंजीकृत टेंपो ट्रैवलर (एचआर-55ए-3679) में शुक्रवार रात करीब 12 बजे दिल्ली से पर्यटक सवार हुए और चोपता के लिए निकले। यहां शनिवार रात रुकने के बाद अगले दिन तुंगनाथ-चंद्रशिला ट्रैकिंग पर जाने की योजना थी। शनिवार पूर्वाह्न लगभग 11:20 बजे बदरीनाथ राजमार्ग स्थित रैंतोली के पास टेंपो ट्रैवलर अनियंत्रित होकर क्रश बैरियर को तोड़ते हुए करीब 500 मीटर नीचे खाई की ओर नीचे अलकनंदा नदी के एक किनारे पर जा गिरा।

मृतकों के आश्रितों को चार-चार लाख की आर्थिक सहायता : प्रधानमंत्री ने मृतक आश्रितों को दो-दो लाख और घायलों को 50-50 हजार की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने मृतक आश्रितों को दो-दो लाख, गंभीर घायलों को 40-40 हजार व सामान्य घायलों को 10-10 हजार देने की घोषणा की है।

उत्तराखंड के रैतोंली में दुर्घटनास्थल पर लोगों के बारे में जानकारी लेती एसपी विशाखा। जागरण

दुनिया के सबसे ऊंचे शिव मंदिर के दर्शन को नोएडा से निकली थीं सभी

मुनीश शर्मा, जागरण : नोएडा : सेक्टर 51 के मकान नंबर 50 में किराये पर रहने वालीं मोहिनी, स्मृति शर्मा, निकिता, शुभम सिंह, अंजलि श्रीवास्तव शुक्रवार रात साढ़े आठ बजे फ्लैट से हंसते खिलखिलाते हुए निकली। रास्ते में वंदना को उसकी कंपनी से लिवा लिया। सभी नोएडा से ट्रैवलर से तुंगनाथ मंदिर के लिए निकल पड़ी। सभी की दुनिया के सबसे ऊंचे शिव मंदिर में दर्शन करने के साथ यात्रा की योजना थी।

ज्यादा चोट नहीं आई है, मैं ठीक हूं: कुमारी शुभम : मूलरूप से प्रयागराज की रहने वाली कुमारी शुभम सिंह की मित्र वीनू ने बताया कि शनिवार दोपहर तीन बजे रुद्रप्रयाग के सरकारी अस्पताल से एक पुलिसकर्मी का फोन आया। पुलिसकर्मी ने बताया कि उनकी मित्र कुमारी शुभम सिंह जिस ट्रैवलर से घूमने जा रही थीं, वह पहाड़ी से नीचे गिर गया।

मैदान ही नहीं पहाड़ी इलाकों में भी लू का अलर्ट

जागरण टीम, नई दिल्ली

- दिल्ली समेत उत्तर भारत के कई राज्यों में लू को लेकर चेतावनी
- हिमाचल और उत्तराखंड के कई इलाकों में लू को लेकर अलर्ट

देश के अधिकांश हिस्सों में भीषण गर्मी और लू का प्रकोप जारी है। उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा और पंजाब के मैदानी इलाके ही नहीं, पहाड़ी राज्यों हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के भी ज्यादातर जिले भी लू की चपेट में हैं। मौसम विभाग ने इन दोनों राज्यों के लिए लू का अलर्ट जारी किया है। राजधानी दिल्ली में भीषण गर्मी से राहत मिलती नहीं दिख रही है और अगले तीन दिनों के लिए आरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम विभाग के मुताबिक, शनिवार को दिल्ली में अधिकतम तापमान मौसम के औसत से छह डिग्री अधिक 44.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रविवार को भी ऐसा ही मौसम रहने की संभावना है। पंजाब में 18 जून तक लू व अति लू की स्थिति बनी रहने का अनुमान है। शनिवार को सबसे ज्यादा 47.1 डिग्री सेल्सियस तापमान अबोहर का रहा, जो सामान्य से 8.5 डिग्री सेल्सियस अधिक था। हिमाचल में हमीरपुर के नेरी में शुक्रवार को अधिकतम तापमान 46.7 डिग्री सेल्सियस रहा, जो प्रदेश में अब तक का सबसे अधिक तापमान है। उत्तराखंड में देहरादून का अधिकतम तापमान 42.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जम्मू में भी लू का प्रकोप जारी है। जम्मू संभाग में सबसे अधिक तापमान कठुआ जिले में 46.5 डिग्री दर्ज किया गया।

नई दिल्ली में शनिवार को तपती धूप के बीच गुजरती महिलाएं छाते के सहारे बचाव करती दिखीं। प्रेट्र

बंगाल व सिक्किम में भारी बारिश की संभावना : देश के उत्तर-पूर्वी हिस्से में सोमवार और मंगलवार को भारी बारिश होने की संभावना को देखते हुए भारतीय मौसम विभाग ने कुछ राज्यों के लिए आरेंज तो कुछ के लिए रेड अलर्ट जारी किए हैं। अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में सोमवार और मंगलवार को भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। बंगाल और सिक्किम के उप-हिमालयी भागों में भी भारी बारिश हो सकती है। इन क्षेत्रों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है।

दक्षिण-पश्चिम मानसून पिछले चार दिनों से गुजरात में अटकाः आइएमडीः अहमदाबाद, प्रेट्रः दक्षिण पश्चिम मानसून ने चार दिन पहले गुजरात में प्रवेश किया था। लेकिन प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण तबसे यह राज्य के अन्य हिस्सों में आगे नहीं बढ़ पाया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आइएमडी) ने शनिवार को यह जानकारी दी। अहमदाबाद मौसम केंद्र के वैज्ञानिक रामाश्रय यादव ने बताया कि दक्षिण-पश्चिम मानसून ने 11 जून को दक्षिण गुजरात के नवसारी में दस्तक दी थी।

न्यूज गैलरी

बेंगलुरु में बेटी की हत्या कर महिला ने किया सरेंडर

बेंगलुरु : बेंगलुरु में अपनी साढ़े तीन वर्षीया बेटी की हत्या करने के बाद 35 वर्षीया महिला ने थाने पहुंचकर सरेंडर कर दिया। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि महिला की दो जुड़वां बेटियां हैं। उसकी दोनों बेटियां मानसिक रूप से कमजोर हैं। एक की स्थिति थोड़ी ठीक है तो गुरुवार को महिला ने जिसकी हत्या की उसकी गंभीर थी। महिला उसके भविष्य को लेकर चिंतित थी। (प्रेट्र)

जंगली हाथी ने किसान को कुचला, स्कूल में घुसा तेंदुआ

चेन्नई : तमिलनाडु के एरोडे जिले में सत्यमंगलम बाघ अभ्यारण्य में एक जंगली हाथी ने 25 वर्षीय किसान वेंकटचलम की कुचलकर जान ले ली। जंगली पशुओं से फसल की रक्षा करने शुक्रवार रात खेत पहुंचे वेंकटचलम की रात एक बजे खेत में घुस आए हाथी ने जान ले ली। उधर तिरुपतुर के एक स्कूल में तेंदुआ घुस आया। वन विभाग की टीम ने शनिवार सुबह अचेत कर तेंदुआ को पकड़ लिया। (प्रेट्र)

दर्शन व अन्य आरोपितों की पांच दिन बढ़ाई गई हिरासत

बेंगलुरु : रेणुकास्वामी हत्या मामले में बेंगलुरु की एक अदालत ने अभिनेता दर्शन, पवित्रा गौड़ा और 11 अन्य की पुलिस हिरासत 20 जून तक बढ़ा दी है। आरोपितों की छह दिन की पुलिस हिरासत रविवार को खत्म होने वाली थी, अदालत रविवार और सोमवार (बकरीद) को सार्वजनिक अवकाश के दिन बंद रहेगी, इसलिए पुलिस ने उन्हें न्यायाधीश विश्वनाथ सी गौदर के समक्ष शनिवार को पेश करने का फैसला किया। उन्हें 11 जून को कर्नाटक पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया था। (प्रेट्र)

खनन माफिया कर हमला, दारोगा की दो अंगुलियां काटी

गौनाहा (पश्चिम चंपारण) : बिहार में पश्चिम चंपारण जिले के नया टोला में शुक्रवार की रात बालू खनन मामले के आरोपितों को गिरफ्तार करने गई पुलिस टीम पर खनन माफिया और उसके समर्थकों ने लाठी - डंडे और तलवार से हमला कर दिया। हमलावरों ने तलवार से दारोगा संजीत कुमार की दो अंगुलियां काट दी। इस दौरान थानाध्यक्ष अंकित कुमार दास, एसआइ रामदेव सिंह, होमगार्ड भूखल राम भी चोटिल हो गए। जख्मी दारोगा का बेतिया के एक निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। (जासं)

संघ का स्वयंसेवकों से शताब्दी विस्तारक के रूप में एक वर्ष देने का आह्वान

जागरण संवाददाता, गोरखपुर

- संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा, गांवों में जाकर नियमित शाखा लगाएं, संघ के विस्तार से देश का कोई स्थान शेष न रह जाए

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने स्वयंसेवकों से शताब्दी विस्तारक के रूप में एक वर्ष देने का आह्वान किया है। कहा है कि संगठन के शताब्दी वर्ष के उद्देश्यों को पूरा करने व व्यापक विस्तार के लिए क्षेत्र में निकलें और गांव-गांव में संघ की उपस्थिति सुनिश्चित करें। संघ प्रमुख ने शनिवार को गोरखपुर में आयोजित कार्यकर्ता विकास वर्ग में अपने बौद्धिक के दौरान ये बातें कहीं।

शताब्दी विस्तारकों के कार्य और कार्यप्रणाली की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें गांवों में जाकर नियमित शाखा लगानी होगी। शाखा से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने का प्रयास करना होगा। स्वयंसेवकों की संख्या बढ़ाने पर जोर देना होगा। उसमें शामिल लोगों को संघ के राष्ट्र व समाज उत्थान के पवित्र उद्देश्य की जानकारी देनी होगी, ताकि लोग संगठन से स्वयं को जोड़कर गौरवान्वित महसूस करें। शताब्दी विस्तारकों को वर्षभर इस लक्ष्य के साथ कार्य करना होगा कि शताब्दी वर्ष 2025 तक संघ के विस्तार से देश का कोई स्थान शेष न रह जाए। उन्होंने कार्यकर्ता विकास वर्ग में शामिल काशी, अवध, कानपुर और गोरक्ष प्रांत के स्वयंसेवक प्रशिक्षुओं से अपना वर्षभर का समय संघ के लिए समर्पित करने की अपील की।

संघ प्रमुख मोहन भागवत। जागरण आर्काइव

संघ प्रमुख ने अपने बौद्धिक के दौरान प्रशिक्षुओं को एक नागरिक के तौर पर कर्तव्यबोध कराया। कहा कि हम हमेशा राष्ट्र से अपने अधिकारों की बात करते हैं, लेकिन हमारा राष्ट्र के प्रति कुछ कर्तव्य भी है, इसे भूल जाते हैं। पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, ऊर्जा संरक्षण आदि ऐसे विषय हैं, जो हमारे कर्तव्य हैं। अपने इन कर्तव्यों का पालन कर हम राष्ट्र व समाज की उन्नति में अपना योगदान सुनिश्चित कर सकते हैं। समाज में तेजी से फैल रहे भेदभाव पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह एक बड़ी समस्या है, जो समाज व राष्ट्र में विभेद की भावना को हवा दे रही है। इसे रोकने के लिए हमें आगे आना होगा। इसके लिए समय-समय पर समूह मिलन और सहभोज का आयोजन करना होगा। समाज को जोड़ने का प्रयास करते रहना होगा। संघ की शाखाओं में बिना किसी भेदभाव के समाज के हर वर्ग को आमंत्रित करना होगा और संगठन के माध्यम से सामाजिक एकता को बनाए रखने का संदेश देना होगा।

बिहार में दिनदहाड़े एक्सिस बैंक से 19 लाख की लूट

जासं, बिहटा (पटना) : बिहार में बिहटा थाने से लगभग तीन किमी दूर स्थित एक्सिस बैंक की शाखा से अपराधियों ने शनिवार को दिनदहाड़े 17.50 लाख रुपये लूट लिए। इसके अलावा कैश काउंटर पर खड़े ग्राहक से 41 हजार और एक कर्मी से एक लाख 45 हजार भी छीन लिए। करीब 10 मिनट तक लूटपाट करने के बाद बदमाश फरार हो गए। सूचना पर दलबल के साथ सिटी एसपी (पश्चिमी) अभिनव धीमान एवं एसडीपीओ (द्वितीय) पंकज मिश्रा मौके पर पहुंचे। बैंक में लगे सीसी कैमरों के फुटेज में नकाबपोश लुटेरों का हुलिया कैद हुआ है।

बताया गया कि चार की संख्या में हथियारबंद बदमाश 11:42 बजे बैंक में दाखिल हुए। उस वक्त बैंक प्रबंधक, कर्मचारी और ग्राहक मिलाकर कुल 14 लोगों मौजूद थे। अपराधियों ने हथियार के बल पर पहले गार्ड को बंधक बनाया, फिर सभी को एक कमरे में बंद कर दिया। इस दौरान हाथ में नकदी लिए खड़े ग्राहकों से रुपये भी छीन लिए। इसके बाद कैशियर से तिजोरी की चाबी ली और वहां से नकदी को बैग में भर लिया। लुटेरे बैग भी साथ लेकर आए थे। लुटेरों ने लोगों से मोबाइल भी ले लिए थे। सभी ने चेहरे को गमछा और मास्क से ढक रखा था। सिटी एसपी ने बताया कि बैंक प्रबंधक, कर्मियों व ग्राहकों को बंधक बनाकर कैश लूटने का मामला प्रकाश में आया है।

छत्तीसगढ़ में ईसाई मिशनरी ने बांटे हिंदुओं की निंदा वाले पर्चे

नईदुनिया प्रतिनिधि, बिलासपुर

- मरीज के स्वजन ने दर्ज कराई शिकायत, जांच शुरू

ईसाई मिशनरियों की ओर से छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स) में भर्ती मरीजों व उनके स्वजन के बीच हिंदुओं की निंदा करने वाले पर्चे बांटे जाने का मामला सामने आया है। पर्चे में हिंदू धर्म के प्रतीक मंदिर को जोड़कर हिंदुओं को भरमाने की बात भी सामने आ रही है।

मरीज के स्वजन ने मतांतरण को प्रोत्साहित करने वाले पर्चे को लेकर शिकायत की है। पुलिस अधिकारी का कहना है कि सिम्स में प्रार्थना के पर्चे बांटने की सूचना पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्रारंभिक जांच में मिशन अस्पताल परिसर स्थित विश्वासी मंदिर की ओर से पर्चे छपवाए जाने की जानकारी मिली है। मंदिर से जुड़े लोगों ने प्रार्थना के लिए पर्चे छपवाने की बात स्वीकार की है मगर अस्पताल में बंटवाने से इंकार किया है। विश्व हिन्दू परिषद ने प्रशासन से जांच की मांग की है। विहिप के अनुसार ईसाई धर्म में आराधना के लिए चर्च होता है लेकिन पर्चे में मंदिर का जिक्र किया गया है। विश्वासी मंदिर और मसीहा मंदिर में आराधना करने से तकलीफ दूर होने का दावा भी किया गया है। मिशनरियों ने मतांतरण का नया तरीका ढूंढा है।

बाल आयोग ने मप्र सरकार से पूछा, मदरसों में हिंदू बच्चे कैसे पहुंचे

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया ● भोपाल

- आयोग ने राज्य के मुख्य सचिव को किया तलब किया, मध्य प्रदेश के मदरसों में पढ़ रहे 9417 हिंदू बच्चे

मध्य प्रदेश के मदरसों में हिंदू बच्चों को इस्लाम की तालीम देने के मामले में राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने राज्य के मुख्य सचिव को 18 जून को दिल्ली स्थिति मुख्यालय में तलब किया है। आयोग ने राज्य सरकार ने पूछा है कि मदरसों में 9417 हिंदू बच्चे कैसे पहुंचे। आयोग का मानना है कि यह संविधान के अनुच्छेद 28 (3) का उल्लंघन है। इसमें कहा गया है कि सरकारी सहायता लेने वाला कोई संस्थान किसी को अन्य धर्म की शिक्षा नहीं दे सकता। आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने कहा कि इस खेल में मतांतरण की आशंका से भी इन्कार नहीं किया जा सकता है। आयोग ने सरकार से पूछा है कि बच्चों को मदरसों से निकालकर स्कूलों में दाखिला कराने के लिए क्या कार्रवाई की गई।

मदरसों में हिंदू बच्चों को रखना अक्षम्य अपराध : कानूनगो : राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो का कहना है कि मदरसों में शिक्षक टीईटी (टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट) क्वालिफाई नहीं है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत मदरसों की अधोसंरचना नहीं है। इन मदरसों में सुरक्षा की व्यवस्था तय मानकों के अनुरूप नहीं है। ऐसे में मदरसों में बच्चों को रखना एक अपराध है। हिंदू बच्चों को मदरसों में भेजना अक्षम्य कार्य है, आयोग ने इसे तत्काल सुधारने के लिए राज्य सरकार से आग्रह किया है।

शिक्षा मंत्री बोले- आयोग की जानकारी गलत है : मध्य प्रदेश सरकार के स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग के दावे को गलत बताया है। मंत्री ने कहा कि आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो जितने बता रहे हैं, उतनी बड़ी संख्या में हिंदू बच्चे मदरसों में नहीं पढ़ रहे हैं। मंत्री ने कहा कि कानूनगो अभी शामिल हुए हैं, हम लोकसभा चुनाव की आचार संहिता लगने से पहले इस विषय पर काम कर रहे हैं। मदरसे में जो पढ़ाया जा रहा है, वह सरकार का ही पाठ्यक्रम है, फिर भी सभी पहलुओं पर जांच करवा रहे हैं।

पोक्सो मामले में सीआइडी के सामने 17 को पेश होंगे येदियुरप्पा

- कर्नाटक के पूर्व सीएम ने कहा, पहले से तय कार्यक्रम के लिए दिल्ली में था

बेंगलुरु, प्रेट्र: पोक्सो मामले का सामना कर रहे भाजपा के वरिष्ठ नेता बीएस येदियुरप्पा शनिवार को बेंगलुरु लौट आए। उन्होंने कहा कि वह पूछताछ के लिए 17 जून को आपराधिक जांच विभाग (सीआइडी) के समक्ष पेश होंगे। इससे पहले शुक्रवार को कर्नाटक हाई कोर्ट ने पोक्सो मामले में पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा को राहत दी थी। कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी और उनको सीआइडी जांच में 17 जून को शामिल होने का निर्देश दिया।

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा ने यहां पत्रकारों से कहा, 'मैं पहले से तय कार्यक्रम के लिए दिल्ली गया था। मैंने पहले ही लिखित में सूचित कर दिया था कि मैं 17 जून को पूछताछ के लिए उपस्थित रहूंगा। हाई कोर्ट ने सीआइडी को (गिरफ्तारी से) रोकने का आदेश दिया है। मैं सोमवार को जांच के लिए उपस्थित हो रहा हूं।' उन्होंने कहा, 'अनावश्यक रूप से कुछ लोगों ने भ्रम पैदा करने की कोशिश की। मैं किसी को दोष नहीं देना चाहता, हर कोई तथ्य जानता है। साजिश में जो शामिल हैं, उन्हें लोग सबक सिखाएंगे।' गत गुरुवार को बेंगलुरु की एक अदालत ने येदियुरप्पा के खिलाफ 14 मार्च को दर्ज हुए यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पोक्सो) मामले में एक गैरजमानती वारंट जारी किया था। सीआइडी की विशेष जांच टीम ने फास्ट ट्रैक अदालत का दरवाजा खटखटाया था, क्योंकि येदियुरप्पा बुधवार को पूछताछ के लिए पेश होने में विफल रहे थे।

हाई कोर्ट ने पूर्व सीएम को सीआइडी के समक्ष पेश होने का दिया है निर्देश

कांग्रेस सरकार को करारा तमाचा: जोशी : बेंगलुरु, आइएएनएसः केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि येदियुरप्पा से जुड़े मामले में कोर्ट ने कर्नाटक की कांग्रेस सरकार को करारा तमाचा लगाया है। हुबली में उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'अदालत का आदेश कांग्रेस सरकार पर करारा तमाचा है। पुलिस ने चुनाव से पहले नोटिस जारी किया था।

वर्ग पहेली-2662

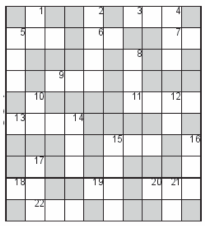

बाएं से दाएं

3 तीन घंटे का समय (3)। 5 छंदबद्ध रचनात्मक रचना (3)। 6 राजा दशरथ के ज्येष्ठ पुत्र (2)। 7 अल्प, न्यून (2)। 9 चूड़ियां पहनते हैं ...में (3)। 11 निषादराज नल की पत्नी और राजा भीमरथ की कन्या (4)। 13 ...वर्मा छायावाद की प्रमुख स्तंभ और कवयित्री हैं (4)। 15 जोगी का स्त्री रूप (3)। 18 किस्मत (2)। 19 पिता के पिता (2)। 20 इंद्र की पत्नी (3)। 22 फिल्म मिस्टर इंडिया की अभिनेत्री (3)।

© Bird Features & Writing Agency

ऊपर से नीचे

1 कविता करने वाला (2)। 2 कृष्ण की एक उपासक (4)। 4 रुपया-पैसा, दौलत (3)। 5 शपथ, सौगंध (3)। 8 पति की बहन (3)। 10 कार्टून 'टाम और जेरी' में जेरी ...है (2)। 12 तांत्रिक (2)। 14 सूरज के चलने का मार्ग कहलाता है (3)। 15 अकबर की पत्नी (4)। 16 तौलने के काम आने वाला पत्थर का टुकड़ा (3)। 17 ...थिप्से शतरंज खेलती हैं (3)। 21 सोया हुआ, स्वप्न (2)।

कल का हल

जागरण सुडोकू-2662

6		5		2		3		7
	2			3			6	
7		4	6		5		1	
3			8			9		1
	7	9		1	2		5	
8				5				2
2	4		1				9	
		6		9		1		
9			5		7		2	8

कल का हल

3	2	4	7	1	5	9	8	6
1	5	6	9	4	8	3	2	7
9	8	7	3	6	2	1	5	4
6	7	3	5	9	4	8	1	2
4	9	2	8	3	1	7	6	5
8	1	5	2	7	6	4	9	3
7	4	8	6	2	9	5	3	1
2	3	9	1	5	7	6	4	8
5	6	1	4	8	3	2	7	9

आपदा के सबक

केदारनाथ आपदा के बाद राज्य में आपदा प्रबंधन को कई कदम, उच्च हिमालय की पांच ग्लेशियर झीलों की सामने आएगी तस्वीर

हिमालय में ग्लेशियर झीलों का अध्ययन, भूस्खलन क्षेत्रों की मैपिंग

केदार दत्त ● जागरण

देहरादून : उच्च हिमालयी क्षेत्र में स्थित ग्लेशियरों के टूटने अथवा अन्य कारणों से वहां झीलें भी बन रही हैं। केदारनाथ के ठीक ऊपर स्थित चौराबाड़ी ग्लेशियर में बनी झील को जून 2013 की जलप्रलय का प्रमुख कारण मानी गई थी। इससे सबक लेते हुए अब ग्लेशियर झीलों का चरणबद्ध ढंग से अध्ययन कराया जा रहा है। इसे लेकर केंद्र सरकर एवं राज्य की चार एजेंसियों के विशेषज्ञों की टीम तय की गई है।

प्रथम चरण में संवेदनशील श्रेणी में शामिल पिथौरागढ़ की चार और चमोली की एक ग्लेशियर झील के अध्ययन के लिए यह टीम जुलाई में संबंधित क्षेत्रों में जाकर आवश्यक उपकरण भी लगाएगी। इसमें देखा जाएगा कि वर्तमान में इन झीलों में कितना पानी है, गहराई कितनी है और इनके टूटने की स्थिति में कौन सा क्षेत्र प्रभावित हो सकता है। विशेषज्ञों की टीम सितंबर में दोबारा यहां अध्ययन करेगी और फिर अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगी।

केदारनाथ धाम में 11 वर्ष पहले आज के ही दिन आई जलप्रलय से भारी क्षति हुई थी। आपदा का कारण बनी चौराबाड़ी ग्लेशियर झील ही बनी थी।

अब हिमालयी क्षेत्र में ग्लेशियर झीलों का अध्ययन कराया जा रहा है तो प्रदेशभर में भूस्खलन की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों की मैपिंग के साथ ही वहां अर्ली वार्निंग सिस्टम विकसित करने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए इंटरफेरोमेट्रिक सिंथेटिक-एपर्चर राडार जैसी आधुनिकतम तकनीक का उपयोग किया जाएगा।

ड्रोन और सेटेलाइट आधारित इस तकनीक से भूस्खलन से पहले चेतावनी मिल सकेगी। यही नहीं, पहाड़ के शहरों की धारण क्षमता का आकलन को कसरत चल रही है। फ्लड मैनेजमेंट सिस्टम विकसित करने पर भी ध्यान केंद्रित किया गया है। संवेदनशील व अति संवेदनशील श्रेणी में आने वाले क्षेत्रों में मैपिंग के आधार पर उपचारात्मक कार्य किए जाएंगे। जलवायु परिवर्तन को लेकर भविष्य को लेकर कदम उठाए जाएंगे।

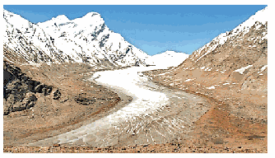

उत्तराखंड के ग्लेशियर ने बदला रास्ता। फाइल

"प्रदेश में आपदा न्यूनीकरण के लिए जो भी प्रयास हो सकते हैं, किए जा रहे हैं। आपदा प्रबंधन में संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता हो, इस पर ध्यान केंद्रित किया गया है। सूचना तंत्र को सशक्त बनाने को कदम उठाए गए हैं। आमजन को भी आपदा प्रबंधन के दृष्टिगत जागरूक किया जा रहा है।

– विनय रुहेला, उपाध्यक्ष, राज्य आपदा प्रबंधन सलाहकार समिति

पहले चरण में पांच शहरों की धारण क्षमता का आकलन

बदरीनाथ धाम की यात्रा के सबसे अहम पड़ाव जोशीमठ (ज्योतिर्मठ) में पिछले वर्ष भूधंसाव की घटना के बाद सरकार ने राज्य के पर्वतीय क्षेत्र के 15 शहरों की धारण क्षमता का आकलन कराने का निर्णय लिया है। इसके लिए एजेंसी तय कर दी गई है, जो चरणबद्ध ढंग से कार्य करेगी। इस साल पहले चरण में पांच शहरों की धारण क्षमता का आकलन किया जाएगा। इन शहरों में नैनीताल, अल्मोड़ा, गोपेश्वर, चमोली व उत्तरकाशी शामिल हैं।

****

आज का भविष्यफल– 16 जून, 2024 रविवार

के.ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति : ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष दशमी। आज का राहुकाल : सायं 04 बजकर 30 मिनट से 06 बजे तक। आज का दिशा शूल : पश्चिम।

आज का पर्व एवं त्योहार : श्री गंगा दशहरा, श्री रामेश्वर प्रतिष्ठा दिवस।

कल 17 जून, 2024 का पंचांग

कल का दिशाशूल : पूर्व

कल की भद्रा : सायं 05 : 35 बजे से 18 जून को प्रातः 06 : 36 बजे तक।

विशेष : एकादशी तिथि में वृद्धि

विक्रम संवत 2081 शके 1946 उत्तरायण, उत्तरगोल, ग्रीष्म ऋतु ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष की एकादशी चित्रा नक्षत्र तत्पश्चात स्वाति नक्षत्र परिघ योग तत्पश्चात शिव योग तुला में चंद्रमा।

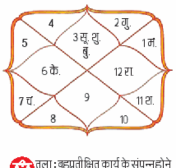

मेष : दांपत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी।

वृष : तनाव मिल सकता है। व्यक्ति विशेष के कारण मन अशांत रहेगा।

मिथुन : जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा।

कर्क : पारिवारिक कार्य में व्यस्त रहेंगे। दायित्व की पूर्ति होगी।

सिंह : आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कन्या : आर्थिक योजना को बल मिलेगा। रिश्तों में निकटता आएगी।

तुला : बहुप्रतीक्षित कार्य के संपन्न होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

वृश्चिक : स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कर्मक्षेत्र में व्यवधान आएगा।

धनु : जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मकर : आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। धन, सम्मान में वृद्धि होगी।

कुंभ : समस्या का समाधान होगा। रिश्तों में निकटता आएगी।

मीन : शासनसत्ता का सहयोग रहेगा। संतान के कारण चिंतित रहेंगे।

7 महीने संचालित रहने के बाद नैनीताल के कार्बेट नेशनल पार्क के ढिकाला व दुर्गादेवी पर्यटन जोन शनिवार से बंद कर दिए गए हैं। अब ये दोनों जोन 15 नवंबर से पर्यटकों के लिए खुलेंगे।

रविवार विशेष

मानवता को सशक्त करता जीवन 'दान'

गत 14 जून को विश्व रक्तदाता दिवस मनाया गया। बीस वर्ष पहले इसकी शुरुआत रक्तदान करने वालों के योगदान को सराहने और जीवनदान देने वाले इस महती कार्य के लिए अधिकाधिक लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए हुई थी। दो दशक की यात्रा में इसके सुफल भी देखने को मिले हैं। लोग कठिन समय में जरूरतमंद और उपचाराधीन व्यक्तियों के लिए रक्तदान कर रहे हैं। सकारात्मक यह कि अब यह केवल व्यक्तिगत स्तर तक सीमित न रहकर कई स्थानों पर तो अंतरराज्यीय प्रयास के रूप में सामने आ रहा है। पढ़िए रक्तदान से जीवन की डोर सशक्त कर रहे प्रयासों की प्रेरक कहानियां:

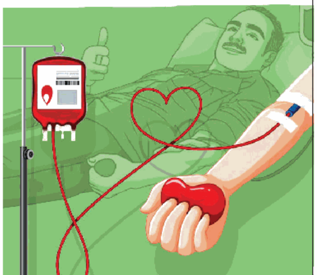

आगरा के एसएन मेडिकल कालेज में रक्तदान करती डा. सपना गोयल • सौ. स्वयं

डाक्टरों का 'आपरेशन ब्लड' बचा रहा जान

रक्त की जरूरत हो और व्यवस्था न हो। ऐसे में चिकित्सक दोहरी भूमिका निभा रहे हैं। इलाज करने के साथ रक्तदान भी कर रहे हैं। यह मिसाल एसएन मेडिकल कालेज, आगरा में देखने को मिल रही है। यहां डाक्टरों द्वारा ही गंभीर मरीजों की जान बचाने के लिए 'आपरेशन ब्लड' चलाया जा रहा है। इससे वरिष्ठ व जूनियर डाक्टर और मेडिकल छात्र जुड़े हुए हैं। ब्लड बैंक से एक फोन आने पर रक्तदान करने के लिए डाक्टर और मेडिकल छात्र पहुंच जाते हैं। ऐसे में रक्तदाता न होने, मरीज के ग्रुप का ब्लड उपलब्ध न होने पर तीमारदार को लौटना नहीं पड़ता।

एसएन मेडिकल कालेज के कुछ डाक्टर और मेडिकल छात्र नियमित रक्तदान करते थे। कोविड के समय रक्त की मांग बढ़ने लगी, संक्रमण के चलते कोई बाहर नहीं निकल रहा था। ऐसे में प्रसव पीड़ा होने पर एनीमिया से पीड़ित गर्भवती महिला की जान बचाना मुश्किल हो रहा था। इसके बाद एसएन मेडिकल कालेज के ब्लड बैंक ने आपरेशन ब्लड शुरू किया। ब्लड बैंक प्रभारी डा. नीतू चौहान बताती हैं कि ऐसे डाक्टर जो नियमित रक्तदान करते थे, इसमें उन्हें शामिल किया गया। इसके साथ ही जूनियर डाक्टर और मेडिकल छात्रों को आपरेशन ब्लड से जोड़ा गया। ब्लड बैंक के डाटा में सभी के नाम दर्ज कर उनके ब्लड ग्रुप और पिछली बार रक्तदान कब किया, यह दर्ज कर लिया गया। जिस ब्लड ग्रुप के मरीज को जरूरत होती, उसी ब्लड ग्रुप के डाक्टर और जूनियर डाक्टर को ब्लड बैंक से फोन कर दिया जाता है। हर महीने इस तरह 40 से 50 यूनिट रक्तदान किया जा रहा है।

विवाह वर्षगांठ और जन्मदिन पर रक्तदान: एसएन के डाक्टरों ने अपने जन्मदिन और विवाह वर्षगांठ पर भी रक्तदान करना शुरू कर दिया। डाक्टर वर्ष में तीन से चार बार रक्तदान कर रहे हैं। एमबीबीएस प्रथम वर्ष के छात्रों द्वारा वर्ष में तीन से चार बार रक्तदान शिविर लगाया जाता है। इसमें 200 से 300 यूनिट रक्तदान कराया जा रहा है।

बाहर के मरीजों को भी उपलब्ध: डाक्टर और जूनियर डाक्टरों के रक्तदान करने से एसएन की ब्लड बैंक में रक्त की उपलब्धता बढ़ रही है। 2019 तक ब्लड बैंक में दो से तीन हजार यूनिट ब्लड आता था, अब यह 10 हजार यूनिट तक पहुंच गया है। जिस ब्लड ग्रुप की मात्रा बढ़ जाती है, उसे निजी अस्पतालों में भर्ती मरीजों को बिना रक्तदाता के उपलब्ध करा दिया जाता है। डा. विकास गुप्ता, डा. केएस दिनकर, डा. अंकुश गुप्ता, डा. कमल भारद्वाज, डा. सपना गोयल, डा. आरती अग्रवाल, डा. प्रभात अग्रवाल, डा. अखिल प्रताप सिंह, डा. मधु नायक, डा. रचना अग्रवाल, आकाश जैन, सचिन बंसल, नीलम आदि इस अभियान के सक्रिय सदस्य हैं।

(आगरा से अजय दुबे)

वाट्सएप पर रक्तदान क्रांति तीन लाख से अधिक को लाभ

हरियाणा में फतेहाबाद के टोहाना में लगा रक्तदान शिविर • सौ. तनुज गोयल

हरियाणा की सबसे बड़ी रक्तदान क्रांति की शुरुआत वाट्सएप से हुई थी। ये पढ़कर शायद आपको अचरज हो, लेकिन ये 100 प्रतिशत सच है। टोहाना के एक युवा तनुज गोयल ने वर्ष 2015 में महज एक वाट्सएप ग्रुप से शुरू करके एक ऐसा राष्ट्रीय स्तर का नेटवर्क तैयार कर लिया है, जिसके जरिये आप देश के किसी भी शहर में आपात स्थिति में रक्त प्राप्त कर सकते हैं। इतना ही नहीं, तनुज का नेटवर्क देशभर में तीन लाख 20 हजार से अधिक लोगों को आपात स्थिति में रक्त उपलब्ध करवा चुका है। इसके लिए वह कोई फीस नहीं लेते। तनुज गोयल की इस पहल का लाभ आम आदमी के साथ खास लोग भी उठा चुके हैं। इनमें चंडीगढ़ की पूर्व सांसद किरण खेर और जम्मू-कश्मीर में पैंथर्स पार्टी के मुखिया भीम सिंह शामिल हैं। किरण खेर को मुंबई में तो भीम सिंह को जम्मू में रक्त उपलब्ध करवाया गया। इसके बाद भीम सिंह ने तनुज गोयल को पत्र लिखकर आभार जताया था। तनुज चंडीगढ़ हाई कोर्ट में वकालत करते हैं।

ऐसे काम करता है फ्रेंड्स टू हेल्प का नेटवर्क: देश भर में रक्तदान के क्षेत्र में काम करने वाले सभी स्वयंसेवकों का डाटा एडवोकेट तनुज गोयल ने एकत्रित किया। इस काम में उन्हें लगभग तीन वर्ष से अधिक का समय लगा। इसको उन्होंने विभिन्न राज्यों और जिलों के आधार पर बांट दिया और अब पूरे देश से किसी को भी रक्त से जुड़ी किसी प्रकार की कोई आवश्यकता होती है तो तनुज गोयल और उनकी टीम के किसी सदस्य के पास मैसेज आता है। इस मैसेज को फिर संबंधित मरीज के राज्य और जिले में भेजा जाता है। इसके बाद उनके नेटवर्क से कोई न कोई व्यक्ति रक्तदाता का इंतजाम करके संबंधित मरीज तक पहुंचा देता है। तनुज गोयल की मानें तो वह रोजाना 15 से 18 काल ऐसी अटेंड करते हैं। तनुज गोयल का मोबाइल नंबर 9802426440 है जिसपर काल या मैसेज करके रक्त की जरूरत बताई जा सकती है।

(फतेहाबाद से अमित रुखाया)

पिता 100 बार तो तनुज 27 की उम्र में 35 बार कर चुके रक्तदान

तनुज रक्तदान के पीछे सबसे बड़ी प्रेरणा अपने पिता सतभूषण गोयल को मानते हैं। सतभूषण स्वयं 100 से अधिक बार रक्तदान कर चुके हैं। तनुज के पूछने पर पिता ने जवाब दिया कि इसमें किसी व्यक्ति की जान बचाने का सुख है तो तनुज ने भी इसे एक मिशन की तरह अपना लिया। कई बार दोनों पिता-पुत्र ने टोहाना शहर में रक्तदान शिविर लगवाए और लोगों को जागरूक भी किया।

शादी से पहले रक्तदान बन गया अभियान

बठिंडा के कोटशमीर निवासी मनजीत सिंह गोरा की बहन की शादी के अवसर पर आयोजित रक्तदान कैंप • फाइल फोटो

बात लगभग 40 वर्ष पुरानी है। एक बच्ची हादसे में बुरी तरह घायल हो गई थी। रक्त काफी बह चुका था। स्थिति ऐसी हुई कि यदि तत्काल एक यूनिट खून की व्यवस्था न होती तो बच्ची की जान भी जा सकती थी। पंजाब में बठिंडा जिले के रामपुरा निवासी बच्ची के पिता हजारी लाल बंसल ने जैसे-तैसे यह व्यवस्था की और बेटी की जान बचा ली। इस घटना ने हजारी लाल को अंदर तक झकझोर दिया। उन्होंने इसके बाद रक्तदान के लिए अभियान शुरू कर दिया। हर किसी को इसके लिए प्रेरित किया। इसकी जरूरत बताई, समझाई और धीरे-धीरे यह अभियान एक आंदोलन के रूप में बदल गया। प्रभाव यहां तक हो गया कि वैवाहिक कार्यक्रमों में भी रक्तदान ने मजबूत जगह बना ली। गांव कोटशमीर में तो बरात जानी हो या आनी हो, लोग रक्तदान अवश्य करते हैं।

बेटी को बचाने के बाद हजारी लाल यह सुनिश्चित करना चाहते थे कि उनके क्षेत्र में रक्त की कमी से किसी की मौत न हो। उन्होंने दोस्तों और पड़ोसियों को अपने जीवनकाल में कम से कम एक बार रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया। धीरे-धीरे पड़ोसियों और दोस्तों के साथ ही पूरा समाज उनके इस अभियान का हिस्सा बन गया और 40 वर्ष पूर्व आरंभ हुई यह रक्तदान की परंपरा बठिंडा में आज भी जारी है। बठिंडा की यूनाइटेड वेलफेयर सोसायटी की ओर से पंजाब ही नहीं बल्कि हिमाचल प्रदेश व उत्तराखंड में भी रक्तदान कैंप आयोजित किए।

वर्ष 2008 में यूनाइटेड वेलफेयर सोसायटी से जुड़े गांव कोटशमीर के रहने वाले मनजीत सिंह गोरा ने अपने गांव में इसकी शुरुआत की। उन्होंने अपनी बहन की शादी में रक्तदान कैंप आयोजित किया। इसमें बरातियों ने भी रक्तदान किया। इसके बाद उनके गांव में यह एक प्रथा जैसी हो गई। यह रक्तदान की लहर का ही असर था कि तब बठिंडा पंजाब में रक्तदान में पहले स्थान पर पहुंच गया था।

कई अन्य पंचायतें भी कर रहीं लागू: मनजीत सिंह गोरा ने जिस प्रकार से अपने गांव में रक्तदान की रीति आरंभ की, उसे कई अन्य पंचायतें भी लागू कर रही हैं। बरसी और जन्मदिन पर भी रक्तदान कैंप लगाए जाने लगे हैं। स्थानीय निवासी मास्टर बलजिंदर सिंह अपने बेटे का जन्मदिन रक्तदान कैंप लगाकर ही मनाते हैं। ग्रामीणों में जागरूकता बढ़ रही है। एक स्थानीय कंपनी ने भी रक्तदान शिविर लगाना आरंभ किया है। (बठिंडा से गुरप्रेम लहरी)

कुंडली मिलाने के बजाय ब्लड ग्रुप की जानकारी

यूनाइटेड वेलफेयर सोसायटी के संस्थापक विजय भट्ट के बेटे विक्रम भट्ट ने शादी में घोड़ी चढ़ने से पहले स्वयं भी रक्तदान किया और पूरे परिवार का भी रक्तदान करवाया। उन्होंने विवाह से पूर्व होने वाली पत्नी की कुंडली मिलाने की बजाए ब्लड ग्रुप की जानकारी ली। इसी प्रकार मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विस में तैनात हरबिंदर सिंह भी रक्तदान करके ही घोड़ी चढ़े।

दिव्यांग हैं तो क्या हुआ, रक्तदाता हैं

बठिंडा के हरदीप सिंह शारीरिक तौर पर दिव्यांग हैं, लेकिन अब तक 126 बार रक्तदान कर चुके हैं। वह संदेश देते हैं कि अगर वह रक्तदान कर सकते हैं तो अन्य लोग क्यों नहीं?

पर्यावरण का सबसे अच्छा मित्र है बरगद का पेड़

आओ रोपें अच्छे पौधे

बरगद (वट वृक्ष) का पेड़ वातावरण में सबसे अधिक आक्सीजन छोड़ने वाले पेड़ों में शामिल है। साथ ही इसकी पत्तियों में कार्बन डाइआक्साइड को सोखने की सबसे ज्यादा क्षमता होती है। यही कारण है कि पर्यावरण में संतुलन बनाए रखने के लिए यह पेड़ बहुत जरूरी है और इसे पर्यावरण के सबसे अच्छे मित्रों में एक कहा जाता है। पहले प्रकृति को संरक्षित करने वाले और चिकित्सीय गुणों वाले पेड़-पौधों को धार्मिक आस्था से जोड़ दिया जाता था, जिससे मनुष्य उन्हें नुकसान न पहुंचाए। देशभर में वट सावित्री का व्रत रखने वाली महिलाएं इसकी पूजा करती हैं। बरगद के पेड़ की विशेषता यह है कि इसमें पूरी की पूरी जैव विविधता पनप सकती है। इसमें चींटी से लेकर अलग-अलग प्रकार के पक्षी अपना बसेरा बना लेते हैं। मनुष्यों के लिए यह पेड़ वरदान से कम नहीं है।

बंगाल के भर्ती घोटाले में सीबीआइ ने बिचौलियों का लगाया पता

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता : बंगाल में शिक्षा विभाग में नौकरी के बदले रुपये लेने के मामले की जांच कर रही सीबीआइ को 35 नए बिचौलियों-सह-संग्रह एजेंटों के बारे में जानकारी मिली है। भर्ती घोटाले में लाभार्थियों और लाभ प्रदान करने वालों के बीच मध्यस्थ के रूप में काम करने का आरोप है।

सूत्रों ने कहा कि पिछले कुछ महीनों के दौरान, सीबीआइ के अधिकारियों ने मोटी रकम के बदले स्कूल में नौकरी पाने के आरोपित लगभग 2,300 व्यक्तियों से पूछताछ की। पूछताछ के दौरान इन 35 एजेंटों के नाम सामने आए। सीबीआइ अधिकारियों ने इन बिचौलियों के पिछले रिकार्ड की भी जांच की और पाया कि उनमें से कई राजनीतिक संपर्कों के मामले में अपने जिलों में अत्यधिक प्रभावशाली थे। जांच अधिकारी इन 35 एजेंटों को बुलाने, उनसे पूछताछ करने और घोटाले में उनसे जुड़े आकाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करने की तैयारी कर रहे हैं।

25 साल बाद एक बार फिर आइएमए में जुटे सैन्य अधिकारी

आइएमए में वार मेमोरियल में बलिदानियों को श्रद्धांजलि देते वर्ष 1999 बैच के पासआउट सैन्य अधिकारी। साभार आइएमए

1999 में पासआउट हुए जेंटलमैन कैडेटों ने मनाया रजत जयंती पुनर्मिलन समारोह

532 जेंटलमैन कैडेट पासआउट हुए थे, जिनमें मित्र देशों के 16 कैडेट भी शामिल रहे

03 कीर्ति चक्र समेत कई पदक सहित 40 से अधिक वीरता पुरस्कार इस बैच के कैडेटों को मिले

200 से अधिक सैन्य अधिकारियों ने रजत जयंती पुनर्मिलन समारोह में शिरकत की

जागरण संवाददाता, देहरादून

भारतीय सैन्य अकादमी (आइएमए) से 25 साल पहले पासआउट हुए जेंटलमैन कैडेट (अब सैन्य अधिकारी) एक बार फिर अकादमी में जुटे। मौका था 12 जून, 1999 को पासआउट हुए 104 रेग्युलर व समकक्ष कोर्स के कैडेटों की रजत जयंती पुनर्मिलन समारोह का। इस बैच से 532 जेंटलमैन कैडेट पासआउट हुए थे, जिनमें मित्र देशों के 16 कैडेट भी शामिल रहे। ढाई दशक की सैन्य सेवा में इस बैच से पासआउट हुए कई कैडेट सेना में ऊंचे पदों पर पहुंचे हैं।

सिल्वर जुबली बैच के सदस्य उत्तराखंड के जनसंपर्क अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल मनीष श्रीवास्तव ने बताया कि इसी बैच से पासआउट हुए मेजर संदीप उन्नीकृष्णन को वीरता के लिए अशोक चक्र मिला था। तीन कीर्ति चक्र, कई शौर्य चक्र, सेना पदक सहित 40 से अधिक वीरता पुरस्कार इस बैच के कैडेटों को मिले हैं। सैन्य सेवा से रिटायर होने के बाद कई कारपोरेट सेक्टर से जुड़कर बेहतर कार्य कर रहे हैं। इस बैच के 200 से अधिक सैन्य अधिकारियों, वीरांगनाओं व उनके पारिवारिक सदस्यों ने आइएमए में आयोजित रजत जयंती पुनर्मिलन समारोह में शिरकत की। अकादमी में इन सैन्य अधिकारियों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

भोजशाला के सर्वे में प्राचीन शिलालेखों की वीथिका को भी किया शामिल

नईदुनिया प्रतिनिधि, धार

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के आदेश पर चल रहे धार स्थित ऐतिहासिक भोजशाला के सर्वे में अब धार के प्राचीन किले में स्थित संग्रहालय की वीथिका को भी शामिल किया गया है। इस संग्रहालय में बीते दशकों में भोजशाला से निकले वे महत्वपूर्ण शिलालेख रखे गए हैं, जिनमें प्राचीन भाषा में रचनाएं लिपिबद्ध की गई हैं। चार शिलालेख तो हूबहू उसी तरह के हैं, जिस तरह के शिलालेख वर्तमान में भोजशाला के मुख्य प्रवेश द्वार के पास लगे हुए हैं।

किले में 11वीं शताब्दी की काले पाषाण की कुबेर प्रतिमा भी है। उसके अलावा लाल पाषण की अर्धनारीश्वर की मूर्ति भी यहां रखी हुई है। सर्वे टीम ने इसका भी विवरण दर्ज किया है। धार व मांडू के संग्रहालय में भोजशाला से संबंधित अवशेषों को सर्वे में दर्ज किया जाएगा। इसके लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा राज्य पुरातत्व विभाग से पुराने दस्तावेज भी संकलित किए गए हैं। इसे भी रिपोर्ट में शामिल किया जाएगा।

धार के किले में रखी अर्धनारीश्वर की मूर्ति। फाइल फोटो

22 मार्च से चल रहे सर्वे को 14 जून को 85 दिन पूरे हो चुके हैं। यह सर्वे कार्य 27 जून तक सतत जारी रहेगा।

1948 में मिले थे शिलालेख : भोजशाला को मां सरस्वती मंदिर घोषित करने के लिए याचिका दायर करने वाले आशीष गोयल ने बताया कि ऐतिहासिक किले में शिलालेख की वीथिका बनी हुई है। इसमें 13 शिलालेख रखे हुए हैं। इसके समान शिलालेख वर्तमान में भोजशाला की दीवार पर भी लगे हुए हैं। किले के संग्राहलय में रखे ये अभिलेख 1948 में भोजशाला से मलबा हटाने पर मिले थे। किले में 11वीं शताब्दी की काले पाषाण की कुबेर मूर्ति भी मौजूद है। 1988 में मिली मूर्ति को सर्वे में शामिल किया गया है। इसके अलावा अर्धनारीश्वर की मूर्ति भी है। भोजशाला के मंदिर होने के प्रमाण न केवल भोजशाला में हैं, बल्कि वर्षों पहले मलबा हटाने या सफाई के तहत मिले वह अवशेष भी हैं, जो धार के किले और मांडू के संग्राहलय में मौजूद हैं।

श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में बाबा के थ्री-डी दर्शन का ट्रायल प्रारंभ

जागरण संवाददाता, वाराणसी

- बाबा की पांचों पहर की आरती देखकर भक्त होंगे निहाल
- चिलचिलाती गर्मी में लंबी कतार में खड़े होने से बच सकेंगे

वाराणसी के श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर के सभागार में थ्री-डी रियलिटी हेडसेट से आरती, राग-भोग देखते श्रद्धालु। स्रोत- मंदिर प्रशासन

श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में जल्द बाबा विश्वनाथ का थ्री-डी दर्शन किया जा सकेगा। मंदिर में आने वाले भक्तों को अब भौतिक के साथ आभासी दर्शन भी मिलेंगे। मंदिर प्रशासन ने ट्रायल के लिए कुछ कंपनियों से संपर्क किया और एक कंपनी मंदिर परिसर में आने वाले श्रद्धालुओं को बाबा के थ्री-डी स्वरूप में दर्शन करा रही है।

बहुद्देशीय सभागार में कंपनी के कर्मी श्रद्धालुओं को थ्री-डी स्वरूप में बाबा विश्वनाथ की पांचों पहर की आरती और श्रृंगार आदि का दर्शन करा रहे हैं। इसके साथ ही परिसर का भव्य धाम, मां गंगा की झांकी और काशी महात्म्य भी उनके थ्री-डी दर्शन का हिस्सा है। 11 मिनट, 50 सेकंड की वर्चुअल रियलिटी दर्शन से भक्तों को दर्शन के लिए चिलचिलाती गर्मी में लंबी कतार में खड़े होने से बचने में मदद मिलेगी। मंदिर प्रशासन ने कहा कि यह सेवा अभी ट्रायल बेसिस पर है और भक्तों से फीडबैक मिलने के बाद इसे स्थायी रूप से लागू किया जाएगा। श्रीकाशी विश्वनाथ धाम को नव्य भव्य स्वरूप दिए जाने के समय खाका खींचा गया था, जो मूर्त रूप लेने जा रहा है।

इस संबंध में श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर व विशिष्ट क्षेत्र विकास परिषद के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्वभूषण मिश्र ने बताया कि अभी यह ट्रायल के तौर पर है। बेहतर परिणाम आने पर इसके लिए कंपनी से अनुबंध किया जाएगा। इसके बाद नियमित तौर पर श्रद्धालुओं के लिए बाबा की आरती, भोग-राग के त्रि-आयामी दर्शन उपलब्ध रहेंगे। किसी भी समय आने वाले श्रद्धालु इन दृश्यों को देखकर उन दिव्य पलों की गहराई से सहज अनुभूति कर सकेंगे।

विश्व भूषण मिश्रा ने कहा कि थ्री-डी वर्चुअल रियलिटी एक नई तकनीक है, जिसे उज्जैन के महाकालेश्वर और माता वैष्णो देवी मंदिर जैसे विभिन्न मंदिरों में लागू किया गया है। उन मंदिरों में थ्री-डी तकनीक प्रदान करने वाली कंपनी ने इसके लिए काशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट से संपर्क किया है।

गौरव को युवा और देवेंद्र को बाल साहित्य सम्मान

- साहित्य अकादमी ने शनिवार को पुरस्कार की घोषणा की
- संस्कृत भाषा के युवा पुरस्कार की घोषणा बाद में होगी

गौरव पांडेय और देवेंद्र कुमर। फाइल

नई दिल्ली, प्रेट्र: साहित्य अकादमी ने शनिवार को 2024 के प्रतिष्ठित युवा साहित्य पुरस्कार व बाल पुरस्कार की घोषणा की। गौरव पांडेय को युवा पुरस्कार और देवेंद्र कुमार को बाल साहित्य पुरस्कार से नवाजा गया। अकादमी के अध्यक्ष माधव कौशिक की अध्यक्षता में कार्यकारी मंडल ने बैठक में 23 युवा लेखकों की पुस्तकों एवं 24 बाल साहित्यकारों के लिए पुरस्कार 2024 अनुमोदित किए। इन पुस्तकों को तीन सदस्यीय निर्णायक मंडल ने पुरस्कार के लिए चुना। संस्कृत भाषा के युवा पुरस्कार की घोषणा बाद में की जाएगी। दोनों पुरस्कारों के लिए ताम्रपत्र और 50 हजार रुपये की सम्मान राशि दी जाएगी।

हिंदी के लिए युवा पुरस्कार गौरव पांडेय के कविता संग्रह स्मृतियों के बीच घिरी है पृथ्वी को प्रदान किया गया है। अंग्रेजी के लिए के वैशाली की पुस्तक होमलेस ग्रोइंग अप लेसबियन एंड डिसलेक्सिक इन इंडिया,पंजाबी के लिए रणधीर के कविता संग्रह खत जो लिखणो रह गए तथा उर्दू के लिए जावेद अंबर मिस्बाही के कहानी संग्रह स्टेपनी को युवा साहित्य पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया।

नयनज्योति सरमा (असमिया), सुतापा चक्रवर्ती (बंगाली), रानी बारो (बोडो), हीना चौधरी (डोगरी), रिंकू राठौड़ (गुजराती), श्रुति बी आर (कन्नड़), मोहम्मद अशरफ जिया (कश्मीरी), अद्वैत सालगांवकर (कोंकणी), रिंकी झा ऋषिका (मैथिली), श्यामकृष्णन आर (मलयालम), वाइखोम चिंगखिंगनबा (मणिपुरी), देवीदास सौदागर (मराठी), सूरज चपागैन (नेपाली), संजय कुमार पांडा (ओडिया), सोनाली सुतार (राजस्थानी), अंजन करमाकर (संथाली), गीता प्रदीप रूपानी (सिंधी), लोकेश रघुरामन (तमिल) और रमेश कार्तिक नायक (तेलुगु) को भी युवा पुरस्कार के लिए चुना गया है।

हिंदी में बाल साहित्य के लिए देवेन्द्र कुमार की पुस्तक इक्यावन बाल कहानियां, अंग्रेजी में नंदिनी सेनगुप्ता की पुस्तक द ब्लू हार्स एंड अदर अमेजिंग एनिमल्स स्टोरीज फ्राम इंडियन हिस्ट्री, पंजाबी के लिए कुलदीप सिंह दीप के नाटक मैं जलियांवाला बाग बोलदा हां एवं उर्दू के लिए शम्सुल इस्लाम फारुकी के कहानी संग्रह बर्फ का देस अंटार्कटिका को पुरस्कृत किया गया है। साथ ही रंजू हजारिका (असमिया), दीपनविता राय (बंगाली), बिरगिन जेकोवा मचाहारी (बोडो), बिशन सिंह 'दर्दी' (डोगरी), गिरा पिनाकिन भट्ट (गुजराती). कृष्णमूर्ति बिलिगेरे (कन्नड़), मुजफ्फर हुसैन (कश्मीरी), हर्ष सद्गुरु (कोंकणी), नारायणगी (मैथिली), उन्नी अम्मायम्बलम (मलयालम), क्षेत्रिमायुं सुबदानी (मणिपुरी), भारत सासाने (मराठी), बसंत थापा (नेपाली) और मानस रंजन सामल (उड़िया), प्रह्लाद सिंह (राजस्थानी), हर्षदेव माधव (संस्कृत), दुगल टुडू (संथाली), लाल होतचंदानी (सिंधी), युवा वासुकी (तमिल), पी चन्द्रशेखर आजाद (तेलुगु) को भी बाल पुरस्कार के लिए चुना गया है।

सोनाक्षी सिन्हा की शादी में शामिल होंगे हनी सिंह

एंटरटेनमेंट ब्यूरो, मुंबई: पिछले कई दिनों से अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा और अभिनेता जहीर इकबाल को लेकर खबरें आ रही हैं कि दोनों 23 जून को शादी कर रहे हैं। हालांकि अब तक दोनों की ही तरफ से इस पर किसी तरह की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

हाल ही में अभिनेत्री पूनम ढिल्लन ने एक साक्षात्कार में बताया था कि उनके पास सोनाक्षी की शादी का निमंत्रण पत्र आ चुका है। अब रैपर हनी सिंह ने भी इस बात की पुष्टि की है कि सोनाक्षी और जहीर एक दूसरे से शादी कर रहे हैं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पेज पर एक पोस्ट के जरिए बताया कि वह भले ही कितने भी व्यस्त हों, लेकिन वह अपनी दोस्त सोनाक्षी की शादी में जाएंगे। हनी ने लिखा, 'मैं इस समय लंदन में ग्लोरी के पहले गाने की शूटिंग कर रहा हूं, लेकिन मैं सोनाक्षी की शादी में शामिल होने के लिए बिल्कुल समय निकालूंगा। उनका मेरे करियर में बड़ा सपोर्ट रहा है। जिंदगी में उन्होंने कई बार मेरी मदद भी की है। पावर कपल सोना और जहीर को शुभकामनाएं। भोलेनाथ उन्हें आशीर्वाद दें।' ग्लोरी हनी सिंह के नए म्यूजिक एलबम का नाम है।

****

दैनिक जागरण

संयम से मन में व्याप्त अशांति से छुटकारा पाया जा सकता है

नक्सलियों का खात्मा

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में एक मुठभेड़ में आठ नक्सलियों का मारा जाना यही बता रहा है कि उनके सफाए का अभियान पूरी ताकत से जारी है। चूंकि इस मुठभेड़ में एक जवान को अपना बलिदान देना पड़ा और दो अन्य घायल हो गए, इसलिए यह अभियान इस तरह चलाया जाना चाहिए, जिससे सुरक्षा बलों को कम से कम जोखिम का सामना करना पड़े। छत्तीसगढ़ में नई भाजपा सरकार आने के बाद से नक्सलियों के खिलाफ अभियान जिस तरह तेज हुआ है, उससे यही पता चलता है कि उनके खात्मे के लिए आवश्यक राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिचय दिया जा रहा है। अच्छा होता कि यह परिचय पिछली कांग्रेस सरकार की ओर से भी दिया जाता। समझना कठिन है कि उसने ऐसा क्यों नहीं किया? नक्सलियों के प्रति किसी भी तरह की नरमी नहीं बरती जानी चाहिए। वे कानून एवं व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा हैं। एक समय तो प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह उन्हें आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा बताते थे। यह अच्छी बात है कि केंद्र में मोदी सरकार आने के बाद से नक्सलियों पर एक बड़ी हद तक लगाम लगी है और नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या में भी कमी आई है, लेकिन इसके बाद भी उनके सफाए के अभियान में कोई ढील नहीं आनी चाहिए, क्योंकि अतीत में भी नक्सली संगठनों की कमर तोड़ी जा चुकी है और जब ऐसा लगा कि वे पस्त पड़ गए हैं, तब उन्होंने नए सिरे से संगठित होकर फिर से सिर उठा लिया और कानून के शासन के लिए चुनौती बन गए।

छत्तीसगढ़ में इस वर्ष जनवरी से लेकर अभी तक 125 से अधिक नक्सली मारे जा चुके हैं। बेहतर होगा कि उनके खिलाफ जैसा अभियान छत्तीसगढ़ में जारी है, वैसा ही पड़ोसी राज्यों में भी चलाया जाए। ऐसा किया जाना इसलिए आवश्यक है, क्योंकि नक्सली एक राज्य से दूसरे में खिसक जाते हैं। नक्सलियों को जड़-मूल से खत्म करने का अभियान सभी नक्सल प्रभावित राज्यों में चलाया जाना समय की मांग है। अब तो ऐसे सभी राज्यों में भाजपा या उसके सहयोगी दलों की सरकारें हैं। नक्सलियों को पूरी तरह समाप्त करना इसलिए जरूरी है, क्योंकि वे बंदूक के बल पर सत्ता हासिल करने का नापाक इरादा रखते हैं। लोकतंत्र को न मानने और विजातीय-विषैली विचारधारा वाले नक्सलियों के खात्मे का अभियान जारी रखते हुए इसकी तह तक भी पहुंचा जाना चाहिए कि आखिर उन्हें आधुनिक हथियार और विस्फोटक कहां से मिलते हैं? इसी तरह उनके खुले-छिपे समर्थकों के इस दुष्प्रचार के खिलाफ भी सजगता दिखानी होगी कि विकास न होने के कारण नक्सलवाद पनपता है। सच यह है कि नक्सली आदिवासी क्षेत्रों में सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा, रेल और अस्पताल पहुंचाने में बाधा डालते हैं। मूलतः वे निर्धन-वंचित तबकों के हितों की फर्जी आड़ लेकर उगाही करने का काम करते हैं। नक्सली संगठन गरीबों के हितैषी नहीं, बल्कि उनके शोषक हैं।

आक्सीजन प्लांट

उत्तराखंड में आमजन की सेहत को लेकर स्वास्थ्य विभाग इस कदर लापरवाह बना हुआ है कि उसे कोरोना काल के दौरान विभिन्न अस्पतालों में लगे आक्सीजन प्लांट तक की सुध नहीं। तीन साल पहले लगे इन प्लांटों में कहीं तकनीशियन की कमी है तो कहीं महंगा संचालन आड़े आ रहा है। आखिर ऐसी नौबत क्यों आई, जबकि आक्सीजन प्लांट कोई गैरउपयोगी उपक्रम भी नहीं हैं। विभाग चाहे तो इनमें उत्पादित आक्सीजन का व्यावसायिक उपयोग कर सकता है, लेकिन ऐसा नहीं हुआ और वर्तमान में प्रदेश के अधिकांश आक्सीजन प्लांट या तो शोपीस बने हुए हैं या फिर बंद होने के कगार पर हैं। देहरादून एवं हरिद्वार को छोड़ गढ़वाल मंडल के पांच जिलों में ही कोरोना काल के दौरान लगे 27 प्लांट में से सिर्फ 13 ही वर्तमान में संचालित हो रहे हैं। कमोबेश यही स्थिति प्रदेश के अन्य जिलों में भी है। ठीक है कि कोरोना काल में स्थितियां प्रतिकूल थीं और अब इतनी आक्सीजन की खपत ही नहीं है, लेकिन ऐसे में क्या इस बात पर विचार नहीं होना चाहिए कि इन प्लांट का क्या बेहतर उपयोग हो सकता है। जनता के धन की इस तरह बर्बादी तो समझदारी नहीं। प्रदेश सरकार स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में लगातार प्रयासरत है, इसलिए स्वास्थ्य विभाग को भी अपना सर्वश्रेष्ठ देना होगा। विडंबना देखिए कि तस्वीर ऐसी नहीं है। स्वास्थ्य विभाग ने आक्सीजन प्लांट से उन प्रशिक्षित कर्मचारियों को भी हटा दिया, जो कोरोना काल में इनकी देखरेख के लिए तैनात किए गए थे। कई कार्मिकों को तो महीनों तक वेतन ही नहीं दिया गया, इसलिए वे खुद ही छोड़कर चले गए। विभाग का यह रवैया निश्चित रूप से चिंताजनक है। कोशिश तो यही होनी चाहिए कि प्रदेश के हित में स्थापित छोटी और बड़ी योजना का बेहतर उपयोग हो। समय के साथ कोई योजना प्रासंगिक नहीं रही तो उसमें बदलाव कर प्रासंगिक बनाया जाए।

नई सरकार का एजेंडा

संजय गुप्त

मोदी सरकार को एक ओर जहां आर्थिक प्रगति को बनाए रखना होगा, वहीं भाजपा को अपनी कम हो गई राजनीतिक ताकत को फिर से पाना होगा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजग सरकार का गठन होने के बाद यह आवश्यक है कि जिन कारणों से भाजपा को बहुमत से कम सीटें हासिल हुईं, उन पर गंभीरता से विचार किया जाए और भविष्य की नीतियां तय की जाएं। प्रधानमंत्री मोदी अपने तीसरे कार्यकाल में तेलुगु देसम पार्टी और जनता दल-यू के सहयोग से गठबंधन सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं। फिलहाल सरकार के स्थायित्व को लेकर कोई खतरा नहीं है और आशा है कि यह सरकार पहले की तरह मजबूती के साथ काम करती रहेगी और सहयोगी दल दलगत हितों अथवा अपने-अपने राज्य के हितों के बजाय राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देंगे। चूंकि मोदी सरकार ने अपने पिछले कार्यकाल में कोविड महामारी का सामना करने के बाद भी अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान की और इसके चलते भारत सबसे तेजी से बढ़ती आर्थिकी वाला देश बना रहा, इसलिए उम्मीद है कि आने वाले पांच साल में अर्थव्यवस्था को और अधिक बल मिलेगा। मोदी सरकार को एक ओर जहां देश की आर्थिक प्रगति को बनाए रखना होगा, वहीं भाजपा को अपनी कम हो गई राजनीतिक ताकत को फिर से पाने के प्रयत्न भी करने होंगे।

चुनाव नतीजों के विश्लेषण से यह बात प्रमुखता से सामने आई है कि चार सौ पार का नारा भाजपा के लिए मददगार नहीं साबित हुआ, क्योंकि विपक्ष ने यह झूठा प्रचार किया कि भाजपा इतनी अधिक सीटें पाकर संविधान बदल देगी और आरक्षण भी खत्म कर देगी। हालांकि मोदी सरकार ने अपने पिछले कार्यकाल में आरक्षण के दायरे को और बढ़ाया ही है, लेकिन विपक्ष के दुष्प्रचार के चलते आरक्षित वर्ग में यह भय पैदा हो गया कि कहीं चार सौ सीटें पाने के बाद मोदी सरकार आरक्षण खत्म न कर दे। चूंकि आरक्षित वर्ग आरक्षण के लाभ हासिल करते रहना चाहता है और वह उसके लिए एक बड़ा संबल है, इसलिए उसने उसके खिलाफ वोट दिया। अब भाजपा के सामने यह चुनौती है कि आरक्षित तबके के जो लोग उसके प्रति आशंकित हो उठे और जिन्होंने उसके खिलाफ मतदान किया, उनका भरोसा फिर से कैसे हासिल करे।

मोदी सरकार को इस कार्यकाल में रोजगार के मोर्चे पर भी चुनौतियों का सामना करना होगा। अपने देश में रोजगार का मतलब सरकारी नौकरियां अधिक है। औसत भारतीय यह मानकर चलता है कि सबसे अच्छी नौकरी सरकारी नौकरी होती है और यदि एक बार वह मिल जाए तो जीवन निश्चिंत हो जाता है। घर-परिवार के लोग और समाज भी सरकारी नौकरियों को सुरक्षित जीवन की गारंटी मानता है। सरकारी नौकरियों को लेकर यह जो धारणा व्याप्त है, उसे बदलने की जरूरत है। इसलिए और भी, क्योंकि सरकारी और निजी क्षेत्र के कर्मचारियों की कार्यशैली में अंतर है। सरकारी कर्मचारियों को नौकरी जाने का कोई भय नहीं होता, लेकिन निजी क्षेत्र के कर्मचारियों के ऊपर हमेशा तलवार लटकती रहती है। इसलिए उन्हें अपनी कार्यकुशलता बेहतर करनी होती है, जबकि सरकारी कर्मचारी कार्यकुशल बनने का जतन नहीं करते। अपने देश में यदि किसी की सरकारी नौकरी लग जाए तो वह मुश्किल से ही जाती है, भले ही कोई कितनी ही लापरवाही से कार्य करे। नौकरी की गारंटी के चलते सरकारी नौकरियों के प्रति चाहत तो प्रबल है, लेकिन जवाबदेही का अभाव है। सरकारी कामकाज में कोई सुधार इसीलिए नहीं हो पा रहा है, क्योंकि सरकारी कर्मचारी जवाबदेही से मुक्त हैं।

चूंकि विपक्षी दल सरकारी नौकरियों का मुद्दा लगातार उठाते रहते हैं, इसलिए सरकार सरकारी नौकरियों को लेकर दबाव में रहती है। पिछली सरकार ने विपक्षी दलों के दबाव में एक वर्ष में दस लाख नौकरियां देने की घोषणा करके एक राजनीतिक संदेश देने की कोशिश की थी। निःसंदेह रिक्त सरकारी पदों को भरा जाना चाहिए, लेकिन यदि अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाना है तो सरकारी कामकाज की कुशलता को नई धार देनी होगी। ऐसी भी कोई व्यवस्था बनानी होगी, जिससे अपना काम ढंग से न करने वाले सरकारी कर्मचारियों को नौकरी खोने का भय हो। आज जरूरत है कि सरकारी और निजी क्षेत्र में कार्यकुशलता के मामले में प्रतिस्पर्धा कायम हो। सरकारी नौकरियों पर दबाव कम करने के लिए ऐसे भी प्रयत्न करने होंगे कि निजी क्षेत्र में नौकरियां बढ़ें। इसके लिए लघु एवं मध्यम श्रेणी के उद्योगों का विस्तार करना होगा। यदि मोदी सरकार तीसरे कार्यकाल में सरकारी कामकाज के स्तर में सुधार ला सके तो इससे जनता को भी लाभ मिलेगा और अर्थव्यवस्था को भी। प्रशासनिक सुधार एक लंबे समय से लंबित हैं। मोदी सरकार को चाहिए कि प्रशासनिक सुधारों के जरिये सरकारी नौकरियों को जवाबदेही और जिम्मेदारी का पर्याय बना दे। जब सरकारी नौकरियां आरामतलबी का जरिया नहीं रह जाएंगी, कर्मचारियों को उनकी ढिलाई के लिए दंडित करने की व्यवस्था होगी तो सरकारी नौकरियों का आकर्षण कम हो जाएगा।

वैसे तो मोदी सरकार ने पहले से ही सौ दिन का अपना एजेंडा तय कर रखा है और वह उसे पूरा करने को लेकर प्रतिबद्ध भी है, लेकिन उसे इस एजेंडे को पूरा करने के साथ कृषि एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार पर विशेष ध्यान देना होगा। कृषि एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था में कोई आमूलचूल परिवर्तन नहीं आ सका है। ऐसा करना इसलिए आवश्यक है, क्योंकि आबादी का एक बड़ा वर्ग कृषि पर निर्भर है, जबकि उसकी उत्पादकता कम है। किसानों की आर्थिक स्थिति सुधारना अभी भी एक चुनौती है। कृषि केंद्र और राज्यों, दोनों का विषय है, लेकिन संकीर्ण राजनीति के चलते उसमें आवश्यक सुधार नहीं हो पा रहे हैं। कृषि क्षेत्र में सुधार की किसी अच्छी पहल का भी किस तरह बेजा विरोध होता है, इसे किसानों के भले के लिए बनाए गए तीन कृषि कानूनों के विरोध में छेड़े गए आंदोलन से देखा जा सकता है। हालांकि कुछ किसान संगठनों और राजनीतिक दलों के अड़ियल रवैये के कारण इन कानूनों को वापस लेना पड़ा, लेकिन इसके बावजूद किसानों की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए ठोस कदम उठाने जरूरी हैं। मोदी सरकार को अपने एजेंडे को पूरा करने के साथ ही भाजपा को अपनी खोई हुई राजनीतिक ताकत फिर से हासिल करने के जतन करने होंगे। उसे यह ध्यान रखना होगा कि यह काम आसान नहीं।

response@jagran.com

अवधेश राजपूत

हार में भी जीत देखने की कला

हास्य-व्यंग्य

चुनाव जा चुके हैं और उसमें जनता को दी गईं सारी गारंटियां भी। इस बार सरकार बनाने वाले न ठीक से जीते और न विपक्ष में बैठने वाले ठीक से हारे। इस तरह जनता के हाथ एक भी गारंटी नहीं लगी। इससे दोनों पक्षों को राहत मिली। लगता है, जनता पर गर्मी का असर कुछ ज्यादा ही चढ़ गया था, सो उसने किसी भी गारंटी पर एकतरफा यकीन नहीं किया। उसने कान दोनों पक्ष के खींचे, पर महसूस केवल एक को ही हुआ। इस चुनाव की सबसे मजेदार बात यह रही कि सरकार बनाने वाले नाखुश लग रहे, जबकि विपक्ष में बैठने वाले गदगद। उनकी यह अप्रत्याशित खुशी सत्ता पाने वालों को हजम नहीं हो रही है। उन्हें इस बात पर शक होने लगा है कि वे वाकई में जीते भी हैं या नहीं! उन्हें इस पर सख्त आपत्ति है कि जो यकीनन हारे हैं, वे खुश कैसे हो सकते हैं? जश्न मनाने का अधिकार सिर्फ जीतने वालों का है, पर होनी को कौन टाल सकता था! जिन्हें हार का चिंतन करना चाहिए, वे जीत के भजन गा रहे हैं। इधर सरकार बनाकर भी कार्यकर्ता थके-हारे लग रहे थे। ऐसा लग रहा था, जैसे दूसरे पक्ष वालों ने इनकी भैंस खोल ली हो, जबकि उनके हाथ केवल पगहा लगा है। फिर भी वे उछल रहे थे। इससे जीतने वाले भ्रमित हो गए। वे बार-बार अपनी जीत को आलाकमान से सुनिश्चित कर रहे थे। आलाकमान पहले से ही असमंजस में था। अंततः उसने बयान जारी कर कह दिया कि हमने अकेले जितनी जीत हासिल की है, सारे विरोधी मिलकर भी हमसे पीछे रहे। दरअसल हारे वे हैं, हम नहीं। हारने पर भी उनकी गर्मी कम नहीं हुई, जबकि हम जीतकर भी ठंडे पड़ गए हैं।

संतोष त्रिवेदी

इस बार आम चुनाव में सरकार बनाने वाले न ठीक से जीते और न विपक्ष में बैठने वाले ठीक से हारे

इस बयान के आते ही दूसरे पक्ष से बड़ी गर्म प्रतिक्रिया आई। जवाब था, 'हम हारे कहां हैं! पहले से हम डबल हुए हैं, जबकि उनका नारा 'बबल' की तरह फूटा है। हमारी खिली हुई सूरतें देखकर कोई भी अंदाजा लगा सकता है कि अगर कोई जीता है तो वह हम हैं। हार में छिपी हुई जीत भी हम देख लेते हैं। वे हमें 'घमंडिया' कहते रहे, जबकि असली घमंड तो उन्हीं के पास था। हमने उसे तोड़ा है। इसकी खुशी हमें है। सरकार हमारे खाते तो पहले ही सील कर चुकी थी, अब खुशी भी सील करना चाहती है। चाहे जो हो जाए, हम हर हाल में खुश रहेंगे, बल्कि सरकार न बनाकर हम ज्यादा खुश हैं। सोचिए, अगर सरकार बनाने की जिम्मेदारी हमारे पल्ले पड़ जाती तो कितनी मुसीबत होती। न सहयोगियों की मांग पूरी कर पाते, न ही जनता के लिए खटाखट-गारंटी। इस बार जनता के साथ-साथ मशीनों ने भी हमारा साथ दिया है। उनके साथ न जनता रही, न मशीनें। हमारे लिए यही जीत है।'

इसके बाद गर्म मौसम और धधकने लगा। सरकार बनाने वालों पर अपने भी टूट पड़े। जो उपदेश चुनाव से पहले देने चाहिए, वे नतीजों के बाद आने लगे। जिस प्रकार भीषण गर्मी के बाद बादल बरसते हैं, ऐसे ही चुनाव में झुलसने के बाद कुछ नेता बरसने लगे। इससे कार्यकर्ता फिर भ्रमित हुए कि सरकार उन्हीं की चल रही है कि विपक्ष की? आखिरकार इसकी आंच सहयोगियों को भी तपाने लगी। गर्मी में बड़े-बड़े हिमखंड पिघल जाते हैं, ये तो फिर भी छोटे-मोटे गठबंधन हैं। इनके जुड़ने और बिखरने की खबरें हवा में तैरने लगीं। खबरों से ज्यादा दिन-रात अफवाहें दौड़ने लगीं। गर्मी है ही इतनी कि छोटी-मोटी अफवाह उड़ते ही गर्म हो उठती है। कोई नेता विरोधी गठबंधन के नेता की कुशल-क्षेम भी पूछ ले तो बनी-बनाई सरकार के गिरने की भविष्यवाणी हो जाती है। कइयों ने अपने चैनलों पर नियमित रूप से ज्योतिषी और तोते बैठा लिए हैं। वे दिन में तीन बार यह बता रहे हैं कि सरकार अब गिरी या तब। खबरें गर्म हैं कि फलां गठबंधन बस टूटने ही वाला है। इस तरह के कयास में ही उनकी आस है। पहली बार सरकार न बना पाने पर वे खुश हैं और सरकार में रहकर ये उदास। कोई बताए यह माजरा क्या है!

response@jagran.com

तथ्य-कथ्य

मोटे अनाज के उत्पादन में किसकी कितनी हिस्सेदारी

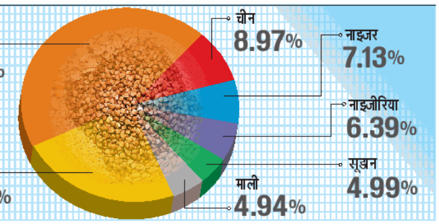

स्रोतः संयुक्त राष्ट्र का खाद्य एवं कृषि संगठन

ऊर्जा

जीत-हार का खेल

जीवन जीत-हार की जंग है। इस द्वंद्व के दौरान मस्तिष्क में कई प्रश्न उठते रहते हैं। जितना हम प्रश्नों से दूर भागते हैं, उतना सिमटते जाते हैं। कहा गया है कि बीते कल से सीखें, आज में जिएं और आने वाले कल के लिए आस को जिंदा रखें। सबसे जरूरी है कि प्रश्न पूछना बंद न करें, क्योंकि इन प्रश्नों में ही जीवन की जीत या हार छिपी होती है। जीवन सांप-सीढ़ी का खेल है। इसमें एक से शुरू होकर सौ अंक तक पहुंचने की कोशिश की जाती है। आगे बढ़ते हुए हमें रास्ते में सांप और सीढ़ी दोनों मिलती हैं, जीवन में इसी तरह सफलता-असफलता, दोनों का सामना करना होता है। कभी जीत के बहुत करीब पहुंचने वाला खिलाड़ी सांप के डंसने के कारण खेल के आरंभ में पहुंच जाता है और बहुत पीछे चल रहा खिलाड़ी सीढ़ी मिलने के कारण आगे पहुंच जाता है। कई लोग जीवन में सीढ़ी रूपी अवसर मिलने से दूसरों से आगे निकल जाते हैं और वहीं दूसरी तरफ कई आगे निकल चुके लोग सांप रूपी समस्या के कारण जीवन में पिछड़ जाते हैं।

जीवन में हर व्यक्ति को कभी सफलता के अवसर मिलते हैं तो कभी मुसीबतों के पहाड़ टूट पड़ते हैं। जरूरत है संतुलन बनाने की, हौसला रखने की, उम्मीद को कायम रखने की, क्योंकि जीवन कभी एक जैसा नहीं चलता। कष्ट और विपत्ति मनुष्य को शिक्षा देने वाले श्रेष्ठ गुण हैं। जो साहस के साथ उनका सामना करते हैं, वे विजयी होते हैं। निराश न हों, असफलता के दौर में याद रखें कि केवल एक सुनहरा अवसर आपको काफी आगे पहुंचा सकता है। दूसरी ओर अगर आप जीवन में काफी आगे चल रहे हैं तो इस बात का घमंड न करें, क्योंकि एक मुसीबत आपको जमीन दिखा सकती है। हम जीवन के अच्छे-बुरे समय का अंकन संतुलित होकर ठीक से करना सीखें। इसीलिए कहा गया है कि अपनी आंखों को सितारों पर टिकाने से पहले अपने पैर जमीन पर टिका लें।

ललित गर्ग

कब आया पृथ्वी पर ताजा पानी?

मुकुल व्यास

आस्ट्रेलिया के शोधकर्ताओं ने पाया है कि पृथ्वी की सतह ने पहली बार करीब चार अरब वर्ष पहले स्वच्छ जल का अनुभव किया

पृथ्वी पर जीवन की उत्पत्ति स्वच्छ जल के बगैर संभव नहीं थी, लेकिन विज्ञानी अभी तक यह निर्धारित नहीं कर पा रहे थे कि हमारे ग्रह पर स्वच्छ जल पहली बार कब आया। अब एक नए शोध में पाया गया है कि पृथ्वी की सतह ने पहली बार लगभग चार अरब वर्ष पहले स्वच्छ जल का अनुभव किया। इससे पहले विज्ञानियों ने 3.5 अरब वर्ष पहले पृथ्वी को स्वच्छ जल मिलने का अनुमान लगाया था। आस्ट्रेलिया और चीन के शोधकर्ताओं ने प्राचीन खनिजों में फंसे आक्सीजन के आइसोटोप का उपयोग यह निर्धारित करने के लिए किया कि ताजे पानी के पहले संकेतों ने हमारे नवजात ग्रह की सतह को कब नम किया होगा। पश्चिमी आस्ट्रेलिया में जैक हिल्स में पृथ्वी की पपड़ी की सबसे पुरानी बची हुई सामग्री मौजूद है। यहां 4.4 अरब वर्षों तक प्राचीन खनिज गर्मी और दबाव से अपेक्षाकृत अपरिवर्तित रहे। इस इलाके में इन दिनों बहुत अधिक पानी नहीं मिलता है, लेकिन विज्ञानियों को चट्टान के 'हाडिन जिरकोन' क्रिस्टल के अंदर फंसी पृथ्वी की सबसे पुरानी बारिश के सुबूत मिले हैं। आस्ट्रेलिया के कर्टिन विश्वविद्यालय के भूविज्ञानियों को जिरकोन खनिज के छोटे क्रिस्टल में आक्सीजन के चार अरब साल पहले के आइसोटोप के चिह्न मिले।

विज्ञानियों ने जिरकोन के छोटे कणों का विश्लेषण करने के लिए 'सेकेंडरी-आयन मास स्पेक्ट्रोमेट्री' का उपयोग किया और यह पता लगाया कि जिस गर्म और तरल चट्टान (मैग्मा) से क्रिस्टल बने, उसमें में कौन से आक्सीजन आइसोटोप मौजूद थे। जैक हिल्स के जिरकोन खनिज में आइसोटोप की अत्यंत हल्की संरचनाएं तभी संभव थीं जब वे मेंटल (पर्पटी और मध्य भाग के बीच का भाग) के नीचे बनी हों और ताजे पानी के संपर्क में भी आई हों। इन क्रिस्टलों के भीतर पृथ्वी की पहली बारिश के सुबूत हो सकते हैं। ऐसे हल्के आक्सीजन आइसोटोप आमतौर पर पृथ्वी की सतह से कई किलोमीटर नीचे चट्टानों को बदलने वाले गर्म, ताजे पानी का परिणाम होते हैं।

यह खोज न केवल पृथ्वी के प्रारंभिक इतिहास पर प्रकाश डालती है, बल्कि यह भी बताती है कि भूभाग और ताजे पानी ने ग्रह के बनने के 60 करोड़ वर्ष से भी कम समय बाद अपेक्षाकृत कम समय सीमा के भीतर जीवन के पनपने के लिए मंच तैयार किया। पहले यह माना जाता था कि उस समय भूपर्पटी समुद्र के नीचे डूबी हुई थी, लेकिन इस नए शोध से पता चलता है कि शुष्क भूमि, ताजे पानी के जलाशय, जल चक्र और संभवतः पृथ्वी पर जीवन भी हमारे अनुमानों से बहुत पहले ही प्रकट हो गए थे। यह निष्कर्ष पृथ्वी के प्रारंभिक इतिहास की हमारी समझ में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे जीवन की उत्पत्ति में आगे की खोज में मदद मिलेगी।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

ढोकले के प्रति दीवानगी

नरेन्द्र मोदी बतौर प्रधानमंत्री तीसरी बार शपथ ग्रहण कर चुके थे। समारोह के बाद आपस में मिलने-जुलने का कार्यक्रम चल रहा था। सात मित्र देशों के आमंत्रित प्रमुखों के साथ पीएम मोदी की मुलाकात की तैयारी चल रही थी। सातों देशों के प्रमुख आपस में मिलजुल रहे थे। दूतावासों के अधिकारी उनकी मदद कर रहे थे। आपसी मुलाकात में खाने पर चर्चा हुई। सब एक-दूसरे से पूछ रहे थे क्या खाया। सभी ने यही बताया कि ढोकला उन्हें काफी पसंद आया। बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना ने तो एक मेहमान से कहा कि आज सुबह उन्होंने ढोकला खाया था और शाम को भी ढोकला ही खाया है। दरअसल पिछले कुछ वर्षों से भारत में आमंत्रित विदेशी मेहमानों को दूसरे व्यंजनों के साथ ही ढोकला भी परोसा जा रहा है और ये मेहमान इस गुजराती पकवान के दीवाने भी होते जा रहे।

भारी पड़ी बधाई

नई सरकार के मंत्रियों का दफ्तर पहुंचने पर खूब स्वागत सत्कार हो रहा है। अधिकारी-कर्मचारी सभी अपने-अपने तरीके से मंत्रियों का स्वागत करने में जुटे हैं। इनमें दिलचस्प घटना सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय में देखने को मिली। जहां केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र कुमार का स्वागत करना एक अधिकारी पर भारी पड़ गया। हुआ यह कि वह जब मंत्री जी को गुलदस्ता दे रहे थे, तब मुंह में पान मसाला या फिर तंबाकू दबाए हुए थे। स्वागत के इस क्रम में मंत्री जी ने उनसे कुछ पूछा तो उन्हें बोलना पड़ गया और उनकी पोल खुल गई। इस पर मंत्री जी ने उन्हें न सिर्फ फटकारा, बल्कि चेताते हुए कहा कि वह जिस मंत्रालय में पदस्थ हैं, वह नशा मुक्ति अभियान चलाता है। ऐसे में यह ठीक नहीं है। बताते हैं कि जिस समय मंत्री जी यह सब कह रहे थे उस समय वहां और भी लोग मौजूद थे। इसके बाद तो मंत्रालय के अंदर पान मसाला और तंबाकू खाने वालों में हड़कंप मचा हुआ है। डर है कि कहीं सामने पड़े तो उनकी भी क्लास लग जाएगी।

राजरंग

बिरला पर नजर

लोकसभा अध्यक्ष पद को लेकर अटकलों का दौर चल रहा है। नए-नए नामों पर चर्चा हो रही है और विपक्ष इस कवायद में जुटा है कि यह पद भाजपा के पास न जाकर सहयोगी दलों के पास जाए। भाजपा के सहयोगी दलों से विपक्षी नेता इसकी अपील कर रहे हैं कि वे अपना दावा ठोकें। इस बीच पूर्व लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला चुप्पी साधे बैठे हैं। दरअसल बिरला ने इस चुनाव में एक अंधविश्वास को तोड़ दिया है। पिछले 20 वर्षों से ऐसी परंपरा चली आ रही थी कि जो लोकसभा अध्यक्ष बनता है वह दोबारा सदन में नहीं आता है। वह जीतकर आ गए हैं तो क्या अब दूसरा रिकार्ड भी टूटेगा?

गैरों में कहां दम था

मुहावरा है- 'जो जीता, वही सिकंदर', लेकिन यहां तो जो हारा है, वह भी खुद को सिकंदर माने बैठा है। इसके लिए कोई लगातार तीसरी बार लोकसभा चुनाव हारी सिर्फ कांग्रेस पर तंज क्या कसे, ऐसा ही हाल भाजपा के उन नेताओं का भी है, जो दो-तीन कार्यकाल के बाद इस बार हार गए। उत्तर प्रदेश हो, राजस्थान या हरियाणा, भाजपा के हारे सांसद भी सीना चौड़ाकर दिल्ली पहुंच रहे हैं और वरिष्ठ नेताओं को समझा रहे हैं कि क्षेत्र में वे बहुत लोकप्रिय हैं, जनता उनसे नाराज नहीं है। वे आज भी सिकंदर ही हैं, सिर्फ भितरघात की वजह से हार गए। खैर, पार्टी ने भी हार की सीटवार समीक्षा शुरू करा दी है। अब रिपोर्ट बताएगी कि 'हमें तो अपनों ने लूटा, गैरों में कहां दम था...' का सियासी तराना कितनों के लिए हिट रहता है और कितनों के लिए फ्लाप।

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन, नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त, प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।
****

3.72 लाख वोट हासिल हुए भाजपा प्रत्याशी स्मृति इरानी को अमेठी लोक सभा क्षेत्र से लोकसभा चुनाव में, जबकि कांग्रेस के प्रत्याशी किशोरी लाल शर्मा को 5.39 लाख वोट प्राप्त हुए।

आजकल

अनंत विजय
anant@nda.jagran.com

अहंकार। लोकसभा चुनाव के परिणाम के बाद इस शब्द पर काफी चर्चा हो रही है। लोकसभा चुनाव के पहले और चुनाव के दौरान एरोगेंट शब्द की चर्चा थी। केंद्र सरकार के मंत्रियों की बात हो या फिर भाजपा के बड़े नेताओं की। आसानी से उनके स्वभाव के साथ एरोगेंट शब्द चिपका दिया जाता था। एरोगेंट से अगली कड़ी के रूप में अहंकार आया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तक को अहंकारी कहा गया। अमेठी में स्मृति इरानी की चुनावी हार को उनके अहंकार से जोड़ा गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जब संसद में 'एक अकेला सब पर भारी' बोला था, तभी से उनके साथ एरोगेंट शब्द चिपकाने का अभियान विपक्षी दलों और उनके इकोसिस्टम ने चलाया। वस्तुतः एक प्रधानमंत्री के तौर पर जब वह अपने विकास कार्यों को गिनाते थे, अपने संबोधन में मैं शब्द का प्रयोग करते थे, तो इस मैं को भी एरोगेंट के कोष्ठक में डाल दिया जाता था। इकोसिस्टम से जुड़े विश्लेषकों ने मोदी के भाषणों के चुनिंदा अंश को उठाकर उनके व्यक्तित्व के साथ एरोगेंट शब्द चिपकाने का खेल खेला। यह अभियान लंबे समय से चल रहा था। चुनाव के दौरान इसमें तेजी आई। इसी तरह स्मृति इरानी के व्यक्तित्व के साथ भी एरोगेंट शब्द चिपकाने का खेल चला। कभी किसी सरकारी अधिकारी को जनता के पक्ष में काम करने को लेकर उनके संवाद के अंश काटकर तो कभी किसी पत्रकार को उनके उत्तर को एरोगेंट कहा गया। चुनाव में अमेठी गया था तो पता चला कि एक व्यक्ति की हत्या हो गई थी। वहां के प्रभावशाली लोग आरोपी को बचाने में लगे थे। स्मृति इरानी को जब पता चला तो वह पीड़ित के पक्ष में खड़ी हो गईं। हत्यारोपी के विरुद्ध कानून सम्मत कार्य करने के लिए पुलिस को कहा। तब वहां के प्रभावशाली लोगों ने कहा कि स्मृति इरानी एरोगेंट हो गई हैं व किसी की नहीं सुनती हैं। इसे इकोसिस्टम ने आगे बढ़ाया।

अहंकार के छद्म विमर्श से राजनीति

लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश से भाजपा को अपेक्षाकृत कम सीटों पर जीत हासिल होने को विपक्षी दलों के तमाम नेता अहंकार से जोड़कर व्याख्यायित कर रहे हैं। हाल ही में मोहन भागवत द्वारा दिए गए एक संबोधन में से भी कुछ तथ्यों को निकालकर विपक्षी इकोसिस्टम उसे भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के अहंकारी होने के (कु) तर्क गढ़ रहा है। ऐसे में विपक्षी इकोसिस्टम द्वारा गढ़े जाने वाले छद्म विमर्श को समग्रता में समझने की आवश्यकता है, जिसके माध्यम से उनकी मंशा भी समझी जा सकती है

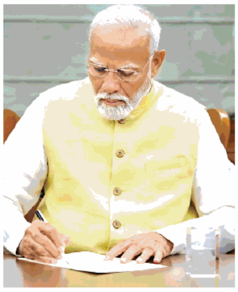

पहले दिन से ही कामकाज में जुटे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। फाइल

मोहन भागवत के हालिया संबोधन से जुड़े नए विमर्श। फाइल

चुनाव परिणाम में भारतीय जनता पार्टी को इस बार अपेक्षित सफलता नहीं मिली। सबसे बड़े राजनीतिक दल और चुनाव पूर्व गठबंधन के तौर पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को बहुमत मिला और नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बन गई। मंत्रिमंडल का गठन हो गया। मंत्रिमंडल गठन के बाद राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कार्यकर्ता विकास वर्ग के अपने संबोधन में अपनी बातें रखीं। उसमें भी अहंकार शब्द का प्रयोग किया गया। फिर क्या था, इकोसिस्टम को मसाला मिल गया। उसे नरेन्द्र मोदी को नसीहत के तौर पर प्रस्तुत किया जाने लगा। पृष्ठभूमि बनाई ही जा चुकी थी। सरसंघचालक के बयान से निकलने वाले संदेश को समझना है तो उसे समग्रता में देखना होगा। पहले बात कर लेते हैं अहंकार की। सरसंघचालक मोहन भागवत ने अपने उद्बोधन में कहा, 'जो सेवा करता है, जो वास्तविक सेवक है, जिसको वास्तविक सेवक कहा जा सकता है उसको कोई मर्यादा रहती है यानी वह मर्यादा से चलता है। काम सब लोग करते हैं, लेकिन कार्य करते समय मर्यादा का पालन करना, जैसा कि तथागत ने कहा है- कुशलस्य उपसंपदा, यानी अपनी आजीविका पेट भरने का काम सबको लगा ही है, करना ही चाहिए। अपने शरीर को भूखा नहीं रखना है, लेकिन कौशल पूर्वक जीविका कमानी है और कार्य करते समय दूसरों को धक्का नहीं लगना चाहिए। ये मर्यादा भी उसमें निहित है। ऐसी मर्यादा रखकर हम लोग काम करते हैं। काम करने वाला उस मर्यादा का ध्यान रखता है। वह मर्यादा ही अपना धर्म है, संस्कृति है। जो पूज्य महंत गुरुवर्य महंत रामगिरी जी महाराज जी ने अभी बहुत मार्मिक कथाओं से थोड़े में बताई, उस मर्यादा का पालन करके जो चलता है, कर्म करता है, कर्मों में लिप्त नहीं होता, उसमें अहंकार नहीं आता। वही सेवक कहलाने का अधिकारी रहता है।'

उपरोक्त वक्तव्य में से केवल अंतिम वाक्य को निकालकर उसे नरेन्द्र मोदी या उनकी सरकार के मंत्रियों के क्रियाकलापों और व्यवहार से जोड़ दिया गया। सरसंघचालक ने अपने वक्तव्य के इस हिस्से में सेवा और मर्यादा की बात की। इसके लिए उन्होंने तथागत और महंत रामगिरी जी को उद्धृत किया। इसमें राजनीति की बात तो कहीं है ही नहीं, समाज सेवा की बात है जो वह संघ शिक्षा वर्ग के प्रतिभागियों को समझा रहे हैं। इसी तरह से मणिपुर को लेकर उनकी चिंता भी समाज की चिंता है। जब वह कहते हैं कि समाज में जगह-जगह कलह नहीं चलता। एक साल से मणिपुर शांति की राह देख रहा है। उससे पहले 10 साल शांत रहा। ऐसा लगा कि पुराना 'गन कल्चर' समाप्त हो गया। परंतु अचानक जो कलह वहां पर उपज गई या उपजाई गई, उसकी आग में वह अभी तक जल रहा है, त्राहि-त्राहि कर रहा है। कौन उस पर ध्यान देगा? प्राथमिकता देकर उसका विचार करना हमारा कर्तव्य है। इकोसिस्टम के लोग इस अंश को लेकर भी मोदी पर हमलावर होने का प्रयास करते नजर आ हैं। कुछ लोग तो यहां तक कह जा रहे हैं कि संघ प्रमुख ने पहली बार मणिपुर की स्थिति पर अपनी बात रखी है। दरअसल ऐसे लोगों को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की कार्य करने की पद्धति का अल्पज्ञान है। मोहन भागवत ने वर्ष 2023 के विजयदशमी के अपने संबोधन में भी मणिपुर के हालात पर चिंता प्रकट की थी। इसके बाद संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने मणिपुर पर बयान जारी किया था। संघ निरंतरता में मणिपुर की स्थिति को लेकर चिंता प्रकट कर रहा है। इसे नरेन्द्र मोदी की आलोचना करार देना इकोसिस्टम की राजनीतिक चाल है।

संघ प्रमुख के बयान को आंशिक रूप से उद्धृत कर संघ और भाजपा में काल्पनिक टकराव बताने वाले विश्लेषक यह भूल जा रहे हैं कि मोहन भागवत ने अपने भाषण में मोदी सरकार की भूरि-भूरि प्रशंसा की है। वह कहते हैं कि पिछले दस वर्षों में बहुत कुछ अच्छा हुआ। आधुनिक दुनिया जिन मानकों को मानती है, जिनके आधार पर आर्थिक स्थिति का मापन किया जाता है, उनके अनुसार भी हमारी आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी हो रही है। हमारी सामरिक स्थिति निश्चित रूप से पहले से अधिक अच्छी है। दुनियाभर में हमारे देश की प्रतिष्ठा बढ़ी है। इतनी स्पष्टता के बावजूद अगर विपक्ष को उस बयान पर राजनीति ही करनी है तो उनको मोहन भागवत के भाषण का वह अंश देखना चाहिए जहां तकनीक के सहारे असत्य परोसने की बात उन्होंने कही और प्रश्न उठाया कि क्या शास्त्र का, विज्ञान का, विद्या का यह उपयोग है? इसके बाद अपना मत प्रकट किया कि सज्जन विद्या का ऐसा उपयोग नहीं करते।

दरअसल विपक्षी दल और उनका पूरा इकोसिस्टम चुनाव में अपनी हार की खीझ मिटाने के लिए वाराणसी, अमेठी और फैजाबाद लोकसभा सीट के चुनाव परिणामों पर केंद्रित हो गया है। अमेठी में भारतीय जनता पार्टी की हार के अनेक कारण हैं, जबकि स्मृति इरानी के अहंकार को एकमात्र कारण बताया जा रहा है। लोगों के साथ खड़े होने और शक्तिशाली लोगों के सामने निर्बल को प्राथमिकता देने को अहंकार कहकर प्रचारित किया गया। वाराणसी में भाजपा की जीत का अंतर कम होने को नरेन्द्र मोदी के अहंकार से जोड़ दिया गया। फैजाबाद की हार को प्रभु श्रीराम से जोड़ दिया गया। गजब है राजनीति का खेल और गजब है (कु) तर्क गढ़ने का हुनर।

खरी खरी

परीक्षा में धांधली के तरीके

ऋषभ जैन

प्राचीन काल में मनुष्य के पास परीक्षा में धांधली करने के अधिक तरीके नहीं थे। उस समय उन्हें केवल नकल के सहारे ही गुजारा करना होता था। वैसे नकल किए जाने की प्रक्रिया सरल थी। धांधलीकर्ता जेब, मोजे या आस्तीन में छोटी-छोटी पर्चियां छिपाकर परीक्षा हाल में लाता और निरीक्षक से नजर बचाकर उत्तर टीप देता था। कुछ प्रयोगवादी छात्र पर्चियों की जगह शरीर के विभिन्न अंगों का उपयोग भी करते थे। कुछेक अनाड़ी इस विधि का प्रयोग करके भी अनुत्तीर्ण हो जाते थे। उनके लिए 'नकल के लिए भी अकल की जरूरत होती है' सूत्र-वाक्य का आविष्कार हुआ।

धीरे-धीरे शिक्षा समाज में नकल की लोकप्रियता बढ़ी तो कुछ परीक्षा केंद्र वालों ने इसके संगठित प्रयोग की शुरुआत की। जिन परीक्षा केंद्रों द्वारा सामूहिक नकल की सुविधा दी जाती, वहां से परीक्षा में शामिल होने के लिए विद्यार्थी लालायित रहते थे। इसके लिए कई तरह के जुगाड़ भी भिड़ाए जाते थे। परंतु जैसा कि माना जाता है कि लोकप्रियता ज्यादा बढ़ जाए, तो शत्रु भी सक्रिय होने लगते हैं, वैसा ही कुछ नकल के साथ भी हुआ। इसे रोकने के लिए उड़नदस्तों की तैनाती की जाने लगी।

आवश्यकता आविष्कार की जननी है। नकल पर नकेल कसे जाने से धांधली के नवीन तरीकों का जन्म हुआ। ऐसे ही एक तरीके में जांचकर्ता को 'सेट' करने का प्रयास किया जाता है। सेटिंग हेतु प्रलोभन, धमकी, सिफारिश इत्यादि नाना प्रकार के तरीके सामर्थ्य अनुसार अपनाए जाते हैं। इस विधि की कमी यह है कि यह ओएमआर शीट वाली आधुनिक परीक्षाओं में उपयोगी नहीं है। उनमें समझ नहीं आ पाता कि किसे 'सेट' किया जाना है।

एक अन्य विधि भी लोकप्रिय है। इसमें परीक्षार्थी अपने स्थान पर किसी अन्य होशियार व्यक्ति को परीक्षा देने भेज देते हैं। इस विधि का प्रयोग बालीवुड की सुप्रसिद्ध फिल्म 'मुन्नाभाई एमबीबीएस' में दिखाया गया है। यह फिल्म इतनी सफल हुई कि यदि अभी भी यदि कोई सरकारी अधिकारी मूर्खता की बातें करता है तो कहा जाता है कि इसने 'मुन्नाभाई फार्मूले' से नौकरी पाई है।

इसके बाद एक तरीके का नया आविष्कार मंत्रियों या अधिकारियों के रिश्तेदारों के लिए हुआ। इसमें उन लोगों को पेपर लीक कर दिया जाता है। लीकेज पानी का हो या प्रश्न पत्र का, इनके साथ एक मुश्किल है कि ये अक्सर बढ़ते जाते हैं। पेपर लीक करने वाला अधिकारी भी वांछित व्यक्ति को लीक कराने के उपरांत कुछ और तक भी लीकेज पहुंचा कर फायदा उठाने के चक्कर में पड़ जाता है। कभी-कभी लीकेज का लाभार्थी ही प्रश्न पत्र मिल जाने पर उसकी तैयारी करना छोड़, उसे बेच कर नगद प्राप्ति का पुरुषार्थ कर बैठता है।

इलेक्ट्रानिक क्रांति आने के बाद नकल वाली पुरानी तकनीक के नए प्रयोग देखने में आए हैं। इनमें पर्चियों की जगह ब्लूटूथ डिवाइस, कान में छिप सकने वाले छोटे स्पीकर आदि का प्रयोग शामिल है।

परीक्षा में धांधली अत्यंत प्रयोगशील और संभावनाओं वाला क्षेत्र है। इसमें नित नूतन प्रयोग किए जाने के समाचार सुनने में आते रहते हैं। वर्तमान में ग्रेस मार्क देकर अंक बढ़ाए जाने की विधि का विवाद गर्म है। पहले प्रयोग में ही यह जितनी चर्चित हो गई है, उससे लगता है कि भविष्य में इसे रोकने के उपाय किए जाएंगे। तब तक कोई नई पद्धति चलन में आएगी। वस्तुतः जब तक प्रचलित पद्धति को नियंत्रित करने के तरीके तलाशे जाते हैं और उसे क्रियान्वित किया जाता है, जब तक दूसरे तरीके का आविष्कार हो जाता है। प्रयोगधर्मी निरंतर नए नए प्रयोग जारी रखते हैं।

(लेखक व्यंग्यकार हैं)

पोस्ट

अधिकारियों के अनुसार इसके आडियो और डाक्यूमेंट्री प्रमाण हैं कि अरुंधती राय ने कहा था कि सेना ने कश्मीर पर जबरन कब्जा कर रखा है। यह स्वीकार्य कैसे हो सकता है और इसके खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं हो सकती?
पल्लवी घोष@_pallavighosh

यह कितनी बड़ी विडंबना है कि प्रधानमंत्री मोदी को दुनिया भर के अनेक नेताओं ने शुभकामनाएं दी हैं और वह अभी भी उनका शुक्रिया अदा कर रहे हैं, लेकिन देश के विपक्षी नेता मोदी जी को शुभकामनाएं देने की जरूरत नहीं समझ रहे हैं। और फिर वे लोकतंत्र और मर्यादा की बात करते हैं।
अद्वैता काला@AdvaitaKala

हम जीवन में हानि साझा करने के लिए बेचैन रहते हैं। कंधा खोजते हैं, लेकिन लाभ साझा नहीं करते। चुपचाप निगल लेते हैं। यही बात सुख-दुख पर लागू होती है। दुख साझा करेंगे। सुख क्यों नहीं करते?
सुमंत@sumantkabir

मोदी जी चाहते हैं कि पीएमओ 'पीपुल्स पीएमओ' बने। काश वे हमारी पुलिस को भी 'पीपुल्स पुलिस' में बदल देते। अंग्रेजों ने हमें 'रूलर पुलिस' दी थी। दुर्भाग्य से हम अभी भी उसी के बोझ तले दबे हुए हैं।
प्रकाश सिंह@singh_prakash

सांस खत्म हो जाए और तमन्ना बाकी रहे, वह है मृत्यु! सांस बाकी रहे और तमन्ना खत्म हो जाए, वह है मोक्ष!
डा. विकास कुमार@drvikas1111

रचनाकर्म

अकथ को कहने का प्रयास

अजय कुमार राय

राम इतना सबके हैं कि हर व्यक्ति की अपनी राम कहानी है। श्रीराम का चरित्र राष्ट्रीय चरित्र है। उनसे संबंधित उदात्त भावनाएं संपूर्ण भारत के मन मानस पर अंकित हैं। इन्हीं को बड़े कैनवास पर यह पुस्तक उकेरती है...

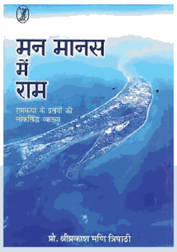

पुस्तक : मन मानस में राम
लेखक : प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी
प्रकाशक : वाणी प्रकाशन
मूल्य : 395 रुपये

श्रीराम सत्य हैं, अंतिम सत्य हैं, शाश्वत सत्य हैं, सत्य नारायण हैं। महर्षि वाल्मीकि से लेकर गोस्वामी तुलसीदास और अनगिनत ज्ञानियों-ध्यानियों ने अपनी-अपनी दृष्टि से श्रीराम को देखा, समझा और लोकजगत को बताया है। पुस्तक 'मन मानस में राम' इसी कड़ी को आगे बढ़ा रही है। राम नाम भक्ति का ऐसा सागर है कि जो भी इसमें डुबकी लगाता है, उसके हाथ अमूल्य मोती लगता ही है। इस पुस्तक के हर पृष्ठ पर ऐसे मोती बिखरे पड़े हैं, जिनको चुनकर पाठक अपने मन-मस्तिष्क रूपी घर को ज्ञान से समृद्ध कर सकता है। इससे वह अपने दायित्वों, आचरणों और कर्तव्यों को श्रीराम की तरह मर्यादा की सीमा में रहते हुए, निभाते हुए न सिर्फ सफल सांसारिक जीवन जी सकता है, बल्कि मुक्ति का मार्ग भी खोल सकता है।

लेखक ने श्रीरामचरितमानस और अन्य रामकथाओं को गहराई से आत्मसात किया है। इनमें जिन प्रसंगों ने उनको अनुप्राणित, आलोकित, आह्लादित और उद्वेलित किया है, उन्हीं में से कुछ की वंदना रूप में अभिव्यक्ति इस पुस्तक में की है। उन्होंने इसमें चार दृष्टियों यथा-आध्यात्मिक स्तर पर श्रीराम के प्रति भक्ति, धार्मिक मान्यताओं की मूलभूत एकता, समाज की संगठित व्यवस्था और श्रीराम के चरित्र को आदर्श मानकर नैतिक और चारित्रिक मूल्यों की रक्षा के आधार पर राम के चरित्र की चर्चा की है। देखा जाए तो इन चारों दृष्टियों के समन्वय से ही भारतीय संस्कृति की एकता तथा भारतीय मूल्यों की उपादेयता संपुष्ट होती है। इसके लिए रामनाम की महिमा, राम का वनवासी प्रेम, केवट का मर्म बोध, लोकमंगलकारी श्रीरम, आश्रम और मुनिगण, वनयात्रा के कौतुक प्रसंग एवं ऋषि महत्व, माता शबरी और नवधा भक्ति, आस्था और आराधना के अवलंब, समन्वयवादी तुलसी, अनासक्त भक्त अंगद, गुरु कृपा से प्राप्त आत्मबल तथा मानस में प्रकृति प्रेम आदि 21 अध्यायों का सहारा लिया है। लेखक के मन मानस में राम कितनी गहराई से समाए हैं, इसका पता पहले अध्याय रामनाम की महिमा से पता चलता है, जिसमें वह कहते हैं कि राम मर्यादा पुरुषोत्तम हैं। सगुण ब्रह्मस्वरूप हैं। इस भवलोक और भावलोक के हेतु हैं तथा भवसागर पार कराने के सेतु हैं। राम दो व्यक्तियों, समूह, समाज, राष्ट्र, पाषाण को जोड़ने वाले भी सेतु हैं। राम साधन हैं। आराधना हैं। राम गणना के आरंभ और इसकी पूर्णता हैं। राम आस्था हैं। वन में राम, भवन में राम हैं। राम द्रष्टा हैं, स्रष्टा हैं, सृष्टि हैं, साक्षी हैं, साक्ष्य हैं।

प्राचीन देश भारत की परंपराएं भी अति प्राचीन हैं। इन्हीं परंपराओं ने भारतीय संस्कृति की रचना में अपना योगदान दिया है। राम की गाथा में भारतीय संस्कृति के सूक्ष्मतम कण बिखरे पड़े हैं। समरस मानव धर्म की पताका इसके अनगिनत प्रसंगों में फहरा रही है। तुलसी ने भारतीय मानस की आत्मा में अवस्थित मानव धर्म को रामभक्ति के प्रसार के लिए अपना अभीष्ट बनाया। वैसे तो इन परंपराओं या सांस्कृतिक तत्वों का कोई अंत नहीं है, लेकिन भारत के चिंतक, ऋषि-महर्षि, कवि सभी अपनी साधना में जिस जीवन को लक्ष्य करके चलते हैं, वह है गृहस्थ जीवन। गृहस्थ आश्रम को श्रेष्ठ माना जाता है। यह कर्तव्यों, आदर्शों और उत्तरदायित्वों से बंधा होता है, इसलिए इसकी साधना बहुत ऊंची मानी गई है। रामकथा इसका प्रांजल उदाहरण है और श्रीराम इसके आदर्श हैं। पारिवारिक संबंध, आचरण और भावनाएं रामकथा के प्रबल स्वर हैं। राम अपनी इसी पारिवारिकता के चलते ही जन-जन के राम बन जाते हैं। लोक के राम बन जाते हैं। लोक आचरण और लोक संस्कारों में प्रविष्ट हो जाते हैं। लोग उन्हें अपने अत्यंत समीप पाते हैं। राम से इसी निकटता को यह पुस्तक पुष्ट करती है।

भारत की अनकही शौर्यगाथा

सुकांत सौरभ

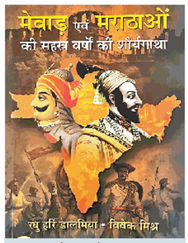

पुस्तक : मेवाड़ और मराठाओं की सहस्र वर्षों की शौर्यगाथा
लेखक : रघु हरि डालमिया और विवेक मिश्र
प्रकाशन : प्रभात प्रकाशन
मूल्य : 300 रुपये

इतिहास को दबाया जा सकता है, परंतु इसे बदला नहीं जा सकता। देश के वीर महापुरुषों की राष्ट्र और धर्म की रक्षा में दी गई आहुतियों एवं उनके अतुलनीय बलिदानों की शौर्यगाथा को वामपंथी इतिहास में स्थान नहीं देना इसे प्रमाणित करता है। मेवाड़ एवं मराठाओं की सहस्र वर्षों की शौर्यगाथा में इसी अनकहे इतिहास पर प्रकाश डाला गया है। लेखकद्वय ने मेवाड़ के सिसोदिया वंश के गौरवमयी इतिहास और मराठा स्वराज्य की ऐतिहासिक यात्रा को इस पुस्तक में वर्णित कर हमारे गौरवशाली इतिहास को सामने लाने का अद्भुत प्रयास किया है।

हमारे पाठ्यक्रम में मोहम्मद गोरी से लेकर मुगल शासकों तक का वर्णन तो मिलता है, परंतु यह नहीं बताया गया कि महाराणा प्रताप के पिता का नाम क्या था? हमें यह भी नहीं बताया गया है कि महाराणा हम्मीर सिंह ने मोहम्मद बिन तुगलक को, महाराणा कुंभा ने मालवा के महमूद खिलजी को और महाराणा सांगा ने तथाकथित दिल्ली सल्तनत के शासक को महीनों बंदी बनाकर रखा था।

लेखकद्वय ने अपनी इस पुस्तक में न केवल सिसोदिया एवं मराठा कालखंडों के वीर पुरुषों, बल्कि उनकी जीवनी, उनकी कर्मभूमियों और धर्म की रक्षा की गाथा को वर्णित किया है, बल्कि इनके बारे में तोड़-मरोड़ कर पेश किए गए आधे-अधूरे सत्य को भी उजागर किया है।

भारत भूमि पर इस्लामी आक्रांताओं ने हजारों वर्षों तक अत्याचार किए। हमारी सांस्कृतिक विरासत को समाप्त करने का प्रयास किया, फिर भी वे इसे इस्लामी राष्ट्र नहीं बना सके। इसका प्रमुख कारण इस धरती के वे वीर सपूत हैं, जिन्होंने अपने रक्त से इस भूमि को सींचा और वे वीरांगनाएं हैं, जो जीवित अग्नि में समाहित हो गईं, पर आत्मसमर्पण नहीं किया। इनकी यह गाथा पढ़कर हमें इन योद्धाओं पर गर्व होता है व इनके बलिदान को भी नमन करने का बोध होता है।

जागरण जनमत

कल का परिणाम

क्या नीट मामले में सीबीआइ जांच की मांग सही है?

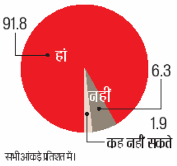

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल

क्या अरुंधती राय के खिलाफ यूएपीए के तहत मुकदमा चलाने का फैसला सही है?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

बीमारी सा बन गया अब तो पर्चा लीक,
फिर भी कुछ सरकार क्यों नहीं रही है सीख।
नहीं रही है सीख रोज होता है लफड़ा,
कैसे होगा दूर युवाओं का यह दुखड़ा?
जीते तिकड़म तंत्र दिखें सरकारें हारी,
अब असाध्य सा रोग बन गई यह बीमारी!
- ओमप्रकाश तिवारी

यतीन्द्र मिश्र

नचिकेता, आरुणि और रंतिदेव का देश

स्वार्थपरकता के इस दौर में कई बार मनुष्य ऐसी क्षुद्रताओं और लालसाओं में लिप्त हो जाता है कि उसका विवेक मर जाता है। ऐसे में इन कहानियों से मिलने वाली प्रेरणा हमें नैतिक मूल्यों की ओर ले जाती है

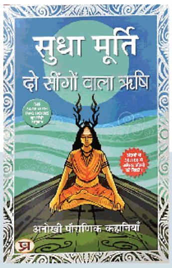

पुस्तक : दो सींगों वाला ऋषिः अनोखी पौराणिक कहानियां
लेखिका : सुधा मूर्ति
अनुवाद : विपिन चौधरी
प्रकाशक : प्रभात प्रकाशन
मूल्य : 300 रुपये

भारत के पौराणिक इतिहास की समृद्ध विरासत में हजारों वर्षों से ऐसी अनेक कथाएं हमारी परंपरा में व्याप्त रही हैं, जिनमें निजंधरी, दंत, लोक और वाचिक कथाओं का भाष्य अलग-अलग समय में विद्वानों और संतों द्वारा किया गया है। शायद इसी कारण भारतीयता को गौरवान्वित करने वाले ये आख्यान चारों युगों की अपनी मूल प्रवृत्तियों को उजागर करने के साथ ही सृष्टि और ब्रह्मांड के आपसी संबंधों को बोध व नीति कथाओं द्वारा चरितार्थ करते रहे हैं। विभिन्न पुराणों, रामायण और महाभारत समेत श्रीमद्भगवद्गीता आदि में वर्णित किस्सों की एक अलग ही निर्मितियां हैं, जिनसे हम जीवन के कुछ मूल प्रश्नों के समाधान के लिए वैचारिकी, प्रेरणा और हल पाते हैं। संस्कृत, हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में ही नहीं, बल्कि विदेशी भाषाओं में भी विद्वानों ने भारत के इस खजाने को अपनी सभ्यता के मानकों के अनुरूप कई बार उद्धृत और व्याख्यायित किया। फादर कामिल बुल्के, लिंडा हेस, वेंडी डोनेगर और राबर्तो कलासो की पौराणिक कथाओं से संबंधित किताबें आज भी चाव से पढ़ी जाती हैं। अंग्रेजी लेखिका और समाजसेवी सुधा मूर्ति की पुस्तक 'द सेज विद टू हार्न्स' का विपिन चौधरी द्वारा किया गया अनुवाद 'दो सींगों वाला ऋषि' देवताओं की प्रतिस्पर्धा और विवादों, उनकी भूल-गलतियों समेत महान ऋषियों और साधारण मनुष्यों के गुण-धर्मों पर आधारित है। चूंकि परंपरा में बखान सर्वोपरि होता है, अतः इस तरह के पाठ में भी बखान का शिल्प अपनी रोचकता में बार-बार उस पुराकाल में चला जाता है, जिसे पढ़ते हुए हम अक्सर हितोपदेश और पंचतंत्र वाले समय को जीने लगते हैं।

पांच अध्यायों में विभक्त संकलन की पहली कथा 'जीवन और मृत्यु का रहस्य' बालक नचिकेता के जीवन और मृत्यु के चक्र से मुक्ति पर आधारित है। अपने पिता द्वारा यज्ञ के बाद ऐसी गाय के दान देने पर, जो बछड़े पैदा नहीं कर सकती थी, का विरोध करते हैं और स्वयं को यमराज को दान करने के लिए कहते हैं। इसके पश्चात वे यमराज की खोज में निकल जाते हैं। कठोपनिषद के प्रसंग पर आधारित यह अमर कहानी सुधा मूर्ति की टिप्पणियों के साथ समसामयिक नवीनता पाती है, जिसमें जीवन, मृत्यु और उसके उपरांत आत्मा के बारे में विस्तार से चर्चा की गई है। अगली कथा ऋषि धौम्य के शिष्य आरुणि की है, जिन्होंने मूसलाधार बारिश से फसल बचाने के लिए स्वयं ही खेत की मेड़ पर लेटना संभव किया। आरुणि जैसे शिष्य को गुरु-भक्ति की परंपरा में उत्कर्ष प्राप्त है। किताब का प्रबल पक्ष यही है कि ऐसी आदर्शवादी कहानियों को लेकर सुधा मूर्ति युवाओं के अंदर उस प्रेरणा को भरने का काम करती हैं, जिससे युवा मन भारतीयता के संदर्भ में शिक्षित होता है। इसी क्रम में, अध्याय की अन्य कथाएं क्रमशः अष्टावक्र, उपमन्यु, सत्यकाम, उत्तंक, ऋषि अगस्त्य और राजा हरिश्चंद्र से संबंधित हैं, जो अपने धर्म और नीति के लिए आर्ष परंपरा में वरेण्य माने जाते हैं। दूसरे अध्याय की पहली कहानी 'युवावस्था का फल' उज्जैन के राजा भर्तृहरि से जुड़ी है, जिसके मूल में राजा भर्तृहरि के वैराग्य, नीति और श्रृंगार के पक्षों का बोध जागृत होता है। एक राजा के मोहभंग और उसके जीवन के घटनाक्रमों के परिप्रेक्ष्य में मानवीय भूलों, संवेदनाओं, षड्यंत्र और पुनः सत्य के अंगीकार की अद्भुत कथा है, जिसे हर एक को पढ़ना चाहिए। इस कहानी से ही राजा भर्तृहरि में उस विचारवान और नीतिपुरुष का उदय होता है, जिसके चलते वे नीतिशतक लिखते हैं। 'जीवन की मृगतृष्णा' कहानी राजा ऋषभदेव की है, जिन्हें जैन धर्म का पहला तीर्थंकर और आदिदेव भी माना जाता है। एक अन्य महान कथा में राजा रंतिदेव की कर्तव्यपरायणता की बोधकथा सम्मिलित है, जिसकी परीक्षा इंद्र, वरुण और वायुदेव लेते हैं। ये कहानियां उस भारतभूमि के त्याग, तप और आत्म चेतस भाव का रेखांकन ही हैं, जिसमें दयालु और महान राजाओं की कीर्तियां गाई जाती रही हैं। इन कहानियों का मूल स्वर भौतिकतावाद से अलग वसुधैव कुटुंबकम की परिकल्पना भी है, जहां न्याय, अनुशासन, त्याग और वीरता की भावनाएं ही सर्वोपरि मानी गईं।

'एक कबूतर का वजन' इंद्रदेव और अग्निदेव के द्वारा एक बाज तथा कबूतर बनकर राजा शिवि की उदारता की ली गई परीक्षा पर आधारित है। बाज से बचने के लिए कबूतर उड़कर राजा की शरण में आता है, परंतु इससे बाज का आहार छिनने पर वह न्याय की गुहार लगाता है। इसके उपरांत राजा शिवि कबूतर के वजन के बराबर जांघ का मांस काटकर देते हैं और वजन कम होने पर स्वयं तराजू पर बैठ जाते हैं। आज की स्वार्थपरकता के दौर में ये कहानियां अबूझ और अलौकिक लगती हैं। ऐसे में इन कहानियों से मिलने वाली प्रेरणा हमें नैतिकता से हटने से बचाती हैं। कई बार हम ऐसी क्षुद्रताओं और लालसाओं में लिप्त हो जाते हैं कि हमारा विवेक मारा जाता है। यहीं पर 'दो सींगों वाला ऋषि' जैसा आख्यान सार्थक होकर सामने आता है, जिससे हम स्वयं के लिए न्याय और समता की बातों को आत्मसात कर सकते हैं। इसी संदर्भ में इस पुस्तक का स्वागत किया जाना चाहिए।

****

केंद्र ने कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर घटाया

नई दिल्ली: केंद्र सरकार ने घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर को घटाकर 3,250 रुपये प्रति टन कर दिया है। अभी इस पर 5,200 रुपये प्रति टन की दर से अप्रत्याशित लाभ कर लग रहा था। यह नई दर शनिवार से लागू हो गई है। पेट्रोल, डीजल और विमान ईंधन के निर्यात पर लगने वाले अप्रत्याशित लाभ कर की दर को शून्य पर बरकरार रखा गया है। इस कर की प्रत्येक पखवाड़े में समीक्षा होती है। (प्रेट्र)

सोसायटी आफ इंडियन आटोमोबाइल मैन्यूफैक्चरर्स के समक्ष डीलर्स के पास गाड़ियों की इन्वेंट्री (स्टाक) का मुद्दा उठाया जाएगा। सरकार को फेम-3 नीति और इन्फ्रा पर ध्यान जारी रखना चाहिए।

—मनीष राज सिंघानिया, प्रेसिडेंट, फाडा

एक नजर में

ईमाइग्रेट पोर्टल पर एसबीआइ की डिजिटल सेवाएं जल्द

नई दिल्ली: जल्द ही ईमाइग्रेट पोर्टल पर एसबीआइ की डिजिटल पेमेंट सेवाएं मिलने लगेंगी। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि ईमाइग्रेट पोर्टल पर पेमेंट गेटवे एसबीआइ ईपे जोड़ने के लिए बैंक और विदेश मंत्रालय के बीच समझौता हो गया है। इससे भारत के प्रवासी कामगारों और एजेंट्स को लाभ मिलेगा। विदेश मंत्रालय के ईमाइग्रेट पोर्टल पर भारतीय कामगारों को विभिन्न प्रकार की सुविधाएं मिलती हैं। (प्रेट्र)

क्वांटम टेक्नोलाजी के 40 स्टार्टअप की स्थापना

नई दिल्ली: केंद्रीय विज्ञान एवं तकनीक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने शनिवार को कहा कि बीते दो वर्षों के दौरान देश में क्वांटम टेक्नोलाजी से जुड़े 40 स्टार्टअप्स की स्थापना हुई है। उन्होंने कहा कि इसमें से कई स्टार्टअप्स में वैश्विक संभावनाएं हैं। केंद्रीय मंत्री ने अफसरों को नेशनल क्वांटम मिशन पर ध्यान केंद्रित करने को कहा है। (आइएएनएस)

भारत फिर बना चौथा सबसे बड़ा शेयर बाजार

5.21 ट्रिलियन डालर के पूंजीकरण के साथ हांगकांग को पछाड़ा

नई दिल्ली, आइएएनएस: केंद्र में नई सरकार बनने के बाद भारतीय शेयर बाजार लगभग हर दिन उच्च स्तर का नया रिकार्ड बना रहे हैं। इसके साथ ही भारत ने बाजार पूंजीकरण के मामले में हांगकांग को एक बार फिर पछाड़ दिया है और दुनिया का चौथा सबसे बड़ा शेयर बाजार बन गया है। भारत के प्रमुख स्टाक एक्सचेंज बीएसई में सूचीबद्ध सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण अब बढ़कर 5.21 ट्रिलियन डालर हो गया है। वहीं, हांगकांग के शेयर बाजार का पूंजीकरण घटकर 5.17 ट्रिलियन डालर रह गया है। इसी वर्ष जनवरी में भी भारत ने बाजार पूंजीकरण के लिहाज से हांगकांग को पछाड़कर दुनिया में चौथा स्थान हासिल किया था।

बाजार विश्लेषकों के अनुसार, पिछले कुछ महीनों के दौरान भारत के शेयर बाजारों में तेज बढ़ोतरी रही है। जिससे बीएसई का पूंजीकरण भी बढ़ा है। अब भारतीय बाजार विदेशी निवेशकों को भी आकर्षित कर रहे हैं और आने वाले समय में विदेशी निवेश में तेजी आ सकती है। नेशनल स्टाक एक्सचेंज यानी एनएसई का निफ्टी पिछले एक महीने में करीब छह प्रतिशत और पिछले छह महीनों में 11.84 प्रतिशत बढ़ा है। विश्लेषकों के अनुसार, अगले 12 महीनों में निफ्टी के 25,800 के स्तर के करीब पहुंचने की उम्मीद है। बीते सप्ताह बीएसई स्मालकैप में पांच प्रतिशत और मिडकैप में 4.4 प्रतिशत की तेजी रही है।

स्टाक ब्रोकर फर्म प्रभुदास लीलाधर के विशेषज्ञों का अनुमान है कि भाजपा के नेतृत्व वाली राजग सरकार पूंजीगत व्यय-संचालित विकास पर अपना ध्यान केंद्रित रखेगी। खासतौर पर पीएलआइ, सड़क, बंदरगाह, विमानन, रक्षा, रेलवे और नवीकरणीय ऊर्जा सहित इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास पर ध्यान दिया जाएगा। वित्त वर्ष 2023-24 में राजकोषीय घाटे में 20 आधार अंक की कमी आने की भी उम्मीद है।

5.17 ट्रिलियन डालर है इस समय हांगकांग के बाजारों का कुल पूंजीकरण

11 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ा एनएसई का निफ्टी बीते छह महीनों के दौरान

भारत से ज्यादा पूंजीकरण वाले देश	
अमेरिका	56.49
चीन	8.84
जापान	6.30

(नोट: पूंजीकरण ट्रिलियन डालर में।)

12 महीने में 82 हजार के पार होगा सेंसेक्स

- रेटिंग एजेंसी मूडीज ने कहा- अगला दशक भारत का रहेगा
- बाजार को आने वाले दिनों में और अधिक सुधारों की उम्मीद

नई दिल्ली, एएनआइ: वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने अगले एक वर्ष में भारतीय शेयर बाजारों का प्रदर्शन सकारात्मक रहने का अनुमान जताया है। रेटिंग एजेंसी ने कहा है कि अगले 12 महीनों के दौरान बीएसई का मानक सूचकांक सेंसेक्स 82 हजार के स्तर के पार जा सकता है और इसमें मौजूदा स्तर से 14 प्रतिशत की वृद्धि होगी।

रेटिंग एजेंसी ने ताजा रिपोर्ट में कहा है कि अगला दशक भारत का रहेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि भाजपा के नेतृत्व वाले राजग की जीत का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि नीतिगत सुधार जारी रहेंगे। इससे अगले पांच वर्षों के दौरान विकास और इक्विटी रिटर्न प्रभावित होगा। एजेंसी का मानना है कि सरकार महंगाई की आक्रामकता पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि बाजार को आने वाले दिनों में और अधिक संरचनात्मक सुधारों की उम्मीद है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025-26 तक आय वृद्धि पूर्वानुमान के साथ कंपनियां बेहतर प्रदर्शन करेंगी, जो आम सहमति से 500 आधार अंक या पांच प्रतिशत अधिक है।

एजेंसी ने रिपोर्ट में कहा है कि आने वाले दशक में वैश्विक वृद्धि में भारत की करीब 20 प्रतिशत होगी। दुनियाभार में भारत की सेवाओं और वस्तुओं की बढ़ती मांग से इसमें मदद मिलेगी। इससे भारत में मैन्यूफैक्चरिंग में वृद्धि होगी। साथ ही उन्नत डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा मिलेगा।

पैनिक से प्राफिट बनाने की कला

इक्विटी मार्केट में हर तेज गिरावट को खरीदारी का मौका, सीखने का अनुभव या दोनों कहना एक घिसा-पिटा मजाक है। जब भी बाजार अचानक और तेजी से गिरता है तो मैं हर बार यही करता हूं। हालांकि, ऐसा मैं पूरी ईमानदारी से कहता हूं क्योंकि, कुछ दशकों के निवेश के बाद, मैं सच में इस पर विश्वास करता हूं। हर बार जब बाजार में तेज गिरावट आती है, तो आप एक बेहतर निवेशक के रूप में इससे उबरकर बाहर निकलेंगे। और अगर आप शांत रहे, तो कुछ अच्छा निवेश कर पाएंगे।

धीरेंद्र कुमार, संपादक, धनक डाट काम

बोनस

निवेश में इसके कारण सबसे पुराने हैं। असल बात ये है कि घबराने और डर के चलते जल्दबाजी में फैसले लेने की इच्छा को रोक कर रखें। एक लंबे समय का नजरिया बनाए रखें और जिन कंपनियों में आपने निवेश किया है, उनके बुनियादी पैमानों को देखें। अक्सर, सबसे अच्छा खरीदारी का मौका तब आता है जब सब एक साथ अंधाधुंध तरीके से बेच रहे होते हैं। जब दूसरे लोग डरे हुए होते हैं, तब धारा के विपरीत जाकर खरीदारी करने से आप बाजारों की वापसी के समय संभावित मुनाफे के लिए खुद को तैयार कर सकते हैं। हालांकि, ऐसा कहना जितना आसान है, करना उतना ही मुश्किल है। चार जून को जब सेंसेक्स एक समय नौ प्रतिशत नीचे था, तो शायद ही कोई निवेशक स्टाक खरीदने की हिम्मत कर रहा था।

इसके बावजूद, निवेशकों की अलग-अलग कैटेगरी थीं। कुछ ऐसे थे जो चिंतित थे और कुछ ऐसे थे जो बिल्कुल अंधेरे में पैनिक से भरे हुए थे। चिंतित निवेशकों को शायद पेट में गांठ महसूस हुई होगी, लेकिन वे अपने रास्ते पर डटे रहे। शायद उन्होंने और शेयर भी खरीदे। दूसरी ओर, घबराए हुए निवेशकों ने शायद पैनिक में बिकवाली की, जिससे उन्हें घाटा हुआ। ये अंतर महत्वपूर्ण है, क्योंकि अक्सर यही निर्धारित करता है कि बाजार में सुधार होने पर आखिरकार किसे फायदा होगा। याद रखें, इतिहास ने बार-बार दिखाया है कि जो लोग मंदी के दौर में धीरज बनाए रखते हैं, वे अक्सर आगे निकल जाते हैं। बुनियादी विश्लेषण पर आधारित, समझदारी से किया गया निवेश बाजार की सनक पर सट्टा लगाने के मुकाबले तूफान का सामना बेहतर तरीके से करता है। चिंतित केवल वही लोग थे जिन्होंने समझदारी से निवेश किया था और अपने निवेश के पीछे के तर्क को समझा था। जबकि घबराए हुए लोग वो थे जो केवल अफवाहों और क्षण पर दांव लगा रहे थे।

एक खूबी जो हमेशा दो तरह के निवेशकों को अलग करती है, वे उनके निवेश के विकल्पों की सरलता है। स्टाक के साथ-साथ म्यूचुअल फंड, ऐसे निवेश हैं जिन्हें समझना आसान है और जिनका निवेश साफ-स्पष्ट होता है। हालांकि, सरलता की बात करना आसान है और उसे अमल में लाना मुश्किल। हम ऐसे माहौल में रहते हैं जहां जटिलता और विशेषताओं की पूजा की जाती है। हम चाहे कोई भी प्रोडक्ट या सर्विस खरीदें, हम अक्सर विशेषताओं, शब्दजाल और जटिलता से सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। शायद हमारी आधुनिक तकनीकी दुनिया ने हमें ये मानने के लिए तैयार कर दिया है कि नए तकनीकी चमत्कार एक आम आदमी के समझने के लिए बहुत जटिल हैं। इसलिए, जटिलता क्वालिटी के बराबर है। हालांकि, पर्सनल फाइनेंस ये धारणा खतरनाक तौर पर गुमराह करने वाली है। जब निवेश की बात आती है, तो सरलता केवल फायदेमंद नहीं होती है। ये जरूरी भी है। इसका कारण सीधा है। अगर कोई निवेशक किसी वित्तीय उत्पाद या सेवा को पूरी तरह से नहीं समझता है, तो वे ये तय नहीं कर सकते कि ये सही भी है या नहीं, चाहे बेचने वाले ने इसकी खूबियों के कितने ही पुल बांधें हों।

सात वर्ष में भी जीएसटी रिटर्न में संशोधन की सुविधा नहीं

- रिटर्न में चूक होने पर उसको ठीक करवाने की सहूलियत नहीं
- विभाग जारी कर रहा है नोटिस, अपील में फंस रहे हैं मामले

जागरण संवाददाता, कानपुर: एक जुलाई को जीएसटी लागू हुए सात वर्ष पूरे हो जाएंगे। लेकिन अभी तक व्यापारियों और उद्यमियों को अपने रिटर्न को संशोधित करने की अनुमति नहीं मिली। इसके कारण जहां अधिकारी नोटिस जारी कर रहे हैं, वहीं उद्यमियों को मजबूरी में टैक्स का दस प्रतिशत जमा करके अपील में जाना पड़ रहा है।

वैट के समय रिटर्न फाइल करने के दौरान अगर कोई गड़बड़ी हो जाती थी तो उसे रिटर्न को संशोधित करने की छूट होती थी। लेकिन जीएसटी में यह व्यवस्था नहीं है, जबकि आयकर और एक्साइज में यह सुविधा लागू है। मर्चेंट्स चैंबर की जीएसटी कमेटी के चेयरमैन संतोष कुमार गुप्ता के मुताबिक, जीएसटीआर-1 दाखिल करते समय किसी बिक्री का आंकड़ा फीड नहीं हो पाता है और तुरंत पकड़ में आने के बावजूद व्यापारी उस रिटर्न को संशोधित नहीं कर सकता है। बिक्री के इस आंकड़े को अगले माह ही दिखाया जा सकता है। लेकिन इस एक माह का व्यापारी को 18 प्रतिशत वार्षिक की दर से ब्याज देना पड़ता है। इतना ही नहीं, इस बीच जीएसटी अधिकारी इस बिक्री को न दिखाने का नोटिस जारी कर ब्याज के साथ अर्थदंड भी लगा सकता है। कई बार अकाउंटेंट जीएसटीआर-1 में ऐसी बिक्री दिखा देते हैं, जो व्यापारी ने नहीं की है। इसका टैक्स जमा न करने पर नोटिस जारी होता है। अपील में भी व्यापारी की बात नहीं मानी जाती। मजबूरी में उसे टैक्स, ब्याज, अर्थदंड उस बिक्री के लिए देना पड़ता है, जो उसने की नहीं।

तीन-चार वर्षों में ईवी का बड़ा केंद्र होगा भारत

केंद्रीय आइटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, डाटा संरक्षण कानून के तहत नियमों को तैयार करने का काम उन्नत चरण में

अश्विनी वैष्णव

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी (आइटी) मंत्री अश्विनी वैष्णव का कहना है कि भारत में अगले तीन से चार वर्षों में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) मैन्यूफैक्चरिंग का पूरा इकोसिस्टम तैयार हो जाएगा। बिजली चालित वाहनों की नीति आदि बनाने की जिम्मेदारी दूसरे मंत्रालय की है। लेकिन इसके लिए जरूरी चिप्स व दूसरे इलेक्ट्रानिक्स उपकरण बनाने के लिए जरूरी निर्देश आइटी मंत्रालय की तरफ से दिए जा रहे हैं। वैष्णव ने कहा है कि पीएम के दूसरे कार्यकाल में जिस तरह से देश में मोबाइल फोन मैन्यूफैक्चरिंग की व्यवस्था स्थापित हुई, उसी तरह से तीसरे कार्यकाल में चिप, लैपटाप व अन्य इलेक्ट्रानिक्स का निर्माण होगा।

आइटी मंत्रालय का काम संभालने के बाद शनिवार को वैष्णव ने असम और गुजरात के मुख्यमंत्रियों से बात और इन दोनों राज्यों में चिप मैन्यूफैक्चरिंग संयंत्र की प्रगति का जायजा लिया। वैष्णव का कहना है कि ईवी का पूरा इकोसिस्टम बनाने की जो व्यवस्था होनी चाहिए, वह चीन, दक्षिण कोरिया, अमेरिका और भारत जैसे कुछ गिने चुने देशों के पास ही है। भारत में शीघ्र ही इन कारों के लिए आवश्यक चिप का निर्माण शुरू हो जाएगा। जबकि भारत में मोटर बनाने वाले कई हब पहले से ही हैं। वैष्णव ने यह बात तब कही है जब दुनिया में ईवी बनाने की सबसे बड़ी कंपनी टेस्ला ने संकेत दिया है कि वह शीघ्र ही भारत में अपनी कारों के निर्माण का काम शुरू कर सकता है। हाल ही में टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने पीएम नरेन्द्र मोदी को उनकी पार्टी की जीत पर बधाई देते हुए कहा कि वह जल्द ही भारत में काम करने को लेकर उत्साहित हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि डाटा संरक्षण कानून के तहत नियमों का मसौदा तैयार करने का काम उन्नत चरण में है।

लैपटाप निर्माण में तेजी

वैष्णव ने कहा कि इलेक्ट्रानिक्स उपकरणों के निर्माण में बदलाव असर दिखाई देने लगा है। इस क्षेत्र में लाखों लोगों को रोजगार मिल रहा है। भविष्य में इसमें 50 लाख लोगों को रोजगार मिल सकता है। सरकार की मदद से लैपटाप निर्माण में भी तेजी आई है। घरेलू मांग पूरा करने के बाद ही लैपटाप निर्यात पर ध्यान दिया जाएगा।

हुंडई इंडिया ने जमा किए आइपीओ दस्तावेज

नई दिल्ली, प्रेट्र: दक्षिण कोरिया की वाहन निर्माता कंपनी हुंडई मोटर कंपनी की भारतीय इकाई हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड ने करीब 25 हजार करोड़ रुपये (तीन अरब डालर) के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आइपीओ) के लिए सेबी के पास प्रारंभिक दस्तावेज जमा कर दिए हैं। यदि यह सफल होता है तो भारत का सबसे बड़ा आइपीओ होगा और एलआइसी के 21 हजार करोड़ रुपये के आइपीओ को पीछे छोड़ देगा।

दस्तावेजों के अनुसार, यह पूरा आइपीओ आफर फार सेल (ओएफएस) पर आधारित होगा और इसमें 14.21 करोड़ से ज्यादा शेयर बिक्री के लिए पेश किए जाएंगे। आइपीओ में नए शेयर पेश नहीं किए जाएंगे। इस वर्ष फरवरी में सूत्रों ने बताया कि हुंडई इंडिया की पैरेंट कंपनी इसके आइपीओ के जरिये करीब तीन अरब डालर की राशि जुटाने पर विचार कर रही है। यह किसी वाहन निर्माता कंपनी का दो दशक बाद पहला आइपीओ होगा।

राष्ट्रीय फलक

आइआइटी खड़गपुर के छात्र फैजान की हुई थी हत्या

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता

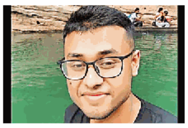

फैजान। फाइल

दो साल पहले आइआइटी खड़गपुर में छात्र फैजान अहमद की हुई मौत के मामले में अब बड़ा राजफाश हुआ है। कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश के बाद दोबारा पोस्टमार्टम की रिपोर्ट में फैजान के गले पर चाकू का निशान मिला। उसके शव पर गोली के निशान भी मिले। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह मामला आत्महत्या का नहीं बल्कि हत्या का है। इसी साल मई में दूसरी पोस्टमार्टम की रिपोर्ट हाई कोर्ट को सौंपी गई। अगले सप्ताह कोर्ट में इस मामले पर सुनवाई होगी।

जानकारी के मुताबिक डा एके गुप्ता की रिपोर्ट में बताया गया है कि फैजान की गर्दन के पास चाकू के निशान मिले हैं। पुलिस ने अपनी रिपोर्ट में इसका जिक्र नहीं किया था। फैजान की मौत के बाद मेदिनीपुर मेडिकल कालेज अस्पताल में अक्टूबर 2022 में किए गए शव परीक्षण में भी जख्म की जानकारी नहीं दी गई थी। फैजान की मां रेहाना ने कलकत्ता हाई कोर्ट का रुख किया था और जांच के लिए एसआइटी बनाने की मांग की थी।

हाई कोर्ट ने दिया था आदेश : कलकत्ता हाई कोर्ट ने मई 2023 में शव के अवशेष निकालकर दोबारा पोस्टमार्टम करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि छात्र की मौत के पीछे का सच सामने आना जरूरी है।

कुमारस्वामी ने दी सफाई, सेमीकंडक्टर भारत के लिए रणनीतिक उद्योग

- पीएमओ की सेमीकंडक्टर संबंधी पहल की सराहना की, कहा- नौकरियों का सृजन कर पीएम की उम्मीदों पर खरा उतरना है
- एक नौकरी के बदले अमेरिकी फर्म को 3.2 करोड़ रुपये की सब्सिडी मिलने की संभावना पर सवाल उठाया था

कुमारस्वामी। फाइल

बेंगलुरु, एएनआइ : केंद्रीय भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने शनिवार को कहा कि अमेरिकी सेमीकंडक्टर फर्म माइक्रोन के संबंध में उनकी कथित टिप्पणी को गलत तरीके से उद्धृत किया गया। उन्होंने कहा कि मुझे भविष्य में बहुत सतर्क रहना होगा। कुमारस्वामी ने कहा कि सेमीकंडक्टर एक रणनीतिक उद्योग है। यह इलेक्ट्रानिक्स और आटोमोबाइल विनिर्माण के लिए एक बुनियादी आवश्यकता है। ये दोनों क्षेत्र बहुत सारे रोजगार पैदा करते हैं। मैं पीएमओ द्वारा की गई सेमीकंडक्टर संबंधी पहल की सराहना करता हूं और अपने मंत्रालय के माध्यम से उन्हें पूरा करने की दिशा में काम करूंगा।

उनकी यह टिप्पणी उनके उस बयान के एक दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने अमेरिका स्थित सेमीकंडक्टर निर्माता कंपनी को गुजरात में हर एक नौकरी के बदले 3.2 करोड़ रुपये की सब्सिडी मिलने की संभावना के बारे में कथित तौर पर सवाल उठाया था।

वहीं, कुमारस्वामी ने संवाददाताओं से बातचीत के दौरान देश में निवेश आकर्षित करने के साथ-साथ अधिक नौकरियां सृजित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुझे इतना बड़ा विभाग क्यों दिया है? उन्हें मुझ पर इतना भरोसा क्यों है? यह एक बड़ी जिम्मेदारी है, जो प्रधानमंत्री ने मुझे दी है।

मेरा काम बड़ी संख्या में निवेशकों को लाना है। सिर्फ निवेशकों को लाना ही नहीं, बल्कि नौकरियों का सृजन भी करना है। अधिक से अधिक नौकरियों का सृजन करके मुझे प्रधानमंत्री की उम्मीदों पर खरा उतरना है।

आगरा में 24 घंटे में 13 दारोगा समेत 55 पुलिसकर्मी निलंबित

जासं, आगरा

- बुधवार को 30 और गुरुवार को 25 पुलिसकर्मियों पर गिरी गाज
- फीडबैक सेल की रिपोर्ट पर की गई आरोपित पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई

भ्रष्टाचार, विवेचना में लापरवाही और पासपोर्ट सत्यापन में वसूली पर आगरा में 24 घंटे में 13 दारोगा समेत 55 पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया। बुधवार को 30 और गुरुवार को 25 पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की गई। पुलिस कमिश्नरेट में स्थापित की गई फीडबैक सेल की रिपोर्ट पर कार्रवाई की गई है। पुलिस कमिश्नर का कहना है कि अनुशासनहीनता और लापरवाही पर कार्रवाई जारी रहेगी। कार्रवाई के दायरे में पश्चिमी जोन में एक प्रशिक्षु समेत चार दारोगा, चार मुख्य आरक्षी और 15 आरक्षी और पूर्वी जोन में एक प्रशिक्षु महिला दारोगा और मुख्य आरक्षी हैं

पुलिस आयुक्त जे. रविन्दर गौड़ ने लोकसभा चुनाव से पहले बीट पुलिस अधिकारी (बीपीओ) प्रणाली लागू की थी। पुलिस आयुक्त ने बीपीओ और उप निरीक्षकों की कार्यप्रणाली पर नजर रखने के लिए फीडबैक सेल बनाया था। फीडबैक सेल ने आवेदकों को फोन किया। उनसे पूछा कि पुलिसकर्मी ने पासपोर्ट में रिपोर्ट लगाने और चरित्र प्रमाण-पत्र सत्यापन के लिए क्या रुपये मांगे थे? लोगों के फीडबैक पर सेल ने पुलिसकर्मियों को कार्रवाई के लिए चिह्नित किया गया। डीसीपी पश्चिमी जोन सोनम कुमार ने बताया कि कार्रवाई के दायरे में आने वाले पुलिस अधिकारियों पर सरकारी कार्य में अनुशासनहीनता, पासपोर्ट रिपोर्ट में रुपये मांगने और थाने आने वाले लोगों से अभद्रता करने की शिकायत मिली थीं।

कुपवाड़ा में नार्को टेरर माड्यूल का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, जागरण, श्रीनगर : उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा में पुलिस ने नार्को टेरर माड्यूल (नशे व आतंक का गठजोड़) का भंडाफोड़ किया है। माड्यूल के तीन सदस्यों को मादक पदार्थ, हथियार व विस्फोटक सामग्री के साथ गिरफ्तार किया गया है। पुलिस व सेना ने उनके अन्य साथियों की धरपकड़ के लिए भी अभियान छेड़ रखा है।

कुपवाड़ा के एसएसपी शोभित सक्सेना ने बताया कि एलओसी से सटे करनाह में नशीले पदार्थों की तस्करी में कुछ लोगों के लिप्त होने की सूचना थी। पुलिस व सेना ने संयुक्त रूप से अभियान चलाकर दो युवकों शफीक अहमद शेख और तारिक अहमद मलिक को काबू किया। इनमें शफीक एलओसी से सटे खावरपोरा और तारिक बागबाला का रहने वाला है। दोनों के पास से 500 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। पूछताछ में दोनों ने बताया कि वे नार्को टेरर माड्यूल से जुड़े हैं। हथियार और विस्फोटक भी हैं जो उनके तीसरे साथी परवेज अहमद पठान के पास हैं। पुलिस ने परवेज को भी काबू कर लिया।

बागपत में विधवा भाभी से शादी करने पर छोटे भाई की हत्या

जागरण संवाददाता, बड़ौत (बागपत)

उत्तर प्रदेश में बागपत जिले के बड़ौत में विधवा भाभी से शादी करने पर दो अन्य भाइयों ने सबसे छोटे भाई की हत्या कर दी। दोनों हत्यारोपित छोटे भाई की शादी से नाराज थे। इसी बात पर तीनों में विवाद चल रहा था। पुलिस ने दोनों हत्यारोपित भाइयों को गिरफ्तार कर लिया है।

ईश्वर के बेटे सुखवीर, ओमवीर, उदयवीर और यशवीर में सुखवीर शादीशुदा था। लगभग 12 साल पहले हादसे में सुखवीर की मौत हो गई थी। करीब एक साल बाद सुखवीर की पत्नी रितू की शादी सबसे छोटे देवर यशवीर के साथ हो गई। उदयवीर व ओमवीर इसी बात को लेकर यशवीर से नाराज रहने लगे और आए दिन झगड़ा करने लगे। 32 वर्षीय यशवीर दिल्ली में बस चालक थे। यशवीर से रितू को चार वर्षीय बेटा शिवम है। रितू के अनुसार, शादी के बाद वह तीनों बच्चों, पति यशवीर, सास महेंद्री व ससुर ईश्वर के साथ घर के एक हिस्से में रह रही है। दूसरे हिस्से में उदयवीर व ओमवीर एक साथ रहते हैं। शुक्रवार रात ओमवीर व उदयवीर ने उससे झगड़ने लगे। 10 बजे यशवीर घर लौटे तो ओमवीर और उदयवीर ने गाली-गलौज की और उसके बाद तमंचे से गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया।

मृतक यशवीर। सौजन्य स्वजन

दोनों भाइयों को गिरफ्तार कर हत्या में प्रयुक्त तमंचा बरामद कर लिया गया है। यशवीर की पत्नी ने अपने जेठ उदयवीर और ओमवीर के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है।

- एनपी सिंह, एएसपी, बागपत

साप्ताहिक राशिफल

रविवार, 16 जून, 2024 से शनिवार 22 जून, 2024 तक

पं. बी. बी. शास्त्री 'देवेश'

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, आ)
सप्ताह के प्रारंभ में मन अशांत रहेगा, आत्मविश्वास में कमी रहेगी, कारोबार में परिश्रम रहेगा, दिनचर्या व्यस्ततम् होगी, निजी संबंधों में प्रेम रहेगा, शिक्षा में एकाग्रता रखें, शत्रुपक्ष प्रभावी, अधिकारी से सावधान, वर्तमान परिस्थिति में सफलता शुभ अंक 2

वृष (इ, ऊ, ए, ओ, पा, वी, वू, वे, वो)
किसी मित्र के सहयोग से कारोबार में वृद्धि होगी, बात्चीत में संतुलित रहें, अपने से वरिष्ठ और सहयोगियों से क्रोध और आवेश के अतिरेक से बचें, अपनी भावनाओं को वश में रखें, माता का सानिध्य मिलेगा, परंतु जीवनसाथी की सेहत का ध्यान रखें शुभ अंक 4

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, हा)
वस्त्र उपहार में मिल सकते है, कार्यक्षेत्र में लक्ष्य के प्रति सजगता, वैचारिक मतभेद से बचें, पारिवारिक सहयोग, साधनों की पूर्ति होगी, मनोरंजन का योग, मंगल कार्य योग, सम्पूर्ति का अनुबंध, खानपान का ध्यान रखें, धर्म में रुचि, स्थान पद परिवर्तन शुभ अंक 6

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)
व्यर्थ के क्रोध से बचें, मन में उतार-चढ़ाव रहेगा, आपके लिए परिश्रम अधिक रहेगा, रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा, खर्च की अधिकता रहेगी, पिता की सेहत का ध्यान रखें, आत्मविश्वास से कार्यरत रहें, पारिवारिकजनों के लिये समय दें शुभ अंक 5

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे)
मन परेशान भी रहेगा, अपनी भावनाओं को वश में रखें, सप्ताह के प्रारंभ में मन अशांत रहेगा, आत्मविश्वास की कमी, सेहत का ध्यान रखें, धैर्यशीलता बनाए रखें, आय में वृद्धि होगी, किसी मित्र का सहयोग भी मिलेगा शुभ अंक 1

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
मन प्रसन्न रहेगा, आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परंतु मन में उतार-चढ़ाव हो सकता है, बात्चीत में संतुलित रहें, नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव के योग, आने वाले समय में रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा, नौकरी में स्थान पद परिवर्तन का योग शुभ अंक 9

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते)
सप्ताह के प्रारंभ में मन अशांत रहेगा, नुकसान से बचने के लिए क्रोध से बचें, किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते है, आय में वृद्धि होगी, दिनचर्या व्यस्ततम् रहेगी, वाहन, आभूषण योग, संतान से सहयोग, मित्रों से लाभ शुभ अंक 8

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू)
आत्मविश्वास में कमी रहेगगी, कारोबार में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है, बातचीत में संतुलित रहें, कारोबार में वृद्धि होगी, चिंता का समाधान होगा, आने वाले समय में वाहन और आभूषण योग है, अपनी भावनाओं को वश में रखें शुभ अंक 3

धनु (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
सप्ताह के प्रारंभ में वाणी में मधुरता तो रहेगी, परंतु मन परेशान हो सकता, आप संयत रहें, धैर्यशीलता बनाए रखने का हरसंभव प्रयास करें, 19 जून के बाद कारोबार में सुधार होगा, आय में वृद्धि होगी, शुभ समाचार मिलेंगे आपके खर्चों में वृद्धि होगी शुभ अंक 7

मकर (भो, जा, ज, खी, खू, खे, खो, गा, गी)
मन परेशान रहेगा, अपने आप को संयत बनाए रहें, आने वाले दिनों में आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे, मन प्रसन्न भी रहेगा, परंतु बात्चीत में संतुलित रहें, व्यर्थ की भागदौड़ अधिक रहेगी, पिता का साथ मिलेगा, जीवनसाथी की सेहत का ध्यान रखें शुभ अंक 2

कुम्भ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सा, दा)
आत्मसंयत रहें, क्रोध के अतिरेक से बचें, धैर्यशीलता बनाए रखें, परिवार में शांति बनाए रखने का हरसंभ प्रयास करें, आने वाले समय में परिवार से दूर रहना पड़ सकता है, सेहत का ध्यान रखें, संतान की सेहत का ध्यान रखें। शुभ अंक 2

मीन (दी, दू, थ, झ, दे, दो, चा, ची)
किसी अज्ञात भय से आप परेशान हो सकते है, अर्थसाधन में प्रयास, आशा-निराशा के विचार प्रभावी होंगे, विदेश कार्य में सफलता मिलेगी, क्रोध, ईर्ष्या से बचें, तनाव पूर्व जीवन शैली से बचें, आने वाले समय में खर्च की अधिकता रहेगी शुभ अंक 9

****

30 बच्चे अमेरिका के ओरेगन में सौ साल से भी अधिक पुराने ओक्स एम्यूजमेंट पार्क में शुक्रवार को फंस गए। पोर्टलैंड अग्निशमन विभाग के कर्मियों ने इंजीनियरों के साथ मैन्युअली झूले को धीरे-धीरे नीचे लाकर उन सभी को सुरक्षित बचा लिया गया।

भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे को बढ़ावा देगा जी-7

अवसरों की आस ▸ जी-7 देशों ने स्वतंत्र और मुक्त हिंद-प्रशांत के प्रति भी प्रतिबद्धता दोहराई

इतालवी पीएम मेलोनी के निमंत्रण पर मोदी ने शिखर सम्मेलन में भाग लिया

▸ आइएमईसीके तहत विशाल सड़क, रेल और पोत परिवहन तंत्र की परिकल्पना

▸ मोदी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऊर्जा आदि विषयों पर किया संबोधित

जी-7 सम्मेलन में समूह में फोटो खिंचवाए जाने के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं अन्य। सौ. एक्स/@नरेन्द्रमोदी

बारी (इटली), प्रेट्र : सात औद्योगिक देशों के समूह जी-7 ने भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे (आइएमईसी) जैसे ठोस बुनियादी ढांचे के प्रस्तावों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्धता जताई है। जी-7 शिखर सम्मेलन के अंत में जारी विज्ञप्ति में इस महत्वपूर्ण आर्थिक गलियारे का जिक्र किया गया है। इसके साथ जी-7 ने कानून के शासन के आधार पर स्वतंत्र और मुक्त हिंद-प्रशांत के प्रति भी प्रतिबद्धता दोहराई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मेजबान इतालवी पीएम जार्जिया मेलोनी के निमंत्रण पर शिखर सम्मेलन में भाग लिया।

विज्ञप्ति में कहा गया है, हम गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचे और निवेश की खातिर परिवर्तनकारी आर्थिक गलियारे विकसित करने के लिए प्रमुख परियोजनाओं जैसे कि लोबिटो कारिडोर, लुजोन कारिडोर, मिडिल कारिडोर और भारत-पश्चिम एथिया-यूरोप आर्थिक गलियारे को बढ़ावा देंगे।

भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारा (आइएमईसी) परियोजना के तहत सऊदी अरब, भारत, अमेरिका और यूरोप के बीच एक विशाल सड़क, रेलमार्ग और पोत परिवहन तंत्र की परिकल्पना की गई है ताकि एशिया, पश्चिम एशिया और पश्चिम के बीच जुड़ाव सुनिश्चित किया जा सके।

आइएमईसी को समान विचारधारा वाले देशों द्वारा चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के समक्ष रणनीतिक प्रभाव हासिल करने की पहल के रूप में भी देखा जा रहा है। बीआरआइ एक विशाल संपर्क परियोजना है जो चीन को दक्षिण-पूर्व एशिया, मध्य एशिया, रूस और यूरोप से जोड़ती है। पिछले वर्ष दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान आइएमईसी को अंतिम रूप दिया गया था।

शुक्रवार को मोदी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऊर्जा, अफ्रीका और भूमध्य सागर विषय पर आयोजित सत्र को संबोधित किया था।

इसके बारे में विज्ञप्ति में कहा गया कि साझा जिम्मेदारी की भावना से हम अल्जीरिया, अर्जेंटीना, ब्राजील, भारत, जार्डन, केन्या, मारिटानिया, ट्यूनीशिया, तुर्किये और संयुक्त अरब अमीरात के नेताओं की भागीदारी का गर्मजोशी से स्वागत करते हैं। इसमें कहा गया, हम अधिक निश्चितता, पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देने के लिए अपने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े दृष्टिकोणों के बीच तालमेल बढ़ाने के अपने प्रयासों को आगे बढ़ाएंगे। इस दौरान हम यह भी ध्यान में रखेंगे कि जी-7 सदस्यों के रुख और नीतिगत व्यवस्थाएं भिन्न हो सकती हैं। शिखर सम्मेलन के एजेंडे की अन्य प्राथमिकताओं के अलावा विज्ञप्ति में रूस के साथ जारी संघर्ष में यूक्रेन के लिए मजबूत समर्थन व्यक्त किया गया।

उल्लेखनीय है कि नरेन्द्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा पर इस जी-7 सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए इटली पहुंचे थे।

यूक्रेन के समर्थन में स्विट्जरलैंड में सम्मेलन के लिए जुटे विश्व के नेता

▸ जेलेंस्की ने चीन पर लगाया महत्व कम करने का आरोप

▸ वियोला ने कहा, रूस ने अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन किया

▸ अमेरिकी उप राष्ट्रपति का डेढ़ अरब डालर की मदद का एलान

यूक्रेन के लिए शनिवार को स्विटजरलैंड में आरंभ शांति सम्मेलन के दौरान (बाएं से) स्विट्जरलैंड की राष्ट्रपति वियोला एमहर्ड, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की, यूक्रेन के राष्ट्रपति कार्यालय के प्रमुख एंड्री यरमक तथा अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमल हैरिस। रायटर

बर्गेनस्टाक, रायटर : 28 महीनों से जारी यूक्रेन युद्ध से उपजी स्थितियों पर विचार करने के लिए स्विट्जरलैंड के बर्गेनस्टाक में दो दिवसीय शांति सम्मेलन शनिवार से शुरू हो गया। इस सम्मेलन में रूस को आमंत्रित नहीं किया गया है जबकि आयोजन के औचित्य पर सवाल उठाते हुए चीन उसमें शामिल नहीं हुआ है। भारत और दक्षिण अफ्रीका ने अधिकारी स्तर के प्रतिनिधि भेजे हैं, तो ब्राजील ने पर्यवेक्षक भेजा है। तुर्किये और सऊदी अरब ने सम्मेलन में अपने विदेश मंत्री भेजे हैं। सम्मेलन में 90 से ज्यादा देशों के राष्ट्राध्यक्ष, शासनाध्यक्ष, प्रतिनिधि और संगठन भाग ले रहे हैं। सम्मेलन में अमेरिका की उप राष्ट्रपति कमला हैरिस ने यूक्रेन के ऊर्जा क्षेत्र के लिए 1.5 अरब डालर और मानवीय जरूरतों के लिए 37.9 करोड़ डालर की मदद का एलान किया। सम्मेलन में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा, यूक्रेन कभी भी युद्ध नहीं चाहता था। यह पूरी तरह से रूस का आपराधिक और भड़कावे वाला आक्रमण है।

जेलेंस्की ने चीन पर शांति सम्मेलन के महत्व को कम करने की कोशिश का आरोप लगाया। कहा कि चीन यह कोशिश रूस के साथ मिलकर कर रहा है। लेकिन चीन ने इस आरोप को गलत बताया है। उनके साथ बैठीं स्विट्जरलैंड की राष्ट्रपति वियोला एमहर्ड ने कहा कि यूक्रेन युद्ध कल्पना से परे मुश्किलें लेकर आया है। यह अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन भी है। जबकि जर्मनी के चांसलर ओलफ शुल्ज ने कहा, यह सम्मेलन कई मायनों में महत्वपूर्ण है। इसमें शांति और सुरक्षा से जुड़े प्रश्नों पर चर्चा होगी। सम्मेलन में फ्रांस, इटली, ब्रिटेन, कनाडा और जापान के नेता भी भाग ले रहे हैं। सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति का प्रतिनिधित्व कर रहीं उप राष्ट्रपति हैरिस ने रूसी हमलों से भारी नुकसान के शिकार हुए यूक्रेन के ऊर्जा क्षेत्र की आर्थिक सहायता का एलान किया है। इस बीच रूस के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जाराखोवा ने कहा है कि राष्ट्रपति पुतिन का प्रस्ताव ही सही मायने में यूक्रेन में शांति स्थापित करने का तरीका है। पुतिन ने शुक्रवार को युद्ध रोकने के लिए अपने जीते सीमावर्ती क्षेत्रों पर यूक्रेन के दावा छोड़ने और सैन्य संगठन नाटो की सदस्यता के लिए आवेदन को वापस लेने की शर्त रखी थी। यूक्रेन ने दोनों शर्तें अस्वीकार कर दिया।

न्यूज गैलरी

अगले हफ्ते जयशंकर की श्रीलंका यात्रा की संभावना

कोलंबो : विदेश मंत्री एस जयशंकर 20 जून को श्रीलंका के दौरे पर जा सकते हैं। श्रीलंका के विदेश मंत्री अली साबरी की ओर से शुक्रवार को यह बात कही गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भी आने वाले समय में द्वीप राष्ट्र का दौरा करने की उम्मीद है। भारतीय विदेश मंत्रालय की ओर से जयशंकर की यात्रा की घोषणा नहीं की गई है। यदि पुष्टि होती है, तो नई सरकार में विदेश मंत्री नियुक्त होने के बाद जयशंकर की पहली आधिकारिक विदेश यात्रा होगी। (प्रेट्र)

संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी मिशन पर साइबर हमला

इस्लामाबाद : संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी मिशन पर साइबर हमला किया गया है। आधिकारिक ईमेल अकाउंट और यूट्यूब चैनल को हैक कर लिया गया। अमेरिकी समय के अनुसार हमला शुक्रवार शाम चार बजे किया गया। हमलावरों ने स्थायी मिशन के सूचना विंग के ईमेल को निशाना बनाया। साथ ही यूट्यूब चैनल के नाम, बैनर और कंटेंट के साथ छेड़छाड़ की गई। किसी ने भी इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। (प्रेट्र)

जापान के फुकुशिमा न्यूक्लियर प्लांट में कर्मी की मौत

टोक्यो : जापान के फुकुशिमा डाइची न्यूक्लियर प्लांट में एक कर्मचारी मृत पाया गया। 50 वर्षीय शख्स जब गुरुवार को न्यूक्लियर प्लांट में काम कर रहा था तो उसे हार्ट अटैक आ गया। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां मृत घोषित कर दिया गया। कंपनी की ओर से बताया गया है वह किसी रेडिएशन के संपर्क में भी नहीं आया था। (आइएएनएस)

पाकिस्तान में बकरीद से पहले पेट्रोल के दाम में कटौती

इस्लामाबाद : नकदी संकट का सामना कर रहे पाकिस्तान ने पेट्रोल-डीजल के दाम कम कर महंगाई की मार झेल रहे लोगों को बकरीद का तोहफा दिया है। पेट्रोल के दाम में 10.20 रुपये (पाकिस्तानी) और हाई स्पीड डीजल के दाम में 2.33 रुपये की कटौती की गई है। शनिवार से पेट्रोल 258.16 रुपये प्रति लीटर और डीजल 267.89 प्रति लीटर पर उपलब्ध होने लगा। (प्रेट्र)

दक्षिण अफ्रीका के दोबारा राष्ट्रपति चुने गए सिरिल रामफोसा

▸ नेशनल असेंबली की पहली बैठक में चुने गए राष्ट्रपति, 19 जून को लेंगे शपथ

दक्षिण अफ्रीका की सत्तारूढ़ अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस के नेता सिरिल रामफोसा को पांच साल के लिए दोबारा राष्ट्रपति चुने गए। रायटर

केपटाउन, एएनआइ : दक्षिण अफ्रीकी संसद ने नेशनल असेंबली की पहली बैठक के दौरान शुक्रवार को अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस के अध्यक्ष सिरिल रामफोसा को दोबारा राष्ट्रपति चुन लिया है। अगले पांच वर्ष के कार्यकाल के लिए वह 19 जून को प्रीटोरिया में शपथ ग्रहण करेंगे। आम चुनावों में बहुमत न मिलने के कारण अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस (एएनसी) ने सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी डेमोक्रेटिक अलायंस के साथ गठबंधन किया है। पहली बैठक के दौरान अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस (एएनसी) के थोको डिडिजा को नेशनल असेंबली का अध्यक्ष और डेमोक्रेटिक अलायंस (डीए) के एनेली लोट्रियट को उपाध्यक्ष चुना है।

राष्ट्रपति के चुनाव के लिए 339 मतपत्र जारी किए गए और गिने गए। इनमें से 12 अवैध घोषित कर दिए गए। रामफोसा को 283 मत मिले। उनके प्रतिद्वंद्वी जोलियस मलेमा को मात्र 44 मत प्राप्त हुए। दक्षिण अफ्रीका में 29 मई को हुए चुनाव में 400 में से 159 सीटें अफ्रीकन नेशनल पार्टी को मिले थे। यह पिछले 30 वर्षों में पहली बार हुआ, जब एएनसी को बहुमत प्राप्त नहीं हो पाया।

अपने पहले संबोधन में रामफोसा ने कहा कि वह अपनी जीत को बड़ी जिम्मेदारी मान रहे हैं। देश में तीन प्रमुख चुनौतियों का सामना करने के लिए साथ कार्य करना जरूरी है। ये चुनौतियां गरीबी, बेरोजगारी और असमानता हैं। यह देश के लिए ऐतिहासिक मोड़ है।

भारत के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध : ट्रूडो

बारी (इटली), प्रेट्र : द्विपक्षीय संबंधों में तनाव के बीच कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने शनिवार को कहा कि जी7 शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर बात हुई और दोनों देशों ने साथ मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता जताई। मोदी ने शुक्रवार को दोनों नेताओं के हाथ मिलाने की एक तस्वीर इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट की, जिसमें कहा गया कि जी7 शिखर सम्मेलन में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो से मुलाकात की। ट्रूडो द्वारा पिछले साल कनाडा में खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंसियों के शामिल होने का दावा किए जाने के बाद दक्षिणी इटली के अपुलिया में जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान यह दोनों नेताओं के बीच पहली आमने-सामने की मुलाकात थी। पिछले साल ट्रूडो ने कहा था कि कनाडाई अधिकारी निज्जर की हत्या में भारत की संलिप्तता के आरोपों की जांच कर रहे हैं।

रूसी युद्धपोतों के बाद अमेरिकी पनडुब्बी ने क्यूबा में डाला डेरा

▸ अमेरिका के बाद कनाडा की नौसेना का गश्ती जहाज हवाना के लिए रवाना हुआ

▸ क्यूबा के विदेश मंत्रालय ने कहा, अमेरिकी पनडुब्बी के आगमन की सूचना से वह खुश नहीं

हवाना, रायटर : क्यूबा में रूसी युद्धपोतों की मौजूदगी के बाद अमेरिका और कनाडा ने भी वहां अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। अमेरिका की ओर से क्यूबा में ग्वांतानामो नौसैनिक अड्डे पर पनडुब्बी तैनात करने की घोषणा के बाद कनाडा की नौसेना का गश्ती जहाज हवाना के लिए रवाना हुआ।

क्यूबा में रूसी, कनाडाई और अमेरिकी जहाजों का क्यूबा में पहुंचना शीत युद्ध के तनाव और भयावहता को दर्शाता है। हालांकि, अमेरिका और क्यूबा ने कहा है कि रूसी युद्धपोतों से क्षेत्र को कोई खतरा नहीं है। रूस ने भी सहयोगी क्यूबा में अपने युद्धपोतों को एक नियमित अभ्यास बताया है।

रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि एडमिरल गोर्शकोव फ्रिगेट और परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बी कजान अटलांटिक महासागर में मिसाइल हथियारों के प्रशिक्षण के बाद बुधवार को हवाना बंदरगाह के लिए रवाना हुए। वहीं, कनाडा के मार्गरेट ब्रुक गश्ती जहाज ने हवाना बंदरगाह में प्रवेश करने के लिए शुक्रवार तड़के युद्धाभ्यास शुरू किया। कनाडाई संयुक्त संचालन कमान ने इसे एक सामान्य यात्रा की संज्ञा दी है।

वहीं, क्यूबा के विदेश मंत्रालय ने कहा कि उसे अमेरिकी पनडुब्बी के आगमन की सूचना दी गई है, लेकिन वह इससे खुश नहीं है। उप विदेश मंत्री कार्लोस फर्नांडीज डी कोसो ने कहा, 'किसी देश की नौसेना यात्राएं आम तौर पर निमंत्रण का परिणाम होती हैं और यह वह मामला नहीं है। स्पष्ट रूप से हमें अपने क्षेत्र में एक ऐसी शक्ति की उपस्थिति पसंद नहीं है, जो ऐसी आधिकारिक और व्यावहारिक नीति बनाए रखता है, जो क्यूबा के खिलाफ शत्रुतापूर्ण है।

ब्रिटेन में कई भारतवंशियों को 'कंपेनियंस आफ आनर' सम्मान

लंदन, प्रेट्र : समाज के लिए किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री गार्डन ब्राउन सहित कई भारतवंशियों को द आर्डर आफ द कंपेनियंस आफ आनर से सम्मानित किया गया है। इसकी स्थापना कला, विज्ञान, चिकित्सा और पब्लिक सर्विस में उत्कृष्ट कार्य को सम्मान देने के लिए 1917 में किंग जार्ज पंचम की ओर से किया गया था। इस वर्ष शुक्रवार को उत्कृष्ट सेवाओं के लिए 1077 लोगों को यह सम्मान दिया गया। सम्मान पाने वालों में 509 महिलाएं हैं। इस सूची में कई भारतवंशियों के नाम भी शामिल हैं। भारतीय मूल के प्रमुख व्यक्तियों में जसविंदर कौर संघेरा, शालिनी अरोड़ा, जमशेद बोमनजी, रबिंदर कौर बुट्टर आदि शामिल हैं। सम्मान पाने वालों में सबसे युवा 20 वर्षीय शमजा बट हैं। उन्हें ब्रिटिश एंपायर मेडल दिया गया। सबसे अधिक उम्र के 100 वर्षीय हेरोल्ड जान्स भी सम्मान पाने वालों की सूची में शामिल हैं।

ईरान और स्वीडन ने कैदियों की अदला-बदली की

दुबई, एपी : ईरान और स्वीडन के बीच शनिवार को कैदियों की अदला-बदली हुई। इसके तहत तेहरान ने यूरोपीय संघ के एक राजनयिक समेत दो व्यक्तियों को रिहा किया। रिहा किए गए लोगों में राजनयिक जोहान फ्लोडेरस और सईद अजीजी शामिल हैं। इस रिहाई में ओमान ने मध्यस्थता की। उनके बदले ईरानी कैदी हामिद नूरी को रिहा किया गया, जिसे 1988 में इस्लामिक गणराज्य में सामूहिक फांसी दिए जाने की घटना में शामिल होने पर स्टाकहोम में युद्ध अपराध का दोषी ठहराया गया था। वर्ष 2019 में स्वीडन द्वारा हामिद नूरी की गिरफ्तारी तब की गई थी, जब वह पर्यटक के रूप में वहां गया था।

उसी के बाद ईरान में स्वीडन के दो निवासियों को हिरासत में ले लिया गया। यह वर्ष 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से ईरान द्वारा लंबे समय से अपनाई जा रही उस रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत वह पश्चिमी देशों से वार्ता में विदेश में संबंध रखने वालों को मोहरे के रूप में इस्तेमाल करता है। दावा है कि नूरी को अवैध रूप से हिरासत में लिया गया था।

कुवैत में अग्निकांड के बाद अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई शुरू

▸ हादसे में मारे गए 46वें भारतीय का शव मुंबई पहुंचा

▸ पिता ने कहा- जल्द बेटे की शादी करने की योजना थी

दुबई, प्रेट्र : कुवैत में छह मंजिला इमारत में भीषण अग्निकांड के बाद प्रशासन ने अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके। इस हादसे में 46 भारतीयों सहित 50 लोगों की जान चली गई थी। मंगाफ शहर में बुधवार तड़के आग लगने के समय इमारत में रहने वाले अधिकांश लोग सो रहे थे और ज्यादातर की मौत धुएं के कारण दम घुटने से हुई। इमारत में 196 प्रवासी कामगार रहते थे, जिनमें ज्यादातर भारतीय थे। इस घटना के बाद ऐसे रियल एस्टेट मकान मालिकों और कंपनी मालिकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठने लगी जोकि पैसे बचाने के चक्कर में कानून का उल्लंघन करते हुए बड़ी संख्या में विदेशी मजदूरों को अत्यंत असुरक्षित जगहों में रखते हैं।

उधर, 46वें भारतीय डेनी करुणाकरण का पार्थिव शरीर शनिवार की अलसुबह छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचा। वहां से परिजनों को सौंपा गया। 45 भारतीयों के शव शुक्रवार को ही कुवैत से भारत पहुंच गए थे और उनकी अलग-अलग स्थानों पर परिजनों ने अपने-अपने धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार अंत्येष्टि की।

33 वर्षीय डेनी के पिता बेबी कुट्टी ने बताया कि शव को शवगृह में रखा गया है और रविवार को बेटे का अंतिम संस्कार किया जाएगा। डेनी चार साल पहले कुवैत गया था और एनबीटीसी में अकाउंट्स और सेल्स कोआर्डिनेटर था। बेटे से करीब दो माह पहले बातचीत की थी और हमने उसकी शादी तय करने की योजना बनाई थी। बेटा दो साल पहले घर आया था। वह फ्लैट खरीदना चाहता था और इसके लिए कड़ी मेहनत कर रहा था।

पाकिस्तान में पुलिसकर्मी ने दो वकीलों को मारी गोली, मौत

इस्लामाबाद, एएनआइ : पाकिस्तान में शनिवार को अटक में एक सहायक उप-निरीक्षक (एएसआइ) ने दो वकीलों को गोली मार दी, जिससे उनकी मौत हो गई। उन्हें व्यक्तिगत दुश्मनी के कारण गोली मारी गई। एएसआइ इंतिजार शाह की ओर से किए गए हमले में एडवोकेट मलिक इसरार और उनके सहयोगी एडवोकेट जुल्फिकार शाह की मौत हो गई। संदिग्ध को पकड़ लिया गया है।

वहीं, दूसरी ओर कराची के गुलशन इकबाल इलाके में एक कथित डकैती मामले में पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) और उनके बेटे को तीन दिन की रिमांड पर भेज दिया गया है। डकैती में शामिल होने के संबंध में डीएसपी जफर और उनके बेटे के खिलाफ आरोप सामने आने के बाद कराची में एक न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत ने रिमांड मंजूर कर दी। कोर्ट ने पुलिस को आरोपितों से गहनता से पूछताछ कर अगली सुनवाई के दौरान प्रगति रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है।

अमेरिका में बनाया जा रहा है भारतीय आभूषण कारोबारियों को निशाना

भारतीय-अमेरिकी समुदाय के सदस्यों एवं नेताओं के साथ बैठक के अवसर पर उनके साथ सनीवेल शहर के मेयर लैरी क्लेन व पुलिस अधिकारी। प्रेट्र

वाशिंगटन, प्रेट्र : अमेरिका में नेवार्क से लेकर सनीवेल तक भारतीय आभूषण कारोबारियों को निशाना बनाया जा रहा है। लगातार कई डकैतियों के मामले सामने आए हैं। इसके कारण लाखों डालर की संपत्ति का नुकसान हुआ है। व्यापारियों और स्थानीय समुदाय के बीच दहशत का माहौल है। कैलिफोर्निया के शहर सनीवेल में ऐसी कम से कम तीन हाई-प्रोफाइल डकैतियां हुई हैं।

डकैतियों को देखते हुए सिलिकान वैली के अधिकारियों ने भारतीय-अमेरिकी समुदाय के सदस्यों और नेताओं के साथ बैठक की है। उन्होंने अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस बैठक में सनीवेल शहर के मेयर लैरी क्लेन, पुलिस प्रमुख फान गो, अंतरिम सिटी मैनेजर टिम किर्बी शामिल थे। पुलिस ने इस मामले में अबतक पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। जांच जारी है और आने वाले समय में और गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

पुलिस प्रमुख फान गो ने भविष्य में होने वाली घटनाओं को रोकने में मदद के लिए कारोबारियों के साथ महत्वपूर्ण सुरक्षा और रोकथाम उपायों को साझा किया है। उन्होंने भारतवंशियों को यह भी आश्वासन दिया है कि अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और सुरक्षा बढ़ाने के लिए पुलिस गश्त बढ़ाई जाएगी।

अराफात की पहाड़ी पर दुआ

हजयात्रा के दौरान सऊदी अरब में पवित्र शहर मक्का से 20 किमी दूर स्थित अराफात की पहाड़ी पर प्रार्थना के लिए एकत्रित हज यात्री। इसे मर्सी माउंट या जबल आर-रहमाह भी पुकारा जाता है और इस्लामी परंपरा के अनुसार यह वह स्थान है, जहां पैगंबर हजरत मोहम्मद ने उपदेश दिया था। मान्यता है कि इसी स्थान पर स्वर्ग से उतरने के बाद आदम और हव्वा फिर से मिले थे। इसी पर्वत पर आदम को क्षमा किया गया। इसलिए इसे जबल-अर-रहमाह अर्थात दया का पर्वत भी कहा जाता है। एपी

हज के लिए माउंट अराफात पर जमा हुए भारतीय जायरीन

नई दिल्ली, एएनआइ : सऊदी अरब में भारतीय राजदूत सुहेल अजाज खान ने कहा कि भारतीय जायरीन हज के लिए शनिवार को माउंट अराफात पर एकत्र हुए हैं, जो हज का सबसे महत्वपूर्ण दिन है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर से तीर्थयात्री मीना के तंबूओं के शहर से अराफात के मैदानों की ओर चले गए।

भारतीय राजदूत ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि शनिवार को अराफात का दिन था। अराफात का दिन हज का सबसे महत्वपूर्ण दिन माना जाता है। दुनियाभर के जायरीनों में हर एक मीना के तंबुओं के शहर से अराफात के मैदानों में जाता है। यहां हर कोई सूरज डूबने तक पूरा दिन इबादत में बिताता है। सूर्यास्त के बाद सभी तीर्थयात्री मुजदलिफा चले गए और वहां खुले में रात बिताकर रविवार सुबह वापस मीना लौट आएंगे। इस बार भारतीय हाजियों ने पहली बार जेद्दाह हवाई अड्डे से मक्का तक सीधे हाई-स्पीड ट्रेन का इस्तेमाल किया।

****

हाउती के रडार सिस्टम पर अमेरिका का प्रहार

▸ इनसे पता लगाकर जहाजों पर हमले करते थे विद्रोही

▸ हमास के समर्थन में 50 जहाजों पर हमले कर चुके हाउती

दुबई, एपी : अमेरिकी नौसेना ने शनिवार को यमन में हाउती विद्रोहियों के रडार सिस्टम पर प्रहार किया। इस सिस्टम के जरिये हाउती को लाल सागर से गुजरने वाले मालवाहक जहाजों का पता लग जाता था और इसके बाद वे उन पर मिसाइल या ड्रोन से हमला करते थे। अमेरिकी नौसेना ने यह कार्रवाई बुधवार को ग्रीस के जहाज पर हाउती के हमले के बाद की है। हाउती के हमले के बाद से जहाज का एक नाविक लापता है।

यमन के ईरान समर्थित हाउती विद्रोही बीते सात महीनों से गाजा में इजरायली हमले के विरोध में लाल सागर से गुजरने वाले मालवाहक जहाजों पर हमले कर रहे हैं। इन सात महीनों में हाउती ने 50 से ज्यादा जहाजों पर हमले किए हैं, एक जहाज को अगवा किया है और एक जहाज को डुबो दिया है। इन हमलों में तीन नाविकों की जान भी गई है। अमेरिकी नौसेना मित्र देशों के बलों के साथ मिलकर इन हमलों को रोक पाने में विफल रही है। अमेरिकी नौसेना के ताजा हमले में हाउती के सात रडार नष्ट हुए हैं। अमेरिकी नौसेना ने लाल सागर में बमों से लैस ड्रोन से लदी दो नौकाओं को भी डुबो दिया है। अमेरिकी नौसेना की सेंट्रल कमांड ने कहा है कि ग्रीस के जहाज के एक नाविक का अभी तक पता नहीं चला है। समुद्र में उसकी तलाश जारी है। लापता नाविक फिलीपींस मूल का है। जबकि बुधवार को हमले के बाद अमेरिकी युद्धपोत यूएसएस फिलीपीन सी और सहयोगी देशों के युद्धपोतों ने ग्रीस के जहाज के चालक दल के ज्यादातर सदस्यों को बचा लिया था।

पाकिस्तान में पुलिस ने अहमदी समुदाय की 17 कब्रों को क्षतिग्रस्त किया

लाहौर, प्रेट्र : पाकिस्तान में पुलिस ने शनिवार को पंजाब प्रांत में अल्पसंख्यक अहमदी समुदाय की 17 कब्रों को कथित तौर पर क्षतिग्रस्त कर दिया। यह इस सप्ताह की ऐसी दूसरी घटना है। यह लाहौर से लगभग 400 किलोमीटर दूर बहावलपुर में हुई। जमात-ए-अहमदिया पाकिस्तान के अनुसार, तहरीक-ए-लब्बैक (टीएलपी) पाकिस्तान के दबाव में पुलिस ने बहावलपुर जिले के बस्ती शुक्रानी में अहमदी समुदाय के कब्रिस्तान में कम से कम 17 कब्रों को अपवित्र कर दिया। टीएलपी कार्यकर्ता अहमदी समुदाय को धमकी दे रहे थे और पुलिस पर कब्रों को ध्वस्त करने का दबाव डाल रहे थे। जमात-ए-अहमदिया पाकिस्तान ने शनिवार को कहा कि चरमपंथियों की अवैध मांग को कानून लागू करने वालों के समर्थन के कारण वहां रहने वाला अहमदी समुदाय असुरक्षित महसूस कर रहा है। कब्रिस्तान की जमीन पंजाब सरकार द्वारा अहमदी समुदाय को आवंटित की गई थी।

आइसीसी टी20 विश्व कप
अमेरिका व वेस्टइंडीज 2024

ग्रुप ए					
टीम	मैच	जीते	हारे	टाई/रद	अंक
भारत	4	3	0	1	7
अमेरिका	4	2	1	1	5
कनाडा	4	1	2	1	3
पाकिस्तान	3	1	2	0	2
आयरलैंड	3	0	2	1	1

ग्रुप बी					
टीम	मैच	जीते	हारे	टाई/रद	अंक
आस्ट्रेलिया	3	3	0	0	6
स्काटलैंड	3	2	0	1	5
इंग्लैंड	3	1	1	1	3
नामीबिया	2	1	1	0	2
ओमान	4	0	4	0	0

ग्रुप सी					
टीम	मैच	जीते	हारे	टाई/रद	अंक
वेस्टइंडीज	3	3	0	0	6
अफगानिस्तान	3	3	0	0	6
न्यूजीलैंड	3	1	2	0	2
युगांडा	4	1	3	0	2
पीएनजी	3	0	3	0	0

ग्रुप डी					
टीम	मैच	जीते	हारे	टाई/रद	अंक
द.अफ्रीका	4	4	0	0	8
बांग्लादेश	3	2	1	0	4
नीदरलैंड्स	3	1	2	0	2
नेपाल	3	0	2	1	1
श्रीलंका	3	0	2	1	1

लगातार तीन मैच रद होने से सवालों में आइसीसी

गीली आउटफील्ड के कारण भारत-कनाडा मैच हुआ रद भारतीय टीम नाखुश, खेलना चाहती थी मैच

अभिषेक त्रिपाठी
फ्लोरिडा से

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आइसीसी) अमेरिका में टी-20 विश्व कप करवाने को लेकर अमादा था लेकिन उसने यहां पर जरूरी सुविधाओं पर ध्यान नहीं दिया जिसके कारण न्यूयार्क में ड्राप इन पिचों पर टीमों को जूझना पड़ा और यहां फ्लोरिडा में अब तक प्रस्तावित तीनों मैच रद हुए। 11 जून को नेपाल और श्रीलंका, 14 जून को अमेरिका और आयरलैंड व 15 जून को भारत और कनाडा का मैच यहां बिना गेंद खेले रद करना पड़ा। इसमें कोई शक नहीं कि यहां पर पिछले कुछ दिनों से काफी वर्षा हुई लेकिन शुक्रवार को खूब धूप निकली थी और सिर्फ आधे घंटे की वर्षा के कारण मैच नहीं हो सका था। शुक्रवार दोपहर से शनिवार की दोपहर तक वर्षा नहीं हुई लेकिन लाडरहिल मैदान में भारत और कनाडा मैच में एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी।

मैदानकर्मियों ने बड़े-बड़े हेयर ड्रायर से मैदान को सुखाने की कोशिश की लेकिन वे सफल नहीं हो सके क्योंकि यहां का ड्रेनेज सिस्टम बेकार है। रविवार को यहां आयरलैंड और पाकिस्तान के बीच मैच होना है और उसके भी रद होने की प्रबल संभावना है। चार मैच होने के बावजूद पूरे मैदान के लिए कवर नहीं था। सिर्फ पिच के स्कवायर के लिए ही यहां कवर रखा गया था जिसके कारण आउटफील्ड पूरी तरह से खराब हो गई और उसे सुखाया नहीं जा सका। जब भारतीय बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर से इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि इस बारे में मैं कुछ नहीं कह सकता लेकिन हम निराश हैं। हम इस मैच को खेलना चाहते हैं लेकिन क्या ही कहें।

इसके अलावा बारबाडोस में चार जून को स्काटलैंड और इंग्लैंड के बीच मैच भी वर्षा के कारण रद हुआ था। भारतीय टीम पहले ही आयरलैंड, पाकिस्तान और अमेरिका को हराकर सुपर-8 के लिए क्वालीफाई कर चुकी है। ग्रुप-ए से क्वालीफाई करने वाली दूसरी टीम अमेरिका है। कनाडा, आयरलैंड और पाकिस्तान विश्व कप से बाहर हो चुके हैं। हालांकि, पाकिस्तानी टीम को रविवार को इसी मैदान पर आयरलैंड से भिड़ना है, परंतु अब उस मैच का ग्रुप के परिणाम पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

लाडरहिल मैदान में गीली आउटफील्ड के कारण मैच रद होने के बाद एक-दूसरे से मिलते भारतीय और कनाडियन टीम के खिलाड़ी • प्रेट्र

जून के अंतिम सप्ताह में गंभीर के कोच बनने की हो सकती है घोषणा

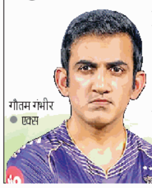

गौतम गंभीर • एक्स

विशेष संवाददाता • जागरण

फ्लोरिडा: पूर्व भारतीय खिलाड़ी गौतम गंभीर का भारतीय टीम का नया मुख्य कोच बनना तय हो गया है। गुरुवार को यह तय हो गया कि गंभीर ही कोच होंगे। उनके नाम की घोषणा इस सप्ताह के आखिर में होगी। बीसीसीआइ के एक सूत्र ने कहा कि गंभीर और हमारी बात हो चुकी है। वह राहुल द्रविड़ की जगह लेंगे। उनकी घोषणा की तिथि भारतीय टीम के विश्व कप के सफर पर तय होगी। गंभीर ने कहा है कि जो भी टीम इंडिया का सपोर्ट स्टाफ होगा उसे भी वही चुनेंगे। इस पर भी सहमति बन गई है। अभी विक्रम राठौर बल्लेबाजी कोच, पारस महांब्रे गेंदबाजी कोच और टी. दिलीप क्षेत्ररक्षण कोच हैं। रवि शास्त्री जब कोच थे तब संजय बांगर की जगह विक्रम बल्लेबाजी कोच बने थे। राहुल द्रविड़ जब कोच बने तब उन्होंने विक्रम को नहीं बदला था लेकिन पारस महांब्रे और दिलीप का चयन उनके कहने पर ही हुआ था। गौतम गंभीर के कोच बनने के बाद न केवल टीम इंडिया के सपोर्ट स्टाफ में बल्कि टीम में भी काफी बदलाव होंगे।

बड़ी उम्मीद लेकर पहुंची पाक टीम का अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन

क्रिकेट पिच पर काम नहीं आई सैन्य ट्रेनिंग

अभिषेक त्रिपाठी • जागरण

फ्लोरिडा: पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर भले ही फ्लोरिडा में वर्षा के कारण रद हुए अमेरिका और आयरलैंड के मैच पर विश्व कप से बाहर होने का ठीकरा फोड़ रहे हों, परंतु इससे यह सत्य नहीं बदलता कि पाक टीम अमेरिका से भी नहीं जीत सकी थी। अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन कर विश्व कप के पहले दौर में ही बाहर हुई पाकिस्तानी टीम ने विश्व कप से पहले देश की सेना के साथ ट्रेनिंग की थी। इस दौरान वे पहाड़ों पर दौड़ते और बंदूक चलाने का अभ्यास करते भी दिखे थे। तब भी यह सवाल उठा था कि इसका लाभ क्रिकेट मैदान पर कैसे मिलेगा यह पाकिस्तानी प्रबंधन ही जाने। अब जब टीम विश्व कप से बाहर हो चुकी है यह भी स्पष्ट हो चुका है कि सैन्य ट्रेनिंग क्रिकेट पिच पर काम नहीं आती।

गुटबाजी ने बढ़ाई समस्या: पाकिस्तानी टीम की इस निराशाजनक प्रदर्शन की वजह टीम के भीतर गुटबाजी भी रही। पाकिस्तानी सूत्र के अनुसार, 'वर्तमान टीम तीन गुट में बंटी थी। इनमें एक का नेतृत्व बाबर, दूसरे का शाहीन और तीसरे की अगुआई रिजवान कर रहे थे। ऐसे भी उदाहरण थे जहां कुछ खिलाड़ी एक-दूसरे से बात नहीं कर रहे थे और उनमें से कुछ ने टीम के तीनों खेमों की अगुआई कर रहे खिलाड़ियों को खुश करने की भी कोशिश की।'

आमिर-इमाद की वापसी का प्रयोग विफल : मोहम्मद आमिर और इमाद वसीम जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों की वापसी से टीम की स्थिति और खराब हो गई। लंबे समय के बाद इनकी वापसी से भ्रम की स्थिति बनी। कप्तान बाबर इनसे प्रदर्शन नहीं निकलवा सके। दोनों खिलाड़ियों ने फ्रेंचाइजी आधारित लीगों को छोड़कर लंबे समय से शीर्ष स्तर की घरेलू या अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला था। इसका खामियाजा टीम को अमेरिका और भारत के विरुद्ध मैच के दौरान उठाना पड़ा।

बंदूक चलाने का अभ्यास करते खिलाड़ी •

रस्सी चढ़ने का अभ्यास करते खिलाड़ी •

गिल को नहीं मिल रहा था अभ्यास

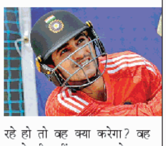

फ्लोरिडा: भारतीय टीम 25 और 28 मई को दो टुकड़ों में न्यूयार्क पहुंची थी। विराट कोहली इसके बाद आए थे। इसके बाद टीम ने वैकल्पिक और पूर्ण ट्रेनिंग सेशन मिलाकर कुल सात अभ्यास सत्र में भाग लिया जिसमें सबसे कम अभ्यास शुभमन गिल से कराया गया। तीन जून को नसाऊ काउंटी में हुए अभ्यास सत्र में गिल टीम बस में आए थे लेकिन कुछ ही देर में वह वापस चले गए। ऐसा कम होता है कि कोई खिलाड़ी टीम बस के साथ आए और तुरंत अकेला वापस चला जाए। जब मैंने टीम इंडिया के साथ चल रहे एक अधिकारी से पूछा तो उन्होंने कहा कि क्योंकि वह रिजर्व खिलाड़ी हैं और उनको अभ्यास नहीं मिलना इसलिए वह चले गए। उसके अगले दिन हुए वैकल्पिक अभ्यास सत्र में वह जरूर आए थे और बल्लेबाजी भी की थी।

टीम इंडिया न्यूयार्क के मैनहटन से करीब 50 किलोमीटर दूर नसाऊ काउंटी के एक होटल में रुकी थी क्योंकि वहीं पास में ही आइजनहवर पार्क में अस्थायी स्टेडियम और केंटीगे पार्क में अभ्यास की सुविधा बनाई गई थी। एक सूत्र ने कहा कि एक दिन गिल मैनहटन घूमने चले गए थे और भी कुछ बातें हुईं। हालांकि ये तीन जून को हुआ, ये मुझे नहीं पता है। अब अगर आप किसी को अभ्यास सत्र में भी मौका नहीं दे रहे हो तो वह क्या करेगा? वह घूमने भी नहीं जाए, अपने काम भी न करे? इससे पहले दक्षिण अफ्रीकी दौरे में विकेटकीपर इशान किशन के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ था।

अमेरिका और वेस्टइंडीज में हो रहे टी-20 विश्व कप में खेलने आई भारतीय टीम में 15 खिलाड़ियों के अलावा रिंकू सिंह, खलील अहमद, आवेश खान और गिल को रिजर्व खिलाड़ियों के तौर पर शामिल किया गया था। इसके बाद टीम इंडिया के जितने भी वैकल्पिक और पूर्ण अभ्यास सत्र हुए उसमें खलील और आवेश के साथ रिंकू को पूरा मौका दिया गया। इसके पीछे वजह ये है कि जो तेज गेंदबाज होते हैं उनको अभ्यास सत्र में जरूरत पड़ती है जबकि रिंकू मध्यक्रम में खेलते हैं। अगर शिवम दुबे असफल रहते हैं तो रिंकू की एंट्री मुख्य टीम में हो सकती है। जब बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर से इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि पहले से ही तय था कि अमेरिका लेग के बाद दो रिजर्व खिलाड़ियों को वापस भारत भेज दिया जाएगा।

एक नजर में

अफगानिस्तान के मुजीब टी-20 विश्व कप से बाहर

ग्रास आइलेट: अफगानिस्तान के आफ स्पिनर मुजीब उर रहमान उंगली की चोट के कारण टी-20 विश्व कप से बाहर हो गए हैं और उनकी जगह बल्लेबाज हजरतुल्लाह जजई को टीम में शामिल किया गया है। 23 वर्षीय मुजीब अफगानिस्तान की तरफ से टूर्नामेंट में केवल एक मैच खेल पाए थे। वह युगांडा के विरुद्ध पहले मैच में खेलने के बाद अगले दो मैच में नहीं खेले थे। (प्रेट्र)

ट्रेंट बोल्ट अंतिम बार टी20 विश्व कप में ले रहे भाग

तरुबा: न्यूजीलैंड के अनुभवी गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने कहा कि वर्तमान में चल रहे टी-20 विश्व कप उनका अंतिम वैश्विक टूर्नामेंट होगा। बोल्ट 2011 में पदार्पण करने के बाद से न्यूजीलैंड टीम के अहम सदस्य रहे हैं। उन्हें टी-20 विश्व कप, वनडे विश्व कप और टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल खेलने का अनुभव है। बोल्ट ने कहा, 'मैं अपनी बात करूं तो यह मेरा अंतिम टी-20 विश्व कप होगा।' (प्रेट्र)

वरिष्ठ खेल पत्रकार हरपाल सिंह बेदी का निधन

नई दिल्ली: लंबे समय से बीमार चल रहे देश के वरिष्ठ खेल पत्रकार हरपाल सिंह बेदी का शनिवार सुबह 72 वर्ष की आयु में निधन हो गया। चार दशक के करियर में उन्होंने भारतीय खेल में कई उतार-चढ़ाव देखा। बेदी को अपार ज्ञान के साथ मीडिया बाक्स को सम्मोहित करने के लिए जाना जाता था। वह यूएनआइ के पूर्व खेल संपादक भारतीय खेल पत्रकारिता के सर्वोच्च नामों में से एक थे और पिछले कुछ वर्षों से स्टेट्समैन अखबार के सलाहकार संपादक के रूप में कार्यरत थे। (प्रेट्र)

स्काटलैंड को हल्के में नहीं लेगी आस्ट्रेलियाई टीम

ग्रास आइलेट: लगातार तीन जीत से सुपर आठ में जगह पक्की कर चुका आस्ट्रेलिया टी-20 विश्व कप के ग्रुप चरण में स्काटलैंड के विरुद्ध अपने अंतिम मैच में किसी तरह की ढिलाई नहीं बरतेगा और जीत के साथ अगले चरण में कदम रखना चाहेगा।

जीत से अभियान का अंत करने उतरेगी पाक टीम: सुपर आठ की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुकी पाकिस्तान की टीम आयरलैंड के विरुद्ध जीत दर्ज करके टी-20 विश्व कप में अपने अभियान का सकारात्मक अंत करने की कोशिश करेगी। (प्रेट्र)

युगांडा पर जीत के साथ न्यूजीलैंड ने खोला खाता

तरुबा, प्रेट्र: टिम साउथी की अगुआई में गेंदबाजों के उत्कृष्ट प्रदर्शन से न्यूजीलैंड ने युगांडा को 88 गेंद शेष रहते हुए नौ विकेट से हराकर टी20 विश्व कप में अपनी पहली जीत दर्ज की। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए युगांडा को 18.4 ओवर में 40 रन पर आउट कर दिया। युगांडा की ओर से केनेथ वैसवा ने सर्वाधिक 11 रन बनाए। वह युगांडा की ओर से दोहरे अंक में पहुंचने वाले एकमात्र बल्लेबाज रहे। न्यूजीलैंड की ओर से तेज गेंदबाज साउथी ने चार रन देकर तीन विकेट लिए। उनके अलावा तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट (2/7), स्पिनर मिशेल सैंटनर (2/8) और रचिन रवींद्र (2/9) ने दो-दो विकेट लिए। न्यूजीलैंड ने 5.2 ओवर में एक विकेट पर 41 रन बनाकर जीत प्राप्त की। प्रारंभिक बल्लेबाज डेवोन कान्वे 15 गेंद पर चार चौकों की मदद से 22 रन बनाकर अविजित रहे। युगांडा की टीम विश्व कप में सबसे न्यूनतम स्कोर पर आउट होने के कगार पर थी। युगांडा ने पिछले सप्ताह ही वेस्टइंडीज के विरुद्ध 39 रन बनाए थे जो टी20 विश्व कप में किसी टीम का सबसे कम स्कोर है। इससे उसके और बड़ी टीमों के बीच का अंतर पता चलता है।

संक्षिप्त स्कोर

युगांडा: 40 (18.4 ओवर)
के वैसवा: 11, अकेलम: 9
साउथी: 3/4, बोल्ट: 2/7

न्यूजीलैंड 41/1 (5.2 ओवर)
कान्वे: 22, एलेन: 9
रियाजत: 1/10, कोसमस: 0/13

नेपाल ने छुड़ाए दक्षिण अफ्रीका के छक्के

किंग्सटाउन, एपी : टी-20 विश्व कप में अब तक कई उलटफेर हो चुके हैं। शनिवार को किंग्सटाउन में एक बार फिर उलटफेर की संभावना प्रबल हो गई थी, परंतु नेपाल की टीम इतिहास रचने से चूक गई। हालांकि, इसके बावजूद उन्होंने दक्षिण अफ्रीकी टीम के छक्के छुड़ा दिए।

दक्षिण अफ्रीका बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 115 रन ही बना पाई। उसकी ओर से रीजा ने सर्वाधिक 43 रन बनाए। नेपाल के कुशाल ने 19 रन देकर चार विकेट लिए। नेपाल को मैच की अंतिम गेंद पर जीत के लिए दो रन की आवश्यकता थी। अगर वह एक रन भी बना लेता तो मैच सुपर ओवर तक खिंच जाता, लेकिन किशोर खिलाड़ी गुलशन झा तेजी से रन चुराने के प्रयास में रन आउट हो गए। नेपाल सात विकेट पर 114 रन ही बना पाया।

नेपाल के खिलाड़ी निराश थे क्योंकि उन्होंने आइसीसी के पूर्णकालिक सदस्य के विरुद्ध 12 प्रयासों में पहली जीत दर्ज करने का सुनहरा अवसर गंवा दिया। नेपाल को एक समय 24 गेंद पर 22 रन की जरूरत थी। उसे अंतिम तीन ओवर में जीत के लिए 18 रन चाहिए थे, लेकिन उसने छह गेंद और एक रन के अंदर तीन विकेट गंवा दिए। इनमें से दो विकेट स्पिनर तबरेज शम्सी ने लिए। नेपाल को अंतिम ओवर में आठ रन चाहिए थे। बार्टमैन के इस ओवर में गुलशन पहली दो गेंद पर रन नहीं बना पाए। इसके बाद उन्होंने चौका लगाया। गुलशन ने फिर दौड़ कर दो रन लिए। पांचवीं गेंद पर कोई रन नहीं बन पाया और अगली गेंद पर गुलशन रन आउट हो गए।

मैच के दौरान तीसरे अंपायर के निर्णय का इंतजार करती दक्षिण अफ्रीका की टीम • एक्स

टी-20 विश्व कप में एक रन से जीत

मैच	स्थान	वर्ष
दक्षिण अफ्रीका vs न्यूजीलैंड	लाड्र्स	2009
न्यूजीलैंड vs पाकिस्तान	ब्रिजटाउन	2010
भारत vs दक्षिण अफ्रीका	कोलंबो	2012
भारत vs बांग्लादेश	बेंगलुरु	2016
जिंबाब्वे vs पाकिस्तान	पर्थ	2022
दक्षिण अफ्रीका vs नेपाल	किंग्सटाउन	2024

टी20 विश्व कप में न्यूनतम लक्ष्य का सफल बचाव

स्कोर	टीम	विरुद्ध	स्थान	वर्ष
114	दक्षिण अफ्रीका	बांग्लादेश	न्यूयार्क	2024
116	दक्षिण अफ्रीका	नेपाल	किंग्सटाउन	2024
120	श्रीलंका	न्यूजीलैंड	चट्टोग्राम	2014
120	भारत	पाकिस्तान	न्यूयार्क	2024
124	अफगानिस्तान	वेस्टइंडीज	नागपुर	2016

- अंतिम ओवर में एक रन से जीता दक्षिण अफ्रीका
- शम्सी ने झटके चार विकेट, बने प्लेयर आफ द मैच

स्कोर बोर्ड

दक्षिण अफ्रीका: 115/7 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
रीजा हेंड्रिक्स का. एंड बो. ऐरी	43	49	5/1
डिकाक का. एंड बो. ऐरी	10	11	1/0
मार्कराम बो. भुर्टेल	15	22	2/0
क्लासेन का. करन बो. भुर्टेल	03	05	0/0
मिलर का. लामिछाने बो. ऐरी	07	10	0/0
ट्रिस्टन स्टब्स अविजित	27	18	2/1
जेनसेन का. अनिल बो. भुर्टेल	01	04	0/0
रबादा स्टं. शेख बो. भुर्टेल	00	01	0/0

अतिरिक्त: 9 (लेबा-6, वा-3)
कुल: 20 ओवर में 7 विकेट पर 115 रन
विकेटपतन : 1-22 (डिकाक, 3.4), 2-68 (मार्करम, 11.2), 3-74 (क्लासेन, 13.2), 4-82 (हेंड्रिक्स, 15.3), 5-97 (मिलर, 17.3), 6-115 (जेनसेन, 19.5), 7-115 (रबाडा, 19.6)
गेंदबाजी: सोमपाल 2-1-6-0, ऐरी 4-0-21-3, करन केसी 1-0-9-0, कुशल मल्ला 2-0-17-0, लामिछाने 4-0-18-0, भुर्टेल 4-0-19-4, बोहरा 3-0-19-0

नेपाल: 114/7 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
भुर्टेल बो. तबरेज शम्सी	13	21	1/1
आसिफ बो. शम्सी	42	49	4/1
पौडेल बो. शम्सी	00	02	0/0
अनिल का. जेनसेन बो. मार्करम	27	24	3/1
ऐरी का. क्विंटन बो. शम्सी	06	11	0/0
मल्ला बो. नोर्त्जे	01	03	0/0
गुलशन रन आउट	06	06	1/0
सोमपाल अविजित	08	04	0/1

अतिरिक्त : 11 (बा-4, लेबा-3, वा-4)
कुल : 20 ओवर में सात विकेट पर 114 रन
विकेटपतन : 1-35 (भुर्टेल, 7.2), 2-35 (पौडेल, 7.4), 3-85 (अनिल, 13.4), 4-99 (ऐरी, 17.3), 5-100 (आसिफ, 17.6), 6-100 (मल्ला, 18.2), 7-11 (गुलशन, 19.6)
गेंदबाजी : जेनसेन 4-0-16-0, रबाडा 2-0-17-0, बार्टमैन 4-0-20-0, नोर्त्जे 4-0-27-1, शम्सी 4-0-19-4, मार्करम 2-0-8-1

5 बार सर्वाधिक दक्षिण अफ्रीकी टीम ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में एक रन से जीत प्राप्त की है, इंग्लैंड, भारत, न्यूजीलैंड, आयरलैंड और केन्या ने जीते हैं दो-दो मैच

पहले मैच में 5-1 से दर्ज की जीत, मुसियाला, विट्ज, हैवर्ट्ज, फुलक्रुग और कैन ने दागे गोल

घर पर जर्मनी की दमदार शुरुआत, स्काटलैंड को रौंदा

म्यूनिख, रायटर : मेजबान जर्मनी ने दूसरे हाफ में 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रही स्काटलैंड को अपने घर पर 5-1 से रौंदकर यूरो 2024 में अपने अभियान की दमदार शुरुआत की। इसके साथ ही मेजबान टीम ने विगत तीन दिग्गज टूर्नामेंट में खराब शुरुआत की रिकार्ड को भी पीछे छोड़ दिया। जर्मनी अपने चौथे यूरोपियन खिताब की तलाश में है। मैच के दौरान जर्मनी की ओर से पहले हाफ में फ्लोरियन विट्ज, जमाल मुसियाला और काई हैवर्ट्ज ने एक-एक गोल दागा। हैवर्ट्ज ने हाफ टाइम से पूर्व पेनाल्टी से गोल दागकर टीम की बढ़त को तीन गुणा किया। वहीं, स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में आए निकलस फुलक्रुग और एमरी कैन ने दूसरे हाफ में एक-एक गोल किए।

UEFA EURO2024 GERMANY

स्काटलैंड के डिफेंडर रेयान पोर्टियस ने हाफ टाइम से कुछ समय पूर्व ही डी के अंदर जर्मनी के कप्तान इल्काए गुंडोगन पर खतरनाक फाउल किया। इस पर उन्हें रेफरी ने रेड कार्ड दिखाकर बाहर कर दिया। इस फाउल पर मिली पेनाल्टी पर जर्मनी के फारवर्ड हैवर्ट्ज ने टीम के लिए तीसरा गोल दागा। वहीं, अंतिम क्षणों में जर्मनी के डिफेंडर एंटोनियो रुडिगर के आत्मघाती गोल से स्काटलैंड के खाते में एक गोल आया, परंतु फिर अंतिम मिनट पर एमरी कैन ने गोल दागकर चार गोल की बढ़त बरकरार रखी। कोच जूलियन नागल्समैन की टीम को अब बुधवार को हंगरी से भिड़ना है। वहीं, ग्रुप ए के अंतिम मैच में उन्हें स्विट्जरलैंड से भिड़ना है।

कप्तान गुंडोगन ने मैच के बाद कहा, 'हमने बहुत सही ऊर्जा के साथ मैच खेला और सही स्थान का प्रयोग किया इसके कारण हमें गोल दागने के अवसर मिले। पहला हाफ हमारा शानदार रहा। इसमें हमने 3-0 की बढ़त बना ली थी। हम इसी तरह की शुरुआत करना चाहते थे। मुझे मैच की शुरुआत होने से पहले ही सकारात्मक भावना आ रही थी और परिणाम हमारे पक्ष में रहा।'

स्विट्जरलैंड ने जीत के साथ शुरू किया अभियान

कोलोग्ने, रायटर : स्विट्जरलैंड ने यूरो 2024 में अपने अभियान की शुरुआत ग्रुप ए के मुकाबले में हंगरी के विरुद्ध 3-1 से जीत के साथ किया। टीम के लिए क्वाइवो दुआ, मिशेल एबिशर और ब्रील एंबोलो ने एक-एक गोल दागे। दूसरे हाफ में हंगरी की ओर से बरनाबास वर्गा ने एक गोल दागकर मैच में जान फूंकने की कोशिश की, परंतु स्टापेज टाइम में आए एंबोलो के गोल से टीम की उम्मीदों पर पानी फिर गया।

क्रोएशिया के अनुभव पर भारी पड़ा स्पेनिश 'टिकी-टाका'

बर्लिन, एपी : स्पेन की युवा ब्रिगेड ने अपनी विशेष 'टिकी-टाका' शैली से अनुभवी क्रोएशिया को 3-0 से रौंदकर यूरो कप के ग्रुप बी के अपने शुरुआती मैच में मजबूत दावेदारी पेश कर दी है। स्पेनिश टीम अपने रिकार्ड चौथे खिताब की तलाश में है। टीम के लिए फैबियन रूईज और अल्वारो मोर्टाटा ने तीन मिनट के भीतर दो गोल दागकर पहले ही हाफ में बढ़त को दोगुना कर दिया। इसके बाद डैनी कारवाहल ने 16 वर्षीय लमीन यमाल के शानदार क्रास पर गोल दागकर बढ़त को तिगुना कर दिया। यमाल इसके साथ ही यूरोपियन चैंपियनशिप में खेलने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। वहीं, दूसरी ओर विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने वाली क्रोएशियाई टीम ने वापसी का भरपूर प्रयास किया, परंतु वह गोल दागने में असक्षम रहे।

जमाल मुसियाला • रायटर

इंग्लैंड के सामने शुरुआती मुकाबले में सर्बियाई चुनौती

गेलसेनकिर्शेन, एपी : यूरोपियन चैंपियनशिप में इंग्लैंड की टीम रविवार को ग्रुप सी के मुकाबले में सर्बियाई चुनौती का सामना करेगी। 1966 विश्व कप के बाद से टीम ने अब तक कोई भी बड़ा टूर्नामेंट नहीं जीता है। कोच गैरेथ साउथगेट की अगुआई में टीम यह रिकार्ड जरूर तोड़ना चाहेगी।

पेनाल्टी शूटआउट को छोड़ दें तो इंग्लैंड की टीम विगत 18 मैचों में यूरोपियन चैंपियनशिप में नहीं हारी है। 2020 में इटली के सामने उन्हें वेंबली स्टेडियम में पेनाल्टी शूटआउट में हार का सामना करना पड़ा। टीम के युवा स्ट्राइकर जूड बेलिंघम पर सभी की नजरें होंगी जो इस टूर्नामेंट में पहली बार उतरेंगे।

चिर प्रतिद्वंद्वी स्लोवेनिया के विरुद्ध अभियान शुरू करेगा डेनमार्क: यूरो चैंपियनशिप के ग्रुप सी में डेनमार्क की टीम चिर प्रतिद्वंद्वी स्लोवेनिया के विरुद्ध रविवार को अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

पोलैंड vs नीदरलैंड्स	
शाम 6:30 बजे	स्थान: हैमबर्ग
स्लोवेनिया vs डेनमार्क	
रात 9:30 बजे	स्थान: स्टुटगार्ट
सर्बिया vs इंग्लैंड	
देर रात 12:30 बजे	स्थान: गेलसेनकिर्शेन

सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर

नीदरलैंड्स के सामने पोलैंड को खलेगी कप्तान की कमी

हैमबर्ग, रायटर: पोलैंड के स्टार स्ट्राइकर राबर्ट लेवानदोवस्की की कमी उनकी टीम को खलेगी जब रविवार को ग्रुप डी के मुकाबले में पोलिश टीम नीदरलैंड्स से भिड़ेगी। 2022 विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में अर्जेंटीना को दमदार टक्कर देने वाली नीदरलैंड्स की टीम के लिए यह अतिरिक्त लाभ है। रोबर्ट चोटिल हैं जिसके कारण वह शुरुआती मैच से बाहर हैं।

****

चुनाव परिणाम से साफ है दमन और प्रतिशोध की राजनीति अब नहीं चलेगी : पायलट

सप्ताह का साक्षात्कार

14 राज्य... 53 लोकसभा क्षेत्र... और 105 जनसभाएं...। राजस्थान के अतिरिक्त अपने प्रभार वाले राज्य छत्तीसगढ़ में प्रत्येक तीसरे दिन जनसभाएं। इस मेहनत का नतीजा भी सामने है कि पिछले दो लोकसभा चुनावों में लगातार राजस्थान की सभी 25 सीटों पर चुनाव हार रही कांग्रेस ने हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनाव में आठ सीटें हासिल कीं। कांग्रेस को मिली इस सफलता का प्रमुख रणनीतिकार कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट को माना जा रहा है। हालांकि, वह इसका पूरा श्रेय राजस्थान कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को देते हैं। इस सफलता से उत्साहित सचिन ने आगे की अपनी रणनीति स्पष्ट करते हुए कहा कि अब दमन और प्रतिशोध की राजनीति नहीं चलेगी। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ लंबे समय से चली आ रही वर्चस्व की लड़ाई ने कहीं न कहीं उनकी छवि को भी धूमिल किया था, लेकिन वह दाग मिटते नजर आ रहे हैं। बीते शुक्रवार को उन्होंने लंदन की आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में भाजपा की कमजोरी व इंडिया गठबंधन की सफलता का ब्योरा पेश करते हुए इस बात के संकेत दिए कि आने वाले समय में वह कांग्रेस के उन चंद चेहरों में शामिल रहेंगे, जो आने वाले पांच सालों में अहम भूमिक निभाएंगे। आम जनता से जुड़े मुददों को लेकर कांग्रेस के नेता व कार्यकर्ता किस तरह से आंदोलन करेंगे और मौका मिलते ही कैसे लोगों आवाज उठाएंगे, इसकी रूपरेखा तैयार है। दैनिक जागरण राजस्थान के राज्य संवाददाता नरेंद्र शर्मा की सचिन पायलट से विभिन्न मुददों पर हुई बातचीत के अंश :

● राज्य में सत्ता होते हुए भी भाजपा की 25 में से 11 लोकसभा सीटों पर हार के आप क्या कारण मानते हैं?

– मतदाताओं ने एनडीए सरकार के खिलाफ वोट दिया है। भाजपा की डबल इंजन की सरकार फेल हो गई। मतदाताओं को एनडीए की दस साल की सरकार और भाजपा की असलियत का पता चला है। प्रदेश में भाजपा की सरकार बने करीब छह महीने हो गए, लेकिन आम लोगों को राहत देने का कोई प्रयास नहीं किया गया। इस बात से मतदाताओं में नाराजगी थी। कांग्रेस ने एकजुट होकर चुनाव लड़ा। प्रत्याशियों का चयन बेहतर ढंग से किया। लोकसभा चुनाव का शुद्ध रूप से आकलन करेंगे तो यह वोट सरकार के खिलाफ पड़े हैं। सरकार ने आर्थिक दृष्टि से सिर्फ चंद लोगों को फायदा पहुंचाने का काम किया। यह बात मतदाताओं के समझ में आ गई। मतदाताओं को पता है कि कांग्रेस जब भी सत्ता में रही समाज के हर वर्ग के बारे में सोचा और काम किया।

● 25 में से 11 लोकसभा सीटों पर हार को क्या राज्य में भाजपा सरकार की लोकप्रियता कम होना माना जाना चाहिए?

– यह बात सही है कि राज्य में भाजपा की सरकार लोकप्रिय नहीं है। जिन मुददों को लेकर भाजपा राज्य की सत्ता में आई थी, उन पर कोई काम नहीं किया गया। आम जनता के हितों के विपरित काम किया जा रहा है। भाजपा के नेताओं की आपसी गुटबाजी और खींचतान का असर राज्य सरकार के कामकाज पर साफ नजर आ रहा है। अधिकारी सरकार चला रहे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की ब्यूरोक्रेसी पर पकड़ नहीं है। भाजपा सरकार छह महीने में ही अलोकप्रिय हो गई है।

● आप राज्य की भाजपा सरकार को किन-किन मोर्चों पर असफल मानते हैं?

– राज्य सरकार हर मोर्चे पर असफल हुई है। कोई भी एक मोर्चा ऐसा नहीं है, जिस पर भाजपा सरकार को सफल माना जा सके। गर्मी में लोगों को मांग के अनुसार पानी और बिजली नहीं मिल रही है। लोग पानी और बिजली के लिए परेशान हो रहे हैं। किसान और युवा परेशान हैं। पुरानी जनहित की योजनाओं पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। सरकार में कोई काम नहीं हो रहा है।

● लोकसभा चुनाव में मिले जनादेश को आप पूरे देश के लिहाज से किस तरह से देखते हैं?

– लोकसभा चुनाव में एनडीए को खंडित जनादेश मिला है। किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। अब पिछले दस सालों की तरह सरकार की मनमानी नहीं चलेगी। संसद में अब पहले जैसा व्यवहार नहीं चलेगा। लोकसभा चुनाव से यह स्पष्ट संदेश गया है कि दमन और प्रतिशोध की राजनीति अब नहीं चलेगी। जिस तरह से 147 सांसदों को एक साथ निलंबित किया गया था, उस कार्रवाई को लोगों ने पसंद नहीं किया। दो-दो निर्वाचित मुख्यमंत्रियों को जेल में डाला गया था। कांग्रेस के नेताओं को प्रताड़ित किया गया था। इस बार जनता ने आदेश दिया है कि घमंड व अहंकार को त्यागकर आगे बढ़ना है। भाजपा 303 सांसदों के साथ चुनाव में गई थी और दावा किया था कि 400 सीट लेकर आएंगे, लेकिन जब नतीजे आए तो भाजपा के सांसद कम हो गए। गठबंधन का आंकड़ा कम हुआ है। भाजपा की भाषण, प्रचार और प्रोपेगंडा की राजनीति फेल हो गई।

● राजस्थान में कांग्रेस की आठ सीटों पर जीत के आप क्या कारण मानते हैं। जीत का श्रेय आप किसको देना चाहेंगे?

– जीत का श्रेय कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को है। अगर कार्यकर्ता कड़ी धूप में मेहनत नहीं करते तो हम जीत नहीं पाते। नेता और कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर मतदाताओं तक अपनी बात पहुंचाई। केंद्र व राज्य सरकार की विफलताओं और दमनकारी नीतियों की जानकारी मतदाताओं तक पहुंचाई। मतदाताओं का कांग्रेस को जीत दिलाने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। कांग्रेस हमेशा सकारात्मक राजनीति करती है। यह बात मतदाताओं को पता है।

● भाजपा हमेशा डबल इंजन की सरकार की बात करती है। आपको क्या लगता है लोकसभा चुनाव में राजस्थान में भाजपा को डबल इंजन की सरकार के नारे का लाभ नहीं मिला?

– भाजपा की डबल इंजन की सरकार फेल हो गई। भाजपा का डबल इंजन राजस्थान, हरियाणा व उत्तरप्रदेश में फेल हो गया। भाजपा की डबल इंजन की सरकार को किसान, युवाओं व आम जनता ने साफ संदेश दिया कि डबल इंजन केवल नारा है। भाजपा सरकार ने कोई काम नहीं किया है। कांग्रेस ही देश और प्रदेश का विकास कर सकती है, यह बात आम जनता को पता है। जनादेश एनडीए गठबंधन के खिलाफ आया है। भाजपा जिन नीतियों व शब्दों के साथ चुनाव में गई, उसको लोगों ने पसंद नहीं किया।

● सुना है कि पायलट सरनेम के पीछे बहुत ही रोचक कहानी है? और इसका चुनाव से संबंध है...क्या यह सही है?

– जी बिल्कुल। मेरे पिता उप्र के नोएडा के पास वैदपुरा गांव के रहने वाले थे। उनका असली नाम राजेश्वर प्रसाद बिधुड़ी था। वह वायुसेना में पायलट थे। उन्होंने 1971 में भारत-पाकिस्तान के युद्ध में भी हिस्सा लिया था। वर्ष 1980 की बात है। राजीव गांधी के कहने पर वह राजस्थान के भरतपुर पहुंचे। दिल्ली से पार्टी कार्यकर्ताओं को ये संदेश पहुंचा था कि कोई पायलट यहां चुनाव लड़ने आ रहा है। वह वहां पहुंचे तो कार्यकर्ताओं को लगा कि यह वो पायलट नहीं है, जिसके बारे में दिल्ली से हमें संदेश मिला था। मेरे पिता ने फोन पर राजीव गांधी से बात की। उन्होंने सुझाव दिया कि कचहरी जाकर तुरंत अपना नाम बदल दो। नाम बदलने के बाद शाम को उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक ली। चुनाव नजदीक था, इसलिए तय हुआ कि रातोंरात भरतपुर शहर की हर दीवार पर कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में उनका नाम यानी 'राजेश पायलट' लिखा जाएगा। बस वह दिन था... वह हमेशा के लिए राजेश पायलट हो गए। सबको अपना उपनाम पैतृक रूप से मिलता है, लेकिन हमें पार्टी ने मिली है।

● लोकसभा चुनाव में दस साल बाद भाजपा को 11 सीटों पर हराने के बाद कांग्रेस की राज्य में आगामी कार्ययोजना क्या रहेगी। अब कांग्रेस की आगामी रणनीति क्या होगी?

– कांग्रेस पूरे प्रदेश में सक्रिय रहेगी। आम जनता से जुड़े मुददों को लेकर कांग्रेस के नेता व कार्यकर्ता संघर्ष करेंगे, आंदोलन करेंगे। जहां अवसर मिलेगा,वहां आम लोगों की आवाज उठाएंगे। आम लोगों को हर तरह से राहत मिल सके, इसका प्रयास किया जाएगा। पार्टी पहले से मजबूत है। अब अधिक मजबूत किया जाएगा। पंचायत और स्थानीय निकाय चुनाव में भी कांग्रेस की बढ़त बने, इसके लिए रणनीति बनाकर काम किया जाएगा।

● राजस्थान कांग्रेस में गुटबाजी और नेताओं की आपसी खींचतान की बात समय-समय पर उठती रहती है। आपको लगता है कि वास्तव में कांग्रेस में गुटबाजी है?

– कांग्रेस के नेता व कार्यकर्ता पूरी तरह से एकजुट हैं। कांग्रेस में कोई खींचतान नहीं है। सब एकजुट हैं, तब ही 11 सीटों पर भाजपा को हराया है। कई सीटें तो ऐसी हैं, जिन पर भाजपा के प्रत्याशी मुश्किल से चुनाव जीते हैं। गुटबाजी तो भाजपा में है। भाजपा के नेता अलग-अलग खेमों में बंटे हुए हैं। भाजपा हवा में बातें करती है। कांग्रेस जमीन पर काम करती है।

● लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद आप एनडीए और इंडिया गठबंधन के लिए क्या कहेंगे?

– चुनाव में कांग्रेस पार्टी और इंडिया गठबंधन को जनता का भरपूर आशीर्वाद मिला है। न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कानून बनाने, अग्निपथ योजना को खत्म करने, बेरोजगारी व महंगाई जैसे मुददों को लेकर हमने पूरे चुनाव पर फोकस किया। भाजपा का प्रचार मंदिर-मस्जिद, हिंदू-मुसलमान, मंगलसूत्र पर रहा। इन बातों को लोगों ने स्वीकार नहीं किया। इनकी सरकार ने विपक्ष के प्रति जो रवैया अपनाया वह ठीक नहीं माना जा सकता है। विपक्ष के बैंक खातों को सीज करना व सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग यह सब जनता समझ चुकी है। भाजपा को आत्मचिंतन करने की आवश्यकता है। मैं जनता का कायल हूं। तमाम बाधाओं, दबाव व प्रलोभन के बावजूद हमारे कार्यकर्ताओं ने हिम्मत नहीं हारी।

● लोकसभा चुनाव परिणाम को देश व राज्य के संदर्भ में किस तरह से देखा जाना चाहिए?

– कांग्रेस और आइएनडीआइए को अपार जनसमर्थन मिला है। कांग्रेस का प्रदर्शन राजस्थान में बेहतर रहा है। पिछले चुनाव में हम एक भी सीट नहीं जीत सके थे। इस बार भाजपा को 11 सीटों पर पराजित कर पाए हैं। यह सबकी सामूहिक मेहनत का परिणाम है। अच्छे प्रत्याशियों का चयन हुआ। कांग्रेस का चुनाव घोषणा-पत्र, चुनाव अभियान, कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की पदयात्रा, राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और महासचिव प्रियंका गांधी ने पूरे देश में जो प्रचार किया उसका लाभ पार्टी को मिला है। आइएनडीआइए गठबंधन को उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र हर जगह सफलता मिली है।

● राजस्थान में आइएनडीआइए में शामिल होकर नागौर सीट से चुनाव जीतने वाले राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के अध्यक्ष हनुमान बेनीवाल ने गठबंधन की बैठक में नहीं बुलाने पर नाराजगी जताई है?

– सब लोग जो गठबंधन में थे, वे अब भी गठबंधन में ही हैं। आने वाले समय में इस गठबंधन में अन्य कई और दल भी शामिल होंगे। सब एकजुट होकर सरकार के खिलाफ संघर्ष करेंगे। आने वाले चुनावों में भाजपा को हराएंगे।

बचपन से शेरदिल हैं पूजा

गोल्डन पंच

हाल ही में अल्टीमेट फाइटिंग चैंपियनशिप (यूएफसी) में जीत हासिल करने वाली देश की पहली महिला मिक्स्ड मार्शल आर्ट फाइटर बनी हैं उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर के बुढ़ाना तहसील की 29 वर्षीया पूजा तोमर। पहली बार इस तरह की प्रतियोगिता में भाग लेने वाली पूजा ने अमेरिका के लुईसविले शहर में ब्राजील की रेयान ड्रास सैंटोस को हराकर जीत का सेहरा अपने सिर पर पहना है। एक दिन पूजा इतिहास रचेंगी इसका भान स्वजन को उनके बचपन में ही हो गया था।

आनंद प्रकाश ● जागरण

15 मिनट तक चले तेज-तर्रार मुकाबले के बाद पूजा ने प्रतिद्वंदी रेयान डास सैंटोस को परास्त किया

2013 से भारत में यूएफसी की शुरुआत हुई है। महिलाओं ने इसमें भाग लेना शुरू किया

मुजफ्फरनगर : पूजा तोमर महज छह साल की थीं, जब एक हादसे में उनके पिता की मौत हो गई। ऐसे में उनकी दो बड़ी बहनों और मां का जीवन मानो दोराहे पर आ गया। इस घटना से सब स्तब्ध और दुखी थे और यह सोच रहे थे कि अब परिवार का क्या होगा, मगर नन्हीं पूजा के दिमाग में कुछ और ही चल रहा था साथ ही अंदर ही अंदर एक हिम्मत पल रही थी, क्योंकि वह पिता के निधन पर रोई तक नहीं थीं। वह मां से रोज कहती थीं, चिंता मत करो, मैं तुम्हारा बेटा हूं...। नन्हीं पूजा का यह साहस आज उन्हें ऐसे मुकाम पर ले आया है, जो हर किसी को नहीं मिल पाता है।

पूजा ने हाल ही में अमेरिका में अल्टीमेट फाइटिंग चैंपियनशिप जीतकर न सिर्फ अपने परिवार, बल्कि देश का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि को हासिल करने वाली वह पहली भारतीय महिला बन गई हैं। कांटे के मुकाबले में पूजा ने ब्राजील की खिलाड़ी को पराजित कर अमेरिका में तिरंगे की शान को बढ़ाया। पूजा की मां बबीता तोमर कहती हैं कि वह बचपन से ही बहुत साहसी थी। स्कूल जाते समय कोई लड़का उसे परेशान नहीं कर सकता था। एक बार पूजा की मौसेरी बहन को एक लड़के ने टाफी दे दी थी तो पूजा ने उसको बहुत पीटा था। शुरू से पूजा मेरे साथ कृषि कार्यों में हाथ बंटाती थी और फसल कटाई से लेकर भैंसा-बुग्गी तक चलाकर लाती थी।

क्रांतिकारी वंश से हैं पूजा : प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के नायक बाबा शाहमल के वंशज लाइडा बागपत जिले के गांव बिजरौल के हैं। लाइडा के भाई लहुआ की वंशावली में पूजा के दादा करताराम हैं। पूजा के ताऊ कृष्णपाल तोमर बताते हैं कि हम बाबा शाहमल के ही वंशज हैं। मेरे पिता करताराम लगभग 50 साल पहले परिवार समेत बुढ़ाना आ गए थे। परिवार में कृष्णपाल तोमर के अलावा उनके भाई ओमपाल तोमर, स्वर्गीय रामकुमार तोमर (पूजा के पिता) और चाचा सतबीर तोमर हैं। पूजा के अलावा उनकी बड़ी बहन अंजली और अनु का जन्म बुढ़ाना में ही हुआ। पूजा की मां बबीता का मायका मुजफ्फरनगर के कस्बा भोकरहेड़ी में है।

बुढ़ाना में हुई प्रारंभिक शिक्षा : पूजा की मां बबीता कहती हैं कि पूजा की प्रारंभिक शिक्षा बुढ़ाना के राष्ट्रीय इंटर कालेज से हुई है। बाद में उसने डीएवी डिग्री कालेज, बुढ़ाना से बतौर प्राइवेट छात्रा के तौर पर बीए किया है। करीब 10 वर्ष पहले वह मेरे साथ दिल्ली आ गई थी। वर्तमान में हमारा निवास दिल्ली के द्वारका क्षेत्र में है।

सरकार से अपेक्षा

पूजा का कहना है कि मिक्स मार्शल आर्ट समेत ऐसे कई खेल हैं, जिन्हें हमारे यहां सरकार की तरफ से प्रोत्साहन नहीं मिल रहा है। अगर इन खेलों के खिलाड़ियों को भी सुविधाएं मिलें तो और बेहतर परिणाम सामने आएंगे। देश में प्रतिभा की कमी नहीं है। बीते कुछ सालों में देश के खिलाड़ियों ने अपनी मेहनत से यह साबित भी कर दिखाया है, खासकर महिला खिलाड़ियों ने तो काफी बेहतरीन प्रदर्शन किया है। थोड़ी सी मदद और मिल जाए तो और प्रतिभाएं सामने आ सकेंगी।

अभिनेता टाइगर श्राफ की मां आयशा से बहुत सहयोग मिला

पूजा कहती हैं कि बचपन से छोटी-छोटी बातों को लेकर मैं यह सुनती आ रही हूं कि तुम लड़की हो... लड़का नहीं। इस बात पर मुझे बहुत गुस्सा आता था। फिर वुशू खेलना शुरू किया, लेकिन उसमें पूरा खुल के नहीं खेल सकी। हालांकि राष्ट्रीय स्तर तक मैंने कई पदक जीते। जब दिल्ली पहुंची तो पता चला कि मिक्स मार्शल आर्ट (एमएमए) में कोई नियम नहीं होता है। इसमें खुल के मार सकते हैं। मैंने इस खेल को चुना। मैंने जब दिल्ली में एक फाइट जीती तो वहां मौजूद अभिनेता टाइगर श्राफ की मां आयशा बहुत प्रभावित हुईं और उन्होंने मुझे बहुत सहयोग किया।

कभी हिम्मत नहीं हारी

मां बबीता कहती हैं कि पिता के निधन के समय अंजलि 10 वर्ष की और अनु साढ़े आठ साल की थीं। मैंने पढ़ाई-लिखाई बिल्कुल नहीं की है। अखबार के जरिये मैंने हिंदी पढ़ना और अपना नाम लिखना सीख लिया है, लेकिन बेटियों को खूब पढ़ाया। अंजली को नर्सिंग का कोर्स कराया। वह काफी समय तक लंदन में बतौर नर्स नौकरी की। अनु ने एमबीबीएस के बाद राममनोहर लोहिया और सफदरजंग अस्पताल में काम किया। अब एमडी की तैयारी कर रही हैं।

मां बबीता। स्वयं

टक्कर कांटे की थी

पूजा कहती हैं कि यह मैच मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण था, क्योंकि मैं कई माह से इसकी तैयारी कर रही थी। इसके साथ ही मन-मस्तिष्क में चल रहा था कि मुझे देश की खातिर जीतना ही है। इसके लिए मैंने इंडोनेशियाई कोच माइक से विशेष ट्रेनिंग भी ली थी। अबकी बार का मैच कांटे का था। एक बार को मुझे महसूस हुआ कि ब्राजील की खिलाड़ी हावी हो सकती है, लेकिन मेरे दिमाग में यह बात स्पष्ट थी कि इस फाइट को जीतकर मुझे अपने देश का नाम रोशन करना है। बस इसी लक्ष्य को ध्यान में रखकर मैं लड़ी और जीत गई। मेरी चाहत है कि मैं आगे भी प्रतियोगिताएं जीतकर अपना और देश का नाम स्वर्णिम अक्षरों में अंकित करवाऊं।

पिता के सपने के लिए 'मिल्खा' बन हमीरपुर के सौरभ ने बढ़ाया गौरव

2 स्वर्ण पदक विश्व पैरा एथलीट ग्रां प्री में जीते

गर्व भरे पल

जीत के बाद पिता की आंखों में छलकती खुशी को देखने के लिए आंखों की जरूरत नहीं होती है, मन का अहसास ही काफी है। तभी तो हमीरपुर जिले के रोपा गांव के दृष्टिबाधित धावक ने स्विट्जरलैंड में लहराया परचम, तो सात समंदर पार बैठकर ही यह महसूस कर लिया कि आज उसके पिता कितना गर्व महसूस कर रहे होंगे। आइए, जनते हैं इस युवा खिलाड़ी के बारे में :

रणवीर ठाकुर ● जागरण

हमीरपुर : हमीरपुर जिला के सुजानपुर विधानसभा क्षेत्र की ख्याह पंचायत के रोपा गांव निवासी भारतीय धावक सौरभ शर्मा ने स्विट्जरलैंड में हिमाचल प्रदेश व देश का नाम चमकाया है। स्विट्जरलैंड की नाटविल सिटी में छह से नौ जून तक आयोजित हुई विश्व पैरा एथलीट ग्रां प्री में दो स्वर्ण पदक जीतकर पिता का सपना साकार किया है। 19 वर्षीय सौरभ शर्मा 75 प्रतिशत दिव्यांग (लोबिजन) हैं। उनके पिता प्रदीप कुमार शर्मा बेटे को आगामी पैरा एशियन व पैरालिंपिक खेलों में देश के लिए सोना जीतते हुए देखना चाहते हैं। इस दृष्टि दिव्यांग धावक ने टी-12 वर्ग में 155 मीटर और 5000 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीते हैं।

बेटे में हैं अच्छाई, सच्चाई व ईमानदारी के गुण : पिता प्रदीप कुमार बताते हैं कि बेटे में अच्छाई, सच्चाई व ईमानदारी के गुण हैं। बचपन से ही खेलों के प्रति रुझान रहा है। राजकीय प्राथमिक पाठशाला नादौन से पांचवीं तक की पढ़ाई की। उसके बाद सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के सहयोग से राष्ट्रीय दृष्टि विकलांग संस्थान देहरादून भेज दिया। इस दौरान वह कोच नरेश सिंह नयाल के संपर्क में आए। लगातार छह साल अभ्यास के बाद उन्होंने जिलास्तरीय व राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में भाग लिया।

बेंगलुरु से शुरू हुआ स्वर्णिम सफर : सौरभ शर्मा ने राष्ट्रीयस्तर पर बेंगलुरु में 2021 में 5000 मीटर दौड़ में पहला स्वर्ण पदक हासिल किया। गोवा में दूसरी बार राष्ट्रीयस्तर पर स्वर्ण पदक प्राप्त किया। खेलो इंडिया जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में कांस्य व रजत पदक हासिल किया। गुजरात में भी स्वर्ण पदक पाया। पिता का सपना है कि वह 2025-2026 में जूनियर व सीनियर तथा वर्ष 2028 में पैरालिंपिक खेलों में देश के लिए सोना जीतकर हिमाचल का नाम रोशन करे। सौरभ के भाई विकास शर्मा विकास शर्मा दिल्ली से बीए की पढ़ाई करके रक्षा मंत्रालय में नौकरी कर रहे हैं। सौरभ शर्मा राष्ट्रीय दृष्टि विकलांग संस्थान (एनआइवीएच) देहरादून, उत्तराखंड से जेबीटी की पढ़ाई कर रहे हैं। पिता प्रदीप कुमार मिल्क चिलिंग सेंटर नादौन जिला हमीरपुर के प्रभारी हैं।

माता-पिता व कोच को दिया सफलता का श्रेय : सौरभ ने इस उपलब्धि और इसके पीछे जुड़ी मेहनत का श्रेय पिता प्रदीप कुमार शर्मा व माता अल्पना शर्मा को दिया है। साथ ही कोच नरेश सिंह नयाल, हिमाचल प्रदेश पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन के महासचिव एवं भारतीय पैरालिंपिक कमेटी के संयुक्त सचिव ललित ठाकुर को श्रेय दिया।

कोई नेता-मंत्री मदद को आगे नहीं आया

मैंने माता-पिता का सपना पूरा किया और आगे भी करूंगा। आज तक मेरे खेल का खर्च पिता ही उठा रहे हैं, जिसकी वजह से मैं अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी बना हूं। सरकार से अपेक्षा है कि इस तरह के लोबिजन (दिव्यांगता वाले) खिलाड़ियों को हर स्तर पर सुविधा मुहैया करवाई जाए। स्पाइक शूज, अभ्यास करने के लिए जूते, किट, पानी की बोतल व सरकारी तौर पर दी जाने पाली डाइट मनी। इस संघर्ष में दिव्यांगता ही सबसे बड़ी चुनौती है। खेद का विषय है कि अभी तक किसी नेता या मंत्री ने कोई मदद नहीं की है।

कोच ने किया प्रेरित

सौरभ शर्मा को कोच नरेश सिंह नयाल ने खेल के प्रति प्रेरित किया। सौरभ शर्मा दृष्टि दिव्यांग होने के कारण कभी जीवन में मायूस नहीं हुए। पिता ने उन्हें हौसले व आर्थिक तौर पर मजबूत किया, जिसकी वजह से आज वह एक राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर का खिलाड़ी बना।

गलती बताकर दुनिया भर में छाए मयंक, हाल आफ फेम से हुए सम्मानित

चर्चा में

बिहार के भागलपुर के मयंक ने फोन-पे को बिना ओटीपी के लाग-इन कर आगाह किया कि उनके साफ्टवेयर में कितनी बड़ी गड़बड़ी है। साइबर हैकर्स इसका फायदा उठा सकते है। इस पर एप कंपनी ने उन्हें हाल आफ फेम से सम्मानित किया। जानिए, इस युवा एथिकल हैकर के बारे में :

अभिषेक प्रकाश ● जागरण

भागलपुर : बिहार के भागलपुर के 20 वर्षीय मयंक ने फोन-पे पेमेंट साइट को बिना ओटीपी के बायपास करते हुए सफलतापूर्वक लाग इन कर लिया। इसके बाद फोन-पे को रिपोर्ट किया। मंयक के दावों की जांच के बाद फोन-पे ने उसे अपने हाल आफ फेम में शामिल कर लिया। मयंक ने बताया कि शुक्रवार की दोपहर वह फोन-पे चला रहे थे। उसी समय उन्होंने अपने साफ्टवेयर तकनीक के माध्यम से फोन-पे में बग (बड़ी गलती) ढूंढ निकाली। इसके बाद इसकी सूचना फोन-पे को वेबसाइट के माध्यम से दी। उन्होंने बताया कि यह एथिकल हैकिंग का एक हिस्सा है। अब उस समस्या को फोन-पे दूर करेगा, ताकि कोई और इसका गलत उपयोग न कर सके। वहीं फोन-पे ने रिपोर्ट करने के बाद मयंक को हाल आफ फेम में शामिल करते हुए लिखा कि फोन-पे के स्वामित्व वाले ऐप उत्पादों या सेवाओं में सुरक्षा कमजोरियों को खोजने और जिम्मेदारी से बताने करने के लिए फोन पे ऐसे लोगों लोगों को धन्यवाद देता है। हम फोन-पे की सुरक्षा के प्रति उनके योगदान और प्रयासों के लिए आभारी हैं। वहीं मयंक से पहले इस सूची में 10 लोग पहले से शामिल हैं। मयंक ने कहा कि मैं अभी कलिंगा यूनिवर्सिटी से बैचलर आफ कंप्यूटर एप्लीकेशन में स्नातक कर रहा हूं। उन्होंने बताया कि मेरा सपना एथिकल हैकिंग में आगे बढ़ना है। साथ ही साइबर सुरक्षा से जुड़े टूल बनाकर देश की सेवा करना चाहता हूं।

एथिकल हैकर मयंक। फाइल

नासा को भी दी थी सूचना

इससे पहले मयंक ने बीते साल गूगल में बग खोज निकाला था, जिसमें उन्होंने एक ऐसी स्क्रिप्ट तैयार की थी, जिसकी मदद से किसी को भी मेल भेजा सकता था। इसके बाद उन्होंने इसकी सूचना गूगल को दी थी। गूगल ने उन्हें कैश प्राइज, लैपटाप और आइफोन भेंट कर सम्मानित किया था। साथ ही साथ नासा में काम करने वाले लोगों का डाटा को लीक किया जा सकता है। इसकी भी सूचना उन्होंने नासा को दी थी। जिसके बाद नासा ने विशेषज्ञों की सूची में उन्हें शामिल किया था। उनके सुझावों पर नियमित गौर करते हैं।

****

राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 16 जून, 2024
आजकल
14
www.jagran.com

अंतरिक्ष की यात्रा करने वाली पहली महिला बनीं टेरेश्कोवा

1963 में आज ही के दिन रूस की वेलेंटीना टेरेश्कोवा अंतरिक्ष की यात्रा करने वाली पहली महिला बनी थीं। उन्होंने रूसी अंतरिक्ष यान वोस्तोक-6 से तीन दिन में 48 बार पृथ्वी की परिक्रमा की थी। 1961 में रूस के ही यूरी गागरीन अंतरिक्ष में जाने वाले प्रथम व्यक्ति बने थे।

पूर्ण तंबाकू प्रतिबंध लागू करने वाला पहला देश बना भूटान

2010 में आज ही भूटान देशव्यापी पूर्ण तंबाकू प्रतिबंध लागू करने वाला पहला देश बना था। भूटान ने तम्बाकू उत्पादों की खेती, कटाई और बिक्री पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया था। यहां निजी स्थान पर धूमपान किया जा सकता है लेकिन तंबाकू उत्पादों को कानूनी रूप से प्राप्त करना लगभग असंभव है।

श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर देते हैं हेमंत कुमार के गीत

है अपना दिल तो आवारा, बेकरार करके हमें यूं न जाइए, इंसाफ की डगर पे जैसे गीत गाने वाले गायक व संगीतकार हेमंत कुमार मुखोपाध्याय का जन्म 1920 में आज ही वाराणसी में हुआ था। 1944 में पहली बार हिंदी फिल्म इरादा में गायन का अवसर मिला। 1951 में आनंदमठ फिल्म से बतौर संगीत निर्देशक अपनी शुरुआत की। उनके द्वारा संगीतबद्ध 'मन डोले मेरा तन डोले' गीत आज भी श्रोताओं में लोकप्रिय है। साहिब बीबी और गुलाम, बीस साल बाद जैसी कई हिंदी व बांग्ला फिल्मों में संगीत दिया।

45 डिग्री पारा, 'काशी बारामासी' पालक की उपज से हारा

मुकेश चंद्र श्रीवास्तव ● जागरण

- वाराणसी के भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान ने विकसित की पालक की नई किस्म
- केंद्रीय बीज समिति की ओर से मिली हरी झंडी, 40-45 डिग्री पारा सहने की है शक्ति

वाराणसी : भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान (आइआइवीआर) ने पालक की एक ऐसी किस्म विकसित की है जिसे जब चाहे बो सकते हैं। इसमें खास बात है कि बोने के मात्र 25-30 दिन बाद ही इसकी उपज ले सकते हैं। इसको 'काशी बारामासी' का नाम दिया गया है। इसमें 40-45 डिग्री सेल्सियस तापमान सहने की भी अनोखी शक्ति है। इसे विगत माह केंद्रीय बीज समिति की ओर से हरी झंडी भी मिल चुकी है।

काशी बारामासी पालक की एक महत्वपूर्ण, साल भर खेती योग्य और उच्च उपज देने वाली उन्नत किस्म है। इसे क्रमशः 2023 और 2024 में संस्तुत एवं अधिसूचित भी किया गया है।

पूरे वर्ष ठंड, वसंत, ग्रीष्म, बरसात और शरद ऋतु खेती के लिए इसे उपयुक्त पाया गया है। बेमौसम पालक की खेती के लिए काशी बारामासी सर्वोत्तम प्रजाति मानी गई है। संस्थान के निदेशक डा. तुषार कांति बेहेरा ने बताया कि संस्थान ने अब तक 128 से अधिक सब्जी किस्मों का विकास किया है। अभी हाल ही में 28 नई किस्मों को भारत सरकार के गजट के माध्यम से अधिसूचित किया गया है। इसमें 'काशी बारामासी' पालक की प्रजाति भी शामिल है।

संस्थान के विज्ञानी डा. बीके सिंह बताते हैं कि काशी बारामासी पालक पर लगभग सात-आठ साल से अनुसंधान चल रहा था।

पालक की दो बार कटिंग होती है। इस नई किस्म की सीजन में पांच-छह व बिना सीजन के दो-चार बार कटिंग हो जाती है। एक हेक्टेयर में इस पालक की बोआई के लिए 8-10 किलो बीज का उपयोग किया जाता है।

यह है विशेषता : काशी बारामासी पालक की पत्तियां आकर्षक, चिकनी, हरी, चमकदार तथा एक समान किनारे वाली हैं। काशी बारामासी उच्च गर्मी और आर्द्र स्थितियों को सहन करने, व्यापक अनुकूलन क्षमता के कारण पूरे वर्ष (ठंड, वसंत, ग्रीष्म, बरसात और शरद ऋतु) खेती के लिए उपयुक्त है। इसे बोने के 25-30 दिन बाद प्रथम कटाई की जा सकती है तथा फसल चक्र के लिए यह सर्वोत्तम है।

यहां मिल मिल रहा बीज

डा. बीके सिंह ने बताया कि काशी बारामासी बीज संस्थान में मिल रहा है। औरंगाबाद, की कंपनी एलोरा सीड ने बीज बिक्री का लाइसेंस प्राप्त किया है। इस कंपनी द्वारा प्रजाति के बीज उत्पादन एवं मार्केटिंग किया जा रहा है।

आइआइवीआर में विकसित 'काशी बारामासी' पालक दिखाता किसान।

ये तत्व हैं काशी बारामासी में

यह एस्कार्बिक एसिड (65-75 मिलीग्राम/100) का अच्छा स्रोत है। साथ ही इसमें 15-16 प्रतिशत शुष्क पदार्थ है। काशी बारामासी उच्च विपणन योग्य उपज देने वाली प्रजाति है।

कब कितनी उपज

- अगस्त से नवंबर तक बोने पर 500-900 क्विंटल/हेक्टेयर (40-65 प्रतिशत अधिक)।
- दिसंबर से फरवरी की बोने पर 120-170 क्विंटल/हेक्टेयर (35-160 प्रतिशत अधिक)।
- मार्च से जुलाई की बोआई पर 180-235 क्विंटल/हेक्टेयर (65-95 प्रतिशत अधिक)।

उपवास से इम्यून सिस्टम को कैंसर से लड़ने में मिलती है मदद

- अमेरिका में इसे लेकर कैंसर से पीड़ित चूहों पर किया गय अध्ययन

नई दिल्ली, आइएएनएस : उपवास के असंख्य लाभ हैं। अब शोधकर्ताओं की एक टीम ने दावा किया है कि यह प्राकृतिक हत्यारी कोशिकाओं के मेटाबोलिज्म को भी पुनः प्रोग्राम कर सकता है, जिससे उन्हें ट्यूमर के अंदर और आसपास के कठोर वातावरण में जीवित रहने में मदद मिलती है। साथ ही उनकी कैंसर से लड़ने की क्षमता में भी सुधार होता है।

न्यूयार्क में मेमोरियल स्लोन केटरिंग कैंसर सेंटर (एमएसके) के शोधकर्ताओं द्वारा चूहों पर किए गए नए अध्ययन से पता चलत है कि उपवास शरीर को कैंसर से बचाव करने में मदद कर सकता है, जिससे कैंसर कोशिकाओं को बढ़ने के लिए पोषक तत्वों की कमी हो जाती है। अध्ययन के वरिष्ठ लेखक जोसेफ सन के अनुसार कि ट्यूमर भूखे होते हैं। वे आवश्यक पोषक तत्वों को लेते हैं, जिससे प्रतिकूल वातावरण बनता है जो अक्सर लिपिड से भरपूर होता है जो अधिकांश इम्यून कोशिकाओं के लिए हानिकारक होता है। उन्होंने कहा कि उपवास इन प्राकृतिक हत्यारी कोशिकाओं (एक प्रकार की श्वेत रक्त कोशिका) को दमनकारी वातावरण में बेहतर तरीके से जीवित रहने के लिए पुनः प्रोग्राम बनाती है। अध्ययन के लिए कैंसर से पीड़ित चूहों को सप्ताह में दो बार 24 घंटे तक भूखा रखा गया और फिर उपवास के बीच में उन्हें स्वतंत्र रूप से खाने की अनुमति दी गई। रेबेका डेलकांटे के अनुसार, मनुष्यों की तरह चूहों में ग्लूकोज के स्तर में गिरावट और मुक्त फैटी एसिड में वृद्धि देखी गई, जो वसा कोशिकाओं द्वारा स्रावित लिपिड होते हैं, जो अन्य पोषक तत्वों की अनुपस्थिति में ऊर्जा स्रोत के रूप में काम करते हैं।

शैवाल बढ़ने से गंगा-यमुना में घटी आक्सीजन

शैवाल की वृद्धि के लिए जिम्मेदार फास्फेट की मात्रा यमुना में 115 गुना व गंगा में 26 गुना अधिक

आक्सीजन की कमी से जलीय जीवों पर संकट, यमुना में आगरा, मथुरा व प्रयागराज से लिया सैंपल

मृत्युंजय मिश्र ● जागरण

वाराणसी में गंगा जल। फाइल

बिना शोधन के सीवर नदियों में बहाने के कारण नाइट्रेट और फास्फेट की मात्रा बढ़ी है, जो नदी के इको सिस्टम के लिए खतरनाक है। ऐसे में नदियों को बचाने के लिए ज्यादा से ज्यादा एसटीपी लगाने होंगे।
– डा. उमेश कुमार सिंह, समन्वयक, पर्यावरण विज्ञान केंद्र इलाहाबाद विश्वविद्यालय

प्रयागराज : गंगा और यमुना में बढ़ते प्रदूषण के कारण इनकी जैव विविधता और पर्यावरणीय व्यवहार्यता को गंभीर रूप से खतरा पहुंचा रहा है। नाइट्रेट और फास्फेट की मात्रा बढ़ने की वजह से दोनों नदियों में आक्सीजन की मात्रा मानक से काफी कम हो गई है। गंगा की तुलना में यमुना की हालत ज्यादा खराब है। इससे जलीय जीवों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। कम आक्सीजन के कारण जलीय जीवों की मौत और नदी डेथ जोन बनने का खतरा भी बढ़ा है। दोनों नदियों की यह हकीकत इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान केंद्र के विज्ञानियों और शोधार्थियों के अध्ययन में सामने आई है। यह शोध अंतराष्ट्रीय जर्नल वाटर सप्लाई में प्रकाशित हुआ है।

दोनों नदियों में पोषक तत्व भार, यूट्रोफिकेशन के खतरे का पता लगाने के लिए इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान केंद्र की शोध छात्रा कृति वर्मा ने शोध सुपरवाइजर डा. पवन कुमार झा के निर्देशन शोध शुरू किया। गंगा नदी के लिए कानपुर, प्रयागराज और वाराणसी से तथा यमुना नदी के लिए आगरा, मथुरा और प्रयागराज में गर्मी के दिनों में 36 स्थानों से पानी के नमूने लिए गए। अध्ययन में सामने आया कि यमुना में फास्फेट की मात्रा 115 गुना और गंगा में 26 गुना अधिक है। नाइट्रेट की मात्रा गंगा में मानक से कम रही पर यमुना में बढ़ी रही। गंगा में जहां यूट्रोफिक स्थितियां पाई गई तो यमुना में सुपर यूट्रोफिक स्थितियां बन गई हैं।

आक्सीजन की कमी में गंगा से ज्यादा बदहाल है यमुना : शोधार्थी वर्मा के अनुसार घुलित आक्सीजन की मात्रा छह मिलीग्राम प्रति लीटर से कम नहीं होनी चाहिये पर यह गंगा में 3.6 से 5.2 और यमुना में 3.7 से 4.7 मिलीग्राम प्रति लीटर ही मिली है। शैवाल वृद्धि के लिए जिम्मेदार फास्फेट की मात्रा अधिकतम 0.01 मिलीग्राम (एमजी) प्रति लीटर से अधिक नहीं होनी चाहिए पर यह गंगा में यह 0.02 से लेकर 0.26 तथा यमुना में 0.55 से लेकर 1.15 एमजी है। वहीं नाइट्रेट की मात्रा 45 एमजी से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। गंगा में यह 13.6 से 29.8 एमजी और यमुना में 30.68 से 61.29 एमजी प्रति लीटर पाई गई है।

नाइट्रेट-फास्फेट की अधिक मात्रा से यमुना सर्वाधिक खतरे में : नाइट्रेट और फास्फेट एल्गी (शैवाल) की वृद्धि के लिए जिम्मेदार है। इनकी जितनी ज्यादा मात्रा, उतनी ही तेजी से शैवाल की वृद्धि होगी। यूट्रोफिक और सुपर यूट्रोफिक स्थितियां शैवाल की मात्रा पर निर्भर होती है। शैवाल पानी में मौजूद पोषक तत्वों को उपभोग कर लेते हैं। इनके आवरण की वजह से पानी में आक्सीजन नहीं घुल पाती है और पानी के अंदर धूप रूक जाती है। इससे पानी के अंदर के पौधे नहीं पनप पाते हैं। यह पौधे मछलियों के छुपने और भोजन का एक स्रोत भी है।

अमेरिका में तेजी से बढ़ रहा जलसंकट

अमेरिका अब तक के सबसे भीषण जल संकट के मुहाने पर खड़ा है। इसकी प्रमुख वजह है यूटा और एरिजोना में कोलोराडो नदी पर स्थित जलाशय सूखे की मार झेल रहा है और यहां का जलस्तर लगभग 61 प्रतिशत तक गिर चुका है। यह देश का दूसरा सबसे बड़ा जलाशय है, जिसमें 23 मिलियन एकड़ फीट से अधिक जल समा सकता है, लेकिन फिलहाल इसमें लगभग 39 प्रतिशत पानी ही बचा है। पानी की अत्यधिक खपत और सूखे की गंभीर होती स्थिति की वजह से दक्षिण-पश्चिम अमेरिका में पानी का संकट तेजी से बढ़ रहा है। एएफपी

इधर-उधर की

अमेरिका का केविन बना दुनिया का सबसे ऊंचा कुत्ता

वाशिंगटन, एजेंसी : अमेरिका में केविन नाम के कुत्ते ने दुनिया के सबसे ऊंचे कुत्ते के रूप में गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड अपने नाम किया है। ग्रेट डेन नस्ल के केविन की ऊंचाई तीन फीट, दो इंच है। गिनीज के अनुसार पिछले रिकार्ड धारक ग्रेट डेन नस्ल के ही जीउस की मृत्यु के बाद यह खिताब केविन को दिया गया। जीउस की लंबाई तीन फीट, 5.18 इंच मापी गई थी। केविन की मालकिन ट्रेसी वोल्फ ने बताया कि विशाल दिखने वाला केविन वास्तव में बेहद डरपोक है। वहकिसी अंजान व्यक्ति या वस्तु को अपने छह फीट के दायरे में नहीं आने देता। उसे मापने के लिए भी अतिरिक्त समय लगा क्योंकि वह मापने वाले टेप से भी डर रहा था।

तीन फीट, दो इंच है ग्रेट डेन नस्ल के केविन की ऊंचाई। इंटरनेट मीडिया

बढ़ते तापमान व माइग्रेन पीड़ितों के सिरदर्द के बीच संबंधों का पता चला

अनुसंधान

उत्तर भारत में पड़ रही प्रचंड गर्मी से हाल बेहाल है। इंसान हो या जानवर सभी परेशान हैं। इस बीच विज्ञानियों ने बढ़ते तापमान और माइग्रेन पीड़ितों के सिरदर्द के बीच संबंधों का पता लगाया है। इसमें कहा गया है कि तापमान बढ़ने पर माइग्रेन अटैक का खतरा बढ़ जाता है।

यह अध्ययन अमेरिका के यूनिवर्सिटी आफ सिनसिनाटी से जुड़े हेडेक एंड फेशियल पेन सेंटर के शोधकर्ताओं ने किया है। सेंटर के निदेशक विनसेंट मार्टिन कहा कि इस अध्ययन में यह भी जानने की कोशिश की गई कि फ्रेमेनजुमैब दवा का उपयोग क्या उच्च तापमान के कारण होने वाले सिरदर्द को रोक सकता है।

फ्रेमनेजुमैब को त्वचा के नीचे इंजेक्शन द्वारा दिया जाता है और यह मोनोक्लोनल एंटीबाडी के एक सेट का हिस्सा है। मोनोक्लोनल एंटीबाडी लैब में बनाए गए प्रोटीन होते हैं। शोधकर्ताओं ने करीब 664 माइग्रेन से पीड़ित लोगों के स्वास्थ्य का अध्ययन किया। इसमें पाया गया कि 0.12 डिग्री सेल्सियस तापमान में वृद्धि होने पर सिरदर्द का खतरा छह प्रतिशत तक बढ़ जाता है।

हालांकि, यह भी देखा गया कि जब फ्रेमेनजुमैब लिया जा रहा था उस समय यह पूरी तरह से अनुपस्थित था। एक अन्य शोधकर्ता फ्रेड कोहेन ने कहा कि यह अपने तरह का पहला अध्ययन है। इसमें पता चलता है कि माइग्रेन के लिए प्रयोग की जाने वाली थेरेपी, जो कैल्सीटोनिन जीन-संबंधित पेप्टाइड (सीजीआरपी) को ब्लाक करने में सक्षम हैं, मौसम से जुड़े सिरदर्द का इलाज कर सकती है। तापमान बढ़ने के साथ माइग्रेन की संभावना होती है। सीजीआरपी 37 एमिनो एसिड न्यूरोपेप्टाइड है, जिसकी खोज 30 वर्ष पहले की गई थी। यह कैल्सीटोनिन जीन के वैकल्पिक आरएनए प्रसंस्करण के परिणामस्वरूप उत्पन्न होते हैं। (आइएएनएस)

युद्धपोत पर योगाभ्यास

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले शनिवार को भारतीय नौसेना के स्वार्ड आर्म के पश्चिमी बेड़े के जवानों ने युद्धपोत पर योगाभ्यास कि या। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर 27 सितंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी। इस दिन दुनियाभर में योग के लाभों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए योगाभ्यास किया जाता है। इस वर्ष की थीम है महिला सशक्तिकरण के लिए योग। प्रेट्र

स्क्रीन शाट

तारीफों में निकल आए आदित्य के पिता के जज्बात

फिर से कैमरे के सामने स्याह भूमिकाएं निभाना चाहते हैं आदित्य। इस्टाग्राम (@adityaseal)

स्टूडेंट आफ द ईयर 2 और इंदु की जवानी फिल्मों के अभिनेता आदित्य सील के पिता रवि सील स्वयं सिनेमा जगत में आना चाहते थे। उन्होंने एक गढ़वाली फिल्म का निर्माण एवं उसमें अभिनय भी किया था। हालांकि, जब वह स्वयं सिनेमा जगत में स्थापित नहीं हो पाए, तो उन्होंने अपने बेटे के माध्यम से अपना वह सपना पूरा किया। ऐसे में आदित्य के लिए उनके दिवंगत पिता से तारीफें मिलना बहुत महत्वपूर्ण था। दैनिक जागरण से बातचीत में आदित्य बताते हैं, 'मेरे दो प्रोजेक्ट देखने के बाद डैड बहुत खुश हुए थे। पहला था तुम बिन 2। मुझे याद है फिल्म अच्छी बनी थी, लेकिन उस समय नोटबंदी हो गई थी तो फिल्म कुछ खास कर नहीं पाई थी। उस फिल्म में डैड को मेरा परफार्मेंस बहुत अच्छा लगा था। उन्होंने मुझसे कहा कि फिल्म का कुछ भी परिणाम हो, लेकिन इसमें आपका काम शानदार है, जो कर रहे हो उसमें लगे रहना। पहली बार मुझे अपने डैड से तारीफ मिली थी। फिर स्टूडेंट आफ द ईयर 2 के बाद उन्होंने मुझे गले लगाकार मेरी पीठ थपथपाई थी, वह मेरे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि थी। वह ज्यादा बोलते भी नहीं थे, लेकिन उनकी गतिविधियों से पता चल जाता था। ऐसे में उनका यह करना मेरे लिए सबसे बड़ी प्रशंसा थी। डैड अपने काम पर बहुत ज्यादा ध्यान देते थे। उनके लिए काम सबसे पहले आता था और बाकी सारी चीजें बाद में। उनकी मुझसे बस यही शिकायत होती थी कि मैं उनकी तरह काम पर अपना पूरा ध्यान नहीं दे पाता हूं।' आदित्य आगामी दिनों में अक्षय कुमार के साथ फिल्म खेल खेल में नजर आएंगे।

पिता के भरोसे से मिली शुभांगी अत्रे को सपने पूरे करने में मदद

जब सपने पूरे करने की राह में अपनों का साथ मिल जाता है, तो राह की मुश्किल काफी आसान हो जाती है। जब वह साथ पिता के मजबूत कंधों का हो, तो आत्मविश्वास भी कई गुना बढ़ जाता है। धारावाहिक भाबीजी घर पर हैं की अभिनेत्री शुभांगी अत्रे के लिए सपनों की राह कुछ ऐसी ही रही। शुभांगी कहती हैं, 'ऐसे कई पल हैं, जब मेरे पिता ने मुझे खास होने का अहसास कराया। मैं एक छोटे शहर से हूं, जब मैंने एक्टर बनने का सपना देखा, तब सभी को मेरे इस सपने के पूरे होने पर संदेह था। हालांकि, मेरे पिता ने मुझ पर भरोसा किया और सपना पूरा करने में मेरी मदद की। हम सिर्फ बहनें हैं और पिताजी ने हमेशा हमें अपने सपने साकार करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने दिखाया कि बच्चों की जिंदगी को सही दिशा देने में माता-पिता की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण होती है। मैं पिताजी से मिली सीख अपनी बेटी को भी देती हूं। जब बोर्ड परीक्षाओं में मेरे अच्छे अंक आए थे और पहली बार जब मैं स्क्रीन पर आई थी, यह दो ऐसे पल थे जब मैंने पिताजी की आंखों में अपने लिए गर्व देखा था। अपने काम के लिए उनके समर्पण और परिवार के लिए उनकी अटूट प्रतिबद्धता को देखकर ही मैंने जिम्मेदारियों और प्यार के सही मायने को समझा है। मेरे लिए वह सिर्फ पिता ही नहीं हैं, बल्कि मेरे हीरो और आदर्श भी हैं।'

पिता से मिली सीख अपनी बेटी को भी सिखाती हैं शुभांगी। टीम शुभांगी

जब बेटे को गोली लगते देख भर आई थी आयुष के पिता की आंखें

हमारे समाज में भावनाओं की प्रवाह में पिता का बहना बहुत कम ही देखा जाता है। हालांकि, कुछ मौके होते हैं, जहां पिता भी अपनी भावनाओं पर नियंत्रण नहीं कर पाते हैं। अभिनेता आयुष शर्मा के पिता अनिल शर्मा हिमाचल प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। अपने पिता से जुड़ी भावनाओं को लेकर दैनिक जागरण से बातचीत में आयुष बताते हैं, 'पापा अंतिम : द फाइनल ट्रुथ फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान आए थे। उस समय उन्हें फिल्म की कहानी नहीं पता थी। फिल्म का ट्रेलर देखकर उन्होंने कहा कि तुमने ये क्या मवाली का रोल कर लिया। तुम्हारे लिए ये गुंडागर्दी वाली फिल्में अच्छी नहीं हैं। मुझे याद है मुंबई में फिल्म का प्रीमियर रखा गया था, वह भी वहां आए थे। पहले तो मैं उनसे दूर बैठा था, लेकिन फिल्म के क्लाइमेक्स तक धीरे-धीरे उनके पास आ गया। मैंने देखा कि उनकी आंखों से आंसू गिर रहे थे। फिल्म खत्म हुई और सिनेमाघरों की लाइटें चालू हुईं तो मैं उनके सामने ही खड़ा था। मुझे देखते ही उन्होंने मुझे सीने से लगा लिया, उन्हें लगा कि जैसे मुझे सच में गोली लग गई हो। उस समय मैंने पहली बार अपने पिताजी को रोते हुए देखा था। उसके बाद जब पीछे से लोगों ने तालियां बजाईं, तो उनका दिल फिर से भर आया। अब तो पिता जी मुझे जब भी देखते हैं तो यही कहते हैं कि बाप नेता बेटा अभिनेता।'

अब एक्शन से अलग कुछ फिल्मों की खोज में हैं आयुष। इस्टाग्राम (@aaysharma)

पिता बनने के बाद बढ़ गया विवान भटेना का धैर्य

पिता सिर्फ एक रिश्ता नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी और भावनाओं का अटूट जुड़ाव भी है। सूर्यवंशी और ब्लडी डैडी फिल्मों के अभिनेता विवान भटेना सोनी लिव पर प्रसारित हो रही वेब सीरीज रायसिंघानी वर्सेज रायसिंघानी में ईशान तलवार की भूमिका निभा रहे हैं। साल 2019 में एक बेटी का पिता बनने के बाद उन्होंने अपने अंदर काफी बदलाव देखा। उन बदलावों के बारे में दैनिक जागरण से बातचीत में विवान बताते हैं, 'अब मेरे घर में दो महिलाएं हैं, मेरी पत्नी और मेरी बेटी। दोनों के प्रति मेरी जिम्मेदारियां कभी खत्म नहीं होती है। पहले मुझमें धैर्य की कमी थी। पिता बनने के बाद मेरे अंदर धैर्य बढ़ रहा है। अब मेरे अंदर पहले से 50 प्रतिशत ज्यादा धैर्य और इस बात की समझ आ गई है कि जिंदगी के किन पड़ावों से कैसे गुजरना है। मुझे अब पता चला कि एक बच्चे के साथ जीवन का सामना करना, अकेले जीने से बिल्कुल ही अलग होता है। पिता बनने के बाद आपकी बोलचाल, प्राथमिकताओं समेत कई चीजों में बदलाव आ जाता है। पहले जो समय आप सिर्फ अपने को देते थे, पिता बनने के बाद वही समय बच्चे के साथ बांटने लगते हैं। बेटियों को तो वैसे भी पिता के करीब माना जाता है। इस साक्षात्कार के दौरान बेटी मुझसे चार सवाल पूछ चुकी हैं कि आप क्या कर रहे हैं? किससे बातें कर रहे हैं? मुझे हर सवाल का जवाब देना पड़ता है।'

लेखन में भी दिलचस्पी रखते हैं विवान। (@vivanbhathena_official)

****